



जहदा गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
मभारे, मोरङ, कोशी प्रदेश

आवधिक योजना  
(२०८०/८१-२०८४/८५)

अन्तिम प्रतिवेदन

## विषयसूची

परिच्छेद - १: भूमिका	१
१.१ पृष्ठभूमि	१
१.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य	२
१.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू	२
१.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू	१४
१.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया	१५
परिच्छेद - २ गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समिक्षा	१७
२.१ गाउँपालिकाको परिचय	१७
२.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना	१७
२.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा	१९
२.१.३ जनसांख्यिक अवस्था	१९
२.२ आर्थिक विकास अवस्था	२०
२.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	२०
२.२.२ पर्यटन तथा साँस्कृति	२१
२.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति	२१
२.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तिय सेवा	२२
२.२.५ सहकारी	२२
२.३ सामाजिक विकासको अवस्था	२३
२.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण	२३
२.३.२ शैक्षिक विकास	२३
२.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई	२४
२.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण	२४
२.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला	२४
२.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था	२५
२.४.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण	२५
२.४.२ सडक, पुल तथा यातायात	२५
२.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा	२६
२.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि	२६
२.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था	२६
२.५.१ वन तथा जैविक विविधता	२६
२.५.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	२६
२.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	२७
२.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन	२७
२.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था	२७
२.६.१ स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन	२७
२.६.२ स्रोत परिचालन	२७

२.६.३ योजना व्यवस्थापन	२७
<b>परिच्छेद - ३: सोच तथा विकासको अवधारणा</b>	<b>२८</b>
३.१ पृष्ठभूमि	२८
३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती	२८
३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर	२८
३.४ निर्देशक सिद्धान्त	२९
३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य	२९
३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य	३०
३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता	३१
३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँट	३२
३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण	३४
३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँट	३४
३.८.३ विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँटको विस्तृत विवरण	३५
३.८.४ बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन	३७
<b>३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors)</b>	<b>३७</b>
३.९.१ कृषिक्षेत्र (कृषि ग्राम)	३७
३.९.२ वनजंगल र जलस्रोत	३७
३.९.३ पर्यटन	३७
३.९.४ स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू	३८
<b>३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू</b>	<b>३८</b>
३.१०.१ ठूला शहरसँगको सन्निकटता	३८
३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू	३८
३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता	३८
३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश	३८
<b>परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र</b>	<b>३९</b>
<b>४.१ कृषि तथा पशुपन्छी</b>	<b>३९</b>
(अ) कृषि	३९
पृष्ठभूमि	३९
समस्या तथा चुनौती	३९
सम्भावना तथा अवसर	४०
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	४१
(आ) पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन	४६
पृष्ठभूमि	४६
समस्या तथा चुनौती	४६
सम्भावना तथा अवसर	४७
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	४७
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	५७
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	६१

<b>४.२ सिंचाई</b>	<b>६२</b>
पृष्ठभूमि	६२
समस्या तथा चुनौती	६२
सम्भावना तथा अवसर	६२
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	६२
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	६६
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	६६
<b>४.३ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा</b>	<b>६७</b>
(अ) पर्यटन	६७
पृष्ठभूमि	६७
समस्या तथा चुनौती	६७
सम्भावना तथा अवसर	६७
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	६८
आपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	७४
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	७६
(आ) संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य	७६
पृष्ठभूमि	७६
समस्या तथा चुनौती	७७
सम्भावना तथा अवसर	७७
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	७८
<b>४.४ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति</b>	<b>८३</b>
(अ) उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय	८३
पृष्ठभूमि	८३
समस्या तथा चुनौती	८३
सम्भावना तथा अवसर	८३
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	८४
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	९०
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	९२
(आ) सहकारी	९२
पृष्ठभूमि	९२
समस्या तथा चुनौती	९२
सम्भावना तथा अवसर	९३
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	९३
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	९५
(इ) बैंक तथा वित्तीय क्षेत्र	९७
पृष्ठभूमि	९७
समस्या तथा चुनौती	९७
सम्भावना तथा अवसर	९७

	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	९७
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	९९
<b>४.५</b>	<b>श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा</b>	<b>१०१</b>
(अ)	श्रम तथा रोजगारी	१०१
	पृष्ठभूमि	१०१
	समस्या तथा चुनौती	१०१
	सम्भावना तथा अवसर	१०१
	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१०२
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१०५
	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१०७
(आ)	सामाजिक सुरक्षा	१०८
	पृष्ठभूमि	१०८
	समस्या तथा चुनौती	१०८
	सम्भावना तथा अवसर	१०८
	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१०८
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१०९
<b>परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र</b>		<b>१११</b>
<b>५.१</b>	<b>स्वास्थ्य तथा पोषण</b>	<b>१११</b>
	पृष्ठभूमि	१११
	समस्या तथा चुनौती	१११
	सम्भावना तथा अवसर	११२
	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	११२
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१२०
	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१२३
<b>५.२</b>	<b>शिक्षा विज्ञान तथा नवप्रवर्तन</b>	<b>१२३</b>
	पृष्ठभूमि	१२३
	समस्या तथा चुनौती	१२४
	सम्भावना तथा अवसर	१२४
	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१२५
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१३५
	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१३८
<b>५.३</b>	<b>खानेपानी तथा सरसफाई</b>	<b>१३९</b>
	पृष्ठभूमि	१३९
	समस्या तथा चुनौती	१३९
	सम्भावना तथा अवसर	१४०
	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१४०
	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१४४
	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१४५

<b>५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग</b>	<b>१४७</b>
(अ) लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण	१४७
पृष्ठभूमि	१४७
समस्या तथा चुनौती	१४७
सम्भावना तथा अवसर	१४८
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१४८
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१५७
(आ) बालबालिका तथा किशोरकिशोरी	१६१
पृष्ठभूमि	१६१
समस्या तथा चुनौती	१६२
सम्भावना तथा अवसर	१६२
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१६२
अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	१६५
<b>५.५ युवा तथा खेलकुद</b>	<b>१६७</b>
पृष्ठभूमि	१६७
समस्या तथा चुनौती	१६७
सम्भावना तथा अवसर	१६८
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१६८
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१७२
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१७३
<b>५.६ शान्ति सुरक्षा</b>	<b>१७४</b>
पृष्ठभूमि	१७४
समस्या तथा चुनौती	१७४
सम्भावना तथा अवसर	१७४
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१७४
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१७६
<b>५.७ शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन</b>	<b>१७८</b>
पृष्ठभूमि	१७८
समस्या तथा चुनौती	१७८
सम्भावना तथा अवसर	१७८
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१७८
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१८०
<b>५.८ गरीबी निवारण</b>	<b>१८१</b>
पृष्ठभूमि	१८१
समस्या तथा चुनौती	१८१
सम्भावना तथा अवसर	१८१
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१८२
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१८५

<b>परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास</b>	<b>१८७</b>
<b>६.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण</b>	<b>१८७</b>
पृष्ठभूमि	१८७
समस्या तथा चुनौती	१८७
सम्भावना तथा अवसर	१८७
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१८८
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१९१
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	१९२
<b>६.२ सडक, पुल तथा यातायात</b>	<b>१९३</b>
पृष्ठभूमि	१९३
समस्या तथा चुनौती	१९३
सम्भावना तथा अवसर	१९३
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	१९४
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	१९९
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२००
<b>६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा</b>	<b>२०१</b>
पृष्ठभूमि	२०१
समस्या तथा चुनौती	२०१
सम्भावना तथा अवसर	२०१
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२०२
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	२०४
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२०५
<b>६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि</b>	<b>२०६</b>
पृष्ठभूमि	२०६
समस्या तथा चुनौती	२०६
सम्भावना तथा अवसर	२०६
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२०६
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	२०८
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२०९
<b>परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र</b>	<b>२१०</b>
<b>७.१ वन तथा जैविक विविधता</b>	<b>२१०</b>
पृष्ठभूमि	२१०
समस्या तथा चुनौती	२१०
सम्भावना तथा अवसर	२१०
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२११
अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका	२१५
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२१७

<b>७.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन</b>	<b>२१९</b>
(अ) भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)	२१९
पृष्ठभूमि	२१९
समस्या तथा चुनौती	२१९
सम्भावना तथा अवसर	२१९
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२१९
अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका	२२२
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२२३
(आ) जलाधार संरक्षण	२२५
पृष्ठभूमि	२२५
समस्या तथा चुनौती	२२५
सम्भावना तथा अवसर	२२५
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२२५
अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका	२२७
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२२८
<b>७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन</b>	<b>२२९</b>
पृष्ठभूमि	२२९
समस्या तथा चुनौती	२२९
सम्भावना तथा अवसर	२२९
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२३०
अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका	२३३
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२३३
<b>७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b>	<b>२३४</b>
पृष्ठभूमि	२३४
समस्या तथा चुनौती	२३४
सम्भावना तथा अवसर	२३५
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२३५
अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका	२३८
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२४०
<b>परिच्छेद - ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र</b>	<b>२४१</b>
<b>८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन</b>	<b>२४१</b>
(अ) सुशासन तथा सेवा प्रवाह	२४१
पृष्ठभूमि	२४१
समस्या तथा चुनौती	२४१
सम्भावना तथा अवसर	२४१
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२४२
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	२४६
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२४७



(आ) मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय	२४९
पृष्ठभूमि	२४९
समस्या तथा चुनौती	२४९
सम्भावना तथा अवसर	२४९
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२४९
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	२५१
अनुमान तथा जोखिम पक्ष	२५२
(इ) तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन	२५३
पृष्ठभूमि	२५३
उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	२५३
अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	२५५
<b>परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था</b>	<b>२५७</b>
९.१ पृष्ठभूमि	२५७
९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट	२५७
९.३ स्रोत परिचालन रणनीति	२५९
९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना	२६१
<b>सन्दर्भ सामाग्रीहरू</b>	<b>२६५</b>
<b>अनुसूचीहरू</b>	<b>२६७</b>
अनुसूचि १- विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन	२६७
अनुसूची २: वडागत रूपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू	२८०
अनुसूचि ३: आवधिक योजना तयारीको प्रस्तुतीकरण तथा वडा भेलामा उपस्थिति र तस्वीरहरू	३००

## परिच्छेद - १: भूमिका

### १.१ पृष्ठभूमि

वि.सं. २००७ सालमा राणा शासनको अन्त्य भइ प्रजातन्त्र प्राप्त पछिका सात दशक राजनीतिक विभाजन, धुविकरण र त्यसकै वरिपरिको संघर्षमा बितेको पाइन्छ, जसका कारण नेपाल लामो राजनीतिक तथा सामाजिक सङ्क्रमणबाट गुज्रनु परेको थियो। देशमा प्रजातन्त्र, लोकतन्त्र हुँदै गणतन्त्र सम्मको व्यवस्था परिवर्तनले राजनीतिक रूपमा जनताहरू प्रजाबाट नागरिक बने पनि समृद्धिको पूर्वाधारका हिसाबले पछ्यौटेपनमै रहेको सर्वविदित नै छ। तसर्थ सामाजिक लोकतन्त्रको परिकल्पना सहित राजनीतिक-प्रशासनिक शक्तिको तहगत विभाजन र उक्त एकाईहरूमा स्रोत तथा साधनहरूको न्यायोचित वितरणका माध्यमबाट समुच्च विकास र समृद्धिको परिकल्पनालाई साकार पार्ने अठोट सहित जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ पछिको परिस्थितिलाई फरक किसिमले बुझ्न सकिन्छ। यद्यपि, विकासको दृष्टिकोणबाट मात्र हेर्दा बितेका सात दशक नागरिक तथा राजनीतिक अधिकार प्राप्तिका संघर्षमा मात्र बढि केन्द्रित भएका छन्। कुनै समयमा नेपालले आर्थिक, भौतिक तथा सैन्य सहयोग गर्ने हाम्रा छिमेकी राष्ट्रहरू भारत, चीन, दक्षिण कोरियाले विकासको नयाँ उचाई हासिल गरिसकेका छन्। हामीभन्दा पछि स्वतन्त्र भई आर्थिक विकासतर्फ पाइला चालेका पूर्वी तथा मध्य एसियाका धेरै मुलुकहरू विकासमा हामीभन्दा कैयौँ गुणा अधि लम्किसकेका छन् भने हामी भर्खर मात्र विकासका पूर्वाधारको निर्माणमा जुटेका छौं।

जनताका प्रतिनिधिद्वारा निर्मित नेपालको संविधान २०७२ जारी भएपश्चात् नयाँ सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था अनुरूपको राज्यको पुनर्संरचना भइ सङ्घीय, प्रादेशिक र स्थानीय सरकारहरू गठनमार्फत् राजनीतिक र प्रशासनिक अभ्यासहरू हुँदैआएका छन्। तीन तहका सरकारले जनतालाई सेवा तथा सुविधा प्रदान गरिरहेको यस ऐतिहासिक कालखण्डमा सम्पूर्ण राष्ट्र नै समग्र विकास र आर्थिक समृद्धिको मूलमन्त्र लिएर अगाडि बढी रहँदा वर्षौंदेखि व्याप्त अविास, गरीबी, रोगव्याधी, पछ्यौटेपन, अशिक्षा, असुविधा र अन्यायको दुश्चक्रमा पिल्सिएका आम स्थानीयवासीमा राज्य व्यवस्थाले नयाँ परिवर्तन र आशाको सञ्चार गराएको छ।

मूलतः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले नेपालको संविधानको अनुसूची ८ मा उल्लेखित स्थानीय तहको अधिकारको थप व्याख्या गरी स्थानीय सरकारलाई स्थानीय स्तरका समग्र विकासका योजनाहरू निर्माण, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने अधिकार प्रदान गरेको छ। ऐनको परिच्छेद- ३, दफा ११ को उपदफा २ (छ) (१) मा स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानुन, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन साथै बुँदा नं. २ मा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वातावरणीय, प्रविधि र पूर्वाधारजन्य विकासका लागि आवश्यक आयोजना तथा परियोजनाहरूको तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने अधिकार समेत स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको आवधिक योजना तयार पारिएको छ।

कुनै पनि स्थानको समग्र विकासको ढोका खोल्ने महत्वपूर्ण भूमिका भौतिक तथा आर्थिक विकासले खेल्ने भएकोले विकास योजना निर्माण गर्दा भौतिक विकास र आर्थिक विकासको आधार खाका तयार पार्नु एकदमै महत्वपूर्ण हुन्छ। यस योजनाले गाउँपालिकाको वस्तुगत भौतिक अवस्थाको यकिन तथ्याङ्क सहितको आधार नक्सा तथा अन्य विषयगत तथ्यहरूको विवरण तयार पारी सोको आधारमा अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन कार्ययोजना र रणनीतिहरू तयार पारेको छ। एकातर्फ अव्यवस्थित र योजनाविहीन विकास क्रियाकलापले हामीलाई सही दिशा निर्देश गर्दैन भने अर्कोतर्फ समय र स्रोतको समेत उच्चतम सदुपयोग हुन सक्दैन। तसर्थ निर्दिष्ट समय सीमाभित्र रही निश्चित प्रकारका विकास योजनाहरूलाई निर्दिष्ट उपलब्धिहरू हासिल गर्ने हेतुले निर्माण गर्दा विकासका क्रियाकलापहरू व्यवहारिक, समय सान्दर्भिक र उच्च प्रतिफलमुखी हुन जान्छन्। तसर्थ यस गाउँपालिकामा उपलब्ध साधन र

स्रोतको उच्चतम सदुपयोग गरी निर्दिष्ट समय सीमाभित्र, निर्दिष्ट उद्देश्य हासिल गर्न यस प्रकारको आवधिक योजनाको आवश्यकता परेको हो ।

## १.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य

यस योजनाको मूल उद्देश्य गाउँपालिकाको आवधिक योजना निर्माण गर्नु रहेको छ, जस अन्तर्गत:

- दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, र उद्देश्य तयार पार्ने
- त्यसै अनुरूपका रणनीति, कार्यनीति र कार्य योजना तयार पार्ने
- कार्य योजनाका लागि गाउँपालिकाको स्पष्ट आधार नक्सा तयार पार्ने
- भौतिक पूर्वाधार विकास योजना तयार पार्ने
- सामाजिक-सांस्कृतिक विकास योजना तयार पार्ने
- आर्थिक विकास योजना तयार पार्ने
- वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन योजना तयार पार्ने
- सेवा प्रवाह तथा संस्थागत विकास योजना तयार पार्ने
- व्यापक जनसहभागितामा क्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, अपेक्षित परिणाम र कार्यक्रमहरूको निर्धारण गर्ने

## १.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू

कुनै पनि योजना निर्माण गर्नका लागि निश्चित वैधानिक, कानुनी र नीतिगत आधारहरू आवश्यक पर्दछन् । मुख्यतः कुनै पनि स्थान विशेषको योजना निर्माण गर्दा वैधानिक र नीतिगत आधारहरू स्पष्ट हुनु आवश्यक भएकोले यस गाउँपालिका नेपालको संघीय गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली अन्तर्गत संघ, प्रदेश र स्थानीय तहहरू रहेकोमा जनतासँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने आधारभूत तहको स्थानीय सरकार हो । नेपालको संविधानले स्थानीय तहहरूलाई एक प्रकारको पूर्ण स्थानीय सरकारको रूपमा स्थापित गरेकोले स्थानीय स्तरका विकास योजनाहरू तर्जुमा गर्ने र ती योजनाको कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने सम्पूर्ण अधिकार स्थानीय तहलाई नै प्राप्त भएको छ । मुलतः यसै वैधानिक आधारको पृष्ठभूमिमा रहेका थप निम्न आधारहरूमा रहेर यो आवधिक योजना तयार पारिएको छ ।

### १. विद्यमान ऐन तथा वैधानिक आधारहरू

#### (क) स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४

नेपालको संविधान २०७२ को अनुसूची ८ तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ को उपदफा २ (छ) र दफा २४ बमोजिम नेपालमा सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली लागु भएपश्चात् स्वायत्त स्थानीय सरकारको रूपमा स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजनासम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन गर्ने अधिकार सङ्घीय तथा प्रादेशिक कानून तथा नीति नियमहरूसँग सङ्गत हुने गरी स्थानीय सरकारलाई नै प्राप्त भएकोले सो वैधानिक व्यवस्था बमोजिम यो योजना निर्माण गरिएको छ । साथै संविधानको मर्मअनुरूप सङ्घीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय स्तरमा निर्माण भएका सम्पूर्ण विद्यमान ऐन नियमहरूको प्रावधान अनुरूप योजनालाई अन्तिम रूप दिइएको छ ।

#### (ख) अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४

नेपालको संविधानको धारा ५९ बमोजिम विभिन्न तहका सरकारहरूलाई प्राप्त वित्तीय अधिकार तथा धारा ६० बमोजिम राजश्व स्रोतको बाँडफाँट गर्न बनेको यस ऐनले आकर्षित गर्ने प्रावधानहरूलाई समेत राजश्वको अधिकार, त्यसको बाँडफाँट, ऋण, अनुदान, बजेट व्यवस्थापन, सार्वजनिक खर्च र वित्तीय अनुशासन कायम गर्न आवश्यक व्यवस्थाहरू गरेकोले यी पक्षहरूलाई यो योजना निर्माण गर्दा आधार बनाइएको छ ।

### (ग) राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग ऐन, २०७४

नेपालको संविधानको धारा ६० को उपधारा ३ मा प्रदेश र स्थानीय तहले प्राप्त गर्ने वित्तीय स्रोत र धारा २५१ अन्तर्गत देशभर छरिएर रहेका प्राकृतिक स्रोतहरूको परिचालनबाट प्राप्त राजश्व वा स्रोतको प्रयोग गर्दा अपनाउनु पर्ने प्रावधानहरू रहेको यस ऐनलाई यस योजना निर्माणमा एक आधारको रूपमा लिएको छ ।

### (घ) आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन २०७६, र नियमावली २०७७

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ ले स्थानीय तहको आर्थिक र वित्तीय स्रोत र क्षमताको बारेमा उल्लेख गर्दछ । यसको दफा ७ ले आवधिक योजनाले प्रक्षेपित गरेको लगानी र वित्तीय आवश्यकताको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि स्थानीय तहको कुल राष्ट्रिय स्रोत अनुमान गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यहि समेतको स्रोत अनुमानका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना निर्माण गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ । त्यसैगरी आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ मा स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा सम्बन्धित पालिकाको आर्थिक क्षमता हेर्नुपर्ने र त्यसैको आधारमा आयोजना बैङ्कको स्थापना गरि योजनाको कार्यान्वयन गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ ।

### (ङ) सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहबीचको समन्वय र अन्तरसम्बन्ध सम्बन्धी ऐन, २०७७

यस ऐनले तिन तहका सरकार बीचको समन्वय र अन्तरसम्बन्ध बारेमा उल्लेख गर्दछ । खासगरी राष्ट्रियस्तरका र एक भन्दा बढी प्रदेशमा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आयोजनाको तर्जुमा सङ्घले गर्ने, प्रदेशभित्र पर्ने र प्रदेशबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा प्रदेश सरकारले गर्ने तथा स्थानीय तहभित्र पर्ने र स्थानीय तहबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा स्थानीय तहले गर्ने व्यवस्था यस ऐनले गरेको छ । स्थानीय तहले आयोजना तर्जुमा गर्दा सङ्घीय कानूनले तोकेको मापदण्डको आधारमा गर्नुपर्ने र यसको अधिकार सूची र कार्य जिम्मेवारीको विषयमा नेपाल सरकारले आवश्यक सहयोग गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

### (च) विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७४

विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन गर्न प्रत्येक स्थानीय तहले अध्यक्ष वा प्रमुखको अध्यक्षतामा बढीमा पन्ध्र जना सदस्य रहेको स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गर्ने व्यवस्था गरेको छ । समितिले जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यसञ्चालन गर्न आवश्यक सम्पूर्ण कार्यहरूको व्यवस्थापन र अनुगमन तथा सञ्चालन गर्नुपर्ने व्यवस्था ऐनले गरेको छ ।

## २. विद्यमान राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरू

सबैभन्दा महत्वपूर्ण राष्ट्रिय नीतिहरूमध्ये संविधानको धारा ५१ मा रहेका नीतिहरूलाई मूल आधार मानेर यो नीतिको अधिनमा रहेका प्रादेशिक तथा स्थानीय नीतिहरूलाई समेत आधार बनाइ यो योजना तयार गरिएको छ । यी मध्ये पनि स्थानीय तहहरूले निम्न नीतिहरूलाई मुख्य आधार मान्नु उपयुक्त रहेकोले सोही आधारमा यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

राजनीतिक तथा शासन व्यवस्थासम्बन्धी नीति	विकाससम्बन्धी नीति
सामाजिक र सांस्कृतिक रूपान्तरणसम्बन्धी नीति	सामाजिक न्याय र समावेशीकरणसम्बन्धी नीति
अर्थ, उद्योग र वाणिज्यसम्बन्धी नीति	नागरिकका आधारभूत आवश्यकतासम्बन्धी नीति
कृषि र भूमि सुधारसम्बन्धी नीति	श्रम र रोजगारसम्बन्धी नीति
प्राकृतिक साधन स्रोतको संरक्षण, संवर्द्धन र उपयोगसम्बन्धी नीति	
राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति, २०६८	पर्यटन नीति, २०६५

वन नीति, २०७१/तथा वातावरण संरक्षण	राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२/राष्ट्रिय खेलकुद नीति, २०६७
राष्ट्रिय कृषि नीति, २०६१	लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति, २०६३
औद्योगिक नीति, २०६७	सिंचाई नीति, २०७०
जलाधार नीति	राष्ट्रिय शिक्षा नीति
जलवायु परिवर्तन नीति, २०६७	जैविक विविधता संरक्षण नीति, २०६३
राष्ट्रिय सहकारी नीति, २०६९	स्वास्थ्य नीति, २०४८
वाणिज्य नीति, २०६५	स्थानीय पूर्वाधार विकास नीति, २०६१
श्रम तथा राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१	सूचना प्रविधि नीति, २०६७
आपूर्ति नीति, २०६९	कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीति, २०६३
जल उत्पन्न प्रकोप व्यवस्थापन नीति, २०७२	विकास सहायता परिचालन नीति
सार्वजनिक-निजी साझेदारी नीति, २०७२	बालबालिकासम्बन्धी राष्ट्रिय नीति, २०६९
अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि समावेशी शिक्षा नीति, २०७३	राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१
नवीकरणीय उर्जा अनुदान नीति, २०६९/राष्ट्रिय यातायात नीति, २०५८	राष्ट्रिय जनसंख्या नीति, २०७१
प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा एवम् तालिम नीति	राष्ट्रिय बीउ विजन नीति, २०५६
कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्द्धन नीति, २०७१	संस्कृति नीति, २०६८
राष्ट्रिय शहरी नीति, २०६४	जलविद्युत विकास नीति, २०५८
स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७	प्रदेश तथा स्थानीय तहका लागि लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट नमूना निर्देशिका, २०७७
भू उपयोग नियमावली, २०७९	

लगायत प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका सान्दर्भिक नीतिहरूलाई योजना निर्माणको आधार बनाइएको छ ।

#### ४. संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

कुनै पनि स्थानीय तहले योजनाको दीर्घकालीन, सोच, लक्ष्य र उद्देश्य तय गर्दा राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरूसँग सामञ्जस्यता कायम गरी गर्नुपर्ने भएकोले यस योजनाले निम्न सोचहरूलाई आधार बनाएको छ ।

#### क) दीर्घकालीन सोच वि.सं. २१००

लामो राजनीतिक संक्रमण पश्चात् राजनीतिक स्थायित्वको जगमा उभिएर तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धिको लागि आयमा वृद्धि, गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण तथा आर्थिक जोखिमहरूलाई न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ देखि अति कम विकसित देशबाट विकासशील देशमा स्तरोन्नति गर्दै वि.सं. २०८७ सम्ममा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा रूपान्तरण हुने गरी यस दीर्घकालीन सोच तयार पारिएको छ ।

यस सोचको मूल लक्ष्य सामाजिक न्यायमा आधारित समतामूलक समाज निर्माण गर्ने हो । यसको मूल रणनीति भनेको आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत साधन लगायत अर्थतन्त्रका सहयोगी क्षेत्रको परिचालन मार्फत् रूपान्तरणका कार्यक्रममा लगानी केन्द्रित गर्नु हो । यसर्थ नारामा दीर्घकालीन सोचलाई “समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली” तय गरिएको छ । यस सोचको अपेक्षित उपलब्धीमा “समुन्नत, स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्रसहितका समान अवसर प्राप्त, स्वास्थ्य, शिक्षित, मर्यादित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक” मा नेपाललाई रूपान्तरण गर्ने रहेको छ ।

#### दीर्घकालीन सोच वि. सं. २१०० ले लिएका राष्ट्रिय रणनीति

- तीव्र, दिगो र रोजगारमूलक आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने,

- सुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा र शिक्षाको सुनिश्चित गर्ने,
- आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तरआवद्धता एवम् दिगो शहर/वस्ती विकास गर्ने,
- उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने,
- पूर्ण, दिगो र उत्पादनशील सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण गर्ने र
- सार्वजनिक सेवाको सुदृढीकरण, प्रादेशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता सम्बर्द्धन गर्ने ।

### रूपान्तरणका प्रमुख संवाहक

दीर्घकालीन सोचका रणनीति कार्यान्वयन गरी राष्ट्रिय लक्ष्य हासिल गर्न देहायबमोजिम सामाजिक-आर्थिक रूपान्तरणका संवाहक अवलम्बन गरिएको छ । यी संवाहकलाई दीर्घकालीन सोचको प्राथमिकताका क्षेत्रका रूपमा समेत लिई तदनुरूप साधन-स्रोतको व्यवस्था गरिनेछ । आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा राष्ट्रिय आवश्यकता अनुसार प्राथमिकताहरूमा समयानुकूल परिमार्जन गरिनेछन् ।

१. गुणस्तरीय एकीकृत यातायात प्रणाली, सूचना-प्रविधि तथा सञ्चार, पूर्वाधार र बृहत् सञ्जालीकरण
२. गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण, उद्यमशील कार्य, संस्कृति विकास र सम्भावनाको पूर्ण उपयोग
३. जलविद्युत उत्पादन वृद्धि र हरित अर्थतन्त्र प्रवर्द्धन
४. उत्पादन, उत्पादकत्व र प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि
५. गुणस्तरीय पर्यटन सेवाको विकास र विस्तार
६. आधुनिक, दिगो र व्यवस्थित शहरीकरण, आवास र वस्ती विकास
७. प्रादेशिक र स्थानीय अर्थतन्त्रको विकास र सुदृढीकरण तथा औपचारिक क्षेत्रको विस्तार
८. सामाजिक संरक्षण र सुरक्षाको प्रत्याभूति, र
९. शासकीय सुधार र सुशासन अभिवृद्धि ।

### सहयोगी क्षेत्र

दीर्घकालीन सोचका साथ लक्ष्य हासिल गर्ने सन्दर्भमा रूपान्तरणका सम्भाव्य क्षेत्रको प्रभावकारी परिचालन गर्न देहायका क्षेत्रहरूलाई प्रमुख सहयोगी क्षेत्रका रूपमा लिइएको छ ।

१. संविधान लोकतन्त्र र विकासप्रतिको राजनीतिक प्रतिबद्धता
२. जनसांख्यिक लाभ र नागरिक सचेतना
३. भौगोलिक अवस्थिति र प्राकृतिक विविधता तथा सम्पन्नता
४. सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता तथा मौलिक पहिचान
५. सामाजिक पूँजी र विश्वभर फैलिएका नेपाली समुदाय
६. स्वच्छ र नवीकरणीय ऊर्जा
७. मित्रराष्ट्र र अन्तर्राष्ट्रिय समुदायको सद्भाव, र
८. संघीय शासन प्रणाली र वित्तीय संघीयता ।

### दीर्घकालीन सोचको परिदृश्य र परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

दीर्घकालीन सोचका राष्ट्रिय लक्ष्यहरू प्राप्तिको लागि उच्च आर्थिक वृद्धिदर आवश्यक हुन्छ । यस अवधिमा वार्षिक औषत १०.५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरको प्रारम्भिक लक्ष्य अनुमान गरिएको छ । यसमध्ये कृषि क्षेत्रमा औषत ५.५ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रमा औषत १३ प्रतिशत र सेवा क्षेत्रमा वार्षिक औषत १०.९ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ ।

दीर्घकालीन अवधिको आर्थिक वृद्धिदरको लक्ष्यअनुरूप यस सोच अवधिको अन्तिम वर्षमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको अंश हालको २७ प्रतिशतबाट घटेर ९ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रका अंश हालको १५.२ प्रतिशतबाट वृद्धि भई ३० प्रतिशत र सेवा क्षेत्रको अंश हालको ५७.८ प्रतिशतबाट ६१ प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ। यसबाट कृषि क्षेत्रमा रहेको ठूलो जनशक्ति उद्योग र सेवा क्षेत्रमा स्थानान्तरण हुनेछ। आगामी २५ वर्षमा उद्योग र सेवाको व्यापक विस्तार भई अर्थतन्त्रमा ठूलो संरचनागत एवम् गुणात्मक परिवर्तन हुने अनुमान छ।

दीर्घकालीन सोचको आधार वर्ष २०७५/७६ मा नेपालको प्रतिव्यक्ति आय एक हजार ४७ अमेरिकी डलर रहेकोमा २०७८/७९ मा एक हजार तीन सय ७२ अमेरिकी डलर पुगेको छ। वि.सं. २०७९ सम्ममा अति कम विकसित राष्ट्रबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति हुँदै वि.सं. २०८७ मा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै मध्यम आय भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुने अपेक्षा गरिएको छ। वि.सं. २१०० मा १२ हजार एक सय अमेरिकी डलर प्रतिव्यक्ति आयसहित नेपाल उच्च आयस्तर भएको मुलुकमा स्थापित हुने प्रक्षेपण गरिएको छ।

माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू हासिल गर्न माथि उल्लेखित रूपान्तरणका संवाहक तथा सहयोगी क्षेत्रका अतिरिक्त देहायका तत्वलाई प्रमुख आधार लिइएको छ।

१. संविधानका राज्यका नीति र मौलिक हक प्राप्त गर्न उच्च र दिगो आर्थिक वृद्धि आवश्यक रहेको।
२. राजनीतिक तथा नीतिगत स्थिरता कायम भई आर्थिक समृद्धितर्फ उन्मुखको अवस्था सिर्जना भएको।
३. समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गरी सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक क्षेत्रको लगानी वृद्धि गर्ने उपयुक्त वातावरण निर्माण भएको।
४. जनसांख्यिक लाभ र प्राकृतिक स्रोत-साधनको महत्तम उपयोग गरिने।
५. ज्ञान, सीप, पूँजी र प्रविधि तथा पूर्वाधार र ऊर्जा विकास गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने।
६. वि.सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्यहरू हासिल गर्ने राष्ट्रिय प्रतिवद्धता रहेको।
७. विकास कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा तीव्रता प्रदान गर्न आयोजना बैंक, आयोजना पूर्व तयारी र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यलाई सुदृढ बनाइने।
८. अनौपचारिक अर्थतन्त्रलाई क्रमशः औपचारिक र उत्पादनशील बनाइने।
९. राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विदेशी लगानी आकर्षित गर्न आवश्यक सुधार र एकद्वार प्रणाली अपनाइने।
१०. ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्र विकास गरी समृद्धि हासिल गर्ने।

दीर्घकालीन सोचका प्रमुख परिमाणात्मक लक्ष्यहरू देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

क्र.सं.	राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ	आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य
१.	आर्थिक वृद्धिदर (औषत)	प्रतिशत	६.८	१०.५
२.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि तथा वन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	२७.०	९
३.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१५.२	३०
४.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	५७.८	६१
५.	प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय	अमेरिकी डलर	१०४७	१२१००

क्र.सं.	राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ	आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य
६.	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)	प्रतिशत	१८.७	०
७.	बहुआयामिक गरिबीमा रहेको जनसंख्या	प्रतिशत	२८.६	३
८.	आम्दानीमा माथिल्लो १० र तल्लो ४० प्रतिशत जनसंख्याको अनुपात(Plamaratio)	अनुपात	१.३	१.१
९.	सम्पत्तिमा आधारित जिनी गुणक (Gini Coefficient)	गुणक	०.३१	०.२५
१०.	श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	३८.५	७२
११.	बेरोजगारी दर	प्रतिशत	११.४	३
१२.	रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा	प्रतिशत	३६.५	७०
१३.	जलविद्युत तथा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन (जडित क्षमता)	मेगावाट	१,०७४	४०,०००
१४.	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	९०.७	१००
१५.	प्रतिव्यक्ति विद्युत उपभोग	किलोवाट घण्टा	१९७	३,५००
१६.	३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत	७८.९	९९
१७.	राष्ट्रिय र प्रादेशिक लोकमार्ग	कि.मि.	६,९७९	३३,०००
१८.	द्रुत मार्ग (भूमिगत मार्गसमेत)	कि.मि.	०	२,०००
१९.	रेलमार्ग	कि.मि.	४२	२,२००
२०.	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल जनसंख्या	प्रतिशत	५५.४	१००
२१.	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष	६९.७	८०
२२.	मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्ममा)	जना	२३९	२०
२३.	पाँच वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	जना	३९	८
२४.	४ वर्ष मुनिका कमतौल भएका बालबालिका	प्रतिशत	२७	२
२५.	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	५८	९८
२६.	माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत	४३.९	९५
२७.	उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर	प्रतिशत	९.५	४०
२८.	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत	२०	९५
२९.	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत	१७	१००



क्र.सं.	राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ	आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य
३०	लैंगिक विकास सूचकांक	सूचकांक	०.९२५	१
३१.	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक	०.५७४	०.७६०

स्रोत: १. राष्ट्रिय लेखा, आ.व. २०७५/७६; २. बहुआयामिक गरिबीको प्रतिवेदन २०१८; ३. नेपाल जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण-२०१६; ४. राष्ट्रिय जनगणना, २०६८; ५. मानव विकास प्रतिवेदन २०१८

नोट: (क) दीर्घकालीन सोचको मार्गचित्र र रणनीति, २५ वर्षमा नेपाल उच्च आय भएको मुलुकको स्तरमा पुग्ने लक्ष्य र अन्य देशहरूको विकासको अनुभवका आधारमा प्रारम्भिक अनुमान गरिएको छ।

(ख) शून्य प्रतिशत गरिबीले १ प्रतिशत भन्दा कम गरिबी रहेको अवस्थामा बुझाउँछ।

(ग) आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू समयानुकूल पुनरावलोकन गरिनेछन्।

### (ख) पन्ध्रौँ आवधिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१)

“समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” को दीर्घकालीन सोच हासिल गर्ने आधार योजनाको रूपमा पन्ध्रौँ योजनालाई लिइएको छ। तसर्थ यो योजनाको राष्ट्रिय लक्ष्य समृद्ध अर्थतन्त्र, सामाजिक न्याय तथा परिष्कृत जीवनसहितको समाजवाद उन्मुख लोककल्याणकारी राज्यको रूपमा रूपान्तरण गर्दै उच्च आयस्तर भएको मुलुकमा स्तरोन्नति गर्ने आधार निर्माण गर्ने हो।

### (ग) कोशी प्रदेशको आवधिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१)

राज्यको पूर्णसंरचना पश्चात् कायम भएको संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत हाल यो प्रदेश साविकको मेची अञ्चलका ४ जिल्ला (इलाम, झापा, पाँचथर र ताप्लेजुङ), कोशी अञ्चलका ६ जिल्ला (भोजपुर, धनकुटा, मोरङ, संखुवासभा, सुनसरी र तेह्रथुम) तथा सगरमाथा अञ्चलका ४ जिल्ला (खोटाङ, ओखलढुङ्गा, सोलुखुम्बु र उदयपुर) समेटि कायम गरिएको छ। विश्व कै अग्लो हिमाल सगरमाथा लगायत ५ हजार मिटरभन्दा अग्ला ३४ वटा हिमचुचुराहरू यस प्रदेशमा पर्दछ। विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत नेपालका १० वटा गन्तव्यमध्ये सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज यसै प्रदेशमा रहेको छ। यसका अलावा मकालु वरुण राष्ट्रिय निकुञ्ज, कोशी टप्पु वन्यजन्तु आरक्षण क्षेत्र, कञ्चनजंगा संरक्षण क्षेत्र पनि यस प्रदेशमा रहेका छन्। यस पृष्ठभूमिमा कोशी प्रदेश अन्तर्गत रहेको यस गाउँपालिकामा प्रदेशले तय गरेका विकासका लक्ष्यहरूसँग गाउँपालिकाका लक्ष्यहरूको तादात्म्यता मिलाउनु आवश्यक रहेको छ।

### प्रदेशको दीर्घकालीन सोच

“स्वच्छ, सुखी र समुन्नत प्रदेश”

### प्रदेशको दीर्घकालीन सोचका प्रमुख क्षेत्रहरू

संघीय सरकारको दीर्घकालीन सोचका प्रमुख क्षेत्रहरूसमेतलाई आत्मसाथ गरी प्रदेश सरकारले पनि १२ वटा प्रमुख क्षेत्रहरूलाई दीर्घकालीन सोचका क्षेत्रहरूको रूपमा पहिचान गरेको छ।

स्वच्छ	सुखी	समुन्नत
१.१ स्वस्थ र सन्तुलित पर्यावरण	२.१ परिष्कृत तथा मर्यादित जीवन	३.१ उच्च र समतामूलक आय
१.२ आधारभूत सरसफाइ सुविधा	२.२ सभ्य र न्यायपूर्ण समाज	३.२ मानव पुँजी निर्माण तथा सम्भावनाको पूर्ण उपयोग
१.३ नवीकरणीय उर्जा	२.३ सुशासन	३.३ सर्वसुलभ तथा आधुनिक पूर्वाधार एवम् सघन अन्तर आबद्धता
१.४ जैविक कृषि	२.४ जीवनस्तर	३.४ उच्च र दिगो उत्पादन र उत्पादकत्व

द्रष्टव्यः माथिका तालिकामा उल्लेखित 'सुखी' र 'समुन्नत' का सूचक दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य "समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली" को सूचकसँग तादात्म्यता राखी तय गरिएको र 'स्वच्छ' को प्रादेशिक सूचक थप गरिएको ।

### प्रदेशको समष्टिगत लक्ष्य

“सामाजिक न्याय सहितको समृद्ध प्रदेश निर्माण हुने” ।

### प्रदेशको समष्टिगत उद्देश्य

- उत्पादनमुखी क्षेत्रमा लगानी वृद्धि गरी आय र मर्यादित रोजगारीका अवसरमा वृद्धि गर्नु ।
- शिक्षा, स्वास्थ्य र सामाजिक सुरक्षामा गुणात्मक सुधार गर्दै उन्नत मानव संसाधन विकास एवम् समता मूलक समाजको आधार निर्माण गर्नु ।
- गुणस्तरीय दिगो भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्नु ।
- जलवायु अनुकूलन गर्दै वन, वातावरण, जलाधार र जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु ।
- सुशासनको अभिवृद्धि गर्नु ।

### प्रदेशको दीर्घकालीन परिमाणात्मक लक्ष्य

यस योजनामा ५ वर्षभित्र देहायबमोजिम उपलब्धि हासिल गर्नेगरी परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ जुन तलको तालिकामा देखाएको छ ।

तालिका नं. १: प्रदेशको दीर्घकालीन प्रमुख परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	एकाइ	आ.व. २०७५/७६ को यथार्थ	योजना अवधिको औषत लक्ष्य
<b>आर्थिक क्षेत्र</b>				
१	आर्थिक वृद्धिदर	प्रतिशत (स्थिर मूल्य)	४.५	९.७
२	कुल गार्हस्थ उत्पादन (उत्पादनको मूल्यमा)	रु. (करोडमा)	५०,५८४	८०,३५६*
३	कृषि क्षेत्रको वार्षिक औसत वृद्धिदर	प्रतिशत	३.७	५.६
	क) कृषि तथा वन		५.२	५.५

क्र.सं.	सूचक	एकाइ	आ.व. २०७५/७६ को यथार्थ	योजना अवधिको औषत लक्ष्य
	ख) मत्स्यपालनको वृद्धिदर		११.१	१२
४	गैर कृषि क्षेत्रको वार्षिक औसत वृद्धिदर	प्रतिशत	५.२	११.५
	क) उद्योग क्षेत्र	प्रतिशत	४.९	१४.२
	ख) सेवा क्षेत्र	प्रतिशत	५.३	१०.२
५	प्रति व्यक्ति आय <sup>१</sup>	अमेरिकी डलर	९३४	१,६२०
६	मुद्रास्फीति <sup>५</sup>	प्रतिशत	५.५	६ <sup>१</sup>
<b>सामाजिक क्षेत्र</b>				
७	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या <sup>१</sup>	प्रतिशत	१२.४	११
८	बहु-आयमिक गरिबीको जनसंख्या <sup>१</sup>	प्रतिशत	१९.७	१४
९	मानव विकास सूचकाङ्क (सन् २०१४) <sup>४</sup>	सूचकाङ्क	०.५०४	०.६००
१०	आर्थिक असमानता-सम्पत्तिमा (Gini) <sup>३</sup>	सूचकाङ्क	०.३५	०.३२
११	आम्दानीमा माथिल्लो १० र तल्लो ४० प्रतिशत जनसंख्याको अनुपात (PALMA Index)	अनुपात	१.०१	०.९०
१२	लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क <sup>२</sup>	सूचकाङ्क	०.९२५	०.९६३
१३	साक्षरता दर <sup>३</sup>	प्रतिशत	७९.१	९९
१४	खुद भर्ना दर <sup>६</sup>	प्रतिशत	९५	९९
१५	अपेक्षित आयु (जन्मेको समयमा) <sup>१</sup>	वर्ष	७०.७	७३.१
१६	बाल मृत्युदर <sup>२</sup> (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या	३६	२२
<b>भौतिक क्षेत्र</b>				
१७	कुल सडकमा कालोपत्रे सडक	कि.मि	१,५४४	५,०००
१८	सिंचाई योग्य भूमिमा सिंचाई	प्रतिशत	५३	८०
१९	खानेपानी सेवा पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत	९०	९९
२०	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार <sup>३</sup>	प्रतिशत	९१.४	९९.५
<b>शासकीय सुधार</b>				
२१	कानूनी शासन सूचकाङ्क <sup>७</sup>	सूचकाङ्क	०.५३	०.५८
२२	सुशासन सूचकाङ्क (- २.५ देखि २.५ सम्म)	सूचकाङ्क	- ०.७८	१
२३	भष्टाचार अनुभूति सूचकाङ्क <sup>६</sup>	सूचकाङ्क	३१	४१

\* आ.व. २०८०/८१ को कुल गार्हस्थ्य उत्पादन

१ = CBS, २ = मानव विकास प्रतिवेदन २०१८, ३ = NDHS, 2016, ४ = रा.यो.आ., ५ = ने.रा.बैं.,

६ = FLash Report, ७ = कानूनी शासन सूचकाङ्क २०१८, ८ = ट्रान्सपरेन्सी इन्टरनेशनल

## प्रदेश विकासका मुख्य चालकहरू

प्रदेश विकासका मुख्य चालकहरू देहाय बमोजिम मानिएको छः

- गुणस्तरीय ग्रामिण तथा शहरी पूर्वाधार (सडक, खानेपानी, बिजुली, विद्युतीय सञ्चार, प्रविधि)
- कृषिको व्यावसायीकरण, जैविक कृषिको प्रवर्द्धन र कृषिलाई उद्यमका रूपमा विकास र विस्तार (विशिष्टीकृत कृषि)
- विशिष्टीकृत सेवा र मानवपूँजीको विकास
- उद्योग (ठुला, मझौला, साना, घरेलु र लघु उद्यम),
- सम्पदामैत्री गुणस्तरीय पर्यटन
- सामाजिक-सांस्कृतिक विकास ।

## प्रदेशका प्रमुख रणनीतिहरू

कोशी प्रदेशका प्रमुख रणनीतिहरू देहाय बमोजिम छन् –

१. कृषि तथा गैर कृषि क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्ने ।
२. समावेशी विकास सहितको न्यायपूर्ण समाज निर्माण गर्ने ।
३. शिक्षा, स्वास्थ्य लगायत आधारभूत सेवा-सुविधाको पहुँचमा विस्तार गर्ने ।
४. यातायात, विद्युत, सिँचाई आदि रणनीतिक महत्वका पूर्वाधारहरूको विकास गर्ने ।
५. वन, वातावरण, जैविक विविधताको विकास एवम् संरक्षण गर्ने ।
६. जलवायु परिवर्तन अनुकूलनता अभिवृद्धि एवम् प्रभावकारी विपद् व्यवस्थापन गर्ने ।
७. दक्ष, उत्तरदायी, पारदर्शी तथा नतिजामूलक प्रशासनको विकास गरी सुशासनको प्रवर्द्धन गर्ने ।

## योजनाको रणनीति

योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य र परिमाणात्मक लक्ष्यहरू हासिल गर्न देहायका रणनीति अवलम्बन गरिनेछ ।

### १. कृषि, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि दर बढाउने ।

कृषि, उद्योग र पर्यटनलाई आर्थिक समृद्धि र रोजगारीको आधारको रूपमा लिई आधुनिकीकरण र व्यावसायीकरण गर्दै सरल नियमन प्रक्रिया, सहयोगी भौतिक पूर्वाधारको उपलब्धता र कार्यकुशलता अभिवृद्धि गरी निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गर्दै उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी आर्थिक वृद्धिदर कायम गरिने छ । (दिगो विकासका लक्ष्य १, २, ८, ९, १०, १२)

### २. आवश्यक भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा विस्तार गर्ने ।

व्यवस्थित शहरीकरण, यातायात पूर्वाधार, सिँचाई, खानेपानी, उर्जा र आवास जस्ता आवश्यक भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा विस्तार गरिनेछ । भौतिक पूर्वाधारको विस्तारलाई उत्पादनसँग आवद्ध गरिनेछ । (दिगो विकासका लक्ष्य ६, ७, ९, ११)

### ३. गुणस्तरीय शिक्षा र स्वास्थ्य विस्तार गरी मानवीय पूँजी निर्माण गर्ने ।

शिक्षा र स्वास्थ्यको पहुँच विस्तार र गुणस्तर सुधारका साथै प्राविधिक शिक्षामा सहज पहुँच बढाई जीवनोपयोगी, उद्यमशील र व्यावसायिक सिप विकास गरी मानव पूँजी निर्माण गरिनेछ । (दिगो विकासका लक्ष्य ३, ४)

#### ४. सामाजिक समावेशिता र लैङ्गिक समता प्रवर्द्धन गर्ने ।

सामाजिक समावेशितामा जोड दिँदै भाषा, कला, धर्म र संस्कृतिको संरक्षण, अन्धविश्वास, कुरीति र हिंसाको अन्त्य गर्नुका साथै लैङ्गिक समता तथा महिला सशक्तीकरणमा जोड दिइनेछ । (दिगो विकासका लक्ष्य १३, १५)

#### ५. प्रभावकारी विपद् व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलित विकास गर्ने ।

वातावरण संक्षण गर्दै उपलब्ध प्राकृतिक साधनहरूको समुचित उपयोगका साथै आर्थिक, सामाजिक क्षेत्रका गतिविधिहरूलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलित र सम्भावित विपद्प्रति सचेत रही सञ्चालन गरिनेछ । (दिगो विकासका लक्ष्य १६, १७)

#### ६. विधिको शासन कायम गर्दै सुशासन प्रत्याभूति गर्ने ।

विधिको शासन, सदाचार, पारदर्शिता तथा जबाफदेहिताको मान्यतालाई सरकारी कामकाज र सेवा प्रवाहमा संस्थागत गरी जनअपेक्षा-अनुकूल सुशासन प्रणाली प्रत्याभूत गरिनेछ । (दिगो विकासका लक्ष्य १६, १७)

#### केही मूल नीतिहरू

१. भौतिक पूर्वाधार, कृषि, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रलाई समेट्ने गरी बढीमा दशवटा प्रादेशिक गौरवका आयोजना छनोट गरी कार्यान्वयन गर्ने । निर्माणाधीन र विभिन्न कारणबाट अधकल्चो अवस्थामा रहेका पूर्वाधारका आयोजनाहरूलाई शीघ्रताशीघ्र सम्पन्न गर्न प्राथमिकता दिने ।
२. सन्तुलित विकास गर्ने ध्येयअनुरूप प्राथमिकताका आधारमा आयोजनाहरू छनोट गर्ने ।
३. भू-उपयोग नीति तथा प्रचलित ऐन बमोजिम भूमिको वर्गीकरण गरेर कृषि, उद्योग र आवास क्षेत्र छुट्याई भूमिको उपयुक्त उपयोग गर्ने ।
४. युवाहरूलाई प्राविधिक शिक्षा र व्यावसायिक सिप वृद्धिका विभिन्न कार्यक्रममार्फत् क्षमता विकास गरी स्वरोजगारी र रोजगारीका अवसर सिर्जना र आय आर्जन वृद्धि गर्ने र स्वदेशमा नै रोजगारी उपलब्ध गराई बाध्यात्मक रूपमा वैदेशिक रोजगारीमा जानुपर्ने स्थिति अन्त्य गर्ने ।
५. प्रदेशको समग्र आर्थिक समुन्नतिको लागि नयाँ नयाँ सम्भावना, स्रोत र समस्याहरूको पहिचान गरी तिनको सदुपयोग गर्न वा समाधान खोज्न नव-प्रवर्तन, अध्ययन र अनुसन्धानमा लगानी गर्ने ।
६. उपलब्ध साधन स्रोतको अधिकतम प्रयोग गर्दै गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच वृद्धि गरी नागरिकको स्वास्थ्य रहन पाउने मौलिक अधिकार सुनिश्चित गर्ने ।
७. ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, असहाय महिला तथा बालबालिकालाई आवश्यक सहयोग उपलब्ध गराई सम्मानजनक जीवनयापन गर्न सक्ने स्थिति सिर्जना गर्ने ।
८. सामाजिक मूल्य मान्यता, धर्म, संस्कृति, कला, भाषा र साहित्यको संरक्षण, सुधार सम्बर्द्धन गर्दै सामाजिक सहिष्णुता र सद्भाव प्रवर्द्धन गर्ने ।
९. प्रदेशमा उपलब्ध प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र व्यवस्थित ढंगले उत्खनन् तथा सदुपयोग गर्ने र जलस्रोतको बहुआयामिक प्रयोगलाई जोड दिई एकीकृत व्यवस्थापन गर्ने ।
१०. निजी क्षेत्र, सहकारी क्षेत्र, नागरिक संस्थाहरू, गैरआवासीय नेपाली र वैदेशिक लगानी आकर्षित गर्न अनुकूल वातावरण तयार गर्ने ।

११. भौतिक पूर्वाधारको विकासलाई समग्र आर्थिक सामाजिक विकाससँग तादात्म्यता मिलाउँदै जनप्रतिनिधिहरूको संलग्नतासहित जनसहभागितामूलक विकास प्रक्रिया अवलम्बन गर्ने ।
१२. यस योजनामा राखिएको आर्थिक वृद्धि तथा समृद्धिका लक्ष्यहरू हासिल गर्न सहयोग पुग्ने गरी संघ तथा स्थानीय तहबाट यस प्रदेशमा साधन विनियोजन एवम् लगानी केन्द्रित गर्ने र कार्यान्वयन गर्न समन्वय, सहकार्य सहजीकरण गर्ने ।

## ५. दिगो विकासका लक्ष्यहरू

सन् २०१५ मा संयुक्त राष्ट्र संघमा आवद्ध सम्पूर्ण राष्ट्रहरूद्वारा अनुमोदन गरी समग्र विश्व र मानवजातिको दीर्घकालीन सुरक्षा, सुख र समृद्धिका लागि तय गरिएका साभा वैश्विक लक्ष्यरूलाई दिगो विकास लक्ष्य भनिन्छ । संसारभरका सबै मुलुकले सन् २०३० सम्म यी लक्ष्यहरू हासिल गर्नु पर्नेछ । नेपालले समेत अनुमोदन गरेका यी लक्ष्यहरू नेपालका योजना तथा विकासका उद्देश्यहरू हासिल गर्न अति सान्दर्भिक छन् । तसर्थ तल उल्लेखित यी लक्ष्यहरूलाई यो योजना तर्जुमाको आधार बनाइएको छ । कुल सत्रवटा लक्ष्यहरूमध्ये भू-परिवेष्टित मुलुक भएकोले लक्ष्य १४ नेपालसँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित छैन । यी लक्ष्यहरूका १६९ परिमाणात्मक लक्ष्यहरू र २३४ वटा विश्वव्यापी सूचकहरू थपेर कुल ४७९ सूचकहरू निर्धारण गरेकोले यस गाउँपालिकासँग सम्बन्धित लक्ष्य र सूचकहरूलाई समेत यो योजनाले समेट्ने र दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरण गर्ने प्रयास गरेको छ ।

### दिगो विकासका लक्ष्यहरू

१. सबै ठाउँबाट सबै प्रकारका गरिवीको अन्त्य गर्ने ।
२. भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. सबै उमेर समुहका व्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवन सुनिश्चित गर्दै समृद्ध जीवन प्रवर्द्धन गर्ने ।
४. सबैका लागि समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्ने र जीवनपर्यन्त सिकाईका अवसरहरू प्रवर्द्धन गर्ने ।
५. लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालबालिकालाई सशक्त बनाउने ।
६. सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाईको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।
७. सबैका लागि किफायती, विश्वासनीय, दिगो र आधुनिक उर्जामा पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
८. भरपर्दो, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि तथा सबैका लागि पूर्ण र उत्पादनमुलक रोजगारी र मर्यादित कामको प्रवर्द्धन गर्ने ।
९. उत्पादनशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्द्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
१०. मुलुकभित्र तथा मुलुकहरूबीच असमानता घटाउने ।
११. शहर तथा मानव बसोबासलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्पादनशील र दिगो बनाउने ।
१२. दिगो उपभोग र उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।
१३. जलवायु परिवर्तन र यसको प्रभाव नियन्त्रण गर्ने तत्काल पहल थाल्ने ।
१४. दिगो विकासका लागि महासागर, समुद्र र समुद्री साधन स्रोतहरूको दिगो प्रयोग तथा संरक्षण गर्ने ।
१५. स्थानीय पर्यावरणीयको संरक्षण, पुनर्स्थापना र दिगो उपयोगको प्रवर्द्धन गर्ने, वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमीकरण र भू-क्षय रोक्ने तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने ।

१६. दिगो विकासको लागि शान्तिपूर्ण र समावेशी समाजको प्रवर्द्धन गर्ने, सबैको न्यायमा पहुँच सुनिश्चित गर्ने र सबै तहमा प्रभावकारी, जवाफदेही र समावेशी संस्थाको स्थापना गर्ने ।

१७. दिगो विकासका लागि विश्वव्यापी साभेदारी सशक्त बनाउने र कार्यान्वयनका लागि स्रोत साधन सुदृढ गर्ने ।

## **राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित दिगो विकास लक्ष्य स्थानियकरण स्रोतपुस्तीकाका आधारमा दिगो विकास लक्ष्यहरूलाई गाउँपालिकाको विशिष्टतामा स्थानीकरण गरिएको**

### **६. राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशनहरू**

यस गाउँपालिकाको योजना निर्माणका दौरान नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारले योजना तर्जुमा बजेट तर्जुमा तथा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन व्यवस्था साथै आयोजनाको कार्यान्वयनका सन्दर्भमा पटक-पटक गर्ने मार्ग निर्देशनलाई समेत आधार मानी यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

### **७. अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी सम्झौता तथा घोषणापत्रहरू**

नेपाल सरकार पक्षराष्ट्र भई अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा हस्ताक्षर तथा अनुमोदन गरिएका अन्य सान्दर्भिक घोषणा पत्र तथा सन्धी सम्झौताहरूको मर्महरूलाई समेत ध्यानमा राखिएको उदाहरणका लागि मानव अधिकारसम्बन्धी विश्वव्यापी घोषणा पत्र सन् १९४८, बाल अधिकारसम्बन्धी घोषणापत्र, विश्व संरक्षण नीति (World Conservation Strategies) आदि ।

### **८. स्थानीय तहमा सहभागी राजनीतिक दलहरूको घोषणापत्रहरू**

यो योजना निर्माणको दौरान यस गाउँपालिकामा रहेका राजनीतिक दलहरूले विभिन्न तहका चुनाव तथा अन्य समयमा गाउँपालिकावासीका माझ गरेका विकासका राजनीतिक प्रतिबद्धताहरूलाई समेत मध्यनजर गरी ती घोषणापत्रहरूका मर्मलाई एक वा अर्को तरिकाले सम्बोधन गर्ने प्रयत्न गरिएको छ ।

### **९. गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था**

गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था स्थानीय आवश्यकता, समस्या र सम्भावनाहरू यस अन्तर्गत वडा भेला, स्थलगत अध्ययन तथा गाउँपालिका केन्द्रमा विभिन्न समयमा सम्पन्न अन्तरक्रिया तथा सरोकारवालाहरूबाट प्राप्त सुझावका आधारमा गाउँपालिकाको प्रमुख समस्या चुनौती, सम्भावना र आवश्यकता पहिचान गरी सोको SWOT विश्लेषण गरेपश्चात् आवश्यक योजनाहरू निर्माण गरिएको हो ।

### **१.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू**

संघीय शासन प्रणालीअन्तर्गत स्थापना भएको स्थानीय सरकारको रूपमा रहेको यो गाउँपालिका देशका अन्य स्थानीय तहहरू जस्तै नयाँ अभ्यास र संघीय शासन प्रणाली कार्यान्वयनको प्रारम्भिक चरणमा नै रहेकोले योजना निर्माणका लागि आवश्यक पूर्ण आधारभूत सूचनाको कमी रहेको छ । कतिपय सूचनाहरू संकलन र प्रशोधन गर्न पर्याप्त बजेट, प्राविधिक तयारी र दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पर्ने र सोको तत्काल व्यवस्था गर्न सहज नभएको परिस्थितिमा उपलब्ध सूचना, समय र बजेटका केही सीमाहरू भित्र रहेर यो योजना तयार पारिएको हो । तसर्थ:

- दिगो विकासलगायत गाउँपालिकाले तय गरेका अन्य विकासका क्षेत्रहरूसँग सम्बन्धित परिमाणात्मक लक्ष्यहरूको आधार वर्षका तथ्याङ्कहरूको उपलब्धता तत्काल हुन नसकेको र सोको व्यवस्था भविष्यमा गर्न सके ती लक्ष्य पुनः निर्धारण गर्न सक्ने ।
- गाउँपालिकाद्वारा गर्नुपर्ने अत्यन्त आधारभूत सेवा प्रवाह जस्तै, पिउने पानी खाद्यान्न, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सडक, सामाजिक सुरक्षा आदिका लागि तय गरिएका कार्यक्रमहरूमा तत्काल बजेटको अभाव हुने हुँदा वित्तीय सन्तुलनका हिसाबले कतिपय कार्यक्रमका लागि तत्काल बजेट अभाव भए तापनि

भविष्यमा बजेटको स्रोत पहिचान र व्यवस्था गर्ने हेतुले आयोजना बैंकमा अभिलेख रहने गरी भएपनि त्यस्ता कार्यक्रमहरूलाई अनिवार्यताका आधारमा प्रस्ताव गरिएको ।

## १.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया

यो योजना तयार गर्दा मुख्यतया राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ र शहरी विकास विभागद्वारा प्रकाशित योजना मापदण्ड र मानक २०१५ (Planning Norms and Standards 2015) लाई आधार मानिएको छ । दुवैका मार्गदर्शनका अलावा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय तहमा योजना निर्माण गर्दा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरू समेत अनुशरण गरिएको छ । तसर्थ क्रमशः निम्न चरण पुरा गरी यो योजना तयार गरिएको छ ।

### १. योजना तर्जुमा तयारी प्रारम्भिक छलफल, अभिमुखिकरण तथा कार्यशाला

गाउँ कार्यपालिकाका सम्पूर्ण पदाधिकारीहरू, विषयगत शाखाका प्रमुखहरू, स्थानीय राजनीतिक दलका अगुवाहरू, बुद्धिजीवी तथा सरोकारवालाहरूको सहभागितामा विज्ञहरूको समेत उपस्थितिमा समग्र योजना तयारीका प्राविधिक पक्षहरूको बारेमा बृहत् छलफल र जिम्मेवारी बाँडफाँट गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

### २. विकासको विद्यमान स्थिती र उपलब्धिको समीक्षा

विकास उपलब्धिको प्रगती विवरण, उपलब्धि सूचना तथा सहभागितामुलक छलफलका आधारमा गत योजनाको कार्यान्वयनबाट हासिल भएका उपलब्धिलाई विषय क्षेत्रगत रूपमा संक्षिप्त समीक्षा गरियो । यसरी समीक्षा गर्दा हासिल भएका उपलब्धिको विवरण गुणात्मक तथा परिमाणात्मक रूपमा उपलब्धि सूचनाको आधारमा पुष्टि हुने गरी प्रस्तुत गरियो ।

### ३. स्थानीयस्तरमा गाउँपालिकाको समग्र वस्तुस्थिति अध्ययन विवरण संकलन तथा विश्लेषण

यस अन्तर्गत विज्ञ समूह तथा अध्ययनकर्ताको सहभागितामा प्रत्येक वडाको वस्तुस्थिति, मुख्य सम्भावना, अवसर र चुनौती पहिचान गर्ने हेतुले वडाध्यक्षको संयोजकत्वमा वडाका सम्पूर्ण सरोकारवाला सम्मिलित वडाभेला, छलफल र अन्तरक्रियामार्फत प्राथमिक तथा द्वितीय स्रोतबाट सूचना संकलन गरियो ।

### ४. गाउँपालिकाको आधार नक्सासम्बन्धी सूचना संकलन

विषय विज्ञद्वारा प्रत्येक वडाबाट भू-सूचना प्रणालीको प्रयोग गरी आधार नक्सा तयार गर्न आवश्यक भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, वातावरणलगायत सम्पूर्ण भू-संकेत र सचना संकलन गरियो ।

### ५. वडाभेला मार्फत प्राप्त सूचनाहरूको संकलन तथा विश्लेषण

वडाभेला र अन्तरक्रियाबाट प्राप्त सूचनाहरूको तालिकीकरण, प्रशोधन पश्चात् समग्र वस्तुस्थितिको SWOT विश्लेषण गरी गाउँपालिकाका सबल पक्ष, दुर्बल पक्ष, सम्भावना र अवसरहरू पहिचान गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

### ६. सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरूको समग्र मस्यौदा तयारी तथा प्राथमिकता निर्धारण

समग्र वस्तुस्थिति विश्लेषण पश्चात् राष्ट्रिय र प्रादेशिक लक्ष्य, योजना र उद्देश्यसँग तादात्म्यता हुनेगरी स्थानीय आवश्यकता सम्बोधन हुने गरी गाउँपालिकाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरू सहितको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।



## ७. विषय क्षेत्रगत योजना तर्जुमा

स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा समितिको लागि गठित विषयगत योजना तर्जुमा समिति तथा सम्बन्धित विषय क्षेत्रका सरोकारवालासँगको सहभागितामा कार्यशाला गोष्ठी तथा परामर्श गरी विषय क्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति आयोजना तथा कार्यक्रम र सोको स्थानगत विवरण एवम् नतिजा खाका तयार गरी योजना तर्जुमा गरियो ।

## ८. मस्यौदा योजना उपर सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया छलफल तथा सुझाव संकलन

सम्पूर्ण सरोकारवाला तथा गाउँ कार्यपालिकाको सम्पूर्ण पदाधिकारीहरूको उपस्थितिमा योजना मस्यौदा उपर छलफल तथा अन्तरक्रिया गरेपश्चात् थप सल्लाह र सुझावसहित परिमार्जनका लागि मस्यौदा पेश गरी वितरण गरियो ।

## ९. एकीकृत दस्तावेज तयारी संशोधन, परिमार्जनपश्चात् अन्तिम योजना तयारी तथा स्वीकृति र प्रकाशन

मस्यौदा उपर छलफल तथा सुझाव संकलनपश्चात् योजनालाई विषयक्षेत्रगत हिसाबले एकीकृत गरी अन्तिम रूप दिएर गाउँसभामार्फत् प्रक्रिया पुऱ्याई अनुमोदन गरी सर्वसाधारणका लागि प्रकाशन गर्ने निर्णय गाउँ कार्यपालिकाले गर्‍यो ।

## परिच्छेद - २ गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समिक्षा

### २.१ गाउँपालिकाको परिचय

जहदा गाउँपालिका पूर्वी नेपालस्थित कोशी प्रदेशको मोरङ जिल्लामा अवस्थित रहेको छ। नेपाल सरकारको निर्णयबाट साविक बुधनगर, भाथिगछ, शिशवनी, मभारे र पोखरिया गा.वि.स.हरूलाई मिलाएर जहदा गाउँपालिकाको गठन भएको हो। अर्ध शहरी क्षेत्रको रूपमा विकास भईरहेको यो गाउँपालिका ७ वटा वडामा विभाजित छ। विराटनगर महानगरपालिकाको निकटमा रहेको गाउँपालिका भएकाले यहाँ उत्पादित कृषि तथा तरकारी, माछा, मासु लगायतका धेरै उत्पादनहरू विराटनगर महानगरपालिकामा खपत हुने गरेको छ। यो गाउँपालिका विकासको प्रचुर सम्भावना बोकेको गाउँपालिकाको रूपमा चिनिन्छ। यो गाउँपालिका ऐतिहासिक तथा सामाजिक महत्व बोकेका भाषा, धर्म, संस्कृति, परम्परा, धार्मिक मठमन्दिर, स्थानीय चाडपर्व, जात्रा, मेलाको धनी गाउँपालिकाको रूपमा रहेको छ।

#### २.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

##### क) भौगोलिक अवस्था

जहदा गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ६२.२२ वर्ग कि.मी. रहेको छ। यो गाउँपालिका समुन्द्र सतह देखि ५७ मिटर देखि ८१ मिटर सम्मको उचाईमा रहेको छ भने भौगोलिक रूपमा ८७° १७'२३.७५" देखि ८७° २२'७.६४" पूर्वी देशान्तर र २६°२०'५२.२१" देखि २६°२८'१६.८३" उत्तरी अक्षांशमा फैलिएको छ। गाउँपालिकाको पूर्वमा धनपालथान गाउँपालिका, पश्चिममा विराटनगर महानगरपालिका, उत्तरमा कटहरी गाउँपालिका रहेको छ भने दक्षिणमा भारतको विहार राज्य रहेको छ। यहाँको अधिकांश भू-भाग समथर तराईको भूमि अन्तर्गत पर्ने हुँदा यहाँ बालुवा र पाँगो मिश्रित अत्यन्त उर्वर माटो पाइन्छ। यस गाउँपालिकामा ठूला खोलानाला नभए पनि स-साना खहरे, खोल्सा र नालाहरू रहेका छन्। यहाँ उष्ण प्रकारको हावापानी पाइने हुँदा पुष र माघ महिनामा धेरै जाडो हुनुका साथै बैशाख, जेठ, असारमा अधिक गर्मी हुने गर्दछ।

##### भू-उपयोगको वितरण

भूमि महत्वपूर्ण प्राकृतिक साधन हो। आर्थिक विकासको लागि यसको समुचित उपयोग गर्नुपर्दछ। भूमिलाई कृषि, आवास, सडक, पिउने पानी, सिँचाई, विद्युत तथा उर्जा, सूचना तथा संचार आदिको प्रवन्धको लागि प्रयोग गर्ने गरिन्छ। यस खण्डमा विषेश गरी गाउँपालिकाको भू-उपयोग र भू-आवरणको वस्तुगत चित्रण गरिएको छ।

तालिका नं. २: गाउँपालिकाको भू-उपयोगको विवरण

भू-उपयोगका क्षेत्र	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल प्रतिशतमा
ईटाभट्टा क्षेत्र	०.११	०.१७
आवास क्षेत्र	२.५६	४.१२
नहर	०.२०	०.३२
खेतीयोग्य जमिन	५५.१५	८८.६३
फलफुल बगैँचा	२.५२	४.०४
पोखरी	०.४७	०.७५

भू-उपयोगका क्षेत्र	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल प्रतिशतमा
अन्य जलाधार क्षेत्र	१.२२	१.९७
<b>जम्मा</b>	<b>६२.२३</b>	<b>१००.००</b>

स्रोत: GIS तथ्याङ्क, २०७९ मा आधारित

### माटोको बनावट (Soil Type)

नेपालको भौगर्भिक बनावट हिमालय पर्वत शृङ्खला निर्माण हुँदाताका भएको हो । हिमालय पर्वत शृङ्खलालाई सबैभन्दा कान्छो भौगर्भिक बनावट (New Fold Mountain) मानिन्छ । प्रकृतिमा लगातार घटिरहने प्रक्रियाहरू जस्तै हुरीवतास, वर्षा, खडेरी, हावापानी परिवर्तन, पहिरो, वायुमण्डलीय चाप, हिमपात, भुइँचालो आदिका कारण भू-धरातलीय परिवर्तन भईरहेको हुन्छ । यसप्रकार भू-धरातलमा भइरहने निरन्तर परिवर्तनको प्रभाव यस गाउँपालिकाको भौगर्भिक संरचनामा पर्नु स्वभाविकै हो । यहाँको माटो बलौटे र पांगो मिश्रित प्रकृतिको रहेको छ । यस्तो माटोमा प्राङ्गारिक पदार्थको मात्रा बढी पाइन्छ । यसरी प्राङ्गारिक पदार्थको मात्रा भने निरन्तर खेती भइरहेको क्षेत्रमा केही बढी छ भने बाँभो क्षेत्रमा क्रमशः घटिरहेको पाइन्छ । यो गाउँपालिकाको प्राय क्षेत्र समथर हुँदा खेतीपातीको लागि अब्बल रहेको छ ।

### जमिनको मोहडा (Aspect)

जमिनको भिरालोपन र मोहडा सामान्यतया एक अर्काका परिपूरक हुन्छन् । अर्थात् भिरालोपन विषम हुँदा मोहडामा पनि विषमता हुन्छ । गाउँपालिकामा निम्नानुसारको मोहडाको वितरण रहेको छ ।

मोहोडा	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल (प्रतिशत)
समथर	०.९८	१.५८
उत्तरी	७.१३	११.४६
उत्तर-पूर्वी	७.३५	११.८१
पूर्वी	८.०१	१२.८७
दक्षिण-पूर्वी	८.०७	१२.९७
दक्षिणी	७.८४	१२.६०
दक्षिण-पश्चिम	७.८१	१२.५६
पश्चिमी	७.६०	१२.२१
उत्तर-पश्चिम	७.४४	११.९५
<b>जम्मा</b>	<b>६२.२३</b>	<b>१००.००</b>

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### ख) राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

नेपाल सरकारले देहाय बमोजिम प्रशासकीय हिसाबमा यस गाउँपालिका तत्कालिन बुधनगर, भाथिगछ, मभारे, पोखरीया, शिशवनी गा.वि.स.हरूलाई समेटेर निर्माण गरिएको गाउँपालिका हो । यसरी समायोजन गरी बनाइएको गाउँपालिकामा ७ वटा वडाहरू रहेका छन् । विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ३: राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

वडा नं.	समावेश गाविस/नगरपालिका	जनसंख्या	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
१	बुधनगर (२, ६-९)	५२००	५.७५
२	भाथिगछ (५, ६, ८, ९)	६८६७	५.७१
३	भाथिगछ (१-४, ७)	५००६	३.७९
४	शिशवनी (१-८)	७३२२	७.३१
५	मभारे (१-५) र शिशवनी -९)	३८१५	६.४१
६	पोखरीया (१-९)	६९६०	११.८९
७	मभारे (६-९)	४६०५	१०.७३

### २.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा

जहदा गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल मध्ये १.२२४ वर्ग कि.मी. (अर्थात् १.९६ प्रतिशत) जमिन पानी तथा २.५१ वर्ग कि.मी. अर्थात् ४.०४ प्रतिशत भाडी बुट्यान क्षेत्रले ओगटेको छ। यो गाउँपालिका ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिक स्थितिले सम्पन्न गाउँपालिका हो। यो गाउँपालिका साँस्कृतिक विविधताले भरिपूर्ण रहेको छ। यादव, थारु, राजवंशी, जनजाति, दलित लगायत जातजातिहरूको बसोबास रहेको यस क्षेत्रमा आ-आफ्ना जातिगत धर्म, संस्कृति र परम्परा जीवित रहेका छन्। गाउँपालिकामा जितिया, छठ, दिपावली, दशैं, करवा चौथ, फागु, रामनवमी, मकर संक्रान्ति, शिवरात्री जस्ता चाडपर्व विशेष महत्व तथा धार्मिक सहिष्णुताका साथ मनाउने गरिन्छ। धार्मिक, ऐतिहासिक, साँस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व बोकेका स्थलहरूमा पञ्चेश्वर मन्दिर, दुर्गा मन्दिर, रामजानकी मन्दिर, जितिया मन्दिर, कालीमन्दिर, ग्रामथान, दिनाभद्री मन्दिर रहेका छन्।

### २.१.३ जनसांख्यिक अवस्था

नेपालस्थित संयुक्त राष्ट्र सङ्घीय जनसङ्ख्या कोष (UNFPA) का अनुसार सन् १९९५ देखि नेपालको जनसाङ्ख्यिक प्रवृत्तिमा सारभूत भिन्नताहरू देखापरेका छन्। यस प्रकारको भिन्नता देखा पर्नुका पछाडि घट्दो जन्मदर र मृत्युदर, बढ्दो औसत आयु, पहिलो विवाह गर्दाको बढ्दो उमेर र शहर केन्द्रित तथा सुविधाहरू बसाइसराइहरूका मुख्य कारणहरू रहेको विश्लेषण छ। कम विकसित राष्ट्रको तहबाट मध्यम आय भएका मुलुकहरूको स्तरमा पुग्न राष्ट्रिय योजना आयोगले दिगो विकासका लक्ष्यअनुरूप राखेको परिमाणात्मक लक्ष्य हासिल गर्न जनसाङ्ख्यिक चरहरूमा सकारात्मक सङ्केतहरू देखा पर्नु आवश्यक रहेको परिप्रेक्ष्यमा माथिको जनसाङ्ख्यिक विश्लेषण सकारात्मक दिशातर्फ नै उन्मुख देखिन्छ। केन्द्रीय तथ्याङ्क विभागले सन् २०१४ मा प्रकाशन गरेको Population Monograph of Nepal (Vol. 1) मा समेत सन् १९९१-२००१ को औसत जनसङ्ख्या वृद्धिदर २.२५% प्रतिशतबाट घटेर सन् २००१-२०११ मा १.३५ प्रतिशतमा कायम हुनुका पछाडि जनसाङ्ख्यिक चरहरू जस्तै : ठूलो सङ्ख्यामा युवाहरू विदेशिनु, जनचेतनामा भएको सकारात्मक परिवर्तन, एकात्मक परिवारको सङ्ख्यामा वृद्धि आदिलाई ठानेको छ। अर्कोतर्फ आन्तरिक बसाइ सराइको प्रवृत्तिलाई हेर्दा हिमाल र पहाडबाट तराईतर्फ र ग्रामीण भेगहरूबाट शहरी केन्द्रहरूतर्फ बसाइसराइ गर्ने र एकात्मक परिवारको सङ्ख्या बढ्दै गएको देखिन्छ। यस प्रकारको बसाइसराइको प्रवृत्तिले गर्दा काठमाडौँ उपत्यका, तराई तथा देशका अन्य शहरी केन्द्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिको अत्यधिक चाप हुने र हिमाली तथा पहाडी जिल्लाहरू र विकट ग्रामीण क्षेत्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिदर ऋणात्मक समेत देखिन थालेको छ। यो प्रवृत्तिले निम्त्याएको अर्को पक्ष हो अनुपस्थित जनसङ्ख्या अर्थात् काम वा रोजगारीको सिलसिलामा ६

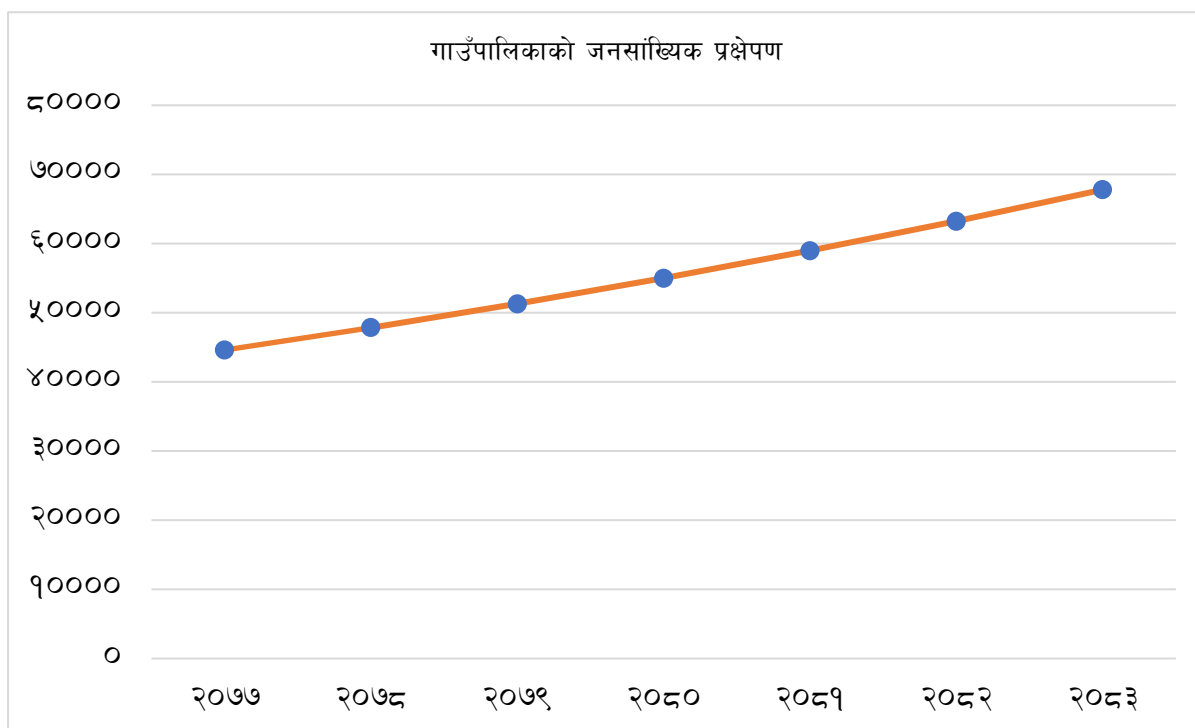
महिना वा सो भन्दा बढी समय आफ्नो मूल थलो छोडेर बाहिरिने जनसङ्ख्या उच्च रहेको छ र यो क्रम पछिल्ला वर्षहरूमा थप वृद्धि भएको अनुमान गर्न सकिन्छ ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को प्रारम्भिक नतिजा अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या ४७,८३६ रहेको छ, जसमा पुरुषको संख्या २४,२६२ र महिलाको संख्या २३,५७४ रहेको छ भने कुल घर संख्या ८,४८९ र कुल परिवार संख्या ९,८६८ रहेका छन् ।

**तालिका नं. ४: जहदा गाउँपालिकाको ५ वर्षको जनसंख्याको प्रवृत्ति विश्लेषण**

विवरण	जनगणना अनुसारको जनसंख्या		औषत वार्षिक वृद्धिदर	प्रक्षेपित जनसंख्या				
	२०७७	२०७८*		२०७९	२०८०	२०८१	२०८२	२०८३
जनसंख्या	४४,६९४	४७,८३६	७.२२	५१,२९९	५४,९९५	५८,९६७	६३,२२५	६७,७९९

स्रोत: गाउँपालिका पार्श्वचित्र, २०७७ तथा राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को प्रारम्भिक प्रतिवेदन



विगतको जनसंख्याको वृद्धिदर विश्लेषण गर्दा आगामी दिनहरूमा यस गाउँपालिकाको जनसंख्यामा निरन्तर वृद्धि हुने अवस्था देखिन्छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा कूल ४४,६९४ जनसंख्या रहेकोमा २०७८ सालको राष्ट्रिय जनगणनाको प्रारम्भिक नतिजा अनुसार कूल ४७,८३६ जनसंख्या रहेको छ । यस हिसाबले जनसंख्या वृद्धिदर ७.२२ प्रतिशत हुन आउँछ । यही वृद्धिदरको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्दा आगामी पाँच वर्षमा अर्थात् वि.सं. २०८३ सालमा हालका जनसाङ्ख्यिक चलहरूमा ठूलो परिवर्तन नभएमा जनसंख्या वृद्धि भई कूल ६७,७९९ जनसंख्या हुने अनुमान गरिएको छ ।

## २.२ आर्थिक विकास अवस्था

### २.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

जहदा गाउँपालिकाको भूमी समथर तथा कृषिको लागि उर्वर भएको हुनाले कृषि तथा पशुजन्य उत्पादन तथा बजारीकरणमा अग्रणी स्थानमा रहेको छ । कृषिमा आधारित पर्यापर्यटनको पनि उत्तिकै सम्भावना रहेको छ ।

गाउँपालिकाले माछापालन, उन्नत जातका बाख्रापालन, बंगुरपालन तथा च्याउखेती जस्ता तरकारी पकेट क्षेत्रलाई विशेष प्राविधिक सहयोग तथा बजार सुविधा उपलब्ध गराउन प्रोत्साहनमुलक अनुदान कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति लिएको छ। कृषि योग्य जमीनमा अनियन्त्रित बढ्दो बजारीकरणले खेति गर्नका लागि योग्य भूमी कम हुँदै गईरहेको छ, जुन विषय एक महत्वपूर्ण चुनौतीको रूपमा समेत खडा भइरहेको छ।

यहाँका प्रमुख खाद्यान्न बालीहरू धान, गहुँ, मकै हुन् भने फलफूल बालीहरू केरा, आँप, अनार, भूइँकटहर, अम्बा, लिची आदि हुन्। त्यसैगरी दलहन बालीहरू मसुरो, मास, रहरी आदि, तेलहन बालीहरू तोरी, तिल, सूर्यमुखी, आलस आदि, मसला बालीहरू खुर्सानी, अदुवा, लसुन, प्याज, धनिया, बेसार, कागती, मेवा लगायत उष्ण क्षेत्रमा लगाइने सबै प्रकारका तरकारी बालीहरूको यहाँ प्रचुर मात्रामा उत्पादन हुने गरेको छ। यो गाउँपालिकाले प्राकृतिक स्रोतसाधन जैविक विविधता तथा पर्यटनको दृष्टिले सम्पन्न भएसँगै विविध सामाजिक तथा साँस्कृतिक विशेषताहरू पनि बोकेको पाइन्छ। जसले यस गाउँपालिकालाई आर्थिक विकास र समृद्धिका लागि योगदान दिईरहेको छ।

### २.२.२ पर्यटन तथा साँस्कृति

जहदा गाउँपालिका धार्मिक, ऐतिहासिक र साँस्कृतिक पर्यटनको लागि प्रचुर सम्भावना बोकेको स्थान हो। यहाँका विभिन्न मठ-मन्दिर, पुरातात्विक क्षेत्र, पोखरीहरू, विभिन्न जातजातिका ऐतिहासिक स्थलहरू, चाडपर्वहरू धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटनको आकर्षणका केन्द्रका रूपमा रहेका छन्। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ गाउँपालिकाको जम्मा जनसंख्याको ४६.४७ प्रतिशत तराइ जनजातीहरू बसोवास गर्दछन्। जसमध्ये थारु, कुशवाह, धिमाल, धानुक, राजवंशी, सतार, सन्थाल, भागड, गनगाई लगायतको बाहुल्यता रहेको पाउन सकिन्छ। यसै गरी जम्मा जनसंख्याको करिब १० प्रतिशत दलित समुदायहरूको बसोवास रहेको छ भने ३४.४३ प्रतिशत अन्य तराइ समुदायका मानिसहरूको बसोवास रहेको छ।

यहाँ राजवंशी, थारु, ब्राह्मण, क्षेत्री, मुस्लिम, मण्डल, सतार लगायतका सबै जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमको धर्म, संस्कृति र चालचलनहरू छन्। यहाँ दशैं, तिहार, जितिया पर्व, जुडशितल, सोहराय, माघेसंक्रान्ती, अत्वारी, बुद्धजयन्ती, छठ, शिवरात्री, ताजिया, बकरइद इजातिमा, धनतेरश जस्ता विभिन्न चाडपर्व एवं साँस्कृतिक उत्सवहरू मनाउने गरिन्छ। गाउँपालिकामा पञ्चेश्वर मन्दिर, दुर्गा मन्दिर, रामजानकी मन्दिर, जितिया मन्दिर, कालीमन्दिर, ग्रामथान, दिनभद्री मन्दिरहरू रहेका छन्। विविध समुदाय र साँस्कृतिको मिश्रणले सामाजिक सद्भाव रही आएको यस जहदा गाउँपालिकामा विभिन्न जातजातिले मनाउने चाडपर्व तथा साँस्कृति यहाँको अमूल्य सम्पत्तिको रूपमा रहँदै आएको छ। हरेक वर्षको बैशाख १ गतेबाट सुरु हुने ग्रामथान मेला यस गाउँपालिकाको प्रमुख मेला हो जुन बैशाख महिना भरिनै हरेक स्थानमा लाग्ने गर्दछ। यहाँको अन्य चाडपर्वमा जितिया पर्व, छठ, होली, दशैं, दिपावली, करवा चौथ, रामनवमी, शिवरात्री आदि पर्दछन्।

### २.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति

यस जहदा गाउँपालिकाभित्र पोल्ट्री फर्म, राइस मिल, गाईपालन, तेल मिल, टेलर्स, फर्निचर, ब्युटीपार्लर आदि जस्ता साना व्यवसायहरू संचालन भइरहेका छन् भने यहाँ उत्पादन हुने गरेका कृषि उपजहरू तथा घरेलु उत्पादनहरू विक्रीका लागि १० कि.मि. दुरीमा विराटनगर बजार, ४ कि.मि दुरीमा कटहरी बजार तथा २० कि.मि दुरीमा रंगेली बजार रहेका छन्। यसले गाउँपालिकाको आर्थिक विकासमा ठूलो टेवा पुऱ्याएको छ। गाउँपालिकाले वडा नं. १ मा पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन र विक्रीको सम्भावना रहेकोले पशुपालन व्यवसायलाई लघुउद्यमको रूपमा प्रवर्द्धन गर्ने नीति अवलम्बन गरेको छ। भारतको सिमासँग जोडिएको गाउँपालिका भएको कारण स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका कृषि उपजलाई कम महत्व दिई भारतबाट आयात प्रवृत्ति बढी भएकोले यस्तो प्रणालीलाई न्यूनीकरण गर्नको लागि चुनौतीपूर्ण अवस्था रहेको छ। विशेषत यो भारतीय उत्पादनसँग प्रतिस्पर्धा गर्न ठुलो चुनौतीका रूपमा रहेको छ। गाउँपालिकामा रहेका व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण निम्नानुसार रहेको छ:

तालिका नं. ५: गाउँपालिकामा रहेका मुख्य व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण

वडा नं	मुख्य व्यापारिक केन्द्रहरू
१	नदीचोक, बुद्धनगर चोक, मुराहा चोक
२	मिलनचोक
३	तरीचोक
४	रामचोक, जहदा
५	लक्ष्मिनिया बजार (सिंह टोल)
६	पोखरिया

स्रोत: जहदा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७

### २.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

नेपालको प्रमुख औद्योगिक केन्द्र विराटनगरमा रहेका उद्योगहरूमा यस जहदा गाउँपालिकाको जनशक्ती प्रयोग भएका छन् । विराटनगरसँग सिमाना जोडिएको गाउँपालिका भएको कारण यहाँ आम्दानीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सक्ने अवस्था विद्यमान रहेको छ । भौगोलिक रूपमा सुगम भएका कारण आवश्यक भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधारको अवस्था राम्रो छ । शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिबी निवारण लगायतका सूचकहरू पनि सन्तोषजनक नै देखिन्छन् । जहदा गाउँपालिकामा विभिन्न आर्थिक र वित्तीय कारोबारहरू बैकिंग प्रणालीमार्फत हुने गरेको छ । आधुनिक अर्थव्यवस्थामा आर्थिक कारोबार बैङ्कबाट हुँदा त्यो व्यवस्थित र सहज हुन जान्छ । यसर्थ आधुनिक आर्थिक प्रणालीमा ग्रामीण जनताहरूको समेत बैङ्किङ सेवामा पहुँच सहज रूपमा पुगेको छ ।

### २.२.५ सहकारी

सहकारी संस्थाले स्थानीयस्तरको बचतलाई गाउँपालिका बाहिर जानबाट रोक्दै स्थानीय क्षेत्रमा विभिन्न आयमूलक कार्यमा लगानी गर्न मद्दत गरिरहेको छ । गाउँपालिकामा ४ वटा कृषि सहकारी संस्था तथा १४ वटा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था तथा ३ वटा नारी बचत तथा सहकारी गरी जम्मा २१ वटा सहकारी संस्थाहरू संचालनमा रहेका छन् । गाउँपालिकाले महिला सहकारी संस्थाहरूको स्तरोन्नती गर्दै बचत परिचालनमा वृद्धि गर्न प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरेको छ ।

तालिका नं. ६: सहकारी संस्था सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	सहकारी संस्थाको नाम
१	मानव विकास बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
२	भाथिगछ महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
३	मातली महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
४	आधुनिक बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
५	शिशवनी जहदा नारी बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
६	सन्देश बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
७	जीवन सुधार बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
८	प्रकाश बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
९	जनसेवा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
१०	माँ भगवती बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
११	अटुट बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड

क्र.सं.	सहकारी संस्थाको नाम
१२	कलश बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
१३	उपमा समृद्धि बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
१४	जितिया समृद्धि बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड
१५	उत्सव कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड
१६	बुधनगर कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड
१७	जगदम्बा कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड
१८	प्रशंसा कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड
१९	प्रसिद्ध महिला बचत सहकारी संस्था लिमिटेड
२०	शिसवनी जहदा नारी बचत तथा सहकारी संस्था लिमिटेड
२१	किसान विकास बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड

स्रोत: जहदा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७

## २.३ सामाजिक विकासको अवस्था

### २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

यस गाउँपालिका भौगोलिक रूपमा सुगम भएको कारण अत्यावश्यक भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधारहरूको अवस्था राम्रो छ। गाउँपालिकाको ७ वटा नै वडाहरूमा रहेका आधारभूत स्वास्थ्य चौकीहरू रहेका छन्। सोही मार्फत स्वास्थ्य सम्बन्धी आधारभूत सेवा प्रदान हुँदै आएको पाउन सकिन्छ। यी संस्थाहरूबाट सीमित मात्रामा स्वास्थ्यका आधारभूत सेवा सञ्चालन भए तापनि जटिल किसिमका स्वास्थ्य सेवाको अपर्याप्तता रहेको छ। जटिल रोगको परीक्षण तथा उपचार र आकस्मिक सेवा प्राप्त गर्न स्थानीयवासीलाई विराटनगर तथा काठमाडौं जस्ता सुविधायुक्त शहरहरू जानुपर्ने बाध्यता छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्यांक अनुसार ३,७४२ घरपरिवार उपचारका लागि नजिकैको स्वास्थ्य चौकीहरूमा जाने गरेको देखिन्छ। त्यसैगरी २,५९८ घरपरिवार स्थानीय मेडिकल जाने गरेको देखिन्छ भने २,२४७ घरपरिवार सरकारी अस्पताल जाने गरेको देखिन्छ। गाउँपालिकाका १६ घरपरिवारले उपचारका लागि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जस्तै लामा, धामी, भाँक्रीको सहयोग लिने गरेको देखिन्छ। गाउँपालिकाले नेपाल सरकारको “एक स्थानीय तह एक अस्पताल निर्माण” अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकामा एक १५ शैयाको अस्पताल निर्माण गर्ने तयारी रहेको छ।

### २.३.२ शैक्षिक विकास

यस गाउँपालिकामा शिक्षा सेवाको स्तर मध्यम रहेको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार पाँच वर्षभन्दा माथिको जनसंख्या मध्ये साक्षर जनसंख्या ६६ प्रतिशत छन् भने निरक्षर जनसंख्या ३४ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। हाल गाउँपालिकामा ७० वटा बाल विकास केन्द्र, २२ वटा आधारभूत तहसम्म, ८ वटा माध्यमिक तहसम्म पढाई हुने विद्यालयहरू र ६ वटा मदरसाहरू रहेका छन् भने आधारभूत र माध्यमिक गरेर १० वटा निजी विद्यालयहरू रहेका छन्। गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक विद्यालयको स्तरवृद्धि गर्नुपर्ने ठूलो आवश्यकता रहेको छ। त्यसका लागि आवश्यक पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ। कृषि र उद्योग क्षेत्रको व्यापक विकासको सम्भावना रहेको यो गाउँपालिकामा बहुप्राविधिक शिक्षालयको पनि आवश्यकता रहेको छ। गाउँपालिकाले पूर्वाधार अवस्थाको अनुगमन गरी विद्यालयहरूको भौतिक पूर्वाधारको लागि आवश्यक स्रोत उपलब्ध गराउने नीति अगाडी सारेको छ।



### २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई

जहदा गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भागहरू तराई क्षेत्रमा भएकोले भूमिगत जलस्रोत पर्याप्त मात्रामा रहेको छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा घरधुरी मध्ये ९,०९१ घरधुरी अर्थात् ९९.५५ प्रतिशत घरपरिवारले पिउने पानीको मुख्य स्रोतको रूपमा ट्युबवेल/बोरिङ्ग प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ भने १० अर्थात् ०.११ प्रतिशतले पाइप धारा वा पाइपको पानी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ । खानेपानीको लागि विभिन्न स्रोतमा निर्भर रहने यस गाउँपालिकाका कुल घरपरिवारमध्ये ७९.५१ प्रतिशतले प्रशोधन बिना पानी पिउने गरेको देखिन्छ । दिगो विकास लक्ष्यको अवस्था र दिशा निर्देश (Sustainable Development Goals Status & Roadmap) : २०१६-२०३० का अनुसार (SDG- 6) आधार वर्ष २०१५ मा सुरक्षित पिउने पानी उपभोग गर्ने जनसंख्या १५% मात्र देखिन्छ । दिगो विकास लक्ष्य अनुगमन ढाँचासमेत उल्लेख भएको उक्त दस्तावेजअनुसार यो जनसंख्या क्रमश वृद्धि गर्ने अपेक्षा गरिएको छ । जसअनुसार २०१९ मा ३५%, २०२२ मा ५०%, २०५५ मा ६५% हुँदै सन् २०३० सम्म सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग कर्ता कूल ज.स.को ९०% हुने महत्वाकांक्षी लक्ष्य राखिएको छ । उक्त राष्ट्रिय लक्ष्य प्राप्तमा टेवा पुऱ्याउन तथा आम जनसाधारणको जनस्वास्थ्यमा सुधार गर्न पानी प्रयोग गर्दा पानीको उपयुक्तताको परीक्षण र सुरक्षाको उपायहरूबारे व्यापक जनजागरण फैलाउनु पर्ने देखिन्छ ।

अव्यवस्थित रूपमा फोहोरमैला फाल्ने गर्नाले मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल असर त पर्छ नै, यसका अलावा गाउँको सौन्दर्यसमेत ह्रास हुन्छ । फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी गाउँपालिकाबासी सचेत रहे तापनि नदी तथा सडक पेटीमा फोहोर फाल्ने, जलाउने जस्ता क्रियाकलाप पूर्ण रूपमा बन्द गर्न फोहोरमैलाको उचित व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमुखीकरण तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू संचालन गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

### २.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मानपूर्वक जीवनयापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दासम्म सभ्य र सौर्हादपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन । त्यसैले लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ । जहदा गाउँपालिका लैङ्गिक समानताको लागि योजनाबद्ध तथा कार्यक्रमगत रूपमा अगाडि बढेको छ । गाउँपालिकाले महिला जनप्रतिनिधिहरूलाई नेतृत्वदायी भूमिका बहन गर्न जिम्मेवारी तथा अधिकार दिनुका साथै महिलाहरूको नेतृत्व विकास, सशक्तिकरण, उद्यमशिलता तथा सीप विकासका गतिविधिलाई जोड दिएको छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्यांक अनुसार कुल जनसंख्याको करिब आधा अर्थात् ४८.३९ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ भने ६० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकको जनसंख्या ६.२० प्रतिशत रहेको छ । अर्को तर्फ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको जनसंख्या १.२ प्रतिशत रहेको छ ।

### २.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला

सामान्यत १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ जसलाई राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ ले परिभाषित गरेको छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका भित्र १६ देखि ४० वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १०,३३३ अर्थात् २३.१६ प्रतिशत रहेको छ । यो जनसंख्यालाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा लगाउन गाउँपालिकाले विभिन्न नीति तथा कार्यक्रमहरू अधि सारेको छ । त्यस्तै गाउँपालिकाले प्राचिन कला, अमूर्त कला आदिको संरक्षणमा पनि विभिन्न कार्यक्रमहरू अधि सारेको छ । गाउँपालिकाको वडा नं. ३ मा भातिगछ खेलमैदान रहेको छ भने वडा नं. ४ मा ३ विगाहा क्षेत्रफलमा फैलिएको सार्वजनिक खेलमैदान रहेको छ । गाउँपालिकाले खेलकुद क्षेत्रको विकासका लागि खेलकुद पूर्वाधार विकासमा जोड दिँदै एक राष्ट्रिय स्तरको खेलमैदानका लागि वडा नं. ४ को ऐलानी सरकारी जग्गामा तयार गरिएको विस्तृत योजना प्रतिवेदनको आधारमा बहुउपयोगी खेलकुद मैदानको विकास कार्य अधि बढाउने नीति लिएको छ ।

## २.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था

### २.४.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

जहदा गाउँपालिकामा मिश्रित जनघनत्व भएका वस्तीहरू छन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाको जनघनत्व ७१५.२१ प्रति वर्ग कि.मी रहेको छ । वस्ती बसाल्ने सन्दर्भमा बजारको संभाव्य क्षेत्र, पानीको सुविधा, खेतीयोग्य क्षेत्र, पशुपालनलाई पायक र अन्न उत्पादनका लागि उपयुक्त जमिन भएको स्थानमा यत्रतत्र छरिएर बस्ने प्रचलन भएकोले पायक पर्ने स्थान अनुसार सबै वडाहरूमा कतै बाक्लो तथा कतै पातलो वस्तीहरू रहेका छन् । सेवा प्रवाहका दृष्टिकोणले यसरी छरिएको वस्तीहरूमा पूर्वाधार र सेवा पुऱ्याउन राज्यलाई हम्मे-हम्मे पर्दछ भने लागत समेत अत्यन्त बढी पर्दछ । तसर्थ यस्ता क्षेत्रका वस्तीहरूलाई उपयुक्त स्थानमा एकीकृत रूपमा स्थानान्तरण गर्दा कालान्तरमा राज्यलाई फाइदा पुग्नुका साथै जनतालाई सहज, सुरक्षित आवास क्षेत्रहरू निर्माण हुन्छन् र सेवा प्रवाह सहज हुन जान्छ । गाउँपालिकामा रहेका वस्ती क्षेत्रहरू निम्नानुसार छन् :

तालिका नं. ७: गाउँपालिकाका मुख्य वस्तीहरूको विवरण

वडा नं.	मुख्य वस्तीहरूको विवरण
१	धुनी टोल, तुलामदान टोल, हेल्थपोस्ट टोल, बुधनगर टोल, यादव टोल, यादव पश्चिम टोल, हेठेवा टोल, नयाँटोल, भुटाहा टोल, स्कुल टोल, कलाबजार टोल, कुलहडिया टोल, ऋषिदेव टोल
२	सिरसिया सिन्तम टोल, सुकुम्बासी टोल, दोरांग टोल, बारी टोल, भिमपुर महादेवकोल, नयाँ पट्टितरिगामा निमटोल, चम्पा वस्ती छोटी महादेवकोल मालदैहा टोल, भिमपुर नयाँ टोल, काली टोल ।
३	बमनटोलि टोल, भट्ट टोल, साह टोल, तरी टोल, बनारखोरिया टोल, हाथीबन्धा टोल, उत्तर मिलनचोक टोल, काजी टोल, राय टोल हाथीबन्धा दक्षिण टोल, जयरामपुर टोल, राधाकृष्ण टोल, ऋषिदेव टोल, थान टोल, सहनी टोल, सन्थाल टोल, महा भाचीगह टोल, मुस्लिम टोल दावी ऋषिदेव टोल
४	नवदुर्गा चौर टोल, शान्ति टोल, विन टोल, मधुरा टोल, कविलासा टोल, जहदा टोल २ हटिया टोल, जहदा टोल ४ केवरत टोल, मुखिया टोल, जहदा टोल ६, फुल टोल, फुरावहा टोल, सोबहल सिसौबारी, जयरामपुर टोल, सोघले टोल, विर बजरंगवली लक्ष्मीनिया
५	लक्ष्मीनिया टोल, कामत टोल, महतो टोल, जगुवा ऋषिदेव टोल, डकैता ४, डकैता ५ डोन बोस्को महतो, जगुवा नुनिया टोल, उखर कट्टा गनगाई टोल, डुमरिया सन्थाल टोल, सन्थाल टोल, मुखिया टोल, महथा टोल
६	पोखरिया मुस्लिम टोल, ठेक टोल, डकैता सन्थाल टोल, डुमरिया लवटोलिया, मुसहरी टोल, ऋषिदेव टोल, धानुक टोल
७	मभारे टोल, डग्राहा टोल, बकरी टोल, बौधा टोल, छोटकी वैरिया, वटुकी वैरिया, खान्ता टोल, मोहनपुर वीरपुर खिखरी टोल, हरिनागरा दहिचार टोल, मिलन चोक, हाथिवन्धा, तरिगामा टोल

### २.४.२ सडक, पुल तथा यातायात

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ । कोशी प्रदेशको मोरङ जिल्लामा पर्ने यस गाउँपालिकाको अधिकांश भूभाग समथर तराई क्षेत्रमा पर्ने हुँदा सडक तथा यातायात पूर्वाधार विकासको हिसाबले सन्तोषजनक अवस्थामा छ । गाउँपालिकाभित्र कालोपत्रे सडक २५ कि.मि., ग्राभेल बाटो १३० कि.मि. र हिउँदयाममा मात्र गाडी चल्ने बाटो ५०० कि.मि. रहेको छ । पालिकाभित्रका अधिकांश मुख्य सडकहरू कालोपत्रे छन् । गाउँपालिकाले सडकहरूको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ । यातायातका साधनहरूको अपर्याप्तता तथा रुटहरू वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ । त्यसकारण यहाँ बस टर्मिनलको निर्माण गर्नु अतिआवश्यक

रहेको छ। सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरूलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरूमा यात्रु प्रतिक्षालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ।

### २.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

गाउँपालिकामा विद्युतीकरणको अवस्था सन्तोषजनक नै रहेको भए तापनि ग्रामीण वस्तीहरूमा सडकमा सौर्यबत्तीको व्यवस्था गर्नुपर्ने देखिन्छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा खाना पकाउनका लागि प्रयोग गर्ने इन्धनको रूपमा सबै भन्दा धेरै अर्थात् ४,६०२ घरपरिवारले गुइँठा प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ भने दाउराको प्रयोग गर्ने घरपरिवार ४,१४८ रहेका छन्। त्यसैगरी ग्याँसको प्रयोग गर्ने घरपरिवार ५६४, विद्युत् प्रयोग गर्ने घरपरिवार ४८ र गोबरग्याँस प्रयोग गर्ने घरपरिवार २५ रहेका छन्। यसैगरी बत्ती बाल्नका लागि ९,०६८ घरपरिवारले विद्युत् प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने ३२७ घरपरिवारले सौर्यऊर्जा, ४१८ घरपरिवारले मट्टितेल र ९ घरपरिवारले बायोग्याँस प्रयोग गर्ने गरेका छन्। यहाँ प्रयोग हुने काठदाउराको श्रोत सामुदायिक वन तथा निजी वन रहेका छन्। काठदाउरा तथा गुइँठाको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरूमध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन्।

### २.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

यस गाउँपालिकाको सबै वडाहरूमा तार सहितको टेलिफोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा उपलब्ध हुनुका साथै नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइल फोन सेवा प्रदान गरेका छन्। गाउँपालिकाका विभिन्न वडाहरूमा मोबाइल नेटवर्कका टावरहरू रहेका छन्। यद्यपि सामान्य हुरी बतास र वर्षा हुँदाको समयमा नेटवर्क कभरेज (Network Coverage) कमजोर रहेको छ। त्यसैगरी गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायकले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भए तापनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। यस गाउँपालिकामा विभिन्न राष्ट्रिय दैनिक पत्रिका जस्तै गोरखापत्र, कान्तिपुर आदिको आपूर्ति हुने गरेको छ।

## २.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था

### २.५.१ वन तथा जैविक विविधता

जहदा गाउँपालिकामा ठूलो वन जंगल नभए तापनि गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ६२.२३ वर्ग कि.मी. मध्ये २.५२ वर्ग कि.मी. (४.०४ प्रतिशत) भू-भाग जमिन आँप, लिच्ची जस्ता फलफुलका बगैँचाले ओगटेको छ। यस गाउँपालिकाभित्र १.३५ हेक्टर क्षेत्रफल ओगटेको पञ्चवटी सामुदायिक वन तथा केही निजी वनहरू रहेका छन्। यहाँको वनमा जंगली जनावर जस्तै- बाँदर, हरिण, चित्तल, निलगाई, दुम्सी, खरायो, स्याल, न्याउरी मुसा साथै चराचुरुङ्गी जस्तै सुगा, धनेश, कोयल, काग, रूपी, लाटोकोशेरो, चीवे, बाज, मैना, ढुकुर, बट्टाई, जुरेली, चिल, चमेरा, धोवी चरा, तोप चरा, माटिकोरे आदि पाइन्छ। वनस्पतिमा आँप, लिच्ची, कटहरू, बाँस, सिसौ, सिमल आदि पाइन्छ। जलचर प्राणी माछा, पानीहाँस, गंगटा, भ्यागुता आदि रहेका छन्। गाउँपालिकामा रहेका वनजंगल क्षेत्रलाई जंगल क्षेत्र नै कायम राखी हाल रहेको प्राकृतिक अवस्थाको जंगललाई दिगो वन व्यवस्थापन तथा सिमसार क्षेत्रको उचित संरक्षण र व्यवस्थापन गरी पूर्णरूपमा उत्पादन र प्रतिफलमुखी बनाई गाउँपालिकाको दिगो विकास र समृद्धिमा सदुपयोग गर्नु उपयुक्त हुन्छ।

### २.५.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

बाढी, पहिरो, भू-क्षय जस्ता प्राकृतिक प्रकोपबाट कुनै क्षेत्रलाई नष्ट हुनबाट रोक्ने वा बचाउने तथा पानीको आयतन र बहावलाई सामान्य स्थितिमा राख्ने वा पानीको बहावलाई धमिलो हुन नदिई स्वच्छता बनाई राख्ने कार्यलाई भू तथा जलाधार संरक्षण भनिन्छ। जहदा गाउँपालिकाले गाउँ विपद्, जोखिम तथा न्यूनिकरण ऐन निर्माण गरेको छ।

### २.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामीसामु छ । यसरी भू-मण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्षरूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ, किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकाससम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार घरमा उत्पादित फोहोर खाल्डोमा पूर्ण घरपरिवारको संख्या सबैभन्दा बढी अर्थात् ४२ प्रतिशत रहेको छ भने जलाउने घरपरिवारको संख्या ३८ प्रतिशत रहेको छ । यसैगरी ११ प्रतिशत घरपरिवारले मल बनाउछन् भने ९ प्रतिशत घरपरिवारले यत्रतत्र फोहोर फाल्ने गरेको देखिन्छ ।

### २.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

जहदा गाउँपालिकाको मुख्य जल निकासको रूपमा लोहोन्द्र खोला, जुडी खोला, सिंगिहा खोला, भिडिया खोला रहेका छन् । तराईको समथर क्षेत्रमा पर्ने गाउँपालिका भएकोले यो बाढी, डुवान र कटानको जोखिम भएको क्षेत्रमा पर्दछ । यस्तो सतहमा पानीको प्राकृतिक निकास सहज नहुने भएकाले व्यवस्थित गर्न नसकेका व्यापक रूपमा डुवान र कटानको जोखिम रहन्छ । त्यसमा पनि टूचाक खोलेर व्यवस्थित गर्न नसकेका सडकहरूले डुवान र कटानका हिसाबले थप जोखिमपूर्ण स्थिति सिर्जना भएको देखिन्छ । तसर्थ सडकको दायाँबाँया नाला निर्माण कार्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेर दिगो विकासको अवधारणा अनुरूप अगाडि बढ्नु पर्ने देखिन्छ । यसका लागि सडकको स्तरोन्नति सँगसँगै नाला निर्माण गर्ने र नजिकको खोलाहरूमा निकास गर्ने प्रणाली विकास गर्नु पर्दछ ।

## २.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

### २.६.१ स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन

गाउँपालिकाबासीलाई चुस्त, पारदर्शी तथा सुविधाजनक सेवा प्रवाह गर्नु गाउँपालिकाको पहिलो दायित्व हो । सही सूचना तथा जानकारी प्राप्त नहुँदा सेवाग्राहीले पटक पटक दुःख पाउने अवस्था आउँछ भने पालिकाप्रति जनविश्वास पनि घट्न जान्छ । तसर्थ चुस्त दुरुस्त तरिकाले सेवा प्रदान गर्नको लागि यस गाउँपालिकाले हालसम्म ११ वटा ऐन, ३ वटा नियमावली, एउटा निर्देशिका र ६ वटा कार्यविधि, निर्माण गरी कार्यान्वयनमा ल्याइरहेको अवस्था छ ।

### २.६.२ स्रोत परिचालन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख श्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ । नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीनखम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत उक्त क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गरिएको छ ।

### २.६.३ योजना व्यवस्थापन

गाउँपालिकाका आफ्नो क्षेत्राधिकारमा कृषि, पर्यटन विकास, घरेलु उद्योग, शिक्षा तथा स्वास्थ्यसम्बन्धी कार्यक्रमहरू र भौतिक पूर्वाधारको विकास गरी रोजगारिको सिर्जना गर्न आफ्नो बजेट केन्द्रित गर्नुपर्ने देखिन्छ । आय र खर्चको समुचित व्यवस्थापन गरी उत्पादनशील रोजगारी सिर्जना गर्ने, आयआर्जन गर्ने, उपलब्ध साधन र स्रोतको समुचित उपयोग गरी आम नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु जरुरी देखिन्छ ।

## परिच्छेद - ३: सोच तथा विकासको अवधारणा

### ३.१ पृष्ठभूमि

सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्थाको माध्यमद्वारा दिगो शान्ति, सुशासन, विकास र समृद्धिको आकांक्षा पुरा गर्न संविधानसभाबाट पारित गरी जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ ले देशको शासन संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारहरूले आपसी समन्वयबाट गर्ने संवैधानिक व्यवस्था गरेको छ। तिनवटै सरकारका आफ्ना अधिकार क्षेत्रहरू तोकिएका छन्। कतिपय साभा अधिकार छन् भने कतिपय एकल अधिकार छन्। संविधानको अनुसूचि-८ अन्तर्गत स्थानीय सरकारका विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्यांकन गर्ने एकल अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएकोले सोही बमोजिम स्थानीय तहमा यस गाउँपालिकाले आवधिक योजना तयार पारेको हो।

### ३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रसस्त खेतीयोग्य जमिन र समथर भू-धरातल भएपनि भूमिको वैज्ञानिक सदुपयोगमार्फत कृषिमा व्यवसायिकताको पर्याप्त विकास हुन नसकेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधा राम्रो प्रबन्ध गर्न नसकिएको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकासँग निकट ठूला उपभोक्ता बजार (विराटनगर) तथा भारतसंगको सिमा नाका अर्थात (छोटी भन्सार) सँगको सन्नीकटता (Connectivity) लाई थप प्रभावकारी र लाभयुक्त बनाउन नसकिएको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटनको राम्रो सम्भावना भएपनि आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको दिगो विकास हुन नसकेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटनलाई व्यावसायिक बनाउन चुनौती रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>लोप हुन लागेका स्थानीय भाषा, संस्कृति, भेषभुषा संरक्षणका लागि सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण सहित संरक्षण गर्न नसकिएको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>परम्परागत रूपले गरिने खेती प्रणालीमा आधुनिकीकरणको विकास र प्रविधि प्रयोग गरी छिटो र धेरै आमदानी गर्ने किसिमको खेती गर्ने परिपाटिको विकास गर्न नसकिएको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ साइटको अभाव रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>विकास र समृद्धि तर्फको यात्रामा व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>युवा जनशक्तिलाई गाउँपालिकाकै विकासमा केन्द्रित गरी बस्ने वातावरण सृजना गर्नुपर्ने चुनौती रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>विकासका भौतिक पूर्वाधारहरूको थप विकास र विस्तार गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>परम्परागत चिन्तन शैलीमा व्यापक परिवर्तन नभइसकेकोले लैङ्गिकता, सामाजिक विभेद लगायतका सामाजिक सन्तुलनका विषयहरूमा प्रसस्त जागरण गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय तहहरूमा आवश्यक तथ्याङ्कहरू अद्यावधिक नभइसकेको हुनाले दिगो विकास लक्ष्यको सूचाङ्क अनुसार सूचनाहरू अद्यावधिक गर्नुपर्ने भएको।</li> </ul>

### ३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>ऐतिहासिक, धार्मिक, पर्यापर्यटन र कृषि पर्यटनको प्रचुर सम्भावना रहेको।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>तराईको समथर भू-धरातलको प्रधानता रहेकोले सबै वडा केन्द्रहरूसँगको सम्बन्ध सहज बनाउन सकिने।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि शहर विकास गरी कृषिमा आधारित ठूला तथा मझौला उद्योग स्थापना गर्न सकिने।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय उपजमा आधारित उद्योगको प्याकेजिङ र ब्रान्डिङ गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा निर्यात गर्न सकिने।</li> </ul>

### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- युवा जनशक्तिको जनसांख्यिक लाभाशंको उच्चतम सदुपयोग गरी समृद्धिको यात्रा तय गर्न सकिने ।
- स्थानीय आवश्यकता र विशिष्टताको आधारमा आफ्ना योजना आफै निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने गराउने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।
- स्थानीय सरकारको नेतृत्व अनुभवी तथा परिपक्व हुँदै गएको तथा विकास निर्माणप्रति जनचासो बढ्दै गएको ।
- गाउँपालिका क्षेत्रभित्र कालोपत्रे सडक २५ कि.मि., ग्राभेल बाटो १३० कि.मि. र हिउँदयाममा मात्र गाडी चल्ने बाटो ५०० कि. मि. रहेको ।
- गाउँपालिकाले जुनसुकै प्रकारका विपद्को रोकथाम, उपचार र प्रवर्द्धनमा रेडक्रस तथा निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा कार्यक्रम संचालन गर्ने लक्ष्य राखेको ।
- गाउँपालिकाले एक आयोजना बैंक स्थापना गरी सो बैंकमा वडास्तरबाट प्राप्त महत्वपूर्ण योजना तथा गौरवका योजनालाई प्राथमिकीकरण गरी आगामी दिनमा आउने अनुदान रकमलाई सोही बैंकमा रहेको आयोजनामा लगानी प्राथमिकता दिने नीति अवलम्बन गरेको ।

### ३.४ निर्देशक सिद्धान्त

तीव्र आर्थिक र सामाजिक विकास मार्फत आम नागरिकको जीवनमा सकारात्मक रूपान्तरण गरी सुखी र समृद्ध समाजको निर्माण गर्न आवधिक योजनाका समग्र कार्यक्रमहरू लक्षित रहनेछन् । यसर्थ यी कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गरी अपेक्षित उपलब्धीहरू हासिल गर्न तय गरिएका मूल निर्देशक सिद्धान्तहरू निम्न बमोजिम छन् :

१. विकासका आधारभूत पूर्वाधार निर्माणसँगै आम नागरिकका दैनिक आधारभूत आवश्यकता पूर्ति हुने गरी प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने कार्यक्रम कार्यान्वयन
२. शान्त, सौहार्द, समतामूलक, समावेशी, आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक विकास
३. समाजवाद उन्मुख आत्मनिर्भर अर्थतन्त्र
४. दिगो, सन्तुलित र हरित अर्थतन्त्रमा आधारित विकास
५. शिक्षा, स्वास्थ्य र मानव संसाधन निर्माण
६. बालमैत्री, महिलामैत्री तथा लैङ्गिक सन्तुलनयुक्त, युवा उद्यमी तथा रोजगारी केन्द्रीत विकास
७. न्यायमा आधारित भेदभाव रहित समाज तथा सामाजिक सुरक्षा
८. रैथाने साँस्कृति, भुगोल, सम्भावना, पहिचान तथा परिवेशमा आधारित विकास
९. सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक सहभागितामा आधारित विकास
१०. असल शासन र उत्तरदायी स्थानीय सरकार
११. संघिय, प्रादेशिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धताहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै दिगो विकास लक्ष्य हासिल तर्फको विकास यात्रा
१२. सूचना प्रविधिमा आधारित विकास

### ३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

#### दीर्घकालीन सोच

समृद्ध जहदाको आधार : कृषि, रोजगारी र दिगो पूर्वाधार

#### लक्ष्य

उपलब्ध स्रोतसाधनहरू तथा प्रविधिको अधिकतम सदुपयोग गरी नागरिक तथा विकास साभेदारहरूसँग सहकार्य गरेर सामाजिक न्याय, सुशासन, गरिबी निवारण एवं समावेशी विकास सहितको समावेशी समाज निर्माण गरी समृद्ध र नमूना गाउँपालिकाको रूपमा रूपान्तरण गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

- ✓ दिगो विकास लक्ष्य र निर्धारित सूचकहरू हासिल गर्नु ।
- ✓ शिक्षा, स्वास्थ्य लगायत आधारभूत सेवा तथा संरचनाहरूमा सबैको पहुँचको सुनिश्चितता गर्नु ।
- ✓ समावेशी विकास प्रवर्द्धन सहित असमानता न्यूनीकरण गरी विकासमा सबैको अपनत्व सुनिश्चित गर्नु ।
- ✓ कृषि उत्पाकत्व वृद्धि तथा उद्यम विकास गरी द्रुत आय आर्जनका अवसरहरू सिर्जना गरेर उच्च आर्थिक वृद्धिदर प्राप्त गर्नु ।
- ✓ सुशासन तथा गाउँपालिकावासीहरूलाई सामाजिक न्यायको प्रत्याभूति गर्नु ।
- ✓ प्रविधि विकास तथा विस्तार गर्नु ।
- ✓ मानवअधिकार संरक्षण, दण्डहिनताको अन्त्य सहितको सामाजिक सुरक्षालाई सुनिश्चित गर्नु ।

### ३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य

तालिका नं. ८: गाउँपालिकाका समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

क्र. सं.	लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७९/८०	आ.व. २०८३/८४ को लक्ष्य
१.	आर्थिक वृद्धिदर (औसत) (कोशी प्रदेश)	प्रतिशत	४.५**	९.७**
२.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	३६.७५**	
३.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१९.९२**	२३.६१**
४	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		
५	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१.९३**	५**
६	प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (कोशी प्रदेश)	अमेरिकी डलर	९३४**	१६२०**
७	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)	प्रतिशत	२४.९*	
९	श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	५६.८*	
१०	बेरोजगारी दर	प्रतिशत	९.४*	
११	रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा	प्रतिशत		
१२	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	९१.२*	
१३	३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत		
१४	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल परिवार	प्रतिशत	५*	
१५	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको) (कोशी प्रदेश)	वर्ष	७०.७**	
१६	मातृ मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या		
१७	पाँच वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या	३६**	
१८	४ वर्ष मुनिका कमतौल भएका बालबालिका	प्रतिशत		
१९	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत		
२०	माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत		

क्र. सं.	लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७९/८०	आ.व. २०८३/८४ को लक्ष्य
२१	उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर	प्रतिशत		
२२	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको घरधुरी	प्रतिशत		
२३	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत		
२४	लैंगिक विकास सूचकांक (कोशी प्रदेश)	सूचकांक	०.९२५**	०.९६३**
२५	मानव विकास सूचकांक (कोशी प्रदेश)	सूचकांक	०.५०४**	०.६००**
२६	आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका घरपरिवार	प्रतिशत		
२७	जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यौन हिंसा पिडित महिला (कोशी प्रदेश)	प्रतिशत		
२८	आफ्नै स्वामित्वको आवासमा बसोवास गर्ने परिवार	प्रतिशत		
२९	सिंचित क्षेत्रफल	प्रतिशत		
३०	पक्की सडकमा पहुँच भएको घरपरिवार	प्रतिशत		
३१	लैङ्गिक असमानता सूचक (कोशी प्रदेश)	सूचकांक		

नोट: \* - गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७

\*\* - कोशी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना (आर्थिक वर्ष २०७६/७७-२०८०/८१)

### ३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता

प्रमुख रणनीतिहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>आर्थिक क्षेत्रका मूल स्तम्भहरू जस्तै कृषि, वन, जल, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको समुचित विकास गर्न ती क्षेत्रहरूलाई वैज्ञानिक र व्यवसायिक बनाई यसमा संलग्न मानव स्रोतलाई सक्षम र प्रतिस्पर्धी तुल्याउने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>हरेक क्षेत्रको विकासमा अपरिहार्य आधारको रूपमा रहेका आधारभूत भौतिक पूर्वाधार जस्तै- सडक, उर्जा, सिंचाई, खानेपानी आदिको विकासलाई उच्च प्राथमिकता दिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सम्पूर्ण क्षेत्रको दीर्घकालीन विकासलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने शिक्षा र स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत विकास गरी मानव स्रोत निर्माण, अध्ययन र अनुसन्धान तर्फ केन्द्रीत नीति तथा कार्यक्रमलाई महत्वका साथ कार्यान्वयन गर्ने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सामाजिक न्याय स्थापित गरी समावेशिकरण र पछाडि परेका वर्गलाई मूलप्रवाहीकरण गर्न सहभागितामूलक विकास पद्धति अवलम्बन गरी राज्यको नजरमा कोही पछि नपर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>विकास निर्माणका हरेक क्रियाकलापमा वातावरण संरक्षण र प्रवर्द्धन हुने क्रियाकलाप समेत गर्न सोको सुनिश्चितता गर्ने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>जनमुखी असल शासन स्थापित गर्न सङ्घीय र लोकतान्त्रिक सफल राज्यहरूमा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरूलाई हाम्रो विशिष्टकृत परिस्थिति अनुरूप अनुशरण गर्ने ।</li> </ul>



### ३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँट

नेपालको संविधानको धारा ५९ मा आर्थिक अधिकारको प्रयोग सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ । यसैगरी धारा ६० मा राजश्व स्रोतको बाँडफाँट सम्बन्धी व्यवस्था छ । धारा ६० को उपधारा २ बमोजिम नेपाल सरकारले संकलन गरेको राजश्व संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई न्यायोचित वितरण गर्ने उल्लेख छ । यस व्यवस्थाको कार्यान्वयनका लागि अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ जारी गरिएको छ । त्यसैगरी संविधानको धारा २२९ मा स्थानीय संचित कोषको प्रबन्ध गरिएको छ । यस कोषमा स्थानीय तहलाई प्राप्त हुने सबै प्रकारको राजश्व नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान तथा स्थानीय तहले लिएको ऋण र अन्य स्रोतबाट प्राप्त हुने रकम जम्मा हुनेछ ।

स्थानीय संचित कोषमा जम्मा हुने रकमका स्रोतहरू देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

- १) आन्तरिक राजश्व
- २) राजश्व बाँडफाँटबाट प्राप्त रकम
- ३) संघीय सरकारबाट प्राप्त रकम तथा अनुदान
- ४) प्रदेश सरकारबाट प्राप्त अनुदान तथा अन्य रकम
- ५) कुनै व्यक्ति, संघ, संस्थाबाट प्राप्त रकम
- ६) संघीय सरकारको पहलमा प्राप्त वैदेशिक सहायता रकम
- ७) अन्य स्थानीय तहहरूबाट प्राप्त सहयोग तथा अनुदान
- ८) आन्तरिक ऋणबाट प्राप्त रकम
- ९) अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त रकम

नेपालको संविधानको मर्म अनुरूप अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम तीन तहका सरकारहरूलाई प्राप्त व्यवस्था अनुरूपका आयका स्रोतहरू देहाय बमोजिम छन् ।

#### (क) राजश्वको बाँडफाँट

यस अन्तर्गत मूल्य अभिवृद्धि कर र अन्तशुल्कबाट उठेको रकम बाँडफाँट गर्ने व्यवस्था रहेको छ । यी कर तथा शुल्कहरू संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भई कूल रकमको ७० प्रतिशत संघीय सरकारलाई, १५ प्रतिशत प्रदेश सरकारलाई र १५ प्रतिशत स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुन्छ ।

#### (ख) प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त हुने रोयल्टीको बाँडफाँट

प्राकृतिक स्रोत अन्तर्गत विशेषगरी पर्वतारोहण, विद्युत, वन, खानी तथा खनिज पानी तथा अन्य प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त हुने रकम मध्ये संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भएको कूल रकमको ५० प्रतिशत संघलाई, २५ प्रतिशत सम्बन्धित प्रदेशलाई र २५ प्रतिशत सम्बन्धित स्थानीय तहलाई प्राप्त हुन्छ ।

#### (ग) अनुदानबाट प्राप्त रकम

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम संघीय सरकार र प्रदेश सरकारले स्थानीय सरकारलाई देहाय बमोजिमका अनुदानहरू प्रदान गर्दछन् ।

- १) वित्तिय समानिकरण अनुदान
- २) सशर्त अनुदान
- ३) समपुरक अनुदान
- ४) विशेष अनुदान

(घ) संघीय सरकारद्वारा लिइएको वैदेशिक सहायताबाट स्थानीय तहलाई प्राप्त रकम

(ड) नेपाल सरकारको स्वीकृतिमा स्थानीय तहले लिएको आन्तरिक ऋण

(च) नेपाल सरकारले स्थानीय सरकारलाई दिएको ऋण

संविधानले दिएको अधिकार साथै विभिन्न ऐन तथा कानूनले गरेको व्यवस्थाका आधारमा यस योजनामा बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य प्राप्तिको लागि बजेट व्यवस्थापन र संचालनको विषयमा यस परिच्छेदमा चर्चा गरिएको छ ।

### ३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको श्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण

क्र.सं.	शिर्षक	आ.व. २०७९/०८० को यथार्थ	आ.व. २०८०/०८१ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८१/०८२ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण	कैफियत
१	आन्तरिक स्रोत	८९०००००	९७९००००	१०७६९०००	११८४५९००	१३०३०४९०	१४३३३५३९	
२	नेपाल सरकार वित्तिय समानीकरण अनुदान	१४५९०००००	१६०४९००००	१७६५३९०००	१९४१९२९००	२१३६१२१९०	२३४९७३४०९	
३	राजश्व बाडफाँड	१०६१११०००	११६७२२१००	१२८३९४३१०	१४१२३३७४१	१५५३५७१५	१७०८९२८२७	
४	प्रदेश वित्तीय समानीकरण	८०१८८००	८८२०६८०	९७०२७४८	१०६७३०२२.८	११७४०३२५	१२९१४३५७.६	
५	प्रदेश सवारी साधन कर	४९१२२००	५४०३४२०	५९४३७६२	६५३८१३८.२	७१९१९५२	७९१११४७.२२	
६	घरजग्गा रजिष्ट्रेशन दस्तुर	५८०००००	६३८००००	७०१८०००	७७९९८००	८४९१७८०	९३४०९५८	
७	अन्य आम्दानी	१७२५३०००	१८९७८३००	२०८७६१३०	२२९६३७४३	२५२६०११७	२७७८६१२९	
८	जम्मा स्रोत निशर्त	२९६८९५०००	३२६५८४५००	३५९२४२९५०	३९५१६७२४५	४३४६८३९७०	४७८१५२३६६	
९	जम्मा स्रोत सशर्त	१९९३०००००	२१९२३००००	२४११५३०००	२६५२६८३००	२९१७९५१३०	३२०९७४६४३	
	जस्ता स्रोत सशर्त र निशर्त	४९६१९५०००	५४५८१४५००	६००३९५९५०	६६०४३५५४५	७२६४७९१००	७९९१२७००९	

### ३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँड

क्र.सं.	शिर्षक	आ.व. २०७९/०८० को यथार्थ	आ.व. २०८०/०८१ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८१/०८२ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण
१.	कूल बजेट	४९६१९५०००	५४५८१४५००	६००३९५९५०	६६०४३५५४५	७२६४७९१००	७९९१२७००९
	चालु खर्च	७५३७५०००	८२९१२५००	९१२०३७५०	१००३२४१२५	११०३५६५३८	१२१३९२१९१
	पूँजीगत खर्च	२२१५२००००	२४३६७२०००	२६८०३९२००	२९४८४३१२०	३२४३२७४३२	३५६७६०१७५
	कुल चालु र पूँजीगत खर्च	२९६८९५०००	३२६५८४५००	३५९२४२९५०	३९५१६७२४५	४३४६८३९७०	४७८१५२३६६
२.	कूल खर्चको क्षेत्रगत बाँडफाँड	४०४९६५५७	४४५४६२१३	४९०००८३४	५३९००९१७	५९२९१००९	६५२२०११०
२.१	आर्थिक क्षेत्र	५५८१०२६	६१३९१२९	६७५३०४१	७४२८३४६	८१७११८०	८९८८२९८
२.२	सामाजिक क्षेत्र	९०३५८२२	९९३९४०४	१०९३३३४५	१२०२६६७९	१३२२९३४७	१४५५२२८२

क्र.सं.	शिर्षक	आ.व. २०७९/०८० को यथार्थ	आ.व. २०८०/०८१ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८१/०८२ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण
२.३	पूर्वाधार विकास	१७६७४६१७	१९४४२०७९	२१३८६२८७	२३५२४९१५	२५८७७४०७	२८४६५१४७
२.४	वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन	२१७०७७७	२३८७८५५	२६२६६४०	२८८९३०४	३१७८२३५	३४९६०५८
२.५	संस्थागत विकास सेवा प्रवाह तथा सुशासन	६०३४३१५	६६३७७४७	७३०१५२१	८०३१६७३	८८३४८४१	९७१८३२५

### ३.८.३ विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँडको विस्तृत विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. ०७९/८० को यथार्थ	आ.व. ०८०/८१ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८१/८२ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८२/८३ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८३/८४को प्रक्षेपण	आ.व. ०८४/८५ को प्रक्षेपण
१.	<b>आर्थिक क्षेत्र</b>	६०८१०२६	६६८९१२९	७३५८०४१	८०९३८४६	८९०३२३०	९७९३५५३
	कृषि/पशु	३९७५५७६	४३७३१३४	४८१०४४७	५२९१४९२	५८२०६४१	६४०२७०५
	उद्योग तथा तालिम	१९०५४५०	२०९५९९५	२३०५५९५	२५३६१५४	२७८९७६९	३०६८७४६
	सहकारी	२०००००	२२००००	२४२०००	२६६२००	२९२८२०	३२२१०२
२.	<b>सामाजिक क्षेत्र</b>	८९४५८२२	९८४०४०४	१०८२४४४५	११९०६८८९	१३०९७५७८	१४४०७३३६
	शिक्षा	१२४३९७२	१३६८३६९	१५०५२०६	१६५५७२७	१८२१२९९	२००३४२९
	स्वास्थ्य	१५४४९००	१६९९३९०	१८६९३२९	२०५६२६२	२२६१८८८	२४८८०७७
	खानेपानी तथा सरसफाई	१०००००	११००००	१२१०००	१३३१००	१४६४१०	१६१०५१
	संस्कृती प्रवर्द्धन	३६०६९५०	३९६७६४५	४३६४४१०	४८००८५०	५२८०९३५	५८०९०२९
	खेलकुद तथा मनोरञ्जन	१०६५०००	११७१५००	१२८८६५०	१४१७५१५	१५५९२६७	१७१५१९३
	लैंगिक समानता तथा समाजिक समावेशीकरण	१३८५०००	१५२३५००	१६७५८५०	१८४३४३५	२०२७७७९	२२३०५५६

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. ०७९/८० को यथार्थ	आ.व. ०८०/८१ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८१/८२ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८२/८३ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८३/८४को प्रक्षेपण	आ.व. ०८४/८५ को प्रक्षेपण
३.	<b>पूर्वाधार</b>	१५३७९६१७	१६९१७५७९	१८६०९३३७	२०४७०२७०	२२५१७२९७	२४७६९०२७
	स्थानीय सडक, पुल तथा भोलुङ्गे पुल	१७६७४६१७	१९४४२०७९	२१३८६२८७	२३५२४९१५	२५८७७४०७	२८४६५१४७
४.	<b>वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b>	२१७०७७७	२३८७८५५	२६२६६४०	२८८९३०४	३१७८२३५	३४९६०५८
	वन तथा भु-संरक्षण	५५००००	६०५०००	६६५५००	७३२०५०	८०५२५५	८८५७८१
	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन	४२००००	४६२०००	५०८२००	५५९०२०	६१४९२२	६७६४१४
	विपद् व्यवस्थापन	१२००७७७	१३२०८५५	१४५२९४०	१५९८२३४	१७५८०५८	१९३३८६३
५.	<b>संस्थागत विकास</b>	६०३४३१५	६६३७७४७	७३०१५२१	८०३१६७३	८८३४८४१	९७१८३२५
	सामान्य सेवा	२०६००००	२२६६०००	२४९२६००	२७४१८६०	३०१६०४६	३३१७६५१
	अनुसन्धान तथा विकास	२०४७०००	२२५१७००	२४७६८७०	२७२४५५७	२९९७०१३	३२९६७१४
	अन्यत्र वर्गीकृत नभएको	१९२७३१५	२१२००४७	२३३२०५१	२५६५२५६	२८२१७८२	३१०३९६०

### ३.८.४ बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख श्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीन खम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत यो क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गर्दै निम्नानुसार प्रक्षेपण तथा विश्लेषण गरिएको छ।

क्र.सं.	शीर्षक	गत वर्षको यथार्थ	चालु वर्षको संशोधित अनुमान	आगामी वर्षको प्रक्षेपण	कूल जम्मा	प्रतिशत
(क)	सहकारी क्षेत्र					
(ख)	निजी क्षेत्र					
(ग)	व्यक्तिगत सहायता तथा संघ, संस्था					
(घ)	सार्वजनिक क्षेत्र					

### ३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors)

#### ३.९.१ कृषिक्षेत्र (कृषि ग्राम)

गाउँपालिकामा अधिकांश तराई क्षेत्र र ८८.६३ प्रतिशत खेतीयोग्य जमिन साथै प्रशस्त मात्रामा बलौटे र चिम्ट्याइलो पाँगो माटोको प्रधानता रहेको छ। तराईको समथर फाँटहरू यस गाउँपालिकाको समृद्धिको पहिलो आधार हो। यहाँ बाह्रै महिना सिंचाईको सुविधा पुग्ने क्षेत्रको विकास र विस्तार गरी वैज्ञानिक, व्यवसायिक र तीव्र उत्पादनमुखि कृषिको प्रवर्द्धन गरी समग्र कृषि भण्डारको रूपमा विकास गर्न सकिन्छ।

#### ३.९.२ वनजंगल र जलश्रोत

यस गाउँपालिकामा ठूलो वनजंगल नभएको भए तापनि गाउँपालिकाको कुल जमिनको ४.०४ प्रतिशत जमिन आँप, लिच्छी, कटहर जस्ता फलफूलको बगैँचाले ढाकेको छ। त्यसैगरी १.३५ हेक्टर क्षेत्रफल ओगटेको पञ्चवटी सामुदायिक वन रहेको छ। यहाँ रहेको भ्वाडी बुट्यान क्षेत्रलाई पुनर्उत्थान गरी प्रतिफलमुखी फलफूल लगाउन सके तथा कृषिकर्म जस्तै- वनजंगलको स्याहार, संरक्षण र वैज्ञानिक सदुपयोग गर्न सके यसबाट प्रत्यक्ष आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ लिन सकिन्छ। विशेषगरी यस गाउँपालिकाको वनजंगललाई Agro Forest को अवधारणा अनुरूप विकास गर्न सके यो समृद्धिको बलियो स्तम्भ हुन सक्छ। सिंचाइ लगायत जलपर्यटन साथै, जलश्रोत व्यवस्थापनमार्फत दीर्घकालीन समृद्धिमा समेत जलसम्पदा कोशेढुङ्गा सावित हुनसक्ने देखिन्छ।

#### ३.९.३ पर्यटन

विशेष गरी यस गाउँपालिकालाई ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। गाउँपालिकामा पञ्चेश्वर मन्दिर, दुर्गा मन्दिर, रामजानक मन्दिर, जीतिया मन्दिर, कालीमन्दिर, ग्रामथान, दिनभद्री मन्दिर लगायतका धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरू रहेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा जातिगत विविधता रहेको कारण होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको उत्तिकै सम्भावना छ। तसर्थ पर्यटन क्षेत्र यो गाउँपालिकाको समृद्धिको अर्को मुख्य संवाहक हो।

### ३.९.४ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरू

यस गाउँपालिकाको प्रमुख विकास संवाहकको रूपमा रहेको कृषि क्षेत्रको समुचित विकास पश्चात कृषि उपजमा आधारित प्याकेजिङ, प्रशोधन र गुणस्तर कायम गरी त्यस्ता बस्तुहरूको ब्रान्डिङ गर्न, उद्योगहरू खोल्न सकिने ठूलो सम्भावना रहेको छ ।

### ३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू

#### ३.१०.१ ठूला शहरसँगको सन्निकटता

जहदा गाउँपालिका कोशी प्रदेशको राजधानी विराटनगरबाट करिब १० कि.मीको दुरीमा रहनु, रंगेली, कटहरी जस्ता स्थानीय उपभोक्ता बजारहरू र भारतीय नाका संग (छोटी नाका भन्सार) को सन्निकटता (Proximity and Connectivity) रहनुले यहाँको विकासलाई गति थप्ने निश्चित छ ।

#### ३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू

मलिलो उब्जाउयुक्त जमिन, वनजंगल क्षेत्र, सिंगिया खोला र लोहोन्द्रा खोलाको जलसम्पदा यहाँका मुख्य प्राकृतिक सम्पदाहरू हुन् । यी सम्पदा नै विकासलाई गतिदिने आधारहरू हुन् ।

#### ३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता

सबै जातजातिका बीच आपसी सहयोग र सहकार्य गरी सौहार्द्रतापूर्वक रहनु यहाँको विकासको अर्को महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो । यसका साथै यहाँ रहेका आदिवासीहरू जस्तै थारु, कुशवाह, धिमाल, धानुक, राजवंशी, सतार, सन्थाल, भागड, गनगाइ लगायतका साँस्कृतिक र मानवशास्त्रिय विशेषताको अध्ययन, अनुसन्धान र संरक्षण मार्फत विकासमा टेवा पुऱ्याउन सकिन्छ ।

#### ३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश

जहदा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका भित्र १६ देखि ४० वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १०,३३३ अर्थात २३.१६ प्रतिशत रहेको छ । जनसांख्यिक चक्रमा यसप्रकारको जनसांख्यिक लाभ प्राप्त हुने अवसर इतिहासमा दुर्लभ हुन्छ तसर्थ युवा र सक्रिय जनसंख्याको बाहुल्यता भएको हालको अवस्था गाउँपालिकाको विकासको लागि अति महत्वपूर्ण कालखण्ड हो । यो नै विकासको महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो ।

## परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र

### ४.१ कृषि तथा पशुपन्छी

#### (अ) कृषि

##### पृष्ठभूमि

तराइको समथर भू-भाग रहेको यो गाउँपालिकामा मलिलो जमिनको प्रधानता रहेकोले यहाँको समृद्धिको प्रमुख संवाहक नै कृषि क्षेत्र हो । यस पालिकाका ७ वटै वडामा खेतीपाती हुनसक्ने र भैरहेका प्रशस्त कृषि क्षेत्रहरू छन् । समुद्र सतहबाट ५७ मिटर उचाइमा रहेको यो गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग कृषि क्षेत्रले ओगटेको छ । यहाँका प्रमुख खाद्यान्न बालीहरू धान, गहुँ, मकै हुन् भने फलफूल बालीहरू केरा, आँप, अनार, भूइँकटहर, अम्बा, लिची आदि हुन् । त्यसैगरी दलहन बालीहरू मसुरो, मास, रहरी आदि, तेलहन बालीहरू तोरी, तिल, सूर्यमुखी, आलस आदि, मसला बालीहरू खुर्सानी, अदुवा, लसुन, प्याज, धनिया, बेसार, कागती, मेवा लगायत उष्ण क्षेत्रमा लगाइने सबै प्रकारका तरकारी बालीहरूको यहाँ प्रचुर मात्रामा उत्पादन हुने गरेको छ । गाउँपालिकामा हाल खेतीपाती भईरहेको क्षेत्र अत्यन्त मलिलो र सघन खेतीपाती गर्न सकिने उर्वर क्षेत्रमा पर्ने भएकोले यो भूमिको पूर्ण सदुपयोग गर्न सके यो गाउँपालिकालाई कृषिको नमूना क्षेत्रको रूपमा विकास गर्न सकिन्छ । गाउँपालिकाको अधिकांश जनसंख्या कृषि पेशामा संलग्न रहेकोले गाउँपालिकाको दीर्घकालीन विकास र समृद्धिका लागि यो क्षेत्रलाई वैज्ञानिकिकरण र व्यवसायिकीकरण गर्न सकिने प्रबल संभावना रहेको छ ।

##### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्षहरू
✓ ठुलो संख्यामा गाउँपालिकावासीहरू कृषि पेशामा संलग्न भएर खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर हुने अवस्था हुँदा पनि भारतबाट खाद्यान्न आयात गरिनु ।
✓ उन्नत खेती प्रणालीतर्फ उन्मुख हुँदाहुँदै पनि सिँचाई आयोजनाको भरपर्दो सिँचाई सुविधा उपलब्ध नहुँदा उब्जनीमा सोचेजस्तो प्रगति नभएको ।
✓ कृषकलाई दक्ष प्राविधिकबाट अद्यावधिक र प्रभावकारी तालिमको व्यवस्था नभएको ।
✓ कृषि तथा पशुपालनले पूर्णरूपमा व्यावसायिक स्वरूप ग्रहण गर्न नसकेको ।
✓ कृषि प्राविधिकहरूको पर्याप्तता नभएको ।
✓ कृषि बजारीकरण असहज भएकोले कृषि उपज बिक्री वितरणमा कठिनाइ ।
✓ बीउविजन, मलखाद र शीत भण्डारणको उचित प्रबन्ध नभएको ।
✓ कृषि उपज मूल्य श्रृंखलाको विकास नभएको ।
✓ मलखाद तथा कृषि सामग्रीको आपूर्तिमा असहजता रहेको ।
✓ किटनाशक औषधि, कृषि औजार, आधुनिक प्रविधि, पशु औषधालय तथा कृषि तथा पशु बीमाको पर्याप्त व्यवस्था नभएको ।
✓ कृषिजन्य उत्पादनको लागत मूल्यमा वृद्धि भई उत्पादन अपेक्षाकृत वृद्धि हुन नसकेको ।
✓ आवश्यकता अनुसार पशु तथा कृषिको घुम्ती शिविर संचालन गर्न नसकिएको ।



### दुर्बल पक्षहरू

- ✓ कृषकहरू परम्परागत कृषि प्रणालीमा आधारित ।
- ✓ उत्पादित कृषि उपजहरूको उचित मूल्य निर्धारण र बजारीकरणको समस्या ।
- ✓ नीतिगत रूपमा कृषि अनुदान कार्यक्रम भए तापनि सो कार्यक्रम वास्तविक कृषकहरूको पहुँचमा कमी ।

### चुनौती तथा जोखिमहरू

- ✓ कृषि पेशाबाट युवा तथा अन्य श्रमशक्तिको व्यापक पलायन भएकोले कृषि व्यवसायतर्फ आकर्षण गरी कृषकको लगानीबाट उचित प्रतिफल प्राप्त गर्न सक्ने स्थितिको निर्माण गर्न ।
- ✓ परम्परागत कृषि प्रणालीलाई न्यूनिकरण गर्दै पूर्ण रूपमा वैज्ञानिकीकरण गरी व्यावसायिक बनाउन ।
- ✓ कृषि क्षेत्रमा रहेको अदृष्य बेरोजगारीको अन्त्य गर्न ।
- ✓ वास्तविक किसानसँग खेतीयोग्य जमिनको अभाव हुनु ।
- ✓ समय सापेक्ष रासायनिक मल र किटनाशक औषधिको सन्तुलित प्रयोग गर्न ।
- ✓ माटोको उर्वराशक्ति कायम गर्नको लागि ठोस कदम चाल्न ।
- ✓ गाउँपालिकामा रहेको कृषि भूमीलाई उत्पादन मुलक बनाउनको लागि सिँचाइको प्रबन्ध गर्न ।
- ✓ तरकारी तथा फलफूल चिस्यान केन्द्र पर्याप्त मात्रामा स्थापना गर्न ।
- ✓ कृषि तथा पशु विज्ञ प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था गर्ने ।
- ✓ कृषिबालीको समय अनुसार मल, बिउ विजन र औषधिको उपलब्धता गराउन ।
- ✓ कृषि बजारीकरण र मूल्य सन्तुलनमा ठोस काम गर्न ।
- ✓ कृषि उपज वस्तुहरूको भण्डारणको उचित प्रबन्ध गर्न ।
- ✓ कृषिमा प्रयोग गरिँदै आएको किटनाशक विषादीको प्रयोगलाई निरुत्साहित गरी अर्गानिक कृषि प्रणालीको विकास गर्न ।
- ✓ रैथाने जातका बालीनालीहरू लोप हुने जोखिम रहेको ।
- ✓ आयातित तरकारीहरूको न्यूनिकरण गरी उत्पादित तरकारीहरूलाई बढावा दिन ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्षहरू

- ✓ गाउँपालिकाले व्यावसायिक खेतिपाती गर्ने कृषकहरूको उत्पादनलाई संरक्षण र बजारीकरण गर्नका लागि प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउने नीति लिएको ।
- ✓ गाउँपालिकाले कृषकहरूलाई कृषि कर्जाको सहूलियत ब्याजदर निर्धारणका लागि आवश्यक पहल गर्नुका साथै युवाहरूलाई कृषि अनुदान प्रदान गर्ने नीति लिएको ।
- ✓ गाउँपालिकाका धेरै संख्यामा घरपरिवारहरू कृषिमा संलग्न भएको हुँदा कृषि उत्पादनको लागि आवश्यक जनशक्ति रहेका ।
- ✓ गाउँपालिकामा जलवायु अनुकूल बालीनाली, फलफूल तथा जडिबुटी प्रशस्त मात्रामा उत्पादन गर्न सकिने ।
- ✓ गाउँपालिकाले कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन ऐन २०७५, तयार गरी लागु गरेको ।
- ✓ गाउँपालिकाले पालिकाको वडा नं. १ मा पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन र विक्रीको सम्भावना भएकोले पशुपालन व्यवसायलाई लघुउद्यमको रूपमा प्रवर्द्धन गर्दै लैजाने नीति अगाडि सारेको ।

सम्भावना र अवसरहरू	
✓	गाउँपालिकाले अनुदानमा कृषि यन्त्रहरू आवश्यकता अनुसार विस्तार तथा वितरण गर्न सकिने ।
✓	बिउ विजनहरूमा अनुदान दिई कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।
✓	युवावर्गलाई कृषिमा आकर्षित गर्न युवा लक्षित कृषि कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
✓	कृषक समूह, सहकारी, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्था र स्थानीय संघसंस्थाको साभेदारीमा कृषि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।
✓	पशुपालन व्यवसायलाई प्रोत्साहन गर्न पशु बीमा, गोठ सुधार जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
✓	कृषक समूह निर्माण गरी उनीहरूको जग्गालाई व्यावसायिक खेतीमा जान चक्लाबन्दी गर्न सकिने ।
✓	अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा विभिन्न प्रजातिका नगदे बाली, फलफूल, जडिबुटी व्यावसायिक उत्पादन गर्न सकिने ।
✓	कृषक पाठशाला कार्यक्रमको निरन्तरता र नयाँ सञ्चालन गर्न सकिने ।
✓	गाउँपालिकाले गाईभैँसीको भकारो सुधार कार्यक्रमका लागि अनुदान उपलब्ध गराउन सक्ने ।
✓	व्यावसायिकरूपमा बाख्रापालन, कुखुरापालन, बुङ्गुरापालन, हाँसपालन तथा माछा पालन गर्न सकिने ।
✓	सम्भाव्य खेतीयोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी कृषि पकेट क्षेत्र, सुपरजोन तथा जोनको रूपमा घोषणा गरी कृषि उत्पादन वृद्धि गर्न सकिने ।
✓	कृषि सडकहरूको विकास गरी कृषकको उत्पादनलाई सहज रूपले बजारीकरण गर्न सकिने ।
✓	गाउँपालिकालाई प्राङ्गारिक तथा अर्गानिक गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्ने उद्देश्यले जनचेतनामूलक फ्लेक्स तथा पम्प्लेटहरू वितरण गर्नुको साथै जैविक मल बनाउनको लागि तालिम सहित अनुदानमा प्लाष्टिक ड्रमहरू वितरण गर्न सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>	
वैज्ञानिक, व्यावसायिक, उच्च प्रतिफल युक्त निर्यातमुखी कृषि ।	
<b>लक्ष्य</b>	
गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिको मूल संवाहकको रूपमा कृषिको विकास गर्ने ।	
<b>उद्देश्यहरू</b>	
✓	व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।
✓	नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु ।
✓	वातावरण मैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु ।
✓	व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सुरुवात गर्नु ।

**उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ व्यावसायिक सोचको अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था गर्ने	१.१.१ गाउँपालिकाभर कृषक परिचय पत्र वितरण गर्न कृषकहरूको वर्गीकरण गर्ने नीति निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२ अगुवा कृषकहरूको पहिचान तथा कृषि सम्बन्धी विवरण संकलन लागि आधारभूत सर्वेक्षण गरिनेछ ।
	१.१.३ वर्षमा कम्तीमा एकपटक कृषिको व्यावसायीकरण सन्दर्भमा अगुवा कृषकहरूलाई अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
	१.१.४ वडास्तरीय कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.५ कृषि उपज विशेष कृषक समूह गठन गरी कृषि सहकारीसँग आबद्ध गरिनेछ ।
	१.१.६ कृषिमा आत्मनिर्भर भन्ने अभियानलाई अगाडि बढाइनेछ ।
१.२ उच्च, प्रतिफलमुखी सघन खेती प्रणालीको अवलम्बन गर्ने	१.२.१ असिंचित क्षेत्रलाई क्रमश सिंचित तुल्याउन सिंचाई योजनाहरूको प्राथमिकिकरण गरिनेछ ।
	१.२.२ प्रत्येक वडामा उर्वर र कृषियोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी सघन खेतीका लागि मिश्रित बाली पहिचान गरिनेछ ।
	१.२.३ प्रत्येक वडामा उच्च मूल्यका कृषि उपज पहिचान गर्न संभाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
१.३ कृषि पकेट क्षेत्रको विकास गर्ने	१.३.१ प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र, सुपरजोन, जोन निर्माणका लागि संभाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.२ फलफुल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.३ बाली विशेष पकेट क्षेत्रलाई केन्द्रित गरी गुणस्तरीय र उन्नत विउ विजनका लागि स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.४ व्यावसायिक च्याउ खेतीमा अनुदान दिइनेछ ।
१.४ अत्यावश्यक कृषि सामग्रीको पहुँच र उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने	१.४.१ आवश्यक रासायनिक मलको आयात आंकलन गरी समयमै आपूर्ति गर्न गाउँपालिकास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.४.२ प्रत्येक वडामा प्राङ्गारिक तथा हरित मल उत्पादनसम्बन्धी तालिमको आयोजना गरिनेछ ।
	१.४.३ व्यावसायिक प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषकलाई विशेष अनुदानको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.४.४ वडास्तरमा उत्पादन हुने बाली विशेषका आधारमा उन्नत विउ वितरण गर्न विज बैङ्क तथा सामाग्री केन्द्रको विकास गरिनेछ ।
	१.४.५ कृषि यान्त्रिकीकरण अन्तर्गत किसानले खरिद गर्ने औजार (जस्तै: च्यापकटर, ब्रसकटर, मिल्कएनलाइजर, स्प्रे आदि)मा मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	१.४.६ साना किसान तथा समग्र कृषि क्षेत्रलाई क्रमश यान्त्रिकीकरण गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय Custom Hiring Center को निर्माण गर्न प्रदेश र सङ्घीय सरकारसँग समन्वय गरिनेछ ।

उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.४.७ बजारको पहुँच नभएको क्षेत्रहरूको कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन ढुवानीको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.४.८ कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स संचालन गरिनेछ ।
	१.४.९ एक वडा एक हाटबजार स्थापनाका लागि पूर्वाधारमा आवश्यक लगानी गरिनेछ ।
१.५ खाद्यान्न तथा मल भण्डारण तथा विषादीको प्रयोगसम्बन्धी कृषक ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने	१.५.१ मलको प्रयोग र अनुपात समय आदिका विषयमा प्रत्येक कृषकलाई सुसुचित गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यमको प्रयोग गरिनेछ ।
	१.५.२ मल, विउ विजन तथा विषादीको प्रयोगसम्बन्धी जानकारी प्रदान गर्न गाउँपालिका स्तरीय Call center को स्थापना गरिनेछ ।
	१.५.३ वडास्तरीय कृषक पाठशालामा मल, विउविजन र विषादी प्रयोग सम्बन्धी सामग्रीको विकास र सम्प्रेषण गरिनेछ ।
	१.५.४ वडास्तरमा घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.५ जैविक विषादीको उत्पादन र प्रयोगसम्बन्धी वडास्तरीय तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.५.६ बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.७ कृषकहरूलाई प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण गर्न कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.८ बाली भित्र्याइसकेपछि हुने क्षती न्यूनीकरण गर्न कृषि उपज भण्डारण सम्बन्धी विशेष तालिम तथा परम्परागत सीप हस्तान्तरण गरिनेछ ।
	१.५.९ खाद्य भण्डारण डिपोहरूको स्थापना गरिनेछ ।
	१.५.१० विषादी प्रयोग न्यूनीकरणका लागि विषादी परिक्षण प्रयोगशाला निर्माण गरिनेछ ।
	१.५.११ अर्गानिक खेती गर्ने किसानलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.५.१२ अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन गरिनेछ ।
१.६ सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गर्ने	१.६.१ सङ्घीय र प्रदेश सरकार तथा गाउँपालिकाको सहजीकरण तथा समन्वयमा व्यावसायिक योजना अनुरूप खेती गर्न चाहने कृषकलाई सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.६.२ सहकारी क्षेत्रलाई कृषि क्षेत्रमा लगानी गर्न कृषि सहकारी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.६.३ वैदेशिक रोजगारीमा कृषि पेशामा संलग्न भई स्वदेश फर्केका युवाहरूलाई कृषिमा लगानी गर्न इच्छुक भए मापदण्डका आधारमा कृषि कर्जाको व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
१.७ कृषि बीमालाई प्रभावकारी बनाउने	१.७.१ गाउँपालिकाको समन्वय र सहजीकरणमा कृषि बीमालाई अनिवार्य बनाई बीमा प्रदायक कम्पनीहरूसँगको सहकार्यमा कृषक मैत्री बनाइनेछ ।

**उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.७.२ कृषकहरूलाई कृषि बीमाको आवश्यकता र महत्वका विषयमा सुसुचित गर्न बीमा कम्पनीहरूको सहयोगमा नियमित अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	१.७.३ न्यून आय भएका साना किसानहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा कृषि बीमामा सहूलियत तथा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: नमूना कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ असल अभ्यासहरूको अध्ययन र अवलोकन गर्ने	२.१.१ कृषि शाखाको समन्वयमा गाउँपालिकाका अगुवा र आकांक्षी कृषकहरूलाई देश तथा विदेशमा सघन कृषि क्षेत्र वा कृषि ग्रामको रुपमा विकास भैरहेका क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन भ्रमण गराइनेछ ।
	२.१.२ अवलोकनबाट प्राप्त अनुभवहरूलाई गाउँपालिकाका अन्य कृषकहरूलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा कम्तीमा १ पटक गाउँपालिका स्तरीय कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	२.१.३ वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना गरी बजारको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
२.२ सघन कृषि उत्पादन क्षेत्रको वर्गीकरण र घोषणा गर्ने	२.२.१ उर्वर र खेतीयोग्य क्षेत्रलाई वर्गीकरण गरी क्रमश सघन खेतीक्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।
	२.२.२ सघन खेती क्षेत्रहरूलाई निश्चित मापदण्ड तथा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय भू-उपयोग नीति अनुरूप खेतीपाती बाहेक अन्य कृषाकलापमा प्रयोग गर्न निरुत्साहन गर्ने नीति कार्यान्वयन गरिनेछ ।
२.३ कृषिको विकासका लागि आवश्यक भौतिक कृषि पूर्वाधारको क्रमश विकास गर्दै नमूना कृषि क्षेत्र बनाउने	२.३.१ गाउँपालिका भित्रका प्रमुख कृषि सडकहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	२.३.२ प्राथमिकताका आधारमा सघन क्षेत्रका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	२.३.३ प्रत्येक वडामा सघन खेती क्षेत्रलाई उपयुक्त हुने स्थानमा कृषि उपज संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.४ गाउँपालिका भित्र आवश्यकताका आधारमा चिस्यान केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.५ गाउँपालिकामा उच्च उत्पादन संभावना रहेका बाली जस्तै धान, मकै तथा गहुँको विज बैङ्क स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.६ कृषि सम्बन्धी अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने हेतुले गाउँपालिकामै कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.७ गाउँपालिकास्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.८ आवश्यकताका आधारमा दुध चिस्यान केन्द्रहरू स्थापना गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.३.९ माटोमा राख्ने चुना अनुदानमा वितरण गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ वातावरणमैत्री दिगो कृषि सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने	३.१.१ दिगो कृषिको सैद्धान्तिक र व्यवहारिक पक्षका विषयमा विज्ञहरूद्वारा सम्प्रेषित ज्ञान अगुवा कृषकको अगुवाइमा अन्य कृषकलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा १ पटक अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.१.२ रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षणमा विशेष अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	३.१.३ जलवायू अनुकूलन विशेष बालीनाली प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
	३.१.४ सामुदायिक बीज बैङ्क स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
३.२ गाउँपालिकामा निरन्तर उत्पादन हुनसक्ने कृषिजन्य कच्चा पदार्थको पहिचान गर्ने	३.२.१ वडास्तरमा जलवायू र माटो अनुकूल उत्पादन हुने प्रमुख बालीका आधारमा जोन र सुपरजोनको पहिचान र घोषणा गरिनेछ ।
	३.२.२ जोन र सुपरजोन स्तरीय उत्पादित प्रमुख उत्पादनको वार्षिक तथ्याङ्क प्राप्त गर्न स्वचालित तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	३.२.३ कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.२.४ कृषि उपजहरूलाई सन्तुलित मूल्य श्रृंखलामा समेटिनेछ ।
३.३ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा “एक वडा एक कृषि” मा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने	३.३.१ बाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थका आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	३.३.२ पहिलो चरणमा “एक वडा एक कृषि” उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।
	३.३.३ उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमुखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
३.४ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने	३.४.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	३.४.२ संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिकास्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.४.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुनसक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।
	३.४.४ स्थानीय उपज उपभोग हुने उपभोक्ता बजारको मागको अध्ययन गरी वस्तुगत सूचना संकलन गरिनेछ ।
	३.४.५ उत्पादनमा स्थानीय पहिचान राख्न सक्ने बाली तथा उत्पादनको पहिचान गरिनेछ ।
	३.४.६ गुणस्तर र ब्रान्ड कायम गर्न सक्ने बाली तथा उत्पादनको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्न जैविक प्रविधिको अवलम्बन गरिनेछ ।
	३.४.७ जैविक प्रविधिको अधिकतम प्रयोग गर्न गुणस्तरीय उत्पादन गर्न र कृषकहरूलाई नियमित तालिम तथा अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.४.८ कृषि उपजहरूमा मेड इन जहदाको ब्रान्डीङका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	३.५.१ मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ ।

### उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
३.५ कृषि र पर्यावरणमैत्री मौरीपालन व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने	३.५.२ मौरीपालक कृषकलाई प्राविधिक तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	३.५.३ व्यावसायिक मौरीपालक कृषकलाई मौरीघारको विस्तार र उपकरण खरिदमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	३.५.४ उत्पादित महलाई प्रशोधन र लेबलिङ्ग तथा प्याकेजिङ्ग गरिनेछ ।
	३.५.५ मह उपभोक्ता बजार तथा मागको अध्ययन गरिनेछ ।

### (आ) पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन

#### पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा यहाँ बसोबास गर्ने घरपरिवारहरूले पशुपंक्षी पाल्ने गरेका छन् । यहाँ गाई, भैंसी, बाखा, सुंगुर, बंगुर, कुखुरा, हाँस, टर्की लगायतका पशुपंक्षी पाल्ने र बिक्री गर्ने गर्दछन् । उष्ण क्षेत्रमा उपयुक्त हुने जातका पशुपंक्षीहरूको यहाँ व्यावसायिक उत्पादनको राम्रो संभावना रहेको हुनाले कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत पशुपंक्षीहरूको व्यावसायिक उत्पादन समेत हुँदै आएको छ । व्यावसायिक हिसाबले हेर्दा कृषकहरूले सबैभन्दा बढी गाई, भैंसी, कुखुरा, बाखा पाल्ने र बिक्री गर्ने गर्दछन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाका मुख्य आम्दानीको स्रोतहरू मध्ये कृषि व्यवसाय पनि एक महत्पूर्ण स्रोत हो । यहाँको कुल आम्दानीको २४.३७ प्रतिशत हिस्सा कृषि बाली उत्पादन तथा बिक्री वितरणले ओगटेको छ भने २३.३५ प्रतिशत कृषिसँग सम्बन्धित ज्याला तथा मजदुरी र ३.५५ प्रतिशत हिस्सा पशुपालन उत्पादन तथा बिक्रीले समेटेको पाउन सकिन्छ ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन व्यवसायको आधुनिकीकरण हुन नसकेको ।</li> <li>कृषि पूर्वाधार विकासमा चुनौती रहेको ।</li> <li>युवा तथा व्यावसायिक सोचका कृषि उद्यमीहरूलाई यस क्षेत्रमा आकर्षण गर्ने चुनौती रहेको ।</li> <li>पशुपंक्षी, मत्स्य पालन सेवा केन्द्र तथा दक्ष प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था र तालिम नभएको ।</li> <li>पशुपंक्षी उपचार पर्याप्तता नभएको ।</li> <li>कृषि उपज भण्डारण तथा उचित बजारको सुनिश्चितता हुन नसकेको ।</li> </ul>

## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य संभावना र अवसरहरू
गाउँपालिकामा विभिन्न कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत गाई, भैंसी, कुखुरा, बाखा लगायतका पशुपंक्षीहरूको व्यावसायिक उत्पादन हुँदै आएको ।
दुध, माछा, मासु र अण्डाको खपत बढीरहेकोले राम्रो आमदानी गर्न सकिने ।
गाउँपालिकाको उत्पादन विराटनगर जस्तो देशको ठुलो उपभोक्ता बजार लगायत कटहरी बजार, रंगेली बजार तथा भारतसँगको छोटी भन्सार नाकामा व्यापारिक पहुँच रहेको ।
पशुपन्छीजन्य उत्पादनमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।
गाउँपालिकाले पशुहरूको ए.आई, नश्ल सुधार तथा पशु विकास कार्यक्रमलाई सबै वडाहरूमा प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
व्यावसायिक उत्पादन बढाउन सके माछाको बजारको समेत राम्रो सम्भावना रहेको ।
गाउँपालिकाले माछापालन, उन्नत जातका बाख्रापालन, बंगुरपालन तथा च्याउखेती जस्ता तरकारी पकेट क्षेत्रलाई विशेष प्राविधिक सहयोग तथा बजार सुविधा उपलब्ध गराउन प्रोत्साहनमुलक अनुदान कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति लिएको ।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
व्यावसायिक पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन मार्फत आर्थिक समृद्धि
लक्ष्य
आधुनिक, वैज्ञानिक र व्यावसायिक पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन मार्फत निर्यातमुखी उत्पादनलाई बढावा दिने
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ पशुपन्छीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु ।</li> <li>✓ पशुपन्छीजन्य उत्पादनमा निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> </ul>

## उद्देश्य १: पशुपन्छीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ पशुपन्छीपालनमा व्यावसायिकता अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमुखीकरण गर्ने	१.१.१ वडास्तरमा उद्यमशिल सोच भएका इच्छुक युवा तथा अग्रणी कृषकहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	१.१.२ कृषि उद्यमीहरूको उत्प्रेरणका लागि वडास्तरमा उनीहरूको सोच र योजनाबारे सूचना संकलन गरी शुरुवात (Start-up) का लागि अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ इच्छुक युवा तथा अन्य अग्रणी कृषकहरूको लगत संकलन पश्चात पशुपन्छी तथा मत्स्य पालनसम्बन्धी असल अभ्यास तथा प्राविधिक पक्षहरूबारे वर्षमा एक पटक अभिमुखीकरण तथा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।



**उद्देश्य १: पशुपन्थीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.४ अतिविपन्न घरपरिवार निर्वाहमुखी पशुपंक्षीपालन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.५ हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
१.२ युवा उद्यमीहरूलाई यसतर्फ आकर्षण गर्न विशेष सहूलियत प्रदान गर्ने	१.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा एकल तथा सामुहिक रूपमा पशुपन्थी पालनमा व्यावसायिक रूपमा जान खोज्ने कृषक, कृषक समूह तथा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवाहरूलाई ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।
	१.२.२ उच्च मूल्य पर्ने पशुपन्थीजन्य उत्पादनका लागि आवश्यक उन्नत जातका नश्लको प्रवर्द्धन गर्न बोका तथा माउ आदिमा निश्चित मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.३ स्थानीय सहकारी तथा समूहमा पशुपालन व्यवसाय गर्न चाहनेहरूलाई निश्चित प्रतिशत ब्याज तथा सहूलियत तथा लगानीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.४ स्थानिय जातका लोकल कुखुरा, कालिज, बङ्गुर लगायत पशुपंक्षी पाल्न चाहने बेरोजगार युवाहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा सुविधाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.५ गाउँपालिकाभित्रका दुध उत्पादक किसानलाई दुधजन्य पदार्थको उत्पादन र बिक्री वितरणमा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
१.३ पशुपन्थी उत्पादनलाई आवश्यक कृषि सामग्री तथा प्रविधिको उपलब्धता वृद्धि गर्ने	१.३.१ पशुपालनलाई आवश्यक घाँसको उत्पादन, वीउ तथा बेर्ना वितरण गरिनेछ ।
	१.३.२ घाँसेवाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.३ खेर गैरहेको जमिनमा घाँस रोप्न कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न घाँसको व्यावसायिक उत्पादनसम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.४ प्रत्येक वडामा पशुसेवा केन्द्रद्वारा प्रदान सेवालालाई घुम्ती सेवामार्फत विस्तार गरिनेछ ।
	१.३.५ पशु बीमा कार्यक्रमलाई कृषक मैत्री र प्रभावकारी बनाउन बीमा कम्पनीको समन्वयमा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.३.६ पशु रोग नियन्त्रणका लागि भ्याक्सिनेसन तथा Call Center को व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.७ सघन पशुपन्थी पालन क्षेत्र लक्षित भेटेरीनरीको स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.८ उन्नत र उच्च प्रतिफल दिने पशुनश्ल सुधार तथा कृत्रिम गर्भाधान सेवालालाई विस्तार गरिनेछ ।
	१.३.९ उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.१० स्थानीय उपजमा आधारित दाना उद्योग खोल्ने उद्यमीलाई मापदण्डका आधारमा सहूलियत प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.११ पशुशिक्षा प्रवर्द्धन गर्न वडास्तरमा कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१२ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई लागत सहभागिता Cow Mat वितरण गरिने छ ।

### उद्देश्य १: पशुपन्थीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.३.१३ पशुपालन पकेट क्षेत्र स्तरिय घाँस बीज वैङ्क तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.१४ गाउँपालिकामा सम्भाव्यता हेरी दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापना तथा विस्तार गरिनेछ ।
	१.३.१५ चल्ला उत्पादन गर्ने ह्याचरी उद्योग संचालनका लागि निजी क्षेत्रसंग अर्न्तकृया गरी विशेष प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.१६ गाउँपालिकाका दुध उपभोक्ता सहकारी संस्था लिमिटेडहरूलाई प्रति घण्टा ५५० लिटर क्षमताको क्रिम सेपरेटर मेसिनको वितरण गरिनेछ ।
	१.३.१७ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई अनुदानमा मिल्किड मेसिन वितरण गरिनेछ ।

### उद्देश्य २: पशुपन्थीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
२.१ कृषि तथा पशुपन्थी तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने	२.१.१ गाउँपालिकालाई तरकारी खाद्यान्न, दुध तथा दुधजन्य पदार्थ माछा मासु उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ ।
	२.१.२ गाउँपालिकाभर पालिने पशुपन्थीको विवरण अद्यावधिक गर्ने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३ गाउँपालिकामा हरेक वर्ष पशुपन्थी जन्य उत्पादनको माग आपूर्तिको वस्तुपरक सूचना प्राप्त गरी उत्पादनलाई निर्यातमुखी बनाइनेछ ।
	२.१.४ हरेक वर्ष गाउँपालिकाबाट निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक गरिनेछ ।
२.२ पशुपन्थीजन्य उत्पादनको निर्यात गर्ने	२.२.१ गाउँपालिकामा उत्पादन हुने पशुपन्थी संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.२.२ पशुपन्थीजन्य उत्पादन निर्यात हुनसक्ने सम्भाव्य निकटवर्ती बजार तथा हाटबजारको मागको अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.३ उत्पादित वस्तुहरूको ब्रान्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ ।
	२.२.४ उत्पादन र मागको सन्तुलन कायम गर्न ठूला बजारका कृषि उपज संकलन तथा व्यापारीहरूसँग सम्पर्क तथा माग संकलन गर्ने संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।

### उद्देश्य ३ : माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
३.१ माछापालनमा इच्छुक कृषक पहिचान गर्ने	३.१.१ प्रत्येक वडामा सम्भाव्यताका आधारमा माछापालन गर्न चाहने र गरिरहेका कृषक पहिचान गरिनेछ ।
	३.१.२ माछापालन गर्न चाहने कृषकलाई प्राविधिक ज्ञान र सिपका लागि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रबर्द्धन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.२ माछाका भूरा मा अनुदान दिने	३.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा माछापालक कृषकलाई पहिलो पटक भूरा मा अनुदान दिइनेछ ।
	३.२.२ स्थानीय जलवायू अनुकूल उत्पादन हुनसक्ने माछाका वारेमा कृषकलाई जानकारी प्रदान गरिनेछ ।
	३.२.३ माछाको लागि दाना उत्पादन गर्ने प्रविधि सहित मेशिनहरू उपलब्ध गरिनेछ ।
	३.२.४ माछा उत्पादनसम्बन्धी सल्लाह दिन प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
३.३ माछाको स्थानीय माग पूरा गरी निर्यात गर्ने	३.३.१ स्थानीयस्तरमा उत्पादित माछाको खपत हुनसक्ने प्रमुख बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।
	३.३.२ माछाको निर्यातका लागि संकलन भण्डारण तथा प्याकेजिङ केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
३.४ पोखरी निर्माणमा अनुदान तथा सहूलियत दिने	३.४.१ स्थानीय जल पर्यावरणीय प्रणालीको विकास गर्न वडा स्तरमा नमूना माछापोखरी निर्माण गर्ने कृषकहरूलाई लागत सहभागिता तथा ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।
	३.४.२ त्यस्ता पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
	३.४.३ गाउँपालिकामा पानीको उपलब्धता हुने सार्वजनिक जग्गाहरूमा पोखरीहरू निर्माण गरी ठेक्कामा लगाइने छ । साथै प्रयोगमा आएका पोखरीहरूको स्तरोन्नती गरिनेछ ।

## कृषि तथा पशुपन्छीको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
<b>कृषि</b>									
१.	१.१	१.१.१	कृषक वर्गीकरण तथा परिचय पत्र वितरण	५००					
		१.१.२	अगुवा कृषकको विवरण संकलन		१००				
		१.१.३	व्यवसायीकरणसम्बन्धी अगुवा कृषक अभिमुखीकरण		५०	६०	७०	८०	
		१.१.४	कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक व्यवस्था	३००	३५०	४००	५००	६००	
		१.१.५	जहदा गाउँपालिका कृषिमा आत्मनिर्भर भन्ने अभियान						
	१.२	१.२.१	गाउँपालिकाका प्रमुख सिंचाई योजनाहरूको प्राथमिकीकरण	१००					
		१.२.२	वडास्तरीय सघन कृषि क्षेत्र तथा खेती मिश्रित बाली/अन्तरबाली वर्गीकरण तथा पहिचान			२००			
		१.२.३	वडास्तरीय उच्च मूल्यका बाली तथा उत्पादन संभाव्यता अध्ययन		२००				
	१.३	१.३.१	प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि संभाव्यता अध्ययन	२५०		३००		४००	
		१.३.२	फलफुल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना	२५०		३००		४००	
		१.३.३	पकेट क्षेत्रस्तरीय स्रोतकेन्द्र निर्माण			५००			
		१.३.४	च्याउ खेतीमा अनुदान	५००	५५०	६००	६५०	७००	
	१.४.	१.४.१	रासायनिक मल माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण				५००		
		१.४.२	वडास्तरीय प्राङ्गारिक तथा हरित मल उत्पादन तालिम	५००	५५०	६००	६५०	७००	
		१.४.३	व्यावसायिक प्राङ्गारिक मल उत्पादन अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.४.४	वडास्तरीय बीज बैङ्क (Seed Bank) निर्माण	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.४.५	मकै, धान, गहुँ लगायत विउ खरिदमा ५० प्रतिशत अनुदान	७००	७००	८००	८००	९००	
		१.४.६	कृषि यन्त्र खरिदमा अनुदान	३००	३००	३००	३००	३००	
		१.४.७	गाउँपालिकास्तरीय Custom Hiring Center निर्माण		१५००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.४.८	कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन ढुवानी अनुदान	५००	५००	१०००	१२००	१५००	
		१.४.९	कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स संचालन	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.४.१०	एक वडा एक कृषि उपज संकलन केन्द्र स्थापना	१५००					
	१.५	१.५.१	मल, बिउ, विषादी आदिको प्रयोगसम्बन्धी कृषि शिक्षा प्रसारण	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.२	गाउँपालिकास्तरीय कृषि Call Center को स्थापना	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.५.३	कृषक पाठशालाका लागि पाठ्यक्रम निर्माण				५००	५००	
		१.५.४	घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.५	जैविक विषादी उत्पादन तालिम	६०	६०	६०	७०	८०	
		१.५.६	बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम	५०	५०	६०	६५	८०	
		१.५.६	व्यावसायिक तरकारी खेतीमा प्लास्टिक टनेल अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.७	कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन	१५०	२००	२००	२००	२००	
		१.५.८	कृषि उपज भण्डारण तालिम	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.९	खाद्य भण्डारण डिपो स्थापना	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.१०	विषादी परिक्षण प्रयोगशाला निर्माण		१०००				
		१.५.११	अर्गानिक खेती गर्ने किसानलाई प्रोत्साहन	१५००					
		१.५.१२	अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित	२००	४००	५००	६००	७००	
	१.६	१.६.१	व्यावसायिक कृषि योजना अनुदान तथा सहूलियत	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.६.२	कृषक तथा सहकारी विशेष अन्तरक्रिया	४०	५०	५०	५०	५०	
		१.६.३	वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवालाई विशेष कृषक अभिमुखीकरण	४०	४५	५०	५०	६०	
		१.६.३	युवा कृषक विशेष अनुदान तथा सहूलियत	१००	१५०	२००	२५०	३००	
	१.७	१.७.१	कृषक तथा बीमा कम्पनी बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.७.२	विपन्न कृषक बीमा अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.७.३	साना किसानहरूलाई कृषि बीमामा सहूलियत तथा अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
२.	२.१	२.१.१	अगुवा कृषक अध्ययन तथा अवलोकन भ्रमण	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.१.२	अगुवा तथा साना किसान बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम	१००	१५०	२००	२५०	३००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.१.३	वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना	३५०		४००		५००	
	२.२	२.२.१	सघन कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड निर्माण				३००		
		२.२.२	सघन कृषि क्षेत्र विस्तार अनुदान	१५०					
		२.२.२	कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड कार्यान्वयन तथा अनुगमन संयन्त्र निर्माण		१५०				
	२.३	२.३.१	कृषि सडक (घोषणाका लागि) पहिचान				५००		
		२.३.२	कृषि सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति						
		२.३.३	वडास्तरीय कृषि उपज संकलन केन्द्र निर्माण		१५००				
		२.३.४	गाउँपालिकास्तरीय एक शीत भण्डार निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन					१५०	
		२.३.५	धान, मकै, गहुँ को बीज बैङ्क स्थापना			५००			
		२.३.६	कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना			५००			
		२.३.७	गाउँपालिका स्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना		५००				
		२.३.८	दुध चिस्यान केन्द्र स्थापना अनुदान	५००	५००	५००	५००	५००	
		२.३.९	माटोमा राख्ने चुना अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
३.	३.१	३.१.१	वातावरण र दिगो कृषि विषयक अगुवा कृषक अभिमुखीकरण	४०	४५	४५	४५	५०	
		३.१.२	रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षण अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		३.१.३	जलवायु अनुकूलन विशेष बाली प्रबर्द्धन कार्यक्रम	५००					
		३.१.४	सामुदायिक बिज बैङ्क सम्भाव्यता अध्ययन		१००				
	३.२	३.२.१	कृषि जोन र सूपर जोन पहिचान			२००			
		३.२.२	जोन र सूपर जोन स्तरीय स्वचालित कृषि तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण			६००			
		३.२.३	कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रबर्द्धन अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय	
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष		
		३.२.४	कृषि उपज सन्तुलित मूल्य श्रृंखला विकास कार्यक्रम			३००				
	३.३	३.३.१	पकेट क्षेत्र वा जोन/ सूपर जोन स्तरीय कृषि उद्योगको सम्भाव्यता अध्ययन	५०	६०	७०	८०	९०		
		३.३.२	“एक वडा एक कृषि” उद्योग स्थापना गर्न कृषक समूह पहिचान	३०	३०	३५	४०	४५		
		३.३.३	अगुवा कृषि उद्यमी विशेष अभिमुखीकरण तथा अन्तरक्रिया	१००	१००	१००	१००	१००		
	३.४	३.४.१	कृषि उपज प्याकेजिङ, लेबलिङ गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डीड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया	१००	१५०	२००	२५०	३००		
		३.४.२	खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना	२००						
		३.४.३	कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन		१८०					
		३.४.४	कृषि सम्बन्धी उपभोग्य वस्तुको वस्तुगत माग सम्बन्धी तथ्याङ्क संकलन			५००				
		३.४.५	रैथाने प्रजातिका बालीहरूको पहिचान तथा बीज बैङ्क स्थापना		६००					
		३.४.६	जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी नियमित तालिम	५०	५५	६०	६०	६०		
		३.४.७	जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम	१००	१००	१००	१००	१००		
		३.४.८	मेड इन जहदाको ब्राण्डीडका लागि प्रोत्साहन	५०	५५	६०	६०	६०		
	३.५	३.५.१	मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन	१००		१००		१००		
		३.५.२	मौरीपालन तालिम सञ्चालन		१५०	१५०	१५०	१५०		
		३.५.३	लागत सहभागितामा मौरीको घरमा अनुदान	५०	५५	६०	६०	६०		
		३.५.४	मह ब्रान्डीडसम्बन्धी तालिम सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००		
		३.५.५	मह उपभोक्ता बजारको अध्ययन	५००						
<b>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन</b>										
	१.	१.१	१.१.१	अगुवा तथा युवा पशुपन्छी पालक कृषक पहिचान	१००					
			१.१.२	व्यावसायिक पशुपन्छी पालनलाई Venture Capital को प्रबन्ध		५००				
			१.१.३	अगुवा तथा युवा कृषक विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम	२००	२००	२५०	३००	३५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.१.४	निर्वाहमुखी पशुपंक्षीपालन कार्यक्रम सञ्चालन	६०	६०	६०	६०	१००	
		१.१.५	हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता	५०	५०	५०	५०	५०	
	१.२	१.२.१	व्यावसायिक पशुपन्छी पालक कृषकलाई व्याज अनुदान		२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.२	उन्नत जातका बोका, राँगा, बहर तथा माउमा अनुदान	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.३	सामुहिक व्यवसाय गर्ने समूहलाई व्याजमा सहूलियत	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.४	बेरोजगार युवाहरूलाई रैथाने जातका पशुपंक्षीपालन विशेष Venture Capital	५००	५००	६००	६००	१०००	
		१.२.५	“मल र माटो सँग खेल्ने किसानलाई दुधमा अनुदान कार्यक्रम” संचालन	५००	५००	६००	६००	१०००	
	१.३	१.३.१	घाँसको बिउ तथा बेर्ना वितरण		१५०	२००	२५०	३००	
		१.३.२	घाँसेबाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.३.३	घाँसको व्यावसायिक उत्पादनसम्बन्धी कृषक तालिम	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		१.३.४	पशुपन्छी स्वास्थ्य घुम्ती सेवा सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.५	पशुबीमा अनुदान तथा अन्तरक्रिया	१५०	१५०	२००	२००	२००	
		१.३.६	पशुखोप घुम्ती सेवा	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		१.३.७	भेटेरेनरी स्थापनार्थ निजी क्षेत्र समन्वय			२२०			
		१.३.८	कृत्रिम गर्भाधान सेवा सञ्चालन		३५०				
		१.३.९	उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना		१०००				
		१.३.१०	कृषिदाना उद्योग सहूलियत अनुदान	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		१.३.११	पशु कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक प्रबन्ध	४००					
		१.३.१२	लागत सहभागितामा Cow Mat वितरण				१०००		
		१.३.१३	घाँस बीज बैङ्क तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन	५००					
		१.३.१४	दुध पकेट क्षेत्र स्तरिय चिस्यान केन्द्र स्थापना			१०००			
		१.३.१५	हयाचरी उद्योग स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन तथा निजी क्षेत्र अन्तरकृया		५०००				



उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.३.१६	प्रति घण्टा ५५० लिटर क्षमताको क्रिम सेपरेटर मेसिन वितरण		५००	१०००			
		१.३.१७	मिल्किङ मेसिनमा अनुदान	१५०	१५०	१६०	१७५	२००	
२	२.१	२.१.१	तरकारी, खाद्यान्न तथा पशुपन्छीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर						
		२.१.२	पालिने पशुपन्छी तथा अद्यावधिक प्रणाली निर्माण		३५०				
		२.१.३	वार्षिक पशुजन्य उत्पादन माग तथा आपूर्ति तथा अद्यावधिक प्रणाली निर्माण			५००			
		२.१.४	निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक प्रणाली निर्माण			५००			
	२.२	२.२.१	पशुपन्छी संकलन केन्द्रको स्थापना		१२००				
		२.२.२	पशुपंक्षी जन्य उत्पादन निर्यात बजारको माग अध्ययन	२००					
		२.२.३	प्रशोधन, लेबलिङ, गुणस्तर मापन तथा ब्रान्डीडसम्बन्धी तालिम	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		२.२.४	मुख्य उपभोक्ता बजार स्थित व्यापारीहरूसँग माग संकलन	५०	५०	५०	५०	५०	
३.	३.१	३.१.१	माछा पालक कृषक विवरण संकलन	५०					
		३.१.२	माछापालन तालिम सञ्चालन	१७५	१७५	१७५	१७५	१७५	
	३.२	३.२.१	भुरा वितरण अनुदान	४०	४०	४०	४०	४०	
		३.२.२	माछापालक कृषक प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण			२००			
		३.२.३	दाना उत्पादन गर्ने प्रविधि सहित मेशिनहरू उपलब्ध		११००				
		३.२.४	माछा पालन प्राविधिक सहयोग कक्ष स्थापना				५००		
	३.३	३.३.१	स्थानीय तथा ठूला उपभोक्ता बजारमा मागको अध्ययन				२००		
		३.३.२	माछा संकलन, भण्डारण तथा प्याकेजिङ केन्द्रको स्थापना		३००	२५०			
	३.४	३.४.१	माछा पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई लागत सहभागितामा अनुदान	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		३.४.२	पोखरी निर्माणमा प्राविधिक सहयोग		५००				
		३.४.३	ठेकामा लगाउन पोखरीहरू निर्माण	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।
- कृषि क्षेत्र व्यावसायिक र वैज्ञानिक भएको हुनेछ ।
- खाद्यान्न, मासु, अण्डा, दुधमा निर्यात प्रवर्द्धन हुनेछ ।
- कृषिमा युवा कृषकहरूको आकर्षण बढेको हुनेछ ।
- कृषि ग्रामका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको विकास भएको हुनेछ ।
- व्यवसायिक जडीबुटी उत्पादनका सुरुवात भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	कृषि				
	प्रभाव	कृषिमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (२.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	कृषि क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि दर	प्रतिशत		
	प्रभाव	कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ उत्पादनका योगदान	प्रतिशत	२७	
	प्रभाव	पूर्ण खाद्य सुरक्षा भएका घरधुरी	प्रतिशतमा	९०	
	असर	खेतीयोग्य जमिनमध्ये पूर्णरूपमा खेती भइरहेको जमिनको	प्रतिशत	७५	
	असर	माटोमा औसत जैविक पदार्थको मात्रा	प्रतिशत	४	
	असर	भाडी बुट्यान र बाँझो जमिनको	प्रतिशत	१०	
	असर	पूर्णरूपमा व्यावसायिक कृषिमा प्रयोग भैरहेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१)	प्रतिशत	३	
	असर	वर्षभरि सिंचाई सुविधा पुगेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१)	प्रतिशत	५०	
	असर	जैविक प्रणालीबाट मात्र खेती भैरहेको जमिन	हेक्टर	१	
	असर	व्यवसायिक कृषिमा लागेका ४० वर्ष मुनिका युवा कृषक	संख्यामा		
	असर	प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन	के.जी.	१५०	
	असर	धान उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	४	
	असर	मकै उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	७.९	
	असर	गहुँ उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	३.५	
	असर	केरा उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	अन्य फलफुल	मे.टन/हेक्टर	१०	
	असर	आलु उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	१५	
	असर	अन्य तरकारी उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	१३	
	असर	दुध उत्पादन	लिट्र		
	असर	तेलहन बाली उत्पादन	मे.टन/हेक्टर	०.८	
	प्रतिफल	कृषि सूचना तथा स्रोत केन्द्र	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	एग्रोभेट	संख्या	१०	
	प्रतिफल	पशु उपचार केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि औजार बिक्री केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	Custom Hiring Center	संख्या	१	
	प्रतिफल	कृषि तथा पशु उपज बिक्री केन्द्र/संकलन केन्द्र	संख्या	१	
	प्रतिफल	व्यावसायिक कृषि फर्म/पशुपन्छी फर्म	संख्या	३२	
	प्रतिफल	कृषि घुम्ती सेवा	वार्षिक संख्या	२	
	प्रतिफल	कृषक पाठशाला	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक कृषि नर्सरी	संख्या	२	
	प्रतिफल	ब्रान्डेड कृषि उपज	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक फलफुल खेती गरिएको क्षेत्रफल	हेक्टर	५	
	प्रतिफल	आधुनिक कृषि औजार तथा यन्त्र प्रयोगकर्ता	कृषक संख्या	४००	
	प्रतिफल	कृषि सहकारी संस्था	संख्या	२२	
	प्रतिफल	सामुहिक खेतीमा संलग्न समूह	संख्या		
	प्रतिफल	रैथाने तर नासिने अवस्थामा पुगेका स्थानीय बाली नश्ल	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायु अनुकूलन विशेष बालीनाली	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक बीज बैंकको संख्या (२.५.२.४) (प.दि.वि.ल.)			
	असर	स्थानीयस्तरमा उत्पादन भई निकासी हुने बीज	संख्या	१	
	प्रतिफल	जैविक किटनासक प्रयोगकर्ता	कृषक संख्या	४००	
	प्रतिफल	गाउँपालिकाबाट कृषि उपज निर्यात तथा बजारीकरणका लागि दिइएको अनुदान सहायता रकम (२.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	रु लाखमा	१०	
	प्रतिफल	कृषि क्षेत्रलाई छुट्याइएको बजेटको प्रतिशत (कूल बजेटको) (२.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत	१.७३६	
	प्रतिफल	बाली भित्र्याइसकेपछि हुने क्षती	प्रतिशतमा	१२-१५	
	प्रतिफल	सन्तुलित मूल्य शृङ्खलामा समेटिएका कृषि उपज	संख्या	४	
	प्रतिफल	कृषि तथा पशु प्राविधिक जनशक्ति	संख्या	७	

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	कृषिमा आधारित उद्योग	संख्या		
	प्रतिफल	पशुधन निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	पन्ध्रौंजन्य निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	माछा निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	मह निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	कृषक समूह	संख्या	१०	
	प्रतिफल	दुध चिस्यान तथा डेरी	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि पकेट जोन/सुपर जोन	संख्या	४	
	प्रतिफल	व्यावसायिक जडिबुटी खेती गरिएको क्षेत्रफल जडीबुटी नर्सरी	संख्या		
	प्रतिफल	औषधिय गुण भएका तथा सुगन्धित जडिबुटी संख्या (१५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक तरकारी उत्पादन गरिएको क्षेत्रफल	हेक्टर	५०	
	प्रतिफल	कृषि सडकको पहुँचले जोडिएको कृषि क्षेत्रको	प्रतिशत	२५	
	प्रतिफल	रासायनिक मल समयमा प्राप्त हुन नसकि प्रभावित कृषक	प्रतिशत	५०	
	प्रतिफल	व्यावसायिक रुपमा प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषक	संख्या		
	प्रतिफल	सघन खेतीपातीले ओगटेको क्षेत्रफल	हेक्टर	५-१०	
	प्रतिफल	खाद्य सञ्चय तथा भण्डार गोदाम (२.ग.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि क्षेत्रले ओगटेको पूर्ण रोजगारी	प्रतिशत	५०	
	प्रतिफल	कृत्रिम गर्भादान सेवा संख्या	वार्षिक	२३५०	
	प्रतिफल	उन्नत नश्लका पशुपन्ध्रौं स्रोत केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	रैथाने पन्ध्रौं तथा पशुपालक फार्म	संख्या		
	प्रतिफल	घाँसेवालीले ओगटेको कृषि क्षेत्र	हेक्टरमा	२५	
	प्रतिफल	भेटिरिनरी प्रयोगशाला	संख्या	१	
	प्रतिफल	कृषि प्रदर्शनी तथा मेला	संख्या वार्षिक		
	प्रतिफल	माछा पोखरीले ओगटेको क्षेत्रफल	हेक्टर	२०	

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	मौरी घर	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि प्राविधिक तालिम तथा अभिमुखीकरणबाट पूर्ण लाभान्वित छु भन्ने कृषक	संख्या	२००	
	प्रतिफल	माछाका भूरा वितरण संख्या	प्रतिवर्ष	९४०००	

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ४.२ सिंचाई

### पृष्ठभूमि

गाउँपालिकामा ८८.६३ प्रतिशत खेतीयोग्य जमिन रहेको छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ का अनुसार यहाँ ७५ प्रतिशत क्षेत्रमा बषैभरी सिंचाई हुने गरेको छ । यसैगरी १५ प्रतिशत जमिनमा मौसमी सिंचाईको भर पर्नु पर्ने अवस्था रहेको छ भने १० प्रतिशत क्षेत्रमा आकासे पानीले मात्र सिंचाई हुने गरेको छ । यहाँ अपर्याप्त सिंचाई सुविधाका कारण सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिन सिंचित हुन सकेको छैन । तथापी गाउँपालिकाले खेतीयोग्य जमिनमा सहज सिंचाई सुविधा पुऱ्याउनका लागि सिंचाईको लागि विद्युत ट्रान्सफर्मर जडान गर्ने नीति अगाडि बढाएको अवस्था छ । सिंचाई कृषि उत्पादनका लागि अत्यावश्यक पूर्वाधार भएको हुँदा उच्च प्राथमिकताका साथ नहर तथा सिंचाई आयोजनाहरू निर्माण गरी सिंचाई कार्य गर्नु नितान्त जरुरी छ ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ उपलब्ध जलस्रोतको पूर्णरूपमा सही सदुपयोग हुन नसकेको हुँदा खेतीयोग्य जमिन बाँझो हुने गरेको ।
■ परम्परागत प्रविधिमा आधारित कुलो तथा नहरहरूको मर्मत संभार नियमित हुन नसकेको ।
■ नदीजन्य प्रकोपका कारण कुलो तथा सिंचाईका आयोजनाहरूमा प्रत्येक वर्ष क्षति पुग्ने गरेको ।
■ पोखरी र परम्परागत तलाउहरूमा मानवीय क्रियाकलापका कारण अतिक्रमण बढ्दो ।
■ आधुनिक सिंचाई परियोजनाहरू खर्चिलो भएका कारण ठुलो आकारको बजेट आवश्यकता पर्ने ।
■ कृषि विद्युतीकरण मार्फत खेतखेतमा बिजुलीको लाइन लगेर सिंचाईका मेसिन चलाउन खर्चिलो रहेको र सिंचाईका लागि उपयोग हुने मोटरहरूबाट उत्पन्न हुने धुवाले प्रदूषण बढाउने ।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाकाभिन्न स-साना खोला नालाहरू तथा भूमिगत जलस्रोतको भण्डार रहेकोले बोरिंग, डिप बोरिङ तथा कुलो मार्फत गाउँपालिकाका सबै वडाहरूलाई सिंचित गर्न सकिने ।
■ गाउँपालिकामा रहेका पानीका मुहानहरूलाई संरक्षण गरी उक्त क्षेत्रहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी सिंचाई योजना निर्माण गरी कृषि उत्पादनमा व्यापक वृद्धि गर्न सकिने ।
■ प्रत्येक वडामा रहेका परम्परागत सिंचाई कुलो र नहरहरूको मर्मतसम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाउन सकिने ।
■ कृषि विद्युतीकरणमार्फत सिंचाई सहजीकरण गर्न सकिने ।
■ एकीकृत सिंचाई कार्यक्रमको सम्भाव्यता अध्ययन गरी स्रोतको बहु उपयोग गर्न सकिने ।
■ भौगोलिक अवस्थालाई हेर्दा कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरेर समेत खेतीयोग्य भूमिमा सिंचाई सुविधा पुऱ्याउन सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
बाह्रै महिना पूर्ण सिंचाईयुक्त गाउँपालिका

## लक्ष्य

सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा दिगो सिंचाईको व्यवस्थापन गरी उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउने

## उद्देश्यहरू

- ✓ सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिंचाई सुविधा पुऱ्याउनु ।
- ✓ सिंचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।

### उद्देश्य १. सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिंचाई सुविधा पुऱ्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१. परम्परागत तथा वैकल्पिक प्रविधिको प्रयोग गरी खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधा पुऱ्याउने	१.१.१. गाउँपालिका भएर बग्ने नदी, खोला नाला, ताल पोखरीहरू, सिमसार क्षेत्रहरू लगायत पानीका मुख्य स्रोतहरू र तिनका जलाधार क्षेत्रको नक्सांकन गरी विस्तृत विवरण (inventory profile) तयार गरिनेछ ।
	१.१.२. परम्परागत सिंचाई कुला र नहरहरूको मर्मतसम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाइने छ ।
	१.१.३. सम्भाव्यता अध्ययन गरी भूमिगत तथा सतह सिंचाई संरचनाहरू क्रमशः निर्माण गर्दै सिंचाई सुविधा बढाउँदै लगिने छ ।
	१.१.४. सतह सिंचाईको सम्भावना नभएका स्थानमा वैकल्पिक तथा नयाँ प्रविधिमा आधारित सिंचाई जस्तै थोपा सिंचाई, फोहरा सिंचाई, वर्षातको पानी संकलन, प्लास्टिक पोखरीको सम्भाव्यता अध्ययन गरी उपयुक्त स्थान र वडाहरूमा कार्यान्वयनमा ल्याइने छ ।
	१.१.५. जलपर्यावरण र जलश्रोत संरक्षणका हिसावले अत्यन्त उपयुक्त पोखरीहरूको निर्माण र व्यवस्थापन अभियानका रूपमा सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण गरिनेछ । यस अभियान अर्न्तगत पोखरीहरूको पुर्नउत्थानलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।

### उद्देश्य २. सिंचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

रणनीति	कार्यनीति
२.१. उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनको सम्भावना बोकेका क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखेर सिंचाई प्रणालीको विकास गर्ने ।	२.१.१. चक्लाबन्दी भएका क्षेत्र, कृषि पकेट क्षेत्र तथा निजी ठूला कृषि फर्ममा आवश्यकताको आधारमा सिंचाईको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.२. कृषि विद्युतीकरण मार्फत भूमिगत तथा सतहगत सिंचाई प्रणाली सुदृढीकरण गरिनेछ ।
२.२. कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी वैकल्पिक सिंचाई प्रवर्द्धन गर्ने	२.२.१. प्रत्येक वडामा कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी माछापालन, सिंचाई तथा पर्यटकलाई आकर्षित गर्नका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
२.३. संस्थागत संरचना सुदृढीकरण गर्ने ।	२.३.१. मर्मत संभार कोष स्थापना गरी नियमित मर्मत संभार गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.३.२. पोखरी, खोला तथा मुहान संरक्षणका लागि स्थानीयवासीहरूको सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ, साथै सिंचाई उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास गरिनेछ ।



## उद्देश्य २. सिंचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

रणनीति	कार्यनीति
	२.३.३. मुहानहरू संरक्षण कार्य योजना जस्तै बायो इन्जिनियरिङ्ग, पोखरी तथा हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रत्येक वडामा सम्भाव्य क्षेत्रमा संचालन गरिनेछ ।
	२.३.४. मानवीय हस्तक्षेप तथा जलवायु परिवर्तनका कारण जलस्रोत क्षेत्रमा परेको असर न्यूनीकरण गर्ने कार्ययोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	२.३.५. सिंचाई आयोजना सञ्चालन र व्यवस्थापन प्रणालीलाई स्वचालित र आत्मनिर्भर बनाउनका लागि न्यूनतम उपभोगको मात्रा अनुसार सेवा शुल्क निर्धारण गरी संकलन गरिनेछ ।
	२.३.६. मुहान तथा जलाधार संरक्षणका लागि प्रत्येक घरपरिवारको सहभागिता सुनिश्चित गर्न <b>“हामी जोगाउँछौ हाम्रो मुहान”</b> कार्यक्रमलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा व्यापक जागरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।

## सिंचाईको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१	जलाधार क्षेत्रको विवरण संकलन तथा नक्सांकन	६५					
		१.१.२	प्राथमिकता प्राप्त कुलो तथा नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		१.१.३	भूमिगत तथा सतह सिंचाई सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण	५००	६००	८००			
		१.१.४	वैकल्पिक सिंचाईको व्यवस्था			३००			
		१.१.५	प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण	३००	३००	४००	५००	६००	
२	२.१.	२.१.१.	ठूला कृषि उत्पादन क्षेत्रमा सिंचाईको विशेष व्यवस्था				४००		
		२.१.२.	विद्युतका पोल तथा लाइनको व्यवस्था			५००			
	२.२.	२.२.१.	कृतिम जलाशय निर्माणको सम्भाव्यता अध्ययन			६००			
		२.३.१.	मर्मत संभार कोष स्थापना	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		२.३.२.	सिंचाई उपभोक्ता समितिलाई मूहान संरक्षण तथा दिगो सिंचाईसम्बन्धी तालिमको व्यवस्था	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		२.३.३.	हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम संचालन	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		२.३.४.	Climate adaptation and mitigation कार्यक्रम संचालन	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		२.३.५.	सिंचाई सेवा शुल्क निर्धारण तथा संकलन	१००	१४०	१६०	१८०	२००	
		२.३.६.	मुहान तथा जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम संचालन	१००	१४०	१६०	१८०	२००	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिंचाई सुविधा पुगेको हुनेछ र
- उच्च प्रतिफलयुक्त कृषि उत्पादन भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सिंचाई				
	असर	पूर्ण रुपमा सिंचाई भएको क्षेत्रफल	प्रतिशत		
	असर	वैकल्पिक सिंचाई प्रयोगकर्ता कृषक	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ४.३ पर्यटन, साँस्कृतिक तथा सम्पदा

### (अ) पर्यटन

#### पृष्ठभूमि

हालसम्म पर्यटनका आधारभूत पूर्वाधारको पर्याप्त विकास हुन नसकेपनि जहदा गाउँपालिका पर्यटनको सम्भावना रहेको क्षेत्र हो । विशेष गरी यो गाउँपालिकालाई धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटन र शैक्षिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ । गाउँपालिकामा पञ्चेश्वर मन्दिर, दुर्गा मन्दिर, रामजानकी मन्दिर, जितिया मन्दिर, काली मन्दिर, ग्रामथान, दिनाभद्री मन्दिर लगायतका विभिन्न धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरू रहेका छन् । यहाँ होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको समेत उत्तिकै सम्भावना रहेको छ । विशेषतः सतार जातीको साँस्कृतिक भल्कने सोहराय पर्व लगायत अन्य साँस्कृतिक कार्यक्रमहरू, तराईका आदिवासी समुदायले मनाउने जितिया पर्व, मैथिली समुदायले मनाउने जुडशितल, अत्वारी, लगायतका चाडवाडहरूलाई समेटेर साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिन्छ । यसका साथै गाउँपालिकामा उर्वर कृषि क्षेत्रहरू रहेकाले ती क्षेत्रहरूलाई नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्न सके कृषि पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्न सकिन्छ । तसर्थ हाल पर्यटकहरूका लागि होटल तथा होमस्टेहरूका साथै अन्य आवश्यक सेवा सुविधा विस्तार गर्न आवश्यक रहेको छ ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ समथर भू-धरातल र पर्याप्त सडक सञ्जाल हुँदा हुँदै पनि पर्यटकीय हिसाबले सडक यातायात पर्याप्त र भरपर्दो नभएका ।
■ पर्यटक बस्न उपयुक्त पर्याप्त होटल तथा रेष्टुरेन्ट आदिको सुविधा नभएको ।
■ पर्यटन सूचना केन्द्र लगायतका सञ्चारका साधनहरूको पर्याप्त विकास नभएको ।
■ आपतकालीन उद्धारको उचित व्यवस्था नभएको ।
■ पर्यटकको सुरक्षाको उचित प्रबन्ध नभएको ।
■ एकीकृत पर्यटन विकासको योजना नबनेको ।
■ पर्यटनमैत्री कतिपय धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको जिर्णोद्धार नभएको ।
■ पर्यटक पथप्रदर्शक तथा व्यावसायिक ट्राभल एजेन्सीहरू पर्याप्त नभएको ।
■ गाउँपालिकाका प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरूका बारेमा पर्याप्त प्रचार प्रसार नभएको ।
■ गाउँपालिकाको सीमित आयस्रोतका कारण पर्यटकीय पूर्वाधार विकास गर्न चुनौतीपूर्ण भएको ।
■ सुविधा सम्पन्न होटल, रेष्टुरेन्ट तथा लजहरू खोल्न खर्चिलो भएको ।
■ बाह्य पर्यटकहरूको प्रभावले मौलिक संस्कृति लोप हुन सक्नेतर्फ सजग हुनुपर्ने ।
■ पर्यटकहरूका कारण सामाजिक विकृतिहरू बढ्न सक्ने जोखिम रहेको ।

#### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ केही संख्यामा भए पनि आधारभूत पूर्वाधारयुक्त होटल, तथा लज सञ्चालनमा रहेका ।
■ गाउँपालिकाका उपयुक्त स्थलमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गरी सुविधा सम्पन्न थप होमस्टे, होटल तथा लजहरू खोल्न सकिने ।

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय मौलिक कला र संस्कृति तथा लोपोन्मुख जातजातिको साँस्कृतिक विकास र संरक्षण गरी अध्ययन केन्द्रको रूपमा विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा रहेका, आदिवासी, जनजाति तथा अन्य जातजातिको साँस्कृतिक र धर्मको संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
- पर्यटनका विभिन्न आयामहरू जस्तै धार्मिक पर्यटन, साँस्कृतिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, साहसिक पर्यटन, जल पर्यटन, कृषि पर्यटनको विकास र विस्तार गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वर्ष विविध जातजाति महोत्सव आयोजना गरी साँस्कृतिक भाँकी, भेषभूषा प्रदर्शनी, खानपान तथा परम्परागत सिपहरूको प्रदर्शनी गर्न सकिने ।
- पोखरी, तलाउ तथा खोलानालामा माछापालन, कृषि, तरकारी र फलफूल फर्महरू र उद्योगहरू स्थापना गरी कृषि पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिने साथै पुरै गाउँपालिकालाई नै नमूना कृषि पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास गर्न सकिने ।
- कृषि पर्यटन (Agro-tourism) को संभाव्यतालाई ध्यानमा राखी पकेट क्षेत्रहरूमा नमूना एवं अर्गानिक खेती मार्फत आन्तरिक पर्यटन प्रवर्द्धनमा जोड दिने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले आदिवासी जनजातीहरूको परम्परा देखि चलिआएको ज्ञान, सिप, कला तथा संस्कृति संरक्षण गर्ने नीति लिएको ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

पर्यटन पूर्वाधार विकास : आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्बृद्धिको आधार

#### लक्ष्य

आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्पन्नताका लागि आगामी ५ वर्षमा पर्यटन क्षेत्रलाई एक आधारशिलाको रूपमा विकास गर्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु ।
- ✓ कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।
- ✓ पर्या-पर्यटन तथा शैक्षिक पर्यटनको विकास गर्नु ।

#### उद्देश्य १ : आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडकहरूको स्तरोन्नति गर्ने	१.१.१ प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रको विस्तृत विवरण र त्यहाँ पुग्ने प्रमुख मार्गहरूको वस्तुगत विवरण संकलन गरी प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.१.२ सङ्घीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा ती प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	१.१.३ पर्यटकीय सम्भावना बोकेका क्षेत्रहरूलाई टुरिजम सर्किटको रूपमा निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.२ पर्यटकीय क्षेत्र वरपर इन्टरनेट हटस्पटको प्रबन्ध गरिनेछ ।

१.२ पर्यटन सूचना व्यवस्थापन तथा सूचना केन्द्रलाई पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने	१.२.३ पर्यटन वेबसाइट निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.४ पर्यटन क्यालेन्डरको विकास गरिनेछ ।
	१.२.५ पर्यटन सम्बद्ध पत्रकारहरूसँग पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ ।
	१.२.६ पर्यटन सम्बद्ध Vloggers जस्तै “घुमन्ते” हरूसँग अन्तर्क्रिया गरी प्रवर्द्धन सहयोग लिइनेछ ।
	१.२.७ पर्यटन सूचना नक्सा तयार गरिनेछ ।
१.३ बसोवासको र सुरक्षाको आवश्यक प्रबन्ध गर्ने	१.३.१ गाउँपालिकामा आउने पर्यटकलाई बसोवासको बन्दोवस्ती गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी होटल, रिसोर्ट खोल्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ ।
	१.३.२ ठूला होटल तथा रिसोर्टको तत्काल व्यवस्था गर्न नसक्ने स्थितिमा घरबास (होमस्टे) पर्यटन प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
	१.३.३ गाउँपालिकास्तरीय एक गेस्टहाउसको निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४ गाउँपालिकास्तरीय आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.५ पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.३.६ अन्तराष्ट्रिय पर्यटक आर्कषण गर्न विशेष सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
१.४ पर्यटन क्षेत्र स्तरीय योजना र पर्यटन विकास समिति निर्माण गर्ने	१.४.१ पर्यटन क्षेत्र स्तरीय समितिका सदस्यहरूलाई पर्यटक व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिने छ ।
	१.४.२ समिति मार्फत स्थानीय उत्पादन जस्तै रैथाने परिकार, चिनो कोशेली, साँस्कृतिक गतिविधि, मेला सञ्चालन गर्न तालिम तथा अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
	१.४.३ पर्यटन व्यवसायमा लाग्न इच्छुक युवा तथा लगानीकर्ताको पहिचान गरी अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.४.४ घरबास पर्यटन तथा अन्य पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न पर्यटन व्यवसायीलाई लागत सहभागितामा आतिथ्य सत्कार (Hospitality) तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.४.५ समग्र क्षेत्रलाई समेटेर एक पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण गरिने छ ।
	१.४.६ दिगो पर्यटन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.७ पर्यटनलाई रोजगार कार्यक्रमहरूसँग समाहित गरी रोजगारी अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.४.८ जहदा भ्रमण वर्ष २०८३ घोषणा गरि “घुमौं जहदा” अभियान संचालन गरिनेछ ।
	१.४.९ जहदा पर्यटकिय स्तम्भ (ICONIC TOURISM LANDMARK) निर्माण गरिनेछ ।

### उद्देश्य २ : कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
२.१ सघन कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने	२.१.१ फलफूल, जडिवुटी, पशुपन्छीपालन तथा नगदेबाली नमुना सघन क्षेत्रहरूको राष्ट्रिय र क्षेत्रियस्तरमा प्रचारप्रसार गर्न पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ ।
	२.१.२ कृषि विषय अध्ययनरत विद्यार्थीहरूलाई परियोजना कार्य तथा अध्ययनका लागि कृषि क्याम्पसहरूसँग समन्वय गरी गाउँपालिकामा आर्कषण गरिनेछ ।

### उद्देश्य ३ : ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
३.१ धार्मिक स्थलको निर्माण र जिर्णोद्धार गर्ने	३.१.१ सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरूको विस्तृत विवरण सहित ब्रोसर तयार पारिने छ ।
	३.१.२ सम्पूर्ण मुख्य धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरूको डि.पि.आर तथा गुरुयोजना तयार पारिने छ ।
	३.१.३ प्राथमिकता प्राप्त धार्मिकस्थलको जिर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य थालनी गरिनेछ ।
	३.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका प्रमुख धार्मिक स्थलहरू व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिनेछ ।
३.२ गाउँपालिकाका पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचार प्रसार गर्ने	३.२.१ पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना गरिनेछ ।
	३.२.२ सबै धार्मिक र पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर वृत्तचित्र निर्माण गरी सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
	३.२.३ नविन पर्यटकीय गन्तव्य र गतिविधिको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	३.२.४ सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा साँस्कृती संरक्षण गरिनेछ ।

### उद्देश्य ४ : पर्यापर्यटन तथा शैक्षिक पर्यटनको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
४.१ गाउँपालिका भर सञ्चालन गर्न सकिने सम्पूर्ण पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने	४.१.१ गाउँपालिकाभर सञ्चालन हुनसक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।
	४.१.२ गाउँपालिकाको वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान गरी वन्य जन्तु तथा चरा साथै वनस्पति अवलोकन गर्न पर्यटक आकर्षण गरिनेछ ।
४.२ जहदा क्षेत्रबारे प्रचार गर्न शैक्षिक संघ संस्था, शिक्षण संस्थासंग सहकार्य गर्ने	४.२.१ यस गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया गरिने छ ।
	४.२.२ गाउँपालिकाबाट निकट रहेका कृषि क्याम्पस, इन्जिनियरिङ्ग कलेज र अन्य कलेजसंग अन्तरक्रिया गरिने छ ।

	<p>४.२.३ मानवशास्त्री, सँस्कृति जस्ता विषयमा सोध अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिने छ ।</p>
	<p>४.२.४ गाउँपालिकाबाट उच्च शिक्षाका लागि बाहिरिने विद्यार्थीहरूलाई पर्यटन स्वयंसेवा अन्तर्गत पर्यटन Ambassador घोषणा गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।</p>
	<p>४.२.५ शैक्षिक भ्रमणमा आउने विद्यार्थी तथा अनुसन्धानकर्ताको बसोबासको व्यवस्था मिलाउन पर्यटन क्षेत्र स्तरीय समितिलाई व्यवस्थापन तालिम दिइनेछ ।</p>
	<p>४.२.६ शैक्षिक पर्यटन अन्तर्गत गर्न सकिने गतिविधिहरूको अध्ययन गरी विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ ।</p>



**पर्यटन, साँस्कृतिक तथा सम्पदा क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	पर्यटकीय मार्गको वस्तुगत विवरण संकलन तथा प्रकाशन	५०					
		१.१.२	मुख्य पर्यटकीय केन्द्र जोड्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने	१०००	१२००	१५००	१८००	२०००	
		१.१.३	टुरिजम सर्किटको निर्माण	१०००	१२००	१५००			
	१.२	१.२.१	पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना			३००			
		१.२.२	प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रमा Hotspot सेवाको प्रबन्ध	१००					
		१.२.३	पर्यटन (Portal) वेबसाइट निर्माण	१००					
		१.२.४	वार्षिक पर्यटन पात्रोको निर्माण	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.५	पर्यटनसम्बन्धी पत्रकार सम्मेलन	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.६	पर्यटन सम्बन्धी Vloggers सँग अन्तरक्रिया	४०	५०	६०	७०	८०	
		१.२.७	पर्यटन सूचना नक्सा तयार	५०		५०		५०	
	१.३	१.३.१	सम्भाव्य स्थानमा होटल तथा रिसोर्ट खोल्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.३.२	आदिवासी जनजाति सघन क्षेत्रमा होमस्टे सञ्चालन तालिम प्रदान	७५	७५	७५	७५	७५	
		१.३.३	पालिकामा वडास्तरीय गेष्ट हाउस निर्माण		५००	१०००	१५००		
		१.३.४	आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको निर्माण		५००				
		१.३.५	पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रबन्ध			३००			
		१.३.६	अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकहरूको संख्या वृद्धि गर्न सम्भाव्यता अध्ययन			५००			
	१.४	१.४.१	पर्यटन क्षेत्र व्यवस्थापन समितिका सदस्यहरूलाई व्यवस्थापन तालिम तथा अभिमुखीकरण	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.४.२	स्थानीय मौलिक उत्पादन, चिनो, परिकार आदि निर्माण तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		१.४.३	पर्यटन व्यवसायमा व्यावसायिक रूपमा लाग्न चाहने उद्यमीहरूसँग अन्तरक्रिया	६०	६५	७०	७५	८०	
		१.४.४	घरबास तथा अन्य पर्यटनसम्बन्धी आतिथ्य सत्कार तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.४.५	पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण		१०००				
		१.४.६	दिगो पर्यटन विकास कार्यक्रम निर्माण	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.४.७	पर्यटन रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम निर्माण	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.४.८	जहदा भ्रमण वर्ष २०८३ घोषणा गरि "घुमौ जहदा" अभियान संचालन	५००					
		१.४.९	जहदा पर्यटकीय स्तम्भ निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००	
२.	२.१	२.१.१	कृषि पकेट क्षेत्रको प्रचार प्रसार	५०	६०	७०	८०	९०	
		२.१.१	जीव तथा वनस्पती अनुसन्धान केन्द्र स्थापना		१०००	१२००	१५००	२०००	
		२.१.२	कृषि क्याम्पस तथा विद्यार्थीहरूसँग अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
३.	३.१	३.१.१	धार्मिक र अन्य पर्यटकीय क्षेत्र विशेष ब्रोसर निर्माण	५०	६०	७०	८०	९०	
		३.१.२	मुख्य धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको डि.पि.आर. साथै विकास गुरुयोजना निर्माण		१५००	१५००	१५००		
		३.१.३	प्रमुख धार्मिक क्षेत्रहरूको जिर्णोद्धार तथा निर्माण		२५००				
		३.१.४	वडास्तरिय धार्मिक स्थलहरू व्यवस्थापन योजना			४००			
	३.२	३.२.१	पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना			३५०			
		३.२.२	धार्मिक तथा अन्य पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर एक वृत्तचित्र निर्माण		२००				
		३.२.३	नविन पर्यटकिय गन्तव्य र गतिविधिहरूको सम्भाव्यता अध्ययन	५००					
		३.२.४	सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा साँस्कृती संरक्षण	१००	१२०	१४०	१६०	१८०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
४	४.१	४.१.१	गाउँपालिकाभर सञ्चालन हुनसक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन	५००		५००			
		४.१.२	वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान		५००				
	५.२	४.२.१	गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.२.२	गाउँपालिकाको नजिकको दुरीमा रहेका शैक्षिक संस्थाहरूसँग अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.२.३	गाउँपालिकाको संस्कृती, जातजाति आदिका बारे सोध अध्ययन गर्ने विद्यार्थीलाई विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण	१००					
		४.२.४	पर्यटन स्वयंसेवक तथा Ambassador घोषणा तथा अभिमुखीकरण	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.२.५	विद्यार्थी पर्यटक बसोबास व्यवस्थापनसम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.२.६	शैक्षिक पर्यटन गतिविधि अन्तर्गत गर्ने गतिविधिको अध्ययन		१००				

### आपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ कृषक पर्यटकहरूको आवागमन हुनेछ ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	पर्यटन				
	प्रतिफल	पर्यटक आगमन (८.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पर्यटनबाट श्रृजित रोजगारी (८.९.१.३) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	कूलग्राहस्थ उत्पादनमा योगदान (८.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	दिगो पर्यटन निती तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन (१२.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पर्यटक बसाइ अवधि	दिन		
	असर	प्रति पर्यटक प्रतिदिन खर्च	अमेरिकी डलर		
	प्रतिफल	आधारभूत पूर्वाधार पूर्ण भएका पर्यटकीय गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	तालिम प्राप्त पर्यटन सम्बद्ध जनशक्ति	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सम्बद्ध ब्रोसर तथा प्रोफाइल	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटकीय क्षेत्र Hotspot	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन पत्रकार तथा Vlogger अन्तरक्रिया	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटक उद्धार तथा सहायता वार्षिक	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन प्याकेज तथा गतिविधि	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सम्बन्धी तालिम	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटकीय क्षेत्र संरक्षण निर्माण	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन मेला तथा महोत्सव	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन वृत्तचित्र	संख्या		
	प्रतिफल	अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक	संख्या		
	प्रतिफल	आधारभूत सुविधायुक्त होटल, रिसोर्ट, लज	संख्या		
	प्रतिफल	होमस्टे	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सूचना केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक पर्यटन पात्रो अन्तर्गत समेटिएका पर्यटन गतिविधि	संख्या		
	प्रतिफल	चिनो, कोशेली तथा पर्यटन सामग्री बिक्री केन्द्र	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	नविनतम पर्यटन गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	पक्की सडकको पहुँच पुगेका पर्यटन गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	पूर्णरूपमा पर्यटनमा संलग्न रोजगारको	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

### (आ) साँस्कृतिक, भाषा, कला तथा साहित्य

#### पृष्ठभूमि

कुनै पनि समुदायको आफ्नै विशिष्ट पहिचान, जीवनशैली, भेषभूषा र रहनसहन हुन्छ । सदियौं देखि अभ्यास गर्दै आइरहेका रीतिरिवाजले मानिसको दैनिक जीवनलाई नियमित र व्यवस्थित गर्न सहयोग पुऱ्याइरहेको हुन्छ । अर्कोतर्फ समुदायपिच्छे आ-आफ्ना धर्म, साँस्कृतिक, रीतिरिवाज र परम्पराहरू हुन्छन् । ती फरक रीतिरिवाज, रहनसहन र परम्पराहरू समुदाय र समाजका विशिष्ट पहिचान साथै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) भएकोले तिनीहरूको संरक्षण गर्नु जरुरी छ । जहदा गाउँपालिका यस्ता मौलिक तथा साँस्कृतिक विविधतामा धनी गाउँपालिका हो । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाको कुल जनसंख्यामध्ये ३८,९३३ जना अर्थात ९०.९६ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्ने गरेका छन् भने ३,९४७ जना अर्थात ७.०५ प्रतिशत जनसंख्याले ईस्लाम धर्म मान्ने गरेका छन् । यहाँ जातीयताका आधारमा हेर्दा सबैभन्दा धेरै तराइ जनजातीहरूको बसोवास रहेको छ । जनसंख्याको ४६.०४ प्रतिशत जनसंख्या रहेको तराइ जनजातीहरूमा थारु, कुशवाह, धिमाल, धानुक, राजवंशी, सतार, सन्थाल, भागड, गनगाई लगायत रहेका छन् । यसै गरी जम्मा जनसंख्याको करिब १० प्रतिशत दलित समुदायहरूको बसोवास रहेको छ भने ३४.४३ अन्य तराइ समुदायका मानिसहरूको बसोवास रहेको छ । यहाँ राजवंशी, थारु, ब्राह्मण, क्षेत्री, मुस्लीम, मण्डल, सतार लगायतका सबै जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमको धर्म, साँस्कृतिक र चालचलनहरू छन् । यसका साथै दशैं, तिहार, जित्तीय पर्व, जुडशितल, सोहराय, माघेसक्रान्ती, अत्वारी, बुद्धजयन्ती, छठ, शिवरात्री, ताजिया, बकरइद इजातिमा, धनतेरश जस्ता विभिन्न चाडपर्व एवं साँस्कृतिक उत्सवहरू मनाउने गरिन्छ । जातजाती अनुसारका मुख्य मुख्य मेलाहरूमा ग्रामथान मेला, बौद्धमार्गी मेला, नदि किनारामा लाग्ने मेला, माघे मेला, तराइ क्षेत्र मेला लगायतका मेलाहरू लाग्ने गरेको पाउन सकिन्छ । यहाँ ढोलक, मादल, तबला, भ्याली, कबोल, हार्मोनियम जस्ता साँस्कृतिक बाजाहरू प्रचलनमा रहेका छन् ।

## समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
▪ पश्चिमा संस्कृति तथा विदेशी सञ्चार माध्यमको प्रभावका कारण मौलिक संस्कृति लोप हुने जोखिम रहेको ।
▪ साँस्कृतिक धरोहरहरूको संरक्षणका लागि ठोस कार्ययोजना नबनेका ।
▪ विभिन्न धार्मिक स्थलहरू मर्मत सम्भार नहुँदा जीर्ण अवस्थामा पुगेका ।
▪ कतिपय आदिवासी जनजातिहरू विपन्न अवस्थामा रहेकोले उनीहरूको सबलीकरणका लागि ठोस कार्यक्रमहरू नभएको ।
▪ कतिपय प्राचीन धरोहरहरू उचित प्रसारप्रसार, संरक्षण तथा जिर्णोद्धारको पर्खाइमा रहेका ।
▪ समुदाय र राज्य दुवैका उदासिनताका कारण स्थानीय र मौलिक संस्कृतिहरू लोप भई पहिचान नै संकटमा पर्न सक्ने ।
▪ विभिन्न जातिको भेषभुषा तथा भाषाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।
▪ सम्बन्धित समुदाय र राज्यले मिलेर साँस्कृतिक संरक्षण प्रवर्द्धनमा ठोस र दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू तत्काल सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
▪ विभिन्न लोक भाकाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।
▪ आर्थिक प्रलोभनमा पारी धर्म परिवर्तन गराउने परिपाटी रोक्नुपर्ने ।

## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
▪ गाउँपालिकामा सतार, राजवंशी, थारु, चमार, मुसहर, दुसाध, धानुक, धिमाल, सन्थाल, भ्वागड, गनगाई, क्षेत्री, ब्राह्मण, लगायतका जातिहरूको बसोवास रहेको ।
▪ विविध जात, धर्म, सम्प्रदाय र साँस्कृतिक समुदायहरू सौहार्दपूर्ण वातावरणमा बसेका ।
▪ धार्मिक हिसाबले विभिन्न धर्मावलम्बीहरूले आफ्ना धर्म, साँस्कृति र परम्परा कायम राखिरहेको ।
▪ विविध समुदायहरूको मानवशास्त्रीय अध्ययनका लागि शैक्षिक पर्यटनको गन्तव्यस्थल बनाउन सकिने ।
▪ कला, साँस्कृतिलाई अर्थोपार्जनमा जोड्न सकिने ।
▪ गाउँपालिकाभित्र धार्मिक स्थल लगायत विभिन्न जाति तथा समुदायका आ-आफ्ना मठ, मन्दिर तथा धार्मिक स्थलहरू रहेका ।
▪ आदिवासी जनजातिका विविध साँस्कृतिक सम्पदाहरू रहेकोले साँस्कृतिक सङ्ग्रहालय तथा साँस्कृतिक केन्द्रहरूको रूपमा विकास गर्न सकिने ।
▪ चाडपर्वको अवसरमा नाचगान गर्दा धोती, कुर्ता, लेहंगा, ब्लाउज, दौरा सुरुवाल, चौबन्दी चोली जस्ता साँस्कृतिक भेषभुषाबाट साँस्कृतिक जर्गेना गर्ने प्रयास भइरहेको ।
▪ गाउँपालिकालाई मौलिक साँस्कृति र सभ्यताको केन्द्रको रूपमा विकास गरी साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने ।
▪ गाउँपालिका क्षेत्रका सर्जक तथा कलाकारको उत्थान र वृत्ति विकास गर्न सकिने ।
▪ गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका विभिन्न धार्मिक तथा साँस्कृतिक स्थलहरूको विकास गर्न सकिने ।
▪ लोपोन्मुख लोकभाका तथा परम्परागत बाजागाजाको संरक्षण गरी लोक साँस्कृतिको उत्थान गर्न सकिने ।
▪ गाउँपालिकाको वडा नं. ७ मा सन्थाल संग्रहालय निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको ।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
<b>सभ्य र सुसंस्कृत समाजको निर्माण</b>
<b>लक्ष्य</b>
<b>संस्कृति, भाषा कला र साहित्यको जर्गेना र विकासमार्फत सभ्य र सौहार्द समाजको स्थापना गर्ने</b>
<b>उद्देश्यहरू</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।</li> </ul>

### उद्देश्य .१. : स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको वस्तुगत अभिलेखिकरण गर्ने	१.१.१ गाउँपालिकामा प्रचलनमा रहेका सबैप्रकारका अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritage) को वस्तुगत तथा विस्तृत पार्श्वचित्र तयार पारिनेछ ।
	१.१.२ सबै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) को विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.१.३ यस प्रकारका साँस्कृतिक तथा बौद्धिक सम्पदाहरूलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिकाको मौलिकता दर्शाउने सम्पदा समेटेर वृत्तचित्रहरू निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५ गाउँपालिकाबाट प्रादेशिक तथा राष्ट्रिय कला, संस्कृति र साहित्यमा योगदान पुऱ्याउने लेखक, गायक, अभिनेता, संगीतकार, रंगकर्मी, नृत्याङ्गना, साहित्यकार संस्कृतिविद लगायतका कलाकारको विस्तृत विवरण तयार पारिने छ ।
	१.१.६ लोपोन्मुख अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई संस्थागत स्मरणमा ( Institutional Memory) राख्न कला संस्कृति तथा साहित्यप्रेमी कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड गरिनेछ । जस्तै लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा आदि ।
१.२ भाषा, संस्कृति, कला साहित्यलाई जीवन्त तुल्याउने	१.२.१ वर्षभरी निरन्तर साँस्कृतिक र साहित्यिक गतिविधि सञ्चालन र त्यसको निरन्तरताका लागि एक वार्षिक भाषा, कला, साहित्य तथा संस्कृति पात्रो निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	१.२.२ विद्यालयस्तरमा कला, साहित्य र संस्कृतिमा विशेष भुकाव भएका विद्यार्थीहरूको पहिचान गरी अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.२.३ त्यस्ता प्रतिभाहरूको प्रतिभा उजागर गर्न हरेक महिना विद्यालयस्तरीय र निश्चित समयको अन्तरालमा अन्तरविद्यालय साँस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजना गरिनेछ ।
	१.२.४ राष्ट्रिय र प्रादेशिक तहका प्रतियोगितामा भाग लिने कलाकार साहित्यकार आदिको प्रशिक्षण तथा तयारीका लागि एक प्रोत्साहन कोषको निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य १. : स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.५ वडा स्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू गठन गरी वार्षिक साँस्कृतिक पात्रो कार्यान्वयनमा ल्याउन साँस्कृतिक अभ्यासहरू सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.६ हरेक विशेष चाडपर्व मेला र साँस्कृतिक उत्सवलाई भव्य बनाउन साँस्कृतिक समितिहरूलाई जिम्मेवारी प्रदान गरी सो सञ्चालनका लागि रकमहरूको व्यवस्था गरिने छ ।
	१.२.७ साँस्कृतिक गतिविधिहरू पर्यटनसँग आबद्ध गर्न व्यापक प्रचार प्रसार गरिने छ ।
	१.२.८ मातृभाषामा आधारभूत शिक्षा दिन सकिने समुदायका बारेमा सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.९ लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथाहरू संरक्षण गर्न विशेष समारोह आयोजना गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: साँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ कला, साहित्य, भाषा, साँस्कृतिक सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन गर्ने ।	२.१.१ कला, साहित्य, भाषा तथा साँस्कृतिक सर्जकहरूलाई यी क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक मागहरूको संबोधन गर्न विशेष अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।
	२.१.२ यसप्रकारका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन तथा पुरस्कृत गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३ विभिन्न राष्ट्रिय तथा गाउँपालिका स्तरीय विशेष अवसरमा यस्ता सर्जक तथा कलाकारहरूलाई सम्मान र पुरस्कृत गरिनेछ ।
	२.१.४ हरेक विद्यालयमा अतिरिक्त कृयाकलापहरूमा यी विषय समावेश गरी नियमित अभ्यास र पठनपाठन गर्न आंशिक शिक्षकको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	२.१.५ वडास्तरीय भाँकीहरू प्रस्तुत गर्न साँस्कृतिक समितिमार्फत अभ्यास सञ्चालन गरिनेछ ।
२.२ साँस्कृतिक, साहित्यिक, भाषिक तथा कलासम्बन्धी पूर्वाधार निर्माण ।	२.२.१ गाउँपालिका स्तरीय एक साँस्कृतिक केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.२.२ साँस्कृतिक केन्द्रलाई चलायमान बनाउन नाटक, नृत्य, सांगितिक कार्यक्रम, साहित्यिक कार्यक्रम, चित्रकला प्रदर्शनीहरूको साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम आयोजना गरिनेछ ।
	२.२.३ हरेक वर्षमा एक पटक साँस्कृतिक पर्व (Cultural Festival) को आयोजना गरिनेछ ।
	२.२.४ गाउँपालिकास्तरीय एक कला संग्रहालयको निर्माण गरिनेछ ।
	२.२.५ भाषा, कला तथा साहित्यमा अभिरुची हुनेहरूको संलग्नतामा एक गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन गरिनेछ ।
	२.२.६ गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाजको मुखपत्रमार्फत बौद्धिक तथा साहित्यिक लेखरचनाहरू नियमित प्रकाशन गर्न संभाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।



**सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाको Inventory तयारी	५०					
		१.१.२	अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritage- ICH) तथा बौद्धिक सम्पदाको विवरण प्रकाशन	३०					
		१.१.३	साँस्कृतिक सम्पदासम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्माण		१००				
		१.१.४	साँस्कृतिक वृत्तचित्र निर्माण		१००				
		१.१.५	लेखक, कलाकार, साहित्यकारहरूको विवरण संकलन	२०					
		१.१.६	लोपोन्मुख साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड	२०		२०		२०	
	१.२	१.२.१	साँस्कृतिक पात्रो निर्माण	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.२.२	विशेष कला भएका विद्यार्थी पहिचान	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.२.३	विद्यालय तथा अन्तर विद्यालय साँस्कृतिक प्रतियोगिता	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.४	राष्ट्रिय तथा प्रादेशिकस्तरको साँस्कृतिक प्रतियोगिता तयारी कोष	५००					
१.२.५		वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिहरूमार्फत अभ्यासका लागि प्रोत्साहन अनुदान	१००	२००	३००	४००	५००		
	१.२.६	विशेष पर्व तथा उत्सव तयारी अनुदान	१००	२००	३००	४००	५००		
	१.२.७	साँस्कृतिक गतिविधि प्रचारप्रसार गरी पर्यटन प्रवर्द्धन	५०	७०	६०	९०	१००		
	१.२.८	मातृभाषामा आधारभूत शिक्षाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन	१०००						
	१.२.९	लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथा संरक्षण कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००		
२.	२.१	२.१.१	कला, साहित्य र साँस्कृतिका सर्जक तथा कलाकारहरूसँग अन्तरक्रिया	४०	४०	४०	४०	४०	
		२.१.२	गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण	२००					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		२.१.३	कलाकार, सर्जक तथा कला-पत्रकार सम्मान	१००	२००	३००	४००	५००	
		२.१.४	साँस्कृतिक गतिविधि तथा पठनपाठनका लागि आंशिक शिक्षक व्यवस्थापन	१००					
		२.१.५	साँस्कृतिक भाँकी तयारी	१००					
	२.२	२.२.१	साँस्कृतिक केन्द्र निर्माण			३००	३५०	४००	
		२.२.२	साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम साँस्कृतिक क्रियाकलापको आयोजना	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.२.३	नियमित साँस्कृतिक गतिविधि, उत्सव (Cultural Festival) आयोजना	२००	२५०	३००	३५०	४००	
		२.२.४	साँस्कृतिक केन्द्रमा रहने एक कला संग्रहालयको निर्माण			७००			
		२.२.५	गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		२.२.६	गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज मुखपत्र सम्बन्धी संभाव्यता अध्ययन		६००				

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	साँस्कृतिक, भाषा, कला तथा साहित्य				
	प्रतिफल	साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणको निम्ती विनियोजन गरेको बजेट (१४.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदामा सूचिकृत सम्पदा	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक सम्पदा मध्ये स्थानीय पाठ्यक्रमका समावेश (सम्पदा)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक वृत्त चित्र	संख्या		
	प्रतिफल	कलाकार विवरणमा समावेश कलाकार	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	साँस्कृतिक पात्रोमा समावेश गतिविधि (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक प्रतियोगिता तथा कार्यक्रम (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	स्थानीय मातृभाषा पाठ्यक्रम	संख्या		
	प्रतिफल	साहित्यिक गतिविधि (कार्यक्रम) (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	कला तथा भाँकी प्रदर्शनी (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	कला तथा संगीत प्रशिक्षण केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	स्थानीय साहित्यकार तथा लेखक	संख्या		
	प्रतिफल	संरक्षित लोपोन्मुख स्थानीय कला, गाथा साँस्कृतिक बौद्धिक समाज तथा क्लब	संख्या		
	प्रतिफल	बौद्धिक सम्पदाको रुपमा सूचिकृत सम्पदा	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक समिति तथा क्लब संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक उत्सव (Art and Literature Festival)	संख्या		
	प्रतिफल	कला संग्रहालय	संख्या		

## ४.४ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

### (अ) उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

#### पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा मुख्यतया कृषि पेशामा संलग्न घरपरिवारको संख्या बढी भएकोले विशेषगरी कृषिमा आधारित साना तथा मझौला उद्योग र अन्य घरेलु उद्योगहरू यहाँ सञ्चालनमा रहेका छन्। गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफलमध्ये ०.९७ प्रतिशत भूभाग इटा भट्टा क्षेत्रले ओगटेको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा काम गर्न सक्ने जम्मा ३४,९९८ जनसंख्या मध्ये ८०० जना उद्योग तथा व्यापार व्यवसायमा संलग्न रहेको पाइन्छ। यस गाउँपालिकाभित्र पोल्ट्री फर्म, राइस मिल, गाईपालन, तेल मिल, टेलर्स, फर्निचर, ब्युटीपार्लर आदि जस्ता साना व्यवसायहरू संचालन भइरहेका छन् भने यहाँ उत्पादन हुने गरेका कृषि उपजहरू तथा घरेलु उत्पादनहरू बिक्रीका लागि १० कि. मि. दुरीमा विराटनगर बजार, ४ कि. मि दुरीमा कटहरी बजार, तथा २० कि. मि दुरीमा रंगेली बजार रहेका छन्। यसका साथै यहाँ स्थानीय हाटबजारमा पनि स्थानीय उत्पादनहरूको बिक्री वितरण गर्ने गरेको पाइन्छ। यस गाउँपालिकामा कृषि उद्योगहरूको राम्रो सम्भावना भएकोले उद्योग वाणिज्य क्षेत्रको विकासका लागि ठोस कदम चाल्नुपर्ने देखिन्छ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ युवा जनशक्ति विदेश पलायन भइरहेको।
■ औद्योगिक उत्पादनको सिप सिकाउने शिक्षा प्रणाली नभएको।
■ गाउँपालिकाका बजार केन्द्रहरूमा ठूलो स्तरको आर्थिक गतिविधि नभएको।
■ निजी क्षेत्रको लगानी आर्कषण गर्न नसकिएको।
■ वित्तीय सुरक्षाको पर्याप्त प्रत्याभूति नभएको।
■ स्थानीय पूँजी बजारको विकास आशातित रूपमा नभएको।
■ उद्योगमा संलग्न मजदुर तथा औद्योगिक क्रियाकलापका दौरान सामाजिक जटिलता, अपराध आदिको वृद्धि हुन सक्ने।
■ लगानी सुरक्षाको वातावरण आवश्यक पर्ने।
■ औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा यथेष्ट बजेट व्यवस्था गरी योजनाबद्ध ढङ्गले लाग्नु पर्ने।
■ उद्योग विकासको लागि सडक, यातायात, विद्युत् तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्नुपर्ने।
■ विभिन्न प्रकारका उद्योगहरू स्थापना गर्दा औद्योगिक प्रदूषण वृद्धि हुन सक्ने।
■ ठूलो आकारको लगानीको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
■ हाटबजार तथा कृषि बजार लाग्ने स्थानमा भौतिक पूर्वाधारहरूको अवस्था अत्यन्त जिर्ण रहेको।

#### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ कृषिमा आधारित औद्योगिक कच्चा पदार्थको उपलब्धता रहेको।
■ व्यावसायिक रूपमा माछा, कुखुरा, हाँस, गाई, भैंसी, बाखा आदि पालन भइरहेको।
■ स्थानीय जनशक्तिको सदुपयोग हुने कम खर्चिलो श्रमशक्ति प्राप्त गर्न सकिने।

### सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- कपडा उद्योग, हस्तकला, काष्ठकला तथा ललितकलामा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा रहेका प्राकृतिक पोखरीहरू तथा कृत्रिम पोखरीमा व्यवसायिक माछापालन गर्न सकिने ।
- स्थानीय सम्भाव्यताका आधारमा धान खेती, गहुँ खेती, मकै खेती, केरा खेती, कुखुरापालन, पशुपालन र तरकारी खेती उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गरी कृषिमा आधारित उद्योगको विस्तार गर्न सकिने ।
- कृषि पर्यटन विकास गर्न सकिने ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित कृषि उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने ।
- औद्योगिक पूर्वाधारहरूको यथोचित विकास गर्न सके गाउँपालिकामा रोजगारीको सम्भावना र अवसरहरूको प्रचुरता रहेको ।
- गाउँपालिका भित्र सञ्चालित व्यवसायलाई दर्ता, नवीकरण तथा अन्य कानुनी प्रक्रियामा सरलता ल्याई प्रवर्द्धन र संरक्षण गर्न सकिने ।
- डेरी उद्योग र हस्तकलामा आधारित घरेलु उद्योगहरूको विकास गर्न सकिने ।
- सिलाइ/कटाइ/बुनाइ, मैनबत्ती बनाउने तालिम, मोटरसाइकल तथा साइकल मर्मत तालिम, कृषिजन्य तालिम प्रदान गरी साना तथा घरेलु उद्योगको लागि दक्ष जनशक्ति तयार गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले पालिकामा लघु, घरेलु तथा साना उद्योग संचालन गर्न युवा वर्गलाई प्रविधि हस्तान्तरण एवं प्रोत्साहन तथा अनुदान सुविधा उपलब्ध गराउने नीति अगाडि सारेको ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

गाउँपालिकाको आर्थिक वृद्धिदर, कृषिमा आधारित उद्योगको भर

#### लक्ष्य

आगामी पाँच वर्षमा गाउँपालिकाको कुल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान कम्तीमा १० प्रतिशत पुर्याई रोजगारी श्रृजना गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ उद्योगका लागि आवश्यक आधारभूत पूर्वाधारको क्रमिक विकास गर्नु ।
- ✓ गाउँपालिकामा उत्पादने हुने स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापनामार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु ।
- ✓ खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण गर्नु ।
- ✓ स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्नु ।

### उद्देश्य १ : उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ नीतिगत सुधार गरी लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गर्ने	१.१.१ उद्योगमा लगानीमैत्री वातावरण निर्माण गर्न उद्योगका लागि जग्गा, रजिष्ट्रेशन, करारमा लिन विशेष सहूलियत र छुट दिने नीति तथा मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२ उद्योगमा लगानी गर्न असहज र प्रतिकूल रहेका विद्यमान स्थानीय कानूनहरूमा लगानी मैत्री हुनेगरी संशोधन गरिनेछ, र श्रमिकहरूको सुरक्षा हक र

**उद्देश्य १ : उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	हितका लागि कानूनको अधिनमा रही स्थानीय नीति र मापदण्ड श्रमिक उद्योग र उद्यमी मैत्री बनाइने छ ।
	१.१.३ महिला र युवा उद्यमीहरूलाई प्रोत्साहन गर्न विशेष अनुदान र सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.४ ठूलोस्तरको बाह्य लगानी भित्र्याउन सरकारी जमिनको सम्भाव्यता अध्ययन गरी निजी क्षेत्रका उद्यमीहरूसँग विशेष छुट र सहूलियत बारे अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.१.५ कम्तीमा ३ जनालाई रोजगारी दिनसक्ने उद्योगका लागि दशलाख पूँजी लगानीको प्रस्ताव सहित आउने स्थानीय उद्यमीलाई ५० प्रतिशत लगानीको ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।
	१.१.६ गैह्रकृषि क्षेत्रको रोजगारी बृद्धि गर्न गैह्रकृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको व्यापक अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.७ ७० प्रतिशत भन्दा बढी स्थानीय बासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुट दिइनेछ ।
	१.१.८ उद्योग संचालन कार्यविधि तयार गरिनेछ ।
	१.१.९ नियमित कर तिर्ने र ५० भन्दा धेरैलाई रोजगारी दिने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान गरिनेछ ।
	१.१.१० व्यावसायिक कृषक र कृषक समूहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।
१.२ प्रमुख औद्योगिक पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्ने	१.२.१ मुख्य औद्योगिक क्षेत्रसम्मका पहुँच सडकलाई कृषि र पर्यटन सडकसंग एकीकृत गरी स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	१.२.२ स्थानीय कृषि उपजमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिइ कच्चा पदार्थ उत्पादन सुनिश्चित गर्न सम्भाव्य उद्योगी र कृषकबीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	१.२.३ उद्योग क्षेत्रहरूमा आवश्यक विद्युतिकरण विस्तार गरिनेछ ।
	१.२.४ औद्योगिक सुरक्षाका लागि सुरक्षा निकायसँगको सहकार्यमा शान्ति सुरक्षाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.५ औद्योगिक श्रमिकहरूको उपलब्धताका लागि स्थानीय रोजगार केन्द्रमा श्रम सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापनामार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा एक वडा एक कृषिमा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने	२.१.१ बाली विपेश पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.१.२ पहिलो चरणमा एक वडा एक कृषि उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।
	२.१.३ उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमुखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापनामार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.२ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने	२.२.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	२.२.२ सङ्घीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिका स्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.२.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुनसक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण, उत्खनन् तथा व्यवस्थापन गर्ने	३.१.१ संघ र प्रदेशसँगको समन्वयमा स्थानीय खानी तथा खनिज अन्वेषण र उत्खननका लागि आवश्यक नीति, ऐन, नियम र मापदण्डको निर्माण गरिनेछ ।
	३.१.२ गाउँपालिकाभर रहेका वा हुनसक्ने खानी तथा खनिजको अन्वेषण गर्न खानी तथा भू-गर्भ विभागसँग समन्वय गरी विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।

**उद्देश्य ४ : स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापनमार्फत वाणिज्य, बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्ने ।**

रणनीति	कार्यनीति
४.१ बजार, व्यापार तथा वाणिज्य व्यवस्थापन सूचना प्रणाली निर्माण गर्ने	४.१.१ स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.२ गाउँपालिकाभर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखिकरण प्रणाली निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.३ समग्र व्यापार र वाणिज्यलाई समेटेर वार्षिक रुपमा हुने कारोबारका आधारमा माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.४ गाउँपालिकाबाट हुने निकासी तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्क प्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
	४.१.५ रोजगार बैंक पोर्टल संचालन गरिनेछ ।
४.२ स्थानीय बजार प्रवर्द्धन कार्ययोजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने ।	४.२.१ स्थानीय व्यापारिक फर्म तथा व्यवसायको दर्ता अनुमति नवीकरण, खारेजी, बजार तथा गुणस्तर अनुगमन र नियमन गर्न संयन्त्र र नियमित कार्यतालिका बनाइनेछ ।
	४.२.२ मुख्य बजार केन्द्रलाई लक्षित गरी निजी क्षेत्रसँगको समन्वयमा व्यापारिक स्टल निर्माण गरी बहालमा दिइनेछ ।
	४.२.३ वार्षिक रुपमा मुख्य चाडपर्व तथा अवसर हेरी व्यापारिक मेला/ औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना गर्न वार्षिक पात्रो निर्माण गरिनेछ ।
	४.२.४ परम्परागत रुपमा चलि आएका स्थानीय हाटबजारलाई व्यवस्थित र वैज्ञानिक बनाउन अध्ययन गरी पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।

**उद्देश्य ४ : स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापनमार्फत वाणिज्य, बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्ने ।**

रणनीति	कार्यनीति
	४.२.५ प्रत्येक वर्ष नियमित आम उपभोक्ता हित र अधिकार साथै खाद्य गुणस्तरसम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	४.२.६ अटोल्याण्ड स्थापनाको संभाव्यता अध्ययन प्रतिवेदनका आधारमा कार्यान्वयन प्रक्रिया अघि बढाइनेछ ।



## उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्तिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	उद्योगका लागि करारमा दिनसकिने जग्गा पहिचान गर्न अध्ययन		५००				
		१.१.२	श्रमिक, उद्योग र उद्यमी मैत्रीसम्बन्धी नीति, कानून संशोधन गर्न विज्ञसँग परामर्श	५०					
		१.१.३	महिला तथा युवा उद्यमी पहिचान, सहूलियत तथा अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.१.४	ठूला लगानी भित्र्याउन बाह्य लगानीकर्ताहरूसँग लगानी सम्मेलन		५००				
		१.१.५	दशलाखसम्मको उद्योग लगानी प्रस्तावका लागि ब्याज अनुदान	२००	२२०	२४०	२६०	२८०	
		१.१.६	गैह्र कृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन		२००				
		१.१.७	स्थानीय वासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुटको व्यवस्था						
		१.१.८	उद्योग संचालन कार्यविधि तयार	१५०					
		१.१.९	नियमित कर तिर्ने र ५० भन्दा धेरैलाई रोजगारी दिने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.१.१०	व्यावसायिक कृषक र कृषक समुहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था						
	१.२	१.२.१	औद्योगिक सडक पहिचान तथा स्तरोन्नति			७००			
		१.२.२	कच्चा पदार्थ उत्पादन केन्द्रित उद्योगी कृषक अन्तरक्रिया	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.३	औद्योगिक क्षेत्र विद्युतिकरण	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.४	औद्योगिक क्षेत्र केन्द्रित प्रहरी बिट स्थापना तथा निर्माण		२००	३००			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		१.२.५	औद्योगिक श्रमिक तथा श्रम सूचना तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण	१००					
२	२.१	२.१.१	बाली विशेष पकेट क्षेत्र स्तरिय उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन			६००			
		२.१.२	एक वडा एक कृषि उद्योग अन्तर्गत उद्योगी पहिचान			३००			
		२.१.३	कृषि उद्योगी विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	२.२	२.२.१	कृषि उपज प्याकेजिड, लेबलिड गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डीड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		२.२.२	खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना			५००			
		२.२.३	कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन		४००				
३	३.१	३.१.१	खानी, खनिज, अन्वेषण, उत्खनन् र व्यवस्थापन मापदण्ड निर्माण			५००			
		३.१.२	खानी तथा खनिज सम्भाव्यता अध्ययन			६००			
४.	४.१	४.१.१	स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण		१००				
		४.१.२	गाउँपालिकाभर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखिकरण प्रणाली निर्माण		१००				
		४.१.३	माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण		१००				
		४.१.४	निर्यात तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्क प्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास		१००				
		४.१.५	रोजगार बैंक पोर्टल संचालन	१००					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
	४.२	४.२.१	बजार अनुगमन तथा निरीक्षण आन्तरिक पात्रो निर्माण	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		४.२.२	बहाल बिटौरी कर लागू गर्नेगरी व्यापारिक स्टल निर्माण			१००			
		४.२.३	वार्षिक पात्रो अनुसार व्यापारिक मेला मेला/ औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		४.२.४	हाटबजार पूर्वाधार निर्माण				१०००		
		४.२.५	उपभोक्ता हितसम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		४.२.६	अटोल्याण्ड स्थापनाको संभाव्यता अध्ययन		५००				

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- उद्योगका लागि न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार जस्तै सडक, उर्जा, जमिन, श्रमशक्ति, सुरक्षा तथा लगानी आदिको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थ विशेषगरी कृषिमा आधारित उद्योगहरूको संख्या वृद्धि भएको हुनेछ ।
- उद्योग क्षेत्रको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा २० प्रतिशत भन्दा माथि योगदान हुनेछ ।
- स्थानीय बजार तथा आपूर्ति प्रणाली सुदृढ भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.		<b>खानी, खनिज, उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति</b>			
	असर	गैर कृषि क्षेत्रमा (उद्योगमा) संलग्न रोजगारहरू	प्रतिशत		
	असर	कूल रोजगारीमा ठूला उद्योगको योगदान (९.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान (८.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	थोक व्यापार क्षेत्रमा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	खुद्रा व्यापारमा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आयात मूल्य	रकममा		
	प्रतिफल	निर्यात मूल्य	रकममा		
	प्रतिफल	थोक तथा खुद्रा व्यापारमा कुल लगानी	रकममा		
	प्रतिफल	खानीमा आधारित उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	साना उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	कूल रोजगारीमा साना उद्योगहरूको हिस्सा	प्रतिशत		
	प्रतिफल	मभौला उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	ठूला उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक अभिमुखीकरण तालिम (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	महिला उद्यमीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	युवा उद्यमीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	समग्र उद्यमीहरूको संख्या (व्यक्तिगत नाममा दर्ता)	संख्या		
	प्रतिफल	उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा	हेक्टर		
	प्रतिफल	औद्योगिक लगानी सम्मेलन	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक लगानी तथा अनुदान	रकम		
	प्रतिफल	गैह्र कृषि उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनमा संलग्न कृषक संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक सुरक्षाकर्मी संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	खानीमा आधारित अन्वेषण संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक बजार अनुगमन	संख्या		
	प्रतिफल	बहाल विटौरी कर लागू गरिएका सार्वजनिक सम्पत्ति	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक औद्योगिक तथा व्यापार मेला संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित हाट बजार संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	उपभोक्ता हित सम्बन्धी कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।
- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

### (आ) सहकारी

#### पृष्ठभूमि

ग्रामीण पूँजीको संकलन र उचित सदुपयोग मार्फत आय आर्जन गर्न सहकारीको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको ३ प्रमुख खम्बा मध्ये एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा रहेको सहकारी क्षेत्रको ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढिकरणमा मुख्य सहयोगी भूमिका हुन्छ । गाउँपालिकामा स्थानीय तह सहकारी ऐन २०७५, तयार गरी लागू गरिसकेको अवस्था छ । गाउँपालिकामा २ वटा महिला सहकारी, ४ वटा कृषि सहकारी संस्था तथा १५ वटा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था गरी जम्मा २१ वटा सहकारी संस्थाहरू संचालनमा रहेका छन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्कको आधारमा वडागत रूपमा वडा नं. १ मा १७६ घरधुरी, वडा नं. २ मा १७६, वडा नं. ३ मा २९६, वडा नं. ४ मा ३५४, वडा नं. ५ मा ३२०, वडा नं. ६ मा १५२ र वडा नं. ७ मा ३३२ घरधुरीहरू सहकारी संस्थाको पहुँचमा रहेका छन् ।

#### समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सहकारीको संख्यात्मक वृद्धि भए तापनि गुणात्मक विकास हुन नसकेको ।

### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सहकारी क्रियाकलाप उत्पादनमुखी तथा रोजगारी सिर्जनाभन्दा पनि बचत तथा ऋण कारोबारमा बढी लगाव रहेको ।
- सहकारीमा आर्थिक अनुशासन कायम हुन नसक्दा आम नागरिकको बचत जोखिममा पर्ने गरेको ।
- सहकारीहरू अपेक्षित मूल्य, मान्यता तथा आदर्शका मर्म अनुसार विकास हुन नसकेको ।
- नियामक निकायको प्रभावकारीतामा कमी रहेको ।
- सहकारी सम्बन्धी जनचेतनाको व्यापक विकास गर्नुपर्ने ।
- कृषि, उद्योग तथा व्यावसायिकता विकासमा यसको योगदान वृद्धि गर्नुपर्ने ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य संभावना र अवसरहरू

- सहकारी क्षेत्रतर्फ क्रमशः जनताको आकर्षण बढ्दै गइरहेका कारण विविध बचत समूहहरू पनि सञ्चालनमा रहेका ।
- सानो रकम भए पनि बचत गर्नुपर्छ भन्ने चेतनाको क्रमशः विकास भएको ।
- कृषि उत्पादन र उपभोक्ता बिचमा पुलको काम गर्ने संस्थाको रूपमा सहकारीको विकास गर्न सकिने ।
- सामुहिकता र सहकार्यमार्फत आर्थिक विकासको सम्भावना रहेको ।
- सहकारीको परिचालन, नियमन, अनुगमन र खारेजीसम्बन्धी अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।
- गाउँपालिकाले महिला सहकारी संस्थाहरूको स्तरोन्नती गर्दै बचत परिचालनमा वृद्धि गर्न प्रोत्साहन गर्ने नीति लिएको ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सामुहिकता र सहकार्यमार्फत सबल अर्थतन्त्र निर्माण ।

#### लक्ष्य

सहकारीको संस्थागत विकासमार्फत आम बचतकर्ताको जीवनस्तर उकास्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि र कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु ।
- ✓ सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशिल क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।

### उद्देश्य १: सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि, कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सहकारी शिक्षाको माध्यमबाट जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने	१.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सहकारीको महत्व सम्बन्धमा नियमित जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ र सहकारी सञ्चालकहरूलाई संस्थागत क्षमता विकास गर्न सङ्घीय तथा प्रदेश सरकारहरूको सहयोगमा क्षमता विकास अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२ महिलाहरूलाई सहकारीतर्फ आकर्षण गर्न महिला सहकारी विस्तार उत्प्रेरणा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ सहकारीले स्थानीय अर्थतन्त्रमा पार्ने र पारेको प्रभावहरूको वस्तुगत अध्ययन गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रका लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ सहकारी नीति परिमार्जन तथा निर्माण गरी ग्रामिण अर्थतन्त्र मैत्री बनाउने	२.१.१ सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्र जस्तै कृषि, उद्योग तथा पर्यटनमा लगानी अभिवृद्धि गर्न स्थानीय सहकारी नीति र ऐनमा आवश्यक सुधार संशोधन र परिमार्जन गरिनेछ ।
	२.१.२ अति विपन्न नागरिक तथा मजदुरहरूलाई सामुहिक बचत गर्ने बानी बसाल्न उत्प्रेरणा अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
	२.१.३ निश्चित मापदण्डका आधारमा बचत, लगानी तथा ऋण परिचालनमा अब्बल एक सहकारीलाई वार्षिक उचित पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.४ सहकारीलाई उत्पादन तथा रोजगारीसँग जोडी नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याइनेछ ।
	२.१.५ एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान सघन रूपमा अगी बढाइनेछ ।
	२.१.६ कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुऱ्याउनका लागि सहजीकरण गरिनेछ ।
२.२ सहकारीलाई व्यावसायिकरणका अभ्याससँग एकीकृत गर्ने	२.२.१ सहकारी खेतीलाई प्रोत्साहन गर्न कृषि सहकारी संस्थाको सहयोगमा व्यावसायिकता प्रबर्द्धन तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.२ सहकारीसँग उद्योग र सेवा क्षेत्र विस्तार गर्ने नीति अनुरूप सहकारीमा आधारित स्थानीय उद्योग र सेवाक्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.३ सम्भाव्यता र लागत लाभका आधारमा सहकारी खेती वा उद्योग वा सेवा क्षेत्रमा लाग्न चाहने सहकारीका सरोकारवाला सदस्यहरूलाई व्यवसाय विशेष क्षमता अभिवृद्धि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.२.४ सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	२.२.५ सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.२.६ सहकारी मार्फत उद्बमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।

## सहकारीको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत सहकारी शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम सञ्चालन		८०				
		१.१.२	महिला सहकारी लाई प्रशासनिक तथा क्षमता विकास कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.२	सहकारी संस्थाका पदाधिकारीहरुलाई क्षमता विकास कार्यक्रम						
		१.१.३	सहकारीको स्थानीय अर्थतन्त्रमा पारेको प्रभाव अध्ययन		५००				
२.	२.१	२.१.१	स्थानीय सहकारी नीति र ऐनमा आवश्यक सुधार संशोधन र परिमार्जन	८००					
		२.१.२	अति विपन्न नागरिक घरधुरीलाई सहकारीमा प्रवेश गराउन बीउ पूँजी वितरण	३००	४००	५००	६००	७००	
		२.१.३	उत्कृष्ट सहकारी पुरस्कार प्रदान तथा प्रोत्साहनका लागि( अन्तरजिल्ला अवलोकन अध्ययन भ्रमण)	५००	५००	५००	५००	५००	
		२.१.४	सहकारीमार्फत सुपथ मूल्यको पसल स्थापना गर्न प्रोत्साहन गर्ने	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.५	एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान अन्तर्गत सहकारी उत्पादन मेला कार्यक्रम		२००				
		२.१.६	कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुऱ्याउनका लागि सहजीकरण						
		२.२	२.२.१	सहकारी खेती प्रवर्द्धन तालिम	७५	७५	७५	७५	७५
	२.२.२	सहकारीमा आधारित उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन	३००						
	२.२.३	सहकारी उद्योग तथा सेवा क्षेत्रमा जानचाहने उद्यमीलाई विशेष तालिम	८०	८०	८०	८०	८०		
	२.२.४	सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि	१००	१००	१००	१००	१००		
	२.२.५	३ वर्ष भित्र सबै सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन(Copomis)		१००					
	२.२.६	सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन	१००	१००	१००	१००	१००		

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सहकारी संस्थाहरूको संस्थागत र गुणात्मक विकास हुनेछ ।
- ✓ सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकास र सेवा विस्तार हुनेछ ।



- ✓ कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा सेवा क्षेत्रको विकासमा सहकारीको भूमिका वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ महिलावर्गको सहकारी क्षेत्रमा सदस्यता संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ विपन्न वर्गलाई सहकारीमा आबद्ध गर्न सहयोग पुग्नेछ ।

## (इ) बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

### पृष्ठभूमि

बैङ्क कारोबार चलायमान हुन स्थानीय स्तरमा व्यापक रूपमा पूँजीप्रवाह भैरहने वातावरण हुनुपर्दछ। यस गाउँपालिकामा माछापुच्छ्रे बैङ्क लगायत जीवन विकास समाज लघुवित्त वित्तीय संस्था, फरवार्ड माइक्रो फाइनेन्स तथा नेशनल माइक्रो फाइनेन्स संचालनमा रहेका छन्। कुनैपनि स्थानको अर्थतन्त्र सबल हुन कृषि, पर्यटन र उद्योग क्षेत्र चलायमान हुनुपर्ने भएकोले ती क्षेत्रको क्रमिक विकाससँगै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विकास स्वतः हुन जान्छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ “क” वर्गका बैङ्क सीमित मात्रामा रहेका।
■ बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको स्थापना र पूँजी वृद्धि हुन नसकेको।
■ वित्तीय संस्थाहरूमा सहज पहुँच नहुँदा तथा अर्थतन्त्र चलायमान नहुँदा स्थानीय पूँजीको विकास कमजोर रहेको।
■ सहकारीको सङ्गठनात्मक विकास नभएका कारण लगानीको क्षेत्र र दायरा ठूलो हुन नसकेको।
■ औद्योगिक पूर्वाधार, उद्योग, व्यापारिक केन्द्र र स्थानीय पूँजीको विकास गर्नुपर्ने।
■ बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको स्थापना हुन नसक्दा स्थानीय लगानीकर्ता तथा पूँजीपतिको पूँजी पलायन भई ग्रामीण अर्थतन्त्र थप कमजोर बन्न सक्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकामा माछापुच्छ्रे बैंक संचालनमा रहेको।
■ अति विपन्न वर्गमा नियमित बचत गर्ने बानीको विकास गर्न प्रोत्साहन गर्न सकिने।
■ गाउँपालिकामा ऋण तथा कर्जा सेवा प्रदान गर्न विभिन्न कृषि तथा महिला समूहहरू सक्रिय रहेका।
■ उद्योग, कलकारखाना, बजार केन्द्र, व्यापारिक कारोबारको विस्तार गर्दै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको विकास गर्न सकिने।
■ अन्य बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई आकर्षण गर्न सकिने।
■ स्थानीय जनताको अग्रसरतामा माइक्रो फाइनेन्स तथा सहकारीहरूको विकास र विस्तार गर्न सकिने।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
वित्तीय पहुँच वृद्धिमाफत आर्थिक क्षेत्रको गतिशीलता
लक्ष्य
प्रत्येक घरधुरीमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको सहज पहुँच स्थापित गर्ने
उद्देश्यहरू
✓ बैङ्क तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आकर्षण गर्नु।
✓ सहज कर्जा प्रवाह र बचत परिचालनमाफत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु।

**उद्देश्य १ : बैङ्क तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आर्कषण गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ वित्तीय पहुँच नपुगेका घरपरिवारमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको पहुँच पुर्याउने	१.१.१ आफ्नो नाममा बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको पूर्ण विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.१.२ निजी क्षेत्रमा बैङ्कहरूसँग सहकार्य गरी इच्छुक घरधनीको घरमा घुम्ती बैङ्क खाता खोल्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ बैङ्क खाता खोल्दा हुने फाइदाका विषयमा तथा महिलालाई बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन गर्न बैङ्कसँगको सहकार्यमा स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रशारण गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिकाका सबै वडामा बैकिङ सुविधा (बैंकबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएका गाउँपालिकावासीहरूको लागि Virtual Banking सुविधा) पुर्याइनेछ ।

**उद्देश्य २ : सहजकर्जा प्रवाह र वचत परिचालनमार्फत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ व्यावसायिक, उत्पादनमूलक साना तथा मझौला उद्योगमा ऋण प्रवाह अभिवृद्धि गर्ने	२.१.१ स्थानीय उद्यमी तथा बैङ्कहरू बीच ऋण प्रवाहमा सहजीकरण गर्न गाउँपालिकाद्वारा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	२.१.२ स्थानीय रोजगारी श्रृजना गर्न युवा उद्यमी र महिलाले तयार गरेको व्यावसायिक योजना, मझौला उद्योग क्षेत्र, पर्यटन वा कृषिमा लगानीका लागि ऋण प्रवाह गर्न गाउँपालिका जमानत बसी ब्याजमा निश्चित प्रतिशत अनुदान प्रदान गरिनेछ ।

## बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको लगत संकलन	५०					
		१.१.२	घुम्ती बैङ्किङ सेवा अभियान सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	महिलाको बैङ्किङ जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रशारण		८०	८५	९०	९५	
		१.१.४	बैंकबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएकाहरूका लागि Virtual Banking सुविधा	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.१	२.१.१	उद्यमी तथा बैङ्कहरू बीच अन्तरक्रिया सहजीकरण	४५	५०	५०	५०	५०	
		२.१.२	युवा र महिला उद्यमीलाई मझौला उद्योग तर्फ विशेष ब्याज अनुदान	१००	१२०	१५०	१७०	१९०	

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- आगामी ५ वर्षमा गाउँपालिकाका ९० प्रतिशत भन्दा बढी घरपरिवारका सदस्यहरूको आफ्नो नाममा बैङ्क खाता हुनेछ ।
- व्यक्तिगत ऋण लिने प्रवृत्तिमा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।
- उत्पादनशील क्षेत्रमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको ऋण प्रवाह वृद्धि भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	बैङ्क, वित्तीय क्षेत्र तथा सहकारी				
	प्रतिफल	आफ्नै नाममा बैङ्क खाता भएका घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका वाणिज्य बैङ्कको	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका विकास बैङ्कको	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका लघुवित्त	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा रहेका सहकारी	संख्या		
	प्रतिफल	महिला सहकारी सदस्य	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारीबाट उत्पादनशील क्षेत्रमा भएको लगानी	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारी सम्बन्धी तालिम	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारी सदस्यताका लागि विपन्न वीउँ पूँजीबाट लाभान्वित सदस्य	संख्या		
	असर	औपचारिक वित्तीय सेवाको पहुँचमा रहेका घर परिवार (१.४.१.२) र (८.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सहकारी सेवामा पहुँच भएका घरपरिवार (८.३.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	प्रति १ लाख वयस्कहरूमा वाणिज्य बैङ्कहरूमा शाखा (८.१०.१ क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	प्रति १ लाख वयस्कहरूमा ए.टि.एम (८.१०.१ ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	बैङ्कबाट ऋण लिएर व्यवसायका उद्योग सञ्चालन गर्ने व्यवसायीको (९.३.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	ऋण वा लाइन अफ क्रेडिट भएका साना स्तरका उद्योग (९.३.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	लघुवित्तद्वारा समेटिएको खेती गर्ने परिवार प्रतिशत (१०.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	३० मिनेटको पैदल दुरीमा बैङ्किङ सेवामा पहुँच भएका परिवार	प्रतिशत		

## ४.५ श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

### (अ) श्रम तथा रोजगारी

#### पृष्ठभूमि

श्रम तथा रोजगारीको हकलाई नेपालको संविधान २०७२ ले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ भने यसको केन्द्रविन्दुमा युवा रहेका छन्। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांश हो। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ मा प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार पालिकाको १० वर्ष भन्दा माथिको कुल ३४,२०५ जना जनसंख्या मध्ये ११,८९५ जना अर्थात ३४.७७ प्रतिशत मानिस रोजगार रहेको पाइन्छ। सामान्यतया काम गर्ने उमेर १८ देखि ५९ वर्ष समुहका कुल २४,४४२ जना जनसंख्या मध्ये ४८.९४ प्रतिशत रोजगार रहेको पाउन सकिन्छ। जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभ बोकेको यस गाउँपालिकाले युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा श्रम र रोजगार लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको।
■ गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा युवा जनशक्ति शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको।
■ प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवामैत्री हुन नसकेको।
■ युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको।
■ गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निरास, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको।
■ कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भैँभगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको।
■ गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको।
■ गाउँपालिकामा सम्पूर्ण बेरोजगार युवाहरूलाई थग्न सक्ने गरी रोजगारीको सिर्जन गर्न चुनौती रहेको।
■ पूर्वाधारको समुचित विकास गर्न नसकिएको कारण तोकिएका खेलकुद मैदानहरू, क्लब तथा मनोरञ्जनात्मक स्थलहरू स्तरोन्ती गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।
■ कुलतमा फसेका वा फस्ने खतरामा रहेका युवाहरूलाई रोक्ने कार्यक्रम तत्काल संचालन गर्नु पर्ने चुनौती रहेको।

#### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाले प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम मार्फत बेरोजगारलाई रोजगारी प्रदान गरेको।
■ युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको।
■ गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको।
■ गाउँपालिकामा युवासँग सम्बन्धित क्लब, खेलकुद मैदान तथा साँस्कृतिक टोलीहरू रहेको।

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने ।
- गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रसंग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आवद्ध गराउन सकिने ।
- गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने ।
- उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष मानव संसाधन निर्माण

#### लक्ष्य

गाउँपालिकाको कृयाशिल जनसंख्यालाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमुखि बनाउने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ श्रमशिल र सकृय जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

### उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने	१.१.१ गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमिबारे स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।
	१.१.२ गाउँपालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिनेछ ।
१.२ दक्ष र सीपयुक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने	१.२.१ युवा स्थितिपत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुचि र भुकाव अनुसार नियमित सिप विकास रोजगारीमूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२ समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ गायन, वाद्यवादन, नृत्य, कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिमा आवद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.४ गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवा क्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिका स्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ ।

उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.५ यस प्रकारका युवा क्लबका कृयाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार गरी युवा क्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ ।
	१.२.६ कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोच्याउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.७ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.८ जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाई भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.९ विदेशबाट फर्किएका युवाहरूलाई प्राथमिकतामा राखी रोजगारमूलक प्राविधिक तालिम, प्रशिक्षण प्रदान गरि प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.२.१० जेहेन्दार युवा उच्च शिक्षा विशेष छात्रवृत्तिको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.११ मापदण्डका आधारमा यूवा Start up तथा उद्यमशिलता विकासका लागि ब्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.१२ “युवा उद्यमीलाई राहत, जहदा गाउँपालिकाको साथ” भन्ने नारालाई मूर्त रूप दिन रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट छुट्याइनेछ ।
	१.२.१३ “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” अगाडि बढाइनेछ ।
	१.२.१४ रोजगार सेवा केन्द्रलाई रोजगार बैंकको रूपमा विकास गरिनेछ ।
	१.२.१५ गाउँपालिका तथा वडागत आयोजनाहरू प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमसंग साभेदारी गरि आवश्यक श्रमिकहरू रोजगार सेवा केन्द्रबाट व्यवस्थापन हुने गरि सञ्चालन गरिनेछ ।



**श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	युवा स्थितिपत्र तयार	७५					
		१.१.२	रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार	५०					
	१.२	१.२.१	रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमुखीकरण तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.२	युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम	७०	९०	१००	१२०	१३०	
		१.२.३	युवा कलाकारीता तालिम	५०	७०	८०	९०	१००	
		१.२.४	गाउँपालिकास्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना	८०	९०	१००	११०	१२०	
		१.२.५	केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसंग साक्षात्कार	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.६	कुलतमा फसेका युवाहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन	६०	७०	८०	९०	१००	
		१.२.७	युवा उद्यमीहरूको लागि उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन	६०	७०	८०	९०	१००	
		१.२.८	वेरोजगार तथा अर्ध वेरोजगार युवाहरूको उत्थान तथा सबलिकरण कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.२.९	प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.१०	जेहेन्दार युवा उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति स्थापना	१००	२००	३००	४००	५००	
		१.२.११	यूवा उद्यमशिलता विशेष ब्याज अनुदान	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.१२	उद्यमशील युवाहरूलाई प्रोत्साहन गर्न रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.२.१३	“हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” संचालन	१००	१००	१५०	२००	२५०	
		१.२.१४	पालिकाका आयोजनामा रोजगार सेवा केन्द्रमा सुचिकृत वेरोजगारलाई प्राथमिकता	१५०	१५०	२००	२००	२५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.१५	गाउँपालिका तथा वडागत आयोजनाहरू प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमसंग साभेदारीमा सञ्चालन						

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सिपयुक्त अर्धदक्ष र दक्ष मानव संसाधनको विकास हुनेछ ।
- ✓ बेरोजगार युवाको जनसंख्यामा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	युवा श्रम तथा रोजगार				
	असर	अर्ध बेरोजगार युवा (८.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	बेरोजगार युवा (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष बेरोजगार युवा (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	महिला बेरोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	महिला कामदारको प्रतिघण्टा औषत आमदानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष कामदारको प्रतिघण्टा औषत आमदानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत दर्ता भएका बेरोजगारको संख्या (८.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	यूवा रोजगारीका लागि विशेषरूपमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या (८.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	यूवा लक्षित विशेष Career Counselling तथा Entrepreneurship तालिम	संख्या		
	असर	१५-२४ वर्षका कुनै प्रकारको शिक्षा, तालिम वा रोजगारीमा संलग्न नभएका यूवा संख्या (८.६.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	रोजगार युवा (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष रोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	महिला रोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम रोजगारीका लागि विदेशिने युवाहरू	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आफ्नै स्वामित्वमा उद्योग भएका युवा उद्यमीहरूको	संख्या		
	प्रतिफल	महिला युवा उद्यमीहरूको	संख्या		
	प्रतिफल	स्नातक तह उत्तीर्ण गर्न नसकि अध्ययन छाडेका युवाको	संख्या		
	असर	कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट बञ्चित युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट सन्तुष्ट युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	दुर्व्यसनमा फसेका युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	प्रतिफल	दुर्व्यसन सुधार गृह	संख्या		
	प्रतिफल	जटिल प्रकारका रोगबाट ग्रसित युवाको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	अपराधिक कार्यमा संलग्न युवाको संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	राष्ट्रिय रूपमा ख्याती प्राप्त युवाको संख्या (कलाकारिता, नेतृत्व, उद्यमी, खेलकुद, अध्ययन अनुसन्धान, आदि)	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## (आ) सामाजिक सुरक्षा

### पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ४३ मा मौलिक हक अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षाको हकको व्यवस्था गरिएको छ । जसअनुसार आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, एकल महिला, अपाङ्गता भएका, बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई कानून बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुनेछ भनी स्पष्ट पारिएको छ । अर्कोतर्फ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले संघ र प्रदेश कानूनको अधिनमा रही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको कार्यान्वयन, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेकोले स्थानीय विकास योजना तर्जुमा गर्दा सामाजिक सुरक्षालाई सम्बोधन गर्नु आवश्यक रहेको छ ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरू लक्षित समुदायमा केन्द्रित भई पूर्ण प्रभावकारी र संस्थागत हुन नसक्नु ।
- सामाजिक सुरक्षाले समेट्नु पर्ने वर्गलाई समेट्न एकीकृत सूचना प्रणालीको व्यवस्था नहुनु साथै त्यस्ता वर्ग छुट्टिन जानु ।
- हाल प्राप्त भैरहेको सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रकम जीवन निर्वाहका लागि आवश्यक न्यूनतम सहयोग समेत नपुग्ने रकम भएकोले नाम मात्रको सामाजिक सुरक्षा हुनु ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय तहलाई सामाजिक सुरक्षाको अधिकार प्राप्त हुनु ।
- गाउँपालिकाले जेष्ठ नागरिकहरूको लागि दिवा केन्द्र निर्माण गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
- नेपाल सरकारले सामाजिक सुरक्षाको विषयलाई प्राथमिकता प्रदान गर्नु ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको सुरुवात हुनु ।
- सामाजिक सुरक्षासम्बन्धी जनचेतनामा समेत वृद्धि हुनु ।
- सामाजिक सुरक्षा मौलिक हकको रूपमा स्थापित हुनु ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

असक्त अवस्थामा निश्चिन्तता, सामाजिक सुरक्षा

#### लक्ष्य

असक्षम र असक्त भई जीवन निर्वाह गर्न नसक्ने अवस्थाका सबैलाई राज्यद्वारा अभिभाकत्व दिने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र असक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

**उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र असक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सामाजिक सुरक्षाको आवश्यकता पर्ने सम्पूर्ण नागरिकको पहिचान गर्ने संयन्त्र निर्माण गर्ने	१.१.१ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रममा समेटिने वर्गको परिभाषा र मापदण्ड सङ्घीय र प्रादेशिक सरकारको नीति र कानूनको अधिनमा रही निर्माण गर्ने र सो को आधारमा त्यस्ता व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत विवरण तयार पारी सूचना प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ ।
	१.१.२ सामाजिक सुरक्षाका प्रकारहरू निश्चित गरी आवश्यकता र संवेदनशीलताका आधारमा तहहरू छुट्याइने छ । यसरी संवेदनशीलताको तह बमोजिम सुरक्षाको प्रकार, निश्चय गरिनुका साथै मापदण्ड र विद्यमान ऐन कानूनको परिधिमा रही सामाजिक सुरक्षाको दायरा वृद्धि गर्न स्रोतका आधारमा अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.३ योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू गर्न आवश्यक तयारी अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.४ निजी र अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.१.५ सामाजिक सुरक्षाका विषयमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

**सामाजिक सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	सामाजिक सुरक्षा तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण ।		५००				
		१.१.२	सामाजिक सुरक्षाका प्रकृति र तहहरूको निष्कर्षित गर्ने र दायरा वृद्धि गर्न अध्ययन ।	५००					
		१.१.३	योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थित गर्न तयारी ।	२००					
		१.१.४	निजी र अनौपचारिक क्षेत्रका श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.१.५	जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन ।	५०	६०	७०	८०	९०	

**अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका**

- ✓ नागरिकहरूमा सामाजिक सुरक्षा पाउनु मौलिक हक हो र यसमा सक्रिय जीवनमा सहयोग गर्नुपर्छ भन्ने जनचेतनाको विकास हुनेछ ।
- ✓ असक्षम, असक्त र असहाय अवस्थाका सबै नागरिकलाई राज्यले सामाजिक सुरक्षाको सहारा सुनिश्चित गरेको हुनेछ ।

**नतिजा सूचक**

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सामाजिक सुरक्षा				

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति	संख्या		
	असर	योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा समेटिएको जनसंख्या	संख्या		

## परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र

### ५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

#### पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान २०७२ को धारा ३५ मा स्वास्थ्य सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरिएको छ । उपधारा १ मा “प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक हुनेछ र कसैलाई पनि आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाबाट वञ्चित गरिने छैन” भनि उल्लेख गरिएको छ । यसै हकको कार्यान्वयन गराउने दायित्व स्थानीय सरकारको भएकोले गाउँपालिकामा आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार र सेवाहरूको प्रबन्ध हुन अपरिहार्य छ ।

यस गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न स्वास्थ्य चौकीहरू मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ भने स्वास्थ्य सेवाका लागि आवश्यक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल र विशेषज्ञ सेवाको अभाव रहेको छ । हाल यस गाउँपालिकाका वडा नं. १ मा एउटा स्वास्थ्य चौकी, एउटा बर्थिङ सेन्टर, ४ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, एउटा टि.बी. उपचार केन्द्र छन् भने ५ जना महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाहरू रहेका छन् । यस्तै वडा नं. २ मा एउटा आधारभूत स्वास्थ्य इकाई, ३ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, ३ वटा निजी क्लिनिक र ४ जना महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाहरू रहेका छन् । वडा नं. ३ मा एउटा स्वास्थ्य चौकी, ३ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, १० वटा निजी क्लिनिक, एउटा टि.बी उपचार केन्द्र र ५ जना महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाले सेवा पुऱ्याइरहेका छन् भने वडा नं. ४ मा एउटा स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा खोप केन्द्र, ३ वटा गाउँघर क्लिनिक, एउटा टि.बी उपचार केन्द्र र ८ जना महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाहरू रहेका छन् । वडा नं. ५ मा एउटा स्वास्थ्य चौकी, ३ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, एउटा टि.बी. उपचार केन्द्र र ६ वटा महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविका रहेका छन् । त्यसैगरी वडा नं. ६ मा एउटा स्वास्थ्य चौकी, ३ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, एउटा टि.बी. उपचार केन्द्र र ९ वटा महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविका रहेका छन् भने वडा नं. ७ मा एउटा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ३ वटा खोप केन्द्र, २ वटा गाउँघर क्लिनिक, एउटा टि.बी. उपचार केन्द्र र ४ जना महिला स्वास्थ्य स्वयम्सेविका रहेका छन् । यी स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट सीमित मात्रामा मात्र स्वास्थ्यका आधारभूत सेवा सञ्चालन भए तापनि धेरै जसो आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको अपर्याप्तता रहेको छ । गाउँपालिकाले नेपाल सरकारको “एक स्थानीय तह एक अस्पताल निर्माण” अभियान अन्तर्गत एक १५ सैयाको सरकारी अस्पताल निर्माण गर्ने योजना तय गरेको छ ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ आपतकालीन उपचार सेवाको अभाव
■ सर्जिकल सामग्री तथा अन्य आवश्यक उपकरणको अभाव
■ २४ सै घण्टा आकस्मिक सेवाको अभाव
■ सुविधासम्पन्न अस्पताल तथा विज्ञ डाक्टरहरूको अभाव
■ स्वास्थ्य चौकीमा कर्मचारीको उपस्थितिमा नियमितता नभएको
■ स्वास्थ्य सेवाको उचित व्यवस्था र प्रबन्ध नहुँदा विरामीको अकालमै मृत्यु हुन सक्ने
■ स्वास्थ्य चेतना अभावका कारण बालबालिका, महिला तथा प्रजनन स्वास्थ्य, जेष्ठ नागरिकहरूको स्वास्थ्य र समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य जोखिममा पर्न सक्ने ।
■ समग्र स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधारका लागि ठूलो आकारको बजेट तथा कर्मचारी र विशेषज्ञहरूको प्रबन्ध गर्न सकिने ।
■ स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्वास्थ्य चौकीको स्तर वृद्धि गरी सुविधा सम्पन्न बनाउनु पर्ने ।
■ आधारभूत तहबाट नै पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो बजेटको व्यवस्थापन गर्ने चुनौती रहेको ।



### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- खेतबारीमा प्रयोग गरिने किटनाशक विषादी, भारनाशक विषादी लगायतले मानविय स्वास्थ्यमा समेत असर पार्ने भएकोले यस न्यूनीकरण चुनौतीपूर्ण रहेको ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा लगायत स्वास्थ्यका विभिन्न आधारभूत सेवा उपलब्ध हुँदै आएको ।
- पाठेघर उपचार प्रतिव्यक्ति रू ५००० तथा मोतिविन्दु उपचार पश्चात् प्रतिव्यक्ति रू २००० अनुदान सहयोग कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेका ।
- गाउँपालिकाले कोभिड १९ को संक्रमण रोकथाम तथा नियन्त्रणको लागि खोप उपलब्धतालाई सबैको पहुँचयोग्य बनाउन संघीय सरकारको सहकार्यमा पुर्णखोप अभियान संचालनमा ल्याउने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले मेरो संस्था मेरो गौरव कार्यक्रमको माध्यमबाट स्वास्थ्यचौकीहरूको सेवाप्रवाह गुणस्तर, सरसफाई तथा कार्यालयमा वृक्षारोपण कार्यक्रमका आधारमा पुरस्कृत गर्ने नीति अबलम्बन गरेको ।
- एम्बुलेन्स सेवा थप गरी जेष्ठ नागरिक तथा गर्भवती महिलालाई सुत्केरी हुने बेलामा गाउँपालिकाबाट निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गर्न सकिने ।
- निःशुल्क वितरण गरिने औषधीको आपूर्तिलाई सहज गराउन सकिने ।
- वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जस्तै जडीबुटी, होमियोप्याथी, प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग तथा ध्यान केन्द्रको व्यवस्था गर्न सकिने ।
- नागरिक आरोग्य केन्द्र स्थापना तथा व्यवस्थापन गर्ने गरिएको ।
- विद्यमान स्वास्थ्य पूर्वाधारहरूलाई स्तरोन्नति गरी तिनीहरूको सेवा प्रभावकारी बनाउन सकिने ।
- खोप केन्द्रलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन सकिने ।
- प्रत्येक वडामा बर्थिङ् सेन्टरहरू निर्माण गरी सेवा प्रदान गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वडामा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र निर्माण गरी गाउँपालिकावासीमा स्वास्थ्य सेवाको पहुँच विकास गर्न सकिने ।
- महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवीलाई थप सबलीकरण गरी स्वास्थ्य सेवामा परिचालन गर्न सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

घरदैलो मै आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सुनिश्चिता

#### लक्ष्य

आगामी पाँच वर्ष भित्र आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु
- ✓ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवृद्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.१ प्रत्येक वडामा स्वास्थ्य चौकीहरूको स्थापना गरिनेछ र रहेका स्वास्थ्य चौकीहरूको क्रमश स्तरोन्नति गरिने छ ।

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण गर्ने	१.१.२ गाउँपालिका स्तरीय एक प्रयोगशाला डाइनोप्टिक (Diagnostic) ल्यावको निर्माण गरिने छ ।
	१.१.३ शैयाको हस्पिटल अन्तर्गत एक सुविधासम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्षको निर्माण गरिने छ ।
	१.१.४ शैयाको हस्पिटल अन्तर्गत एक २४ मै घण्टा सेवा सञ्चालन हुने प्रसुती सेवा केन्द्र निर्माण गरिने छ ।
	१.१.५ गाउँपालिकास्तरीय एक बाल उपचार इकाइको स्थापना गरिने छ ।
	१.१.६ गाउँपालिका भर समेट्ने गरी एक २४ सै घण्टा सेवा उपलब्ध हुने एम्बुलेन्स सेवाको प्रवन्ध गरिने छ ।
	१.१.७ गाउँपालिकास्तरीय एक प्रजनन् सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाईको निर्माण गरिने छ ।
	१.१.८ गाउँपालिकास्तरीय एक मनोपरामर्श सेवा इकाई स्थापना गरिने छ ।
	१.१.९ गाउँपालिकास्तरीय एक दन्त उपचार इकाईको निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१० गाउँपालिकास्तरीय एक नाक, कान, घाँटी उपचार इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.११ गाउँपालिकास्तरीय एक आँखा उपचार इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१२ गाउँपालिकास्तरीय एक छाला तथा यौन रोग इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१३ गाउँपालिकास्तरीय सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१४ गाउँपालिकास्तरीय एक रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१५ गाउँपालिकास्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवा इकाई निर्माण गरिने छ ।
	१.१.१६ गाउँपालिकास्तरीय एक इ.सि.जी. सेवा इकाई निर्माण गरिने छ ।
१.१.१७ गाउँपालिकास्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण गरिने छ ।	
१.१.१८ गाउँपालिकास्तरीय एक प्राथमिक ट्रमा सेवा इकाई निर्माण गरिने छ ।	
१.२ स्वास्थ्यकर्मीको दरवन्दी व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्ने	१.२.१ गाउँपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी आवश्यक दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको दरवन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.२.२ महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ सम्पूर्ण स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई क्षमता विकाससम्बन्धी नियमित तालिमको प्रवन्ध गरिनेछ ।
	१.२.४ एक विद्यालय एक स्वास्थ्य सहायकको व्यवस्थापन गर्न थालनी गरिनेछ ।
	१.२.५ हरेक विद्यालयमा वर्षमा १ पटक साधारण स्वास्थ्य जाँच घुम्ती शिविर संचालन गरिनेछ ।
१.२.६ गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा नियमन गरि गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको अधिकार सुनिश्चित गरिनेछ ।	

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.३ आधारभूत स्वास्थ्य सेवाबाट अति विपन्न र आम नागरिकलाई बञ्चित हुन नदिने	१.३.१ अति विपन्न तथा आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित गर्न स्वास्थ्य बीमामा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.३.२ वडास्तरमा नियमित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.३ निःशुल्क वितरण गरिने औषधिको आपूर्ति र भण्डारण प्रणाली चुस्त र दुरुस्त पारिनेछ ।
	१.३.४ अशक्त, असहाय, बेवारिसे, अनाथ तथा जेष्ठ नागरिकहरूको आधारभूत स्वास्थ्यको सुनिश्चितता गर्न यस्ता व्यक्तिहरूको यथार्थ तथ्याङ्क संकलन गरी अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.३.५ गम्भिर प्रकृतिका रोगहरूको उपचारमा नेपाल सरकारबाट प्राप्त हुने निःशुल्क सेवाहरूलाई सहजिकरण सिफारिस र प्रभावकारी बनाउन एक व्यापिड रेस्पान्स इकाई (Rapid Response Unit) को व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.६ बेला बेलामा आइपर्ने COVID-19 तथा अन्य माहामारीका लागि आधारभूत पूर्वाधारको बन्दोबस्ती गर्न एक माहामारी विपद व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिने छ ।
	१.३.७ अति विपन्न परिवारमा सुनौलो हजार दिनमा शिशु र आमाको पोषण पूरा गर्न पोषण प्याकेजको निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.८ बालबालिकाको नियमित तौल र उचाइ समेत जाँच्ने प्रवन्ध गरिनेछ ।
	१.३.९ जेष्ठ नागरिक विशेष निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१० वडास्तरीय महिला प्रजनन स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.११ दक्ष प्रसूतिकर्मीद्वारा स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१२ प्रोटोकल अनुसार कम्तीमा चार पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन गर्भवती महिला लक्षित विशेष प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.१३ प्रोटोकल अनुसार शिशुको जन्म पश्चात कम्तीमा ३ पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन विशेष सुत्केरी प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.१४ कोभिड-१९ लगायत सम्पूर्ण खोप सेवाबाट आम नागरिक बञ्चित हुन नदिन यसलाई नियमित अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१५ बालबालिका विशेष पुङ्कोपना, कमतौल, रक्तअल्पता र कुपोषण जाँच निःशुल्क शिविर सञ्चालन
१.३.१६ महिलाको आइ खस्ने र पाठेघरको क्यान्सर सम्बन्धी स्वास्थ्य जाँच शिविर नियमित रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।	
१.३.१७ HIV AIDS रोगीलाई Antiviral औषधिको उपलब्धता सुनिश्चित गरिनेछ ।	
१.३.१८ विपन्न, उत्पिडीत, सुकुम्बासी, सतार, तथा मुसहर समुदायका महिलाहरूलाई सुत्केरी हुन अस्पताल जाँदा एम्बुलेन्स खर्चमा ५० प्रतिशत छुट दिइनेछ ।	

**उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.३.१९ दलित, असहाय र अपाङ्गका लागि गाउँपालिकाले स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम अगाडि बनाउनेछ ।
	१.३.२० स्वास्थ्यमा गाउँपालिकाबासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जनस्वास्थ्य प्रवर्धन कार्यक्रममा विशेष जोड दिनुका साथै यसमा संलग्न जनशक्तिलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ स्वास्थ्य प्रति सचेत नागरिक निर्माण गर्न व्यापक जनचेतना जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने	२.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यम तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत गाउँपालिकाको सक्रियतामा व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा स्वस्थ व्यवहारसम्बन्धी सामाग्रीहरू नियमित प्रसारण गरिने छ ।
	२.१.२ प्रत्येक सघन बस्ती भएका टोलहरूमा योग साधना तथा प्रवचन केन्द्र स्थापना गरिने छ ।
	२.१.३ विद्यालय पाठ्यक्रममा व्यक्तिगत तथा सामुदायिक स्वास्थ्यका क्षेत्रलाई अनिवार्य समेट्ने व्यवस्था गरिने छ ।
	२.१.४ विद्यालयमा जङ्गफुड निषेध गर्न विद्यालय व्यवस्थापन तथा अभिभावकसंग नियमित अन्तरक्रिया गरिने छ ।
	२.१.५ शारीरिक व्यायाम वा श्रमको स्वास्थ्यमा पर्ने सकारात्मक असर बारे नियमित जनचेतना फैलाउन सञ्चार माध्यमसँग सहकार्य गरिने छ ।
	२.१.६ धूम्रपान र मद्यपानलाई नियन्त्रण र कम गर्न निश्चित अवधि वा स्थानबाट बिक्री वितरण हुने व्यवस्था मिलाइ जनचेतना अभिवृद्धि गरिने छ ।
	२.१.७ आफ्नै घरआँगन र करेसाबारीमा उपलब्ध हुने सागसब्जी, फलफुल र खाद्यान्नहरूको पोषणको स्तर तथा सन्तुलित भोजनका बारेमा विद्यालयस्तरमा नियमित रूपमा चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	२.१.८ आम नागरिकलाई नियमित सम्पूर्ण स्वास्थ्य जाँचका फाइदाबारे व्यापक प्रचार प्रसार गरिने छ ।
	२.१.९ कुष्ठरोग, कालाजार, हात्तीपाइले, डेङ्गु लगायतका रोगहरूबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.१० मनोसामाजिक परामर्श सेवाका कार्यक्रमहरूलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.११ सडक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्न ट्राफिक तथा स्थानीय संघ संस्थासँग अर्न्तक्रिया गरी व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.१२ परिवार नियोजना सम्बन्धी सम्पूर्ण सेवाका किशोरी र आम महिलाको पहुँच सुनिश्चित गर्न सेवा विस्तार गरिनेछ ।
	२.१.१३ वडास्तरीय पोषण केन्द्र स्थापना गरी बालबालिकामा पोषणयुक्त आहाराको सुनिश्चितता गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.१४ सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ
	२.१.१५ सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायतका एकीकृत कार्यक्रम संचालन गरिनेछ
२.२ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतिको विकास र त्यसको अवलम्बन गरी जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्ने	२.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक आयुर्वेद उपचार केन्द्रको विकास गर्न पूर्वाधार तयार पारिने छ ।
	२.२.२ गाउँपालिकास्तरीय एक प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिने छ ।
	२.२.३ स्थानीय स्तरमा रहेका लामा भाँक्री तथा बैद्यहरूलाई विज्ञान सिद्ध स्वास्थ्य चेतना फैलाउन विशेष तालिम प्याकेज निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिने छ ।

स्वास्थ्य तथा पोषणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बडास्तरीय स्वास्थ्य चौकीहरूको स्थापना र रहेका स्वास्थ्य चौकीहरूको स्तरोन्नति तथा एक आधारभूत अस्पताल स्थापना	५०००	१५००	२०००			
		१.१.२	गाउँपालिकास्तरीय सुविधा सम्पन्न प्याथोलोजी ल्याब व्यवस्थापन		१५००				
		१.१.३	सुविधा सम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्ष निर्माण			५००	५००		
		१.१.४	प्रस्तुति सेवा कक्ष निर्माण		५००	५००	६००	६५०	
		१.१.५	बाल उपचार इकाई निर्माण			७००			
		१.१.६	एम्बुलेन्स खरिद		२०००				
		१.१.७	प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाई व्यवस्थापन			१५००			
		१.१.८	मनोपरामर्श सेवा केन्द्र स्थापना			१५००			
		१.१.९	दन्त उपचार इकाईको स्थापना			१२००			
		१.१.१०	नाक, कान, घाँटी उपचार इकाईको निर्माण				१७००		
		१.१.११	आँखा उपचार इकाईको निर्माण			१५००			
		१.१.१२	छाला तथा यौन रोग इकाई निर्माण			१६००			
		१.१.१३	गाउँपालिकास्तरीय सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण गरिने छ ।		१५००				
		१.१.१४	गाउँपालिकास्तरीय एक रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण		१५००				
		१.१.१५	गाउँपालिकास्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवा इकाई निर्माण			१५००			
		१.१.१६	गाउँपालिकास्तरीय एक इ.सि.जी. सेवा इकाई निर्माण			१५००			
		१.१.१७	गाउँपालिकास्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण			१६००			
		१.१.१८	गाउँपालिकास्तरीय एक प्राथमिक ट्रमा सेवा इकाई निर्माण		१५००		१५००		

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
	१.२	१.२.१	स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्थापन	१४००	१५००	१६००	१७००	१८००	
		१.२.२	महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका तालिम	५००	५२०	५४०	५६०	५८०	
		१.२.३	अन्य स्वास्थ्यकर्मी तालिम तथा अनुसन्धान	५००	५२०	५४०	५६०	५८०	
		१.२.४	एक विद्यालय एक स्वास्थ्य सहायक व्यवस्थापन	१४००	१५००	१६००	१७००	१८००	
		१.२.५	विद्यालयमा वर्षमा एक पटक घुम्ती स्वास्थ्य शिविर संचालन	२५०	३००	३५०	४००	४५०	
		१.२.६	गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा नियमन	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.२.७	गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा अधिकारको सुनिश्चितता						
	१.३	१.३.१	स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम अभियान संचालन तथा विस्तार	४००	४२०	४४०	४६०	४८०	
		१.३.२	वडास्तरीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन	५००	५५०	६००	६५०	७००	
		१.३.३	निःशुल्क वितरण हुने औषधि नियमित आपूर्ति	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.३.४	अशक्त, अपाङ्ग, असहाय बेवारिसे तथा जेष्ठ नागरिक अभिलेख संकलन		२०००				
		१.३.५	गम्भिर प्रकृतिका रोग उपचार Rapid Response इकाई गठन					१५००	
		१.३.६	महामारी विपद व्यवस्थापन योजना निर्माण				४५०		
		१.३.७	विपन्न नागरिक सुनौला हजार दिन पोषण व्यवस्था	४००	४५०	५००	५५०	६००	
		१.३.८	बालबालिकाको नियमित तौल र उचाइ जाँच्ने व्यवस्था	२००	२२०	२४०	२६०	२८०	
		१.३.९	निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन	२००	२२०	२४०	२६०	२८०	
		१.३.१०	वडास्तरीय महिला प्रजनन् स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन	५००	५८०	७६०	८००	८४०	
		१.३.११	स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन प्रोत्साहन प्याकेज निर्माण	५५५	५६०	५६५	५७०	५७५	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.३.१२	प्रोटोकल अनुसार चार पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन गर्भवती प्याकेज कार्यक्रम निर्माण		३००	३५०	४००	४५०	
		१.३.१३	नियमित खोप अभियान तथा सचेतना कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.३.१४	बालबालिका लक्षित कुपोषण र रक्तअल्पता निशुल्क जाँच शिविर सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.३.१५	विपन्न, उत्पिडीत, सुकुम्बासी, सतार, मुसहर लगायतका समुदायका महिलाहरूलाई सुत्केरी हुन अस्पताल जाँदा एम्बुलेन्स खर्चमा ५० प्रतिशत छुट	५००	५३०	५६०	५८०	६००	
		१.३.१६	<b>“अति विपन्नको लागि बीमा, हाग्नो जिम्मा”</b> कार्यक्रम नियमित संचालन	५००	५३०	५६०	५८०	६००	
		१.३.१७	स्वास्थ्यमा गाउँपालिकावासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जनस्वास्थ्य प्रवर्धन कार्यक्रममा विशेष जोड	६०	६५	७०	८०	८५	
२.	२.१	२.१.१	विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम	५०	५५	६०	६५	७०	
		२.१.२	योग साधना प्रवचन केन्द्र स्थापना (वडास्तरीय)						
		२.१.३	व्यक्तिगत र सामुदायिक स्वास्थ्यसम्बन्धी विद्यालय पाठ्यक्रम			५७०			
		२.१.४	जङ्ग फुड उन्मूलन विद्यालय अभियान अन्तर्गत अभिभावक अन्तरक्रिया	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.१.५	शारीरिक व्यायाम तथा श्रमको महत्व विषयक सूचना सञ्चार	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.१.६	धूम्रपान र मध्यपान नियन्त्रण सचेतना अभियान	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.१.७	“सन्तुलित र पोषिलो भोजन रोजौं, घर आँगन नै खोजौं” कार्यक्रम	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.१.८	नियमित स्वास्थ्य जाँचको महत्वबारे विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.१.९	कालाजार, डेङ्गु, हात्तिपाइले, कुष्ठरोग लगायतका सर्ने र नसर्ने रोगबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालनमा नियमितता	५०	६०	७०	८०	९०	
		२.१.१०	मनोसामाजिक परामर्श कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	



उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.१.११	सडक दुर्घटना सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम						
		२.१.१२	परिवार नियोजन सेवा विस्तार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम	६०	७०	८०	९०	१००	
		२.१.१३	वडास्तरिय पोषण केन्द्रको स्थापना /OTC सेन्टर निर्माण			५६०			
		२.१.१४	सुतीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम नियमित संचालन				५००		
		२.१.१५	सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायतका एकीकृत कार्यक्रम संचालन	६०	६५	७०	८०	८५	
	२.२	२.२.१	गाउँपालिकास्तरीय एक आर्युवेद स्वास्थ्य केन्द्र तथा योग साधना केन्द्र स्थापना तथा व्यवस्थापन	५५०	५५५	५६०	५६५	५७०	
		२.२.२	गाउँपालिकास्तरीय प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना						
		२.२.३	लामा, भाँक्रि, वैद्य तालिम			५७०			
		२.२.४	गाउँपालिकालाइ क्षयरोग मुक्त घोषणा कार्यक्रम संचालन	१००	१००				

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकास भएको हुने छ ।
- ✓ आवश्यक मात्रामा दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको प्रबन्ध हुने छ ।
- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा अति विपन्न नागरिकको पहुँच स्थापित हुने छ ।
- ✓ स्वास्थ्य चेतनामा व्यापक सुधार आउने छ ।
- ✓ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति तर्फ आम सर्वसाधारणको आर्कषण बढेको हुने छ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>स्वास्थ्य</b>					
१	असर	दक्ष प्रसूतीकर्मीहरूको सहयोगमा भएको जन्मको (३.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२	असर	पाँच वर्षमूनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
३	असर	नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
४	प्रतिफल	कुष्ठरोगी विरामी वार्षिक (३.३.५.क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
५	प्रतिफल	कालाजार विरामी वार्षिक (३.३.५.ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६	प्रतिफल	हात्तिपाइले विरामी वार्षिक (३.३.५.ग) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
७	प्रतिफल	डेङ्गु विरामी वार्षिक (३.३.५.घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
८	प्रतिफल	सक्रिय ट्रकोमा विरामी वार्षिक (३.३.५.ड) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
९	प्रतिफल	मुटुसम्बन्धी विरामी वार्षिक (३.४.१.क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१०	प्रतिफल	क्यान्सर विरामी वार्षिक (३.४.१.ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
११	प्रतिफल	मधुमेह विरामी वार्षिक (३.४.१.ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१२	प्रतिफल	स्वास प्रणालीसम्बन्धी दीर्घ रोग दम आदिका विरामी (३.४.१.घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१३	प्रतिफल	आत्महत्याबाट हुने मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.४.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१४	प्रतिफल	सडक दुर्घटनाबाट मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.६.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१५	प्रतिफल	परिवार नियोजनका आधुनिक साधन प्रयोगकर्ता दर (३.७.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१६	असर	प्रोटोकल अनुसार चार पटक पूर्व प्रसूति सेवा प्राप्त गर्ने महिलाको प्रतिशत जीवित जन्ममा (३.८.१ क) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	अस्पताल/स्वास्थ्य संस्थामा बच्चा जन्माउने महिला (३.८.१ ख) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्रोटोकल अनुसार बच्चाको जन्मपछि तीनपटक सेवा प्राप्त गर्ने महिला (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	हेपाटाइटिस बी भ्याक्सिन पुरा (३ डोज) गर्ने शिशु (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	रगतमा ग्लुकोजको मात्रा वृद्धि भई औषधि प्रयोग गरिरहेका १५ वर्ष वा सो भन्दा माथिको जनसंख्या (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवार (३.८.१ भ) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	स्वास्थ्य बीमामा आवद्ध विपन्न परिवार (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	राष्ट्रिय खोप कार्यक्रममा समावेश भएका सबै खोपद्वारा समेटिएको लक्षित जनसंख्या (३.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पाँच वर्ष मूनीका रक्त अल्पता भएका बालबालिका (२.२.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	स्वास्थ्यकर्मीको घनत्व र वितरण	प्रतिलाख जनसंख्या)		
	असर	पाँच वर्ष मूनीका पुङ्कोपना भएका बालबालिका (२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	स्वास्थ्य क्षेत्रमा कुल खर्च कुल (बजेटको) दिगो विकास लक्ष्य ३ (३.ग.१.क) र (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सम्पूर्ण आधारभूत सुविधायुक्त स्वास्थ्य चौकी	संख्या		
	असर	पाँच वर्ष मूनीका कुपोषण भएका बालबालिका दर (२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पाँच वर्ष मूनीका कम तौल भएका बालबालिका (२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कुपोषण भएका बालबालिका दर	प्रतिशत		
	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या		
	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा आकस्मिक प्रसुति सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या		
	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा एम्बुलेन्स सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या		
	प्रतिफल	बैकल्पिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	योग केन्द्र	संख्या		
	असर	पूर्ण सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आधारभूत स्वास्थ्य चेतना प्राप्त गर्ने वैद्य धामी भाँक्री	संख्या		
	प्रतिफल	परिवार नियोजन सेवा केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	रक्तसंचार सेवा	संख्या		
	प्रतिफल	अपेक्षित आयू (जन्मदाको बखत)	वर्ष		
	असर	प्रजनन उमेरमा रक्त अल्पता भएका महिला प्रतिशत (२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	मातृ मृत्युदर (प्रति लाखमा)	प्रतिलाखमा		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	पाठेघरको क्यान्सरका निमित्त स्क्रिनीङ गरिएका ३० देखि ४९ वर्षका महिला	प्रतिशत		
	प्रतिफल	HIV AIDS Antiviral औषधि प्राप्त गर्ने	संख्या		
	प्रतिफल	उच्च रक्तचापको औषधि सेवन गरिरहेका १५ वर्ष भन्दा माथिको जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सुविधासम्पन्न अस्पताल	संख्या		
	प्रतिफल	घुम्ती स्वास्थ्य शिविर वार्षिक	संख्या		
	प्रतिफल	स्वास्थ्य प्रयोगशाला	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

### ५.२ शिक्षा विज्ञान तथा नवप्रवर्तन

#### पृष्ठभूमि

सभ्य र सुसंस्कृत समाजको निर्माणमा शिक्षाको सर्वोपरी भूमिका रहेको हुन्छ । विज्ञान तथा प्रविधिमैत्रि शिक्षा प्रदान गर्न सकेमात्र सक्षम मानव संशाधन तयार हुन्छ । आधुनिक समाज निर्माण गर्न शिक्षामा बृहतर लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ । विश्वभर विकसित मुलुकहरूको समग्र विकासको कारण भनेकै ती मुलुकहरूको शिक्षामा गरेको विशाल लगानीको प्रतिफल हो । नेपालको संविधान २०७२ ले शिक्षालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । विशेषगरी आधारभूत तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क र अनिवार्य साथै माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ । उक्त परिप्रेक्ष्यमा राज्यः विशेषगरी स्थानीय सरकारको भूमिका र जिम्मेवारी महत्वपूर्ण हुन गएको छ ।

ग्रामीण परिवेशको क्षेत्र भएकोले यस गाउँपालिकामा शिक्षाका आधारभूत पूर्वाधारहरूको समेत पर्याप्त विकास हुन नसकेको अवस्था छ । तथापि हाल गाउँपालिकामा ७० वटा बाल विकास केन्द्र, २२ वटा आधारभूत तहसम्म, ८ वटा माध्यमिक तहसम्म पढाई हुने विद्यालयहरू र ६ वटा मदरसाहरू रहेका छन् भने आधारभूत र माध्यमिक गरेर १० वटा निजी विद्यालयहरू रहेका छन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार पाँच वर्षभन्दा माथिको जनसंख्या मध्ये साक्षरता ६६ प्रतिशत छन् भने निरक्षर ३४ प्रतिशत रहेको छ । यस तथ्याङ्कलाई हेर्दा आधारभूत तहको साक्षरताको स्थिति सन्तोषजनक भए तापनि पूर्णता हुन नसकेको अवस्था रहेको छ भने उच्च शिक्षाको क्षेत्रमा पर्याप्त लगानी गर्नुपर्ने देखिन्छ । अर्कोतर्फ आधारभूत र माध्यमिक तहमा विद्यालय पाठ्यक्रममा रहेको विज्ञान र प्रविधिको सामान्य औपचारिक अध्यापन बाहेक विज्ञान र प्रविधि विकासमा थप प्रयासहरू हुन सकेका छैनन् ।

## समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ बालविकास, आधारभूत र सीमित माध्यमिक शिक्षाको सुविधा भए पनि स्नातक र स्नातकोत्तर वा सो भन्दा माथिको उच्च शिक्षालयको अभाव ।
■ विद्यालय क्षेत्रका शैक्षिक समस्याहरूको समयमै सम्बोधन नगर्ने हो भने राष्ट्रलाई आवश्यक सक्षम, दक्ष र कर्मठ नागरिक उत्पादन हुन नसक्ने ।
■ विद्यालय तथा विद्यार्थीहरूमाभ स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना कमी भएको
■ विपन्न समुदायका बालबालिकाको शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधिमा पहुँच नभएको ।
■ समग्र शैक्षिक समस्याहरू सम्बोधन गरी शैक्षिक संस्थाहरूलाई सुविधासम्पन्न बनाउन बजेटको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
■ चुस्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
■ शैक्षिक क्यालेण्डरलाई नियमित तथा व्यवस्थित गर्नुपर्ने ।
■ शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई नियमित तालिम प्रदान गर्नुपर्ने ।
■ बालमैत्री तथा विद्यार्थीमैत्री शिक्षण सिकाइ तथा अन्य नवीनतम शिक्षण पद्धतिको विकास गर्नुपर्ने ।
■ अन्तर्राष्ट्रिस्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने शैक्षिक गुणस्तर कायम गर्नुपर्ने ।
■ हरेक विद्यालयलाई सूचना प्रविधियुक्त तथा गुणस्तरीय बनाउनु पर्ने ।
■ प्राविधिक तथा सिपमूलक शिक्षाको बढोत्तरी गरिनुपर्ने ।
■ शैक्षिक ऋण तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनुपर्ने ।
■ विद्यार्थी संख्याको आधारमा शिक्षक दरबन्दी व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
■ अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
■ सुविधा तथा पूर्वाधारयुक्त विद्यालय भवनको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
■ प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालन गर्न लगानीको वातावरण बनाउनुपर्ने ।
■ दक्ष शिक्षकहरूको आवश्यकताअनुरूप आपूर्ति गर्नुपर्ने ।
■ जीर्ण भवनहरूलाई स्तरोन्नति गरी सुरक्षित वातावरणमा पठनपाठन गराउनुपर्ने ।
■ सामुदायिक विद्यालयमा अंग्रेजी भाषाको माध्यमबाट पनि पठनपाठन गर्न प्रोत्साहन गर्नुपर्ने ।
■ सामुदायिक विद्यालयमा भन्दा निजी विद्यालयमा विद्यार्थीहरूको चाप बढी हुनु

## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाले शिक्षा योजना, २०७८ निर्माण गरेको ।
■ गाउँपालिकाले अति विपन्न, अभिभावक गुमाएका, बेपत्ता तथा शहिद परिवारका बालबालिकाहरूलाई विद्यालय पठाउनका लागि निशुल्क शिक्षा तथा सहूलियत सामग्रीको व्यवस्था मिलाउने नीति लिएको ।
■ गाउँपालिकाले शैलजा पोलिटेक्निक प्राविधिक विद्यालयमा स्थानीय विद्यार्थीलाई छात्रवृत्ति दिन आवश्यक सहकार्य र साभेदारी गर्ने नीति लिएको ।
■ गाउँपालिकाले शिक्षाको गुणस्तरलाई अभिवृद्धि गर्न तयार भएको गाउँ शिक्षा गुरुयोजना अनुरूप कार्य गर्न गाउँशिक्षा समिति मार्फत रणनीतिक तयारी गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने लक्ष्य लिएको ।

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- आवश्यकता बमोजिम विद्यालयहरूको स्तरवृद्धि, शौचालय र थप कक्षाकोठा प्रबन्ध गरिएको ।
- गाउँपालिकाले शिक्षा ऐन कानूनहरू निर्माण गरेको ।
- गाउँपालिकामा बहुप्राविधिक धारका शिक्षालयहरू स्थापना गर्न सकिने
- निजी क्षेत्रको सहयोग लिई शिक्षामा लगानी तथा स्तर वृद्धि गर्न सकिने
- माध्यमिक तहमा कम्प्युटर शिक्षा तथा गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति उत्पादन गर्न तदनुसृतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न विद्यालयहरूलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।
- सम्पूर्ण विद्यालयहरूमा आवश्यक मात्रामा शैक्षिक सामग्रीहरूको थप व्यवस्था, पुस्तकालय तथा विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था गरी व्यावहारिक शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- शिक्षकहरूलाई तालिम दिई गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- दक्ष शिक्षक, गुणस्तरीय शिक्षा दिन सक्ने, कृषि, विज्ञान तथा अन्य प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालनमा ल्याउन सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धी मानव स्रोतको निर्माण

#### लक्ष्य

निरक्षरता शुन्यमा भारी आधारभूत देखि उच्च तह सम्मको गुणस्तरीय शिक्षा गाउँपालिकाभित्र उपलब्ध गराउने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास गरी आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित
- ✓ निरक्षरता शुन्यमा भार्नु
- ✓ व्यावहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु
- ✓ राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु
- ✓ विज्ञान तथा प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।

**उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ न्यूनतम भौतिक पूर्वाधारहरूलाई प्राथमिकताको आधारमा निर्माण गर्दै लैजाने	१.१.१ गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका सामुदायिक विद्यालयहरूको निरिक्षण गरी त्यहाँ रहेका भौतिक पूर्वाधारहरू जस्तै भवन, कक्षा कोठा, शौचालय, पुस्तकालय, पिउने पानी, डेस्क, बेन्च, शिक्षक दरवन्दी, विज्ञान प्रयोगशाला लगायतको अवस्थाबारे वस्तुगत विवरण संकलन गरिने छ ।
	१.१.२ विद्यालय भवन, कक्षाकोठा र शौचालयको भौतिक निर्माण तथा जीर्णोद्धार गर्न रकम विनियोजन गरिने छ ।
	१.१.३ विद्यालयहरूलाई तहगत स्तरोन्नति गरिने छ ।
	१.१.४ विद्यालयलाई आवश्यक खेलमैदानको उचित प्रबन्ध गरिने छ ।
	१.१.५ विद्युत तथा सौर्य उर्जाको प्रबन्ध गरिने छ ।

**उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.६ भौगोलिक दूरीमा रहेका बालबालिकालाई विद्यालयको पहुँचसम्म पुऱ्याउन छात्रावासको निर्माण तथा व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.१.७ पढ्दै कमाउँदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.विमा परिक्षणका रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.८ सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई डिजिटल पूर्वाधारयुक्त बनाइनेछ ।
	१.१.९ STEM (Science, Technology, Engineering And Mathematics) Education लागि स्टेम प्रयोगशाला विस्तार गर्नुका साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापन कार्य अगाडी बढाइनेछ ।
	१.१.१० प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण गर्न आवश्यक श्रोत साधन र पारविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।
१.२ अत्यावश्यक शैक्षिक जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने	१.२.१ विद्यार्थी संख्या तथा शिक्षक संख्याको आधारमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात हेरी सोको विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार पारिने छ ।
	१.२.२ विद्यार्थी अनुपातमा शिक्षक दरवन्दी कम भएका विद्यालयमा दरवन्दी व्यवस्था गरिने छ ।
	१.२.३ विद्यार्थी संख्या अति न्यून भएका विद्यालयहरूको गाभ्ने प्रक्रियाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ ।
	१.२.४ कक्षाको आवश्यकता र पाठ्यक्रमको माग अनुरूप शिक्षकहरूलाई आफ्नो विषयमा दक्ष तुल्याउन नियमित विषयगत तालिमको प्रबन्ध गरिने छ ।
	१.२.५ शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा अन्तराष्ट्रिय अध्ययन भ्रमण उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.६ शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाइ थलोका रूपमा विकास गरिनेछ ।
	१.२.७ युवा स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ ।
१.३ सबैका लागि आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गर्न स्थानीय नीति तथा कानुन निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने	१.३.१ पूर्व प्राथमिक अथवा बालविकास, आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, खुल्ला तथा वैकल्पिक शिक्षा, निरन्तर शिक्षा साथै विशेष शिक्षासम्बन्धी कानुन र मापदण्ड निर्माण गरी लागू गरिने छ ।
	१.३.२ अति विपन्न समुदायका विद्यालय जाने बालबालिकाको तथ्याङ्क तयार पारिने छ ।
	१.३.३ विद्यालय जाने उमेरका विद्यालय जानबाट बञ्चित बालबालिकालाई विद्यालय पुऱ्याउन नसक्नुका कारणहरूको अध्ययन गरी तीनको निराकरण गरिने छ ।
	१.३.४ विद्यार्थीहरूलाई विद्यालय अनिवार्य पठाउन अभिप्रेरित गर्ने विशेष अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिने छ ।
	१.३.५ विद्यालय जाने उमेर छँदै बाल विवाहमा परेका या शिक्षाबाट बञ्चित बालबालिकालाई बृहारी शिक्षा अन्तर्गत विद्यालयमा आउने वातावरण निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिने छ ।

**उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.४ पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्था	१.४.१ विद्यार्थी भर्ना दर बढाउन दिवा खाजाको प्रबन्ध गरिने छ । बालबालिकालाई आवश्यक सन्तुलित भोजनका बारेमा अभिभावक र स्वयं बालबालिकाहरूलाई सूचित गर्न विद्यालयस्तरीय पोषण शिक्षा अभियान सञ्चालन गरिने छ ।
	१.४.२ स्यानिटरी प्याड तथा किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामग्रीको प्रबन्ध गरिने छ ।
	१.४.३ एक विद्यालय एक नर्सको व्यवस्थालाई विस्तार गरिने छ ।

**उद्देश्य २ : निरक्षरता शून्यमा झार्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ अति विपन्न, आदिवासि जनजाती, सिमान्तकृत मुसहर समुदाय, दलित तथा अपाङ्ग र विद्यालय जानबाट वञ्चित विद्यार्थी तथा बयस्क केन्द्रित शैक्षिक अभियान सञ्चालन गर्ने	२.१.१ अतिविपन्न र विद्यालय जानबाट वञ्चित सम्पूर्ण बालबालिकालाई अनिवार्य रूपमा विद्यालय पुऱ्याउन विशेष छात्रवृत्तिकोषको व्यवस्था गरिने छ ।
	२.१.२ हरेक वडामा निरक्षरहरूको विवरण तयार पारिने छ ।
	२.१.३ प्रत्येक वडामा निरक्षर केन्द्रित अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा कक्षलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिने छ ।
	२.१.४ अनौपचारिक प्रौढ शिक्षाको उपलब्धि मापन गर्न कक्षा समापन पश्चात वार्षिक सर्वेक्षण गरिने छ ।
	२.१.५ फरक शारिरिक अवस्था रहेकालाई विशेष कक्षा सञ्चालन गरिने छ ।
	२.१.६ स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत तथा वडास्तरमा शिक्षाको महत्वका विषयमा निरक्षर केन्द्रित जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिने छ ।
	२.१.७ वडा स्तरीय एक सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको स्थापना गरिने छ ।
	२.१.८ २० वर्ष पश्चात पनि विवाह नगरी अध्ययन गरिरहने सीमान्तकृत मुसहर समुदायका छोरीहरूलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : व्यवहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ प्राविधिक र व्यवहारिक शिक्षा केन्द्रित शिक्षालय तथा पाठ्यक्रमको निर्माण गरी लागू गर्ने	३.१.१ मा.वि. सञ्चालनमा रहेका विद्यालयमा एक वडा एक प्राविधिक विषय सञ्चालन गर्न आवश्यक शैक्षिक पूर्वाधारका लागि सङ्घीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा रकम विनियोजन गरिने छ ।
	३.१.२ CTEVT को सम्बन्धनमा गाउँपालिकास्तरीय एक बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ ।
	३.१.३ हरेक विद्यालयमा ICT ल्यावको व्यवस्था गरी विद्यार्थीलाई प्राविधिक शिक्षाको पहुँचसम्म पुऱ्याइने छ ।
३.२ नैतिक मूल्यमा आधारित जीवनोपयोगी शिक्षाका लागि हरेक तहमा पाठ्यक्रम अनिवार्य गरी लागू गर्ने	३.२.१ हरेक तह साथै औपचारिक साथै अनौपचारिक क्षेत्रको शिक्षामा नैतिकता, अनुशासन र जीवन सीप (Life Skills) विकास गर्न पाठ्यक्रम तयार गरी लागू गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइने छ ।
	३.२.२ हरेक तहको शिक्षामा, आध्यात्मिक तथा आत्मिक विकास, सेवाभाव, मानवता, ध्यान, योग र स्वयंसेवा प्रवर्द्धन गर्ने पाठ्यक्रम तयार गरी अनिवार्य लागू गर्न त्यस्ता विषय शिक्षकहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।



**उद्देश्य ४ : राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
४.१ नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिहरूको व्यवहारिक प्रयोग गर्ने	४.१.१ हरेक विद्यालयमा नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिको प्रयोगका बारेमा नियमित शिक्षक अभिमुखीकरण तालिम प्रदान गरिने छ ।
	४.१.२ निर्धारित पाठ्यक्रमको उद्देश्य अनुरूप सिकाइ उपलब्धि मापन गर्न प्रत्येक विद्यार्थीको PIS (व्यक्तिगत सूचना प्रणाली) निर्माण गरिने छ ।
	४.१.३ शिक्षण सिकाई मापन गर्न प्रमाणिक तथा वैज्ञानिक ग्रेडिड प्रणालीको प्रयोग गरिने छ ।
४.२ स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण गरी लागू गर्ने	४.२.१ राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक शिक्षा नीति, ऐन र नियमको परिधिमा रही स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइने छ ।
	४.२.२ विज्ञान प्रविधि, गणित, अंग्रेजी जस्ता विषयमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने विद्यार्थी तयार पार्न सूचना प्रविधिको प्रयोगमार्फत विद्यार्थीहरूलाई तहगत हिसाबले सू-सूचित बनाउन विद्यालयमा इन्टरनेटको अनिवार्य व्यवस्था मिलाइने छ ।
	४.२.३ हरेक विद्यालयमा अध्यापनरत शिक्षकहरूका लागि आफूले पढाउने विषयमा अधिकतम ज्ञान हासिल गरी व्यक्तिगत क्षमता विकास गर्नका लागि विषय सम्बन्धित पुस्तक तथा सामग्रीहरू भएको Teachers Reference Library स्थापना गरिनेछ ।
	४.२.४ विद्यार्थीको व्यक्तिगत रुचि र भुकावको पहिचान गरी हरेक विद्यालयमा नियमित अतिरिक्त कृयाकलाप अन्तर्गत गायन, वाद्यवादन, नृत्य, अभिनय, खेलकुद, चित्रकला, वृतृत्वकला जस्ता कृयाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षकको प्रबन्ध गरिने छ ।
४.३ विद्यार्थीहरूको ज्ञानको क्षितिज वृद्धिहुने कृयाकलाप नियमित गर्ने	४.३.१ विद्यार्थीहरूलाई वार्षिक पात्रोको विकास गरी नियमित रूपमा शैक्षिक भ्रमण गराइने छ ।
	४.३.२ विद्यार्थीहरूलाई सामाजिक, जीवनोपयोगी र व्यवहारिक ज्ञान दिलाउन नियमित स्थलगत अध्ययन र परियोजना कार्यमा संलग्न गराइने छ ।
	४.३.३ विद्यालय शैक्षिक पात्रोमा प्रबन्ध गरी नियमित रूपमा विज्ञान, प्रविधि, कला, खेलकुद, पेशा व्यवसाय आदिमा सफल व्यक्तित्वहरूसँग विद्यार्थीहरूलाई साक्षात्कार गराइने छ ।
	४.३.४ विद्यालयमै ज्ञान, विज्ञान, सफलता, साहस र जितका कथाहरू समेट्ने वृतृचित्र तथा चलचित्रहरूको नियमित प्रदर्शन गराउने व्यवस्था मिलाइने छ ।
	४.३.५ विद्यार्थीहरूलाई ज्ञान सिपसम्बन्धी क्षेत्रीय, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा भाग लिन पूर्व तयारी गरिने छ ।
	४.३.६ गाउँपालिकास्तरीय एक बहुक्षेत्रिय सिप विकास तथा व्यवसायीक तालिम केन्द्रको स्थापना गरिने छ ।
४.४ पाठ्य सामाग्रीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने	४.४.१ नियमित पठनपाठनका लागि आवश्यक पुस्तकालय र पाठ्य पुस्तकहरूको समयमै प्रबन्ध गर्न गाउँपालिकास्तरीय एक संयन्त्रको निर्माण गरिने छ ।
	४.४.२ हरेक विद्यालयमा पुस्तकालय व्यवस्थापन गर्न पुस्तकालय निर्माण गरिने छ ।
	४.४.३ हरेक विद्यालयमा एक कम्प्युटर प्रयोगशाला निर्माण गरिने छ ।
	४.४.४ हरेक मा.वि.मा एक विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण गरिने छ ।

**उद्देश्य ४ : राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
४.५ नियमित अनुगमन तथा निरिक्षण गरी शैक्षिक कृयाकलापहरूलाई समय सापेक्ष सुधार गर्ने	४.५.१ विद्यालयमा शिक्षकहरू नियमित उपस्थित भएको हाजिरी साथै सुनिश्चित गर्न वडा अध्यक्ष र प्रधानाध्यापकहरूसँग हरेक महिनामा अन्तरक्रिया गरी सूचना लिइने छ ।
	४.५.२ विद्यार्थीको नियमित उपस्थितिका लागि कक्षा शिक्षकलाई जिम्मेवार बनाई हरेक चौमासिक परीक्षाको परीक्षाफल प्रकाशन पश्चात अभिभावक अन्तरक्रियालाई अनिवार्य गरिने छ ।
	४.५.३ शिक्षण सिकाइमा उत्कृष्ट विद्यालयलाई हरेक वर्ष पुरस्कृत गर्न एक कोषको निर्माण गरिने छ ।
	४.५.४ उत्कृष्ट निजी विद्यालय व्यवस्थापनका अनुभव साटून वर्षमा एक पटक सामाजिक दायित्व अन्तर्गत निजी तथा सामुदायिक विद्यालयहरू बीच अन्तरक्रिया आयोजना गरिने छ ।
	४.५.५ हरेक कक्षामा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने छात्र/छात्रा विद्यार्थीलाई पुरस्कृत गरिने छ ।
	४.५.६ हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षकलाई पुरस्कार कोषको व्यवस्था गरिने छ ।
	४.५.७ उच्च शिक्षामा जान चाहने विशेष जेहेन्दार विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा शैक्षिक ऋण प्रदान गर्न “जेहेन्दार विद्यार्थी उच्च शिक्षा कोष” निर्माण गरिने छ ।
	४.५.८ हरेक विद्यालयमा शिक्षकहरूलाई क्रमशः (E) हाजिरीको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	४.५.९ कोरोना महामारी जस्ता माहामारीका समयमा वैकल्पिक विधिबाट अध्यापन गराउन आवश्यक भौतिक पुर्वाधारको प्रबन्ध, विद्यार्थीको सर्वेक्षण सहित कार्ययोजना निर्माण गरी लागु गरिनेछ ।
	४.५.१० Early Childhood Development तथा शिशु कक्षामा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई आवश्यक विषेश तालिम प्याकेज सञ्चालन गरिनेछ ।
	४.५.११ प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समिती अध्यक्ष लक्षित शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	४.५.१२ गाउँपालिकास्तरिय एक वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक शैक्षिक पात्रोको निर्माण गरी लागु गरिनेछ ।
	४.५.१३ अनुसन्धानात्मक क्रियाकलापमा विद्यार्थीहरूलाई संलग्न गराउन परियोजना कार्यलाई पाठ्यक्रममा समावेश गरी पूरक क्रियाकलापका रुपमा अनिवार्य गरिनेछ ।

**उद्देश्य ५ : विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
५.१ विज्ञान र प्रविधिमा रुचि भएका विद्यार्थी बालबालिका तथा	५.१.१ हरेक मा.वि.मा अध्यापनरत विज्ञान शिक्षकको सहयोग र समन्वयमा विज्ञानमा विशेष रुची भएका विद्यार्थीहरू पहिचान गरी विवरण संकलन गरिने छ ।
	५.१.२ त्यस्ता विद्यार्थीहरू सम्मिलित गरी वर्षमा एक पटक एक गाउँपालिका स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना गरिने छ ।

उद्देश्य ५ : विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।

रणनीति	कार्यनीति
युवाहरूको पहिचान तथा प्रोत्साहन गर्ने ।	५.१.३ विज्ञान प्रदर्शनीमा संलग्न विद्यार्थीहरूलाई वर्षमा एक पटक राष्ट्रियस्तरका वैज्ञानिक वा विज्ञानका उच्च शिक्षा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूबाट प्रशिक्षण सञ्चालन गरिने छ ।
	५.१.४ कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिमा गाउँपालिकामा भित्रिएको कुनैपनि नविन प्रविधिबारे विद्यार्थीहरूलाई जानकारी गराउन स्थलगत भ्रमण गराइने छ ।
	५.१.५ यस गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय वा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा विज्ञान र प्रविधिका क्षेत्रमा काम गर्ने व्यक्तित्वहरूसँग विभिन्न उपयुक्त अवसर पारेर साक्षात्कार गराइने छ ।
	५.१.६ औपचारिक शिक्षाको परिधि भन्दा बाहिर रहेका तर विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	५.१.७ विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धी विषयहरूमा विद्यार्थी भर्नादर बृद्धि गर्न विशेष अभिमुखिकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।

## शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	सम्पूर्ण सामुदायिक विद्यालयहरूको वस्तुगत विवरण तयारी	१००					
		१.१.२	विद्यालय भवन निर्माण तथा स्तरोन्नती	१०००	१०००	१०००	१५००	२०००	
		१.१.२	विद्यालयमा अपाङ्गमैत्रि, छात्रा अनुकूल सफा शौचालय निर्माण			१०००			
		१.१.३	विद्यालयहरूलाई नक्साङ्कनका आधारमा तहगत स्तरोन्नति	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.१.४	एक विद्यालय एक खेलमैदान निर्माण तथा व्यवस्थापन	१००	२००	३००	४००	५००	
		१.१.५	विद्युत जडान वा सौर्य उर्जाको प्रबन्ध			६००			
		१.१.६	भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिका लागि छात्रावासको निर्माण				१५००		
		१.१.७	पढ्दै कमाउँदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.वि. मा परिक्षण		२००				
		१.१.८	सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई डिजिटल पूर्वाधार	५००	६००				
		१.१.९	स्टिम प्रयोगशाला विस्तार साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापन		५००	९००	१०००		
		१.१.१०	प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण गर्न आवश्यक स्रोत साधन र प्राविधिक सहयोग उपलब्ध	१००	१५०	२००	२५०		
	१.२	१.२.१	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात अध्ययन	२००					
		१.२.२	नपुग शिक्षक दरबन्दी पूर्ति		५०		६०		
		१.२.३	विद्यालय गाभ्न सम्भाव्यता अध्ययन		५००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.४	विषय शिक्षक तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.५	शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा उत्कृष्ट विद्यालय अध्ययन भ्रमण	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.२.६	शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाइ थलोका रुपमा विकास	५००	८००				
		१.२.७	युवा स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायोग उपलब्ध गराउन आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्था		८००				
	१.३	१.३.१	आवश्यक शिक्षा नीति, मापदण्ड तथा कानून निर्माण र भइरहेकाको परिमार्जन		५००				
		१.३.२	अति विपन्न, सीमान्तकृत तथा विद्यालय जानबाट वञ्चित बालबालिकाको विवरण संकलन	३००					
		१.३.३	विद्यालय जाने बालबालिका नजानुका वस्तुगत कारणको अध्ययन	८०					
		१.३.४	अभिभावक अभिमुखीकरण तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन	९०	१००	११०	१२०	१३०	
	१.४	१.४.१	पोषणयुक्त दिवा खाजा सञ्चालन	५००	५५०	६००	६५०	७००	
		१.४.२	किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्री	३००	३००	४००	५००	५००	
		१.४.३	मा. वि विद्यालयहरूमा "एक विद्यालय एक नर्स" कार्यक्रमलाई विस्तार	५००	७००	९००	१०००	१२०००	
२.	२.१	२.१.१	अति विपन्न र सीमान्तकृत (मुसहर, मुस्लीम समुदाय तथा दलित समुदाय)का बालबालिका लाई प्राविधिक शिक्षा अध्ययनका लागि छात्रवृत्ति कोष स्थापना		३००				
		२.१.२	निरक्षर केन्द्रित शिक्षा सञ्चार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम (स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट)	५०	५०	५०	५०	५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		३.१.३	“जहदा गाउँपालिकाको संस्कार, २० वर्ष उमेर पुगेपछि निरन्तर अध्ययन गर्ने मुसहर समुदायको छोरीलाई पुरस्कार” कार्यक्रम संचालन	२००	३००	३००	४००	४००	
३.	३.१	३.१.१	“एक वडा एक प्राविधिक विषय” अध्ययन का लागि छात्रवृत्ति कोष	३५०					
		३.१.२	हरेक विद्यालयमा ICT ल्यावको व्यवस्थापन			१२००			
	३.२	३.२.१	हरेक तहको पाठ्यक्रममा नैतिक, जीवनोपयोगी सामग्री तय गर्न परामर्श सेवा	५०	६०	७०	८०	९०	
		३.२.२	नैतिकता, जीवनोपयोगी शीप, आत्मिक विकास, योग साधना अध्यापन गर्ने शिक्षक व्यवस्थापन		२००				
४.	४.१	४.१.१	नविनतम शिक्षण सिकाई तालिम सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.१.२	शिक्षण सिकाई उपलब्धि मापन ग्रेडीङ्ग प्रणाली निर्माण		३००				
	४.२	४.२.१	स्थानीय माग अनुसारको पाठ्यक्रम निर्माणका लागि परामर्श सेवा			५००			
		४.२.२	इन्टरनेटको व्यवस्था मिलाउने		५००	६००	७००	८००	
		४.२.३	Teachers Reference Library स्थापना			१५००			
	४.३	४.३.२	स्थलगत अवलोकन तथा परियोजना कार्य संचालन	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.३.३	सफल व्यक्तित्व साक्षात्कार कार्यक्रम	१४५	१५५	१६५	१७५	१८५	
		४.३.४	वृत्तचित्र तथा चलचित्र प्रदर्शनी व्यवस्थापन			१००	१००	१००	
		४.३.५	विभिन्न राष्ट्रिय, क्षेत्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिता पूर्व तयारी				१५०	२५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
	४.४	४.४.१	पाठ्यपुस्तक तथा शैक्षिक सामग्री आपूर्ति संयन्त्र निर्माण			२००			
		४.४.२	सामुदायिक विद्यालयको पुस्तकालयमा स्थानीय भाषाका पुस्तक, पत्रिका, लिपि लगायत राष्ट्रिय, अन्तराष्ट्रिय पुस्तकहरूको संकलन	१००	१००	१००	१००	१००	
		४.४.३	एक विद्यालय एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा I.C.T ल्याब निर्माण	५००	५००	६००	६००	७००	
		४.४.४	माध्यमिक स्तरको विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण	६५०	६५०	६५०	६५०	६५०	
	४.५	४.५.१	इ. हाजिरी व्यवस्थापन तथा विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष र प्रधानाध्यापक अन्तरक्रिया	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.५.२	शिक्षा अभिभावक अन्तरक्रिया कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		४.५.३	उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार कोष		१०००				
		४.५.४	निजी सामुदायिक विद्यालय अन्तरक्रिया कार्यक्रम		८०	८०	८०	८०	
		४.५.५	जेहेन्दार छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति कोष निर्माण			३००			
		४.५.६	हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार कोष स्थापना			१५००			
		४.५.७	जेहेन्दार विद्यार्थी उच्च अध्ययन कोष निर्माण		१५००				
		४.५.८	शिक्षकहरूलाई विद्युतीय हाजिरी प्रबन्ध	५०	१५०	२५०	३५०	४५०	
		४.५.९	महामारी विशेष वैकल्पिक शिक्षा पूर्वाधार निर्माण	२००	३००	३००	४००	४००	
		४.५.१०	ECD विशेष शिक्षक शिक्षिका तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.११	प्रधानाध्यापक शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास तालिम		१००				
		४.५.१२	गाउँपालिका स्तरिय शैक्षिक पात्रो निर्माण	५०	५०	५०	५०	५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		४.५.१३	अनुसन्धानात्मक परियोजना कार्य विशेष पाठ्यक्रम निर्माण		५००				
५.	५.१	५.१.१	हरेक विद्यालयबाट विज्ञानमा विशेष रुची र क्षमता भएका विद्यार्थी पहिचान	४०	४५	५०	५५	६०	
		५.१.२	गाउँपालिकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना	५००	५६०	६६०	६६०	७००	
		५.१.३	विशेष विज्ञानमा अभिरुची र क्षमता भएका विद्यार्थीलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम	३०	३०	३०	३०	३०	
		५.१.४	गाउँपालिकामा भित्रिएका नविनतम प्रविधिहरूको स्थलगत अवलोकन	६०	६५	७०	७५	८०	
		५.१.५	विज्ञान र प्रविधि सम्बन्ध वैज्ञानिकहरूसँग साक्षात्कार कार्यक्रम	३०	३५	४०	४५	५०	
		५.१.६	औपचारिक शिक्षा भन्दा बाहिर रहि विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान	२५	२५	२५	२५	२५	
		५.१.७	विज्ञान तथा प्रविधिको विषयहरूमा विद्यार्थी भर्ना बृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ निरक्षरता शुन्यमा भर्नेछ ।
- ✓ आधारभूत शैक्षिक पूर्वाधारको प्रबन्ध हुने छ ।
- ✓ आधारभूत शिक्षा सबैका लागि अनिवार्य हुने छ ।
- ✓ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित हुने छ ।
- ✓ राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा उपलब्ध हुने छ ।
- ✓ नैतिकता, राष्ट्रप्रेम र मानव मूल्यमा आधारित शिक्षाको विकास हुने छ ।
- ✓ विज्ञान र प्रविधिमा युवाहरूको आकर्षण बढ्ने छ ।



### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि</b>				
	असर	शिक्षाको क्षेत्रमा छुट्याइएको कूल बजेटको (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्राथमिक तहमा खुद भर्नादर (४.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्राथमिक तह पुरा गर्ने दर (४.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका विद्यार्थीमध्ये कक्षा ८ सम्म पुग्ने विद्यार्थी (४.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा ८ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा १२ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.५) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	माध्यमिक शिक्षाको कुल भर्नादर (९ देखि १२) (४.१.१.७) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	पूर्व प्राथमिक शिक्षाको लागि बाल अनुदान पाएको (संख्या) (४.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पूर्व वाल्यकाल शिक्षामा उपस्थिति (प्रतिशत) हाजिरी (४.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी प्रतिशत (कुल विद्यार्थीमा) (४.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (प्राथमिक) (४.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (माध्यामिक) (४.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको साक्षरता दर (४.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको महिला साक्षरता दर (४.६.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	प्रति विद्यार्थी हुने सार्वजनिक खर्च (हजारमा) (४.६.१.५) (प.दि.वि.ल.)	हजारमा		
	असर	विद्युतमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	I.C.T. ल्याब तथा इन्टरनेटमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	WASH सुविधा भएका आधारभूत विद्यालयहरू (४.क.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	अपाङ्गमैत्री विद्यालयहरू (४.क.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम रूपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका आधारभूत शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	न्यूनतम रुपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका माध्यामिक शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल भर्नामा विज्ञान र प्रविधि विषय भर्ना (९.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पूर्ण कालिन अनुसन्धानकर्ता (९.५.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	कूल बजेटमा अनुसन्धानात्मक क्रियाकलाप खर्च भएको रकम (९.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	समग्र साक्षरता प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	साक्षरता प्रतिशत (पुरुष)	प्रतिशत		
	असर	साक्षरता प्रतिशत (महिला)	प्रतिशत		
	असर	स्थानीय पाठ्यक्रम लागू भएका विद्यालय	संख्या		
	असर	फरक शारिरीक क्षमता भएका विद्यार्थी शैक्षिक सहायता	संख्या		
	असर	दिवा खाजा कार्यक्रमबाट लाभान्वित बालबालिका	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार सम्पन्न विद्यालय	प्रतिशत		
	प्रतिफल	उच्च शिक्षा अध्यापन हुने कलेज	संख्या		
	प्रतिफल	प्राविधिक शिक्षा सञ्चालन हुने विद्यालय	संख्या		
	असर	आधारभूत शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	स्नातक तह उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	स्नातकोत्तर उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	विद्या वारिधि उत्तीर्ण जनसंख्या	संख्या		
	असर	प्राविधिक वा व्यावसायिक तालिम प्राप्त युवा संख्या	प्रतिशत		
	असर	विज्ञान प्रयोगशाला सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	बुक कर्नर सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	सुविधायुक्त खेलमैदान भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	छात्राको लागि व्यवस्थित शौचालय भएका विद्यालय	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	स्वास्थ्यकर्मीको सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	प्रतिफल	अनौपचारिक प्रौढ कक्षा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	प्रौढ कक्षाबाट लाभान्वित विद्यार्थी	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित रूपमा संचालन भएका बालक्लव	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक सिकाई केन्द्र तथा पुस्तकालय	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

### पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जम्मा घरधुरी ९,१३२ रहेकोमा ९,०९१ घरधुरी अर्थात ९९.५५ प्रतिशत घरपरिवारले पिउने पानीको मुख्य स्रोतको रूपमा ट्युबवेल/बोरिङ्ग प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ, भने १० अर्थात ०.११ प्रतिशतले पाइप धारा वा पाइपको पानी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ। गाउँपालिकाका कुल घरपरिवारहरू मध्ये करिब ७९.५१ प्रतिशत घरपरिवारले पिउने पानीलाई कुनै शुद्धीकरण नगरी सिधै पिउने गरेको देखिन्छ जुन जनस्वास्थ्यको दृष्टिकोणले जोखिमपूर्ण हो। हाल वडा नं. ४ मा सिस्वनी जहदा खानेपानी तथा सरसफाई उपभोक्ता समिति, वडा नं. ५ मा मभारे खानेपानी तथा सरसफाई उपभोक्ता समिति संचालनमा रहेको छ भने वडा नं. ३ मा भातिगछ खानेपानी आयोजना र वडा नं. ६ मा पोखरिया खानेपानी तथा सरसफाई उपभोक्ता समिति निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको छ। यद्यपि यी आयोजनाहरूले सबै गाउँपालिकाबासीलाई यथेष्ट खानेपानीको आपूर्ति गर्न सकिरहेका छैनन्। गाउँपालिकामा अझै पनि स्वच्छ पिउने पानीको पहुँच कमजोर रहनुले पानीजन्य रोगहरू जस्तै टाइफाइड, भुइँसो, आउँ जस्ता रोगहरूको संक्रमण हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ।

सफा, सुन्दर र स्वच्छ गाउँ समाज सभ्यताको प्रमुख परिचायक हो। त्यसैगरी स्वस्थ जीवन जिउन हाम्रो वरपरको जनजीवन र सेरोफेरो सफा हुनु जरुरी छ। शहरीकरणको धेरै प्रभाव नपरेको यस गाउँपालिकाका केही वडाहरूमा अझैपनि स्वच्छ हावापानी र प्राकृतिक वातावरणको अनुभव गर्न सकिन्छ। यद्यपि यहाँका केही वडाहरूमा भने शहर उन्मुख जीवनशैली अपनाउन थालिएको छ। जसका कारण यहाँ फोहोरमैला उत्सर्जन हुने गरेको छ र फोहोर व्यवस्थापन यहाँको मुख्य चुनौतीको रूपमा रहेको छ। गाउँपालिकामा हालसम्म ल्याण्डफिल्ड साइटको निर्माण नभएका कारण गाउँपालिकाले फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापनका लागि ल्याण्डफिल्ड साइटको खोजी कार्यलाई तिब्रता दिई फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापन कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्न पर्ने देखिन्छ। स्वच्छ पानी तथा सरसफाई मानवीय स्वास्थ्यलाई प्रभाव पार्ने प्रमुख तत्वहरू भएको र दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं ६ ले खानेपानी तथा सरसफाईलाई सुनिश्चितता गर्नुका साथै नेपालको संविधानले पनि खानेपानी तथा सरसफाई सुविधालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा व्याख्या गरेको हुनाले स्वस्थ नागरिक उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउन गुणस्तरीय खानेपानी र सरसफाईको क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी भएका खानेपानी आयोजनाहरूको स्तरोन्नति गर्नुपर्ने, थप खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने साथै वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- भूमिगत जल स्रोतको उपलब्धता भए तापनि पिउने पानी शुद्धीकरण गरी पिउने उचित प्रबन्ध नभएको।
- सम्पूर्ण घरपरिवारलाई सुरक्षित र स्वच्छ पिउने पानी वितरण प्रणालीमा जोड्न नसकिएको।
- ट्युबवेलको पानीमा गन्ध आउने साथै आइरन, आर्सेनिक जस्ता तत्वहरू देखिएको।
- पानीका उपलब्ध प्रमुख स्रोतहरूको वैज्ञानिक हिसाबले संरक्षण र व्यवस्थापन गर्न नसकिएको।
- हालसम्म पनि व्यवस्थित ल्याण्डफिल साइटको निर्माण नभएको।
- विशेषगरी सघन वस्तीमा रहेका बजार केन्द्रहरूका सडकहरूमा नाला व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- वैज्ञानिकरूपमा फोहोरमैला व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- कच्ची सडकका कारण धुलोले गर्दा वायु प्रदूषण हुने गरेको।

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- फोहोर व्यवस्थापनको ठोस योजना नबन्दा विशेषगरी बजार क्षेत्रमा दीर्घकालीन हिसाबले जटिलता सिर्जना हुन सक्ने ।
- पिउने पानी तथा सरसफाईको उचित व्यवस्थापन नहुँदा विभिन्न सरुवा रोगको संक्रमण हुन सक्ने ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले खानेपानीका मुहान तथा स्रोतहरूको संरक्षणको लागि वृक्षारोपणलाई अघि बढाउने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले मुख्य चोक बजार तथा हाटबजारहरूमा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि सामग्री तथा सचेतना कार्यक्रमलाई प्रभावकारीताका साथ नागरिकमैत्री बनाउने नीति अवलम्बन गरेको ।
- गाउँपालिकामा पानी संरक्षण गरी दीगो रूपमा पानीको सदुपयोग गर्ने योजना कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- घरघरमा पानी संकलन ट्यांकी राख्न प्रोत्साहन गरेमा दीर्घकालीन हिसाबले पिउने पानीको समस्या समाधान गर्न सकिने ।
- फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि कुहिने र नकुहिने फोहोरको वर्गीकरण गरी फोहोरमैला संकलन गर्न सकिने ।
- बजार क्षेत्रमा फोहोर व्यवस्थापन गर्न केही स्थानमा डस्टबिनहरूको व्यवस्था गर्न सकिने ।
- पानी शुद्धीकरण प्रक्रियाको चेतनामूलक कार्यक्रम र तालिम संचालन गर्न सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

स्वच्छ, स्वस्थ र सुन्दर गाउँपालिका निर्माणका लागि गुणस्तरीय खानेपानी तथा सरसफाई

#### लक्ष्य

गाउँपालिका सम्पूर्ण वडाहरूमा/वस्तीहरूमा स्वच्छ खानेपानी पुर्याउने तथा सरसफाईको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुर्याउनु
- ✓ गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाईको सुविधा पुर्याउनु

#### उद्देश्य १ : गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुर्याउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१. आधारभूत खानेपानी सुविधा नपुगेका घरपरिवारमा खानेपानी सुविधा विस्तारका लागि प्राथमिकता दिने ।	१.१.१. “एक घर एक धारा” को अवधारणा अनुसार खानेपानी सुविधा नपुगेका घरहरूमा समुदायको सहभागितामा आधारभूत खानेपानी व्यवस्था गरिने छ ।
	१.१.२. संभाव्य खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ ।
	१.१.३. खानेपानी आयोजनाहरू समयमै निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समितिमार्फत सेवा सञ्चालनमा ल्याइने छ ।
	१.२.१. खानेपानीका मुहान, स्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिने छ ।

**उद्देश्य १ : गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.२. मुहान संरक्षण तथा खानेपानी सेवाको स्तरवृद्धि गर्ने ।	१.२.२. खानेपानीका संरचनाहरूको स्तरोन्नति तथा मुहान सुधार गरी पानी प्रशोधन गरेर मात्र वितरण गरिने छ ।
	१.२.३. हरेक घरपरिवारमा पाइप मार्फत खानेपानी आपूर्ती प्रणाली निर्माण गरिने छ ।
	१.२.४. खानेपानीको उपभोगको मात्रा अनुसार महशुल उठाई निर्माण, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था गरिने छ ।
१.३. खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण गर्ने ।	१.३.१ खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना तयार गरिनेछ ।
	१.३.२ गाउँपालिका भित्रका सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहर मैला व्यवस्थापनको कार्य योजना पेश गर्न लगाई प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण गरिनेछ ।
	१.३.३ वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाइ सरसफाइका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाइको सुविधा पुऱ्याउनु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१. हरेक घरपरिवारमा आधारभूत शौचालय तथा सरसफाई सुविधाको व्यवस्था गर्ने ।	२.१.१. प्रत्येक घरमा अनिवार्य शौचालयको प्रावधान लागू गरी शौचालय नभएका विपन्न घरपरिवारमा शौचालय निर्माणका लागि प्रोत्साहन गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	२.१.२. घर घरबाट निस्कने फोहरलाई वर्गीकरण गरी कुहिने फोहोरलाई कम्पोस्ट मलमा परिणत गर्न समुदायलाई विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.३. एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
२.२. सार्वजनिक स्थल तथा बजार क्षेत्रमा सरसफाई सेवाको व्यवस्थापन गर्ने ।	२.२.१. प्रत्येक सार्वजनिक स्थल, विद्यालय, सामुदायिक भवन, अस्पताल, बजार केन्द्र, बसपार्क जस्ता क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था गरी समुदायलाई सञ्चालनको जिम्मेवारी दिइने छ ।
	२.२.२. उल्लेखित स्थानहरूमा फोहोरलाई वर्गीकरण गरी फ्याक्नका लागि बास्केट तथा कण्टेनरको व्यवस्था गरिने छ ।
	२.२.३. फोहोर व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी ल्याण्डफिल साईटमा फोहोरमैला व्यवस्थापन गरिने छ ।
	२.२.४. फोहोर पानीको उत्सर्जन कम गर्ने र उत्पादित फोहोर पानीको व्यवस्थापन गरी वातावरण स्वच्छ राखिने छ ।
	२.२.५. मुख्य बजार क्षेत्रका चोक र सडक वरपर नियमित सफाई गरिने छ ।
	२.२.६. बजार केन्द्रहरूमा घरबाट निस्कने फोहोर व्यवस्थापनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी व्यवस्था मिलाइने छ । सो वापत बजार क्षेत्रका घरधुरीहरूबाट सरसफाई शुल्क उठाइने छ ।

उद्देश्य २ : गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाइको सुविधा पुऱ्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
	२.२.७. पानीको मुहान वरपर फोहोर गर्नेलाई जरिवाना गरिने छ साथै नदीनाला, जलाशय तथा तालतलैयाको पर्यावरणीय स्वच्छता कायम गरिने छ ।
	२.२.८. कुहिने र नकुहिने फोहोर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना गरिनेछ ।
२.३. सरसफाइ सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. घरघरमा निस्कने फोहोरलाई कम गर्न, फोहोरलाई वर्गिकरण गर्न, कम्पोस्ट मल बनाउन र पुर्नप्रयोग गर्न प्रेरित गर्नका लागि जनस्तरमा नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.२. घर, आँगन र टोल सफा राख्न प्रत्येक वडामा सरकारी, निजी गैसस तथा सामुदायिक संस्थाहरूसँग सहकार्य गरी स्थानीयबासीको संलग्नतामा नियमित रूपमा सरसफाई अभियान सञ्चालन गरी जनचेतना फैलाईनेछ ।
	२.३.३. स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सरसफाई सम्बन्धी नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.४. ४० माइक्रोन भन्दा पातलो प्लास्टिकको प्रयोगलाई बर्जित गरि वैकल्पिक भोलाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।

## खानेपानी तथा सरसफाईको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय	
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष		
१.	१.१	१.१.१	एक घर एक धारा कार्यक्रम	५६५	५७०	५८०	५८०	५८०		
		१.१.२	खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन		५००					
		१.१.३	आयोजना निर्माण ठेकेदारलाई दण्ड तथा पुरस्कारको प्रबन्ध	५०	६०	७०	८०	९०		
			१.१.३	खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समितिमार्फत सेवा सञ्चालनमा ल्याउने	२००	२२०	२४०	२६०	२८०	
	१.२	१.२.१	खानेपानी मुहान क्षेत्र पहिचान तथा विवरण संकलन		२००					
		१.२.२	खानेपानी प्रशोधन तथा वितरण प्रणाली निर्माण			४००				
		१.२.३	खानेपानी आपूर्ति पाइप लाईन विस्तार	३००	३२०	३४०	३६०	३८०		
		१.२.४	खानेपानी आपूर्ति व्यवस्थापन कोष तथा अनुगमन संयन्त्र निर्माण		२००					
	१.३	१.३.१	खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण			५००				
		१.३.२	गाउँपालिका भित्रका सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहरमैला व्यवस्थापनको कार्य योजना पेश गर्न लगाई प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण							
		१.३.३	वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाई सरसफाइका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास		५००					
	२	२.१.	२.१.१.	शौचालय निर्माण गर्न अनुदान	११००	११००	१२००	१२००	१२००	
२.१.२.			वडास्तरीय कम्पोस्ट मल उत्पादन तालिम	१८०	२८०	३८०	४८०	५८०		
		२.१.३.	एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम संचालन	१००	१५०	२००	२५०	३००		
२.२.	२.२.१.	सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी शौचालय निर्माण			२००	२००	२००			
	२.२.२.	सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी फोहर फ्याक्ने कन्टेनरको व्यवस्था	१००	११०	१२०	१३०	१४०			



उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.२.३.	वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी ल्याण्डफिल साईटमा फोहोरमैला व्यवस्थापन	५००					
		२.२.४.	सघन वस्ती क्षेत्रमा ढल निर्माण	२००	२१०	२२०	२३०	२४०	
		२.२.५.	सरसफाइ कर्मचारीको व्यवस्था	५७०	६००	६३०	६७०	७००	
		२.२.६.	फोहोर संकलन र व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्न अन्तरक्रिया		१५०				
		२.२.७.	पानीको मुहान संरक्षण तथा संरचना मर्मत	८०	९०	९५	१००	११०	
		२.२.८.	कृहिने र नकुहिने फोहर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना गरिनेछ ।			१०००			
	२.३.	२.३.१.	फोहोर पुनर्प्रयोग गर्न तालिम	१६०			२६०		
		२.३.२.	विभिन्न संघ संस्थासंग समन्वय गरी सामुदायिक स्तरमा प्रत्येक हप्ताको शनिवार सरसफाई कार्यक्रम सञ्चालन	४५	५०	५५	६०	६५	
		२.३.३.	स्थानीय सञ्चारमाध्यममा सरसफाइ सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम प्रसारण ।	५०	६०	६०	६०	६०	
		२.३.४.	४० माइक्रोन भन्दा पातलो प्लास्टिकको प्रयोगलाई बर्जित गरि वैकल्पिक भोलाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन		३००	३१०	३४०	३५०	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- गाउँपालिकाका सम्पूर्ण घरधुरीमा आधारभूत खानेपानी सुविधा भएको हुने,
- सम्पूर्ण घरधुरीमा शौचालयको व्यवस्था भएको हुने,
- सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था भएको हुने र
- सरसफाईको अवस्थामा उल्लेख्य सुधार भएको हुने छ ।

## नतिजा खाका

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>खानेपानी तथा सरसफाई</b>				
	असर	पाइपबाट वितरण गरिएको पानीमा पहुँच भएका परिवार (प्रतिशत) (६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	आधारभूत खानेपानी सेवामा पहुँच पुगेका जनसंख्या (६.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्रशोधित/सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	उन्नत सुधारिएका सरसफाइसम्बन्धी सुविधाहरू प्रयोग गर्ने परिवार जसले यस्ता सुविधाहरू अरुसँग साभेदारी गर्नुपर्दैन (६.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	आधारभूत शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात (६.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	ढल प्रणालीहरू/उपयुक्त (Faecal Sludge Management) मा चर्पी जोडिएका परिवार (६.२.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	स्थानीयको प्रत्यक्ष संलग्नता तथा व्यवस्थापन वा उपभोक्ता समितिमार्फत सञ्चालन गरिएका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना (६.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	संरक्षणमा समेटिएका खानेपानी मुहान	संख्या		
	असर	आधुनिक र सुविधासम्पन्न शौचालय प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति फोहर उत्पादन (१२.४.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रति केजी		
	प्रतिफल	डस्टबिन प्रयोग गर्ने र फोहरलाई वर्गीकरण गर्ने घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक हिसाबले संगठित रूपमा नियमित गाँउघर तथा टोल सरसफाई कार्यक्रम संख्या (वार्षिक)	संख्या		

## अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

### (अ) लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण

#### पृष्ठभूमि

सामाजिक जागरणको पर्याप्तता नभएको, राजनीतिक चेतनाको परिपक्वता भैनसकेको र पुरानो सामाजिक, जातिय, लैङ्गिक तथा वर्गीय स्वरूपको समाजमा व्यापक रुपान्तरण समेत भैनसकेकोले नेपालमा लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिकको सम्मान र सामाजिक सुरक्षा, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको अधिकार र कठिनाइहरूको सम्बोधन तथा समग्र सामाजिक समावेशीकरणका मुद्दाहरू सामाजिक विकासका दृष्टिले केन्द्रिय भागमा रहेका छन्। यसर्थ यस गाउँपालिकामा समेत यी सवालहरूको व्यापक सान्दर्भिकता रहेको र विकास योजनाले यी विषयहरूलाई महत्व दिएर समेट्नु पर्ने देखिन्छ। नेपालको संविधानमा नै वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछूतको अन्त्य गर्ने तथा आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प गरिएको छ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ का अनुसार कुल जनसंख्याको करिब आधा अर्थात् ४८.३९ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ भने ६० वर्ष माथिका ज्येष्ठ नागरिकको जनसंख्या ६.२० प्रतिशत रहेको छ। अर्को तर्फ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको जनसंख्या १.२ प्रतिशत रहेको छ। गाउँपालिकामा ज्येष्ठ नागरिक र अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई न्यानो कपडा वितरण, अपाङ्गहरूलाई सहयोग पुग्ने अपाङ्गमैत्री सामग्री वितरण, महिला सीपमूलक तालिम, ज्येष्ठ नागरिक समान कार्यक्रम जस्ता क्रियाकलापहरू संचालनमा रहेका छन्। समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मानपूर्वक जिवनयापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दासम्म सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन। त्यसैले लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
गाउँपालिकामा सामुदायिक भेटघाट केन्द्र, दलित सञ्जाल, महिला सञ्जाल, वृद्धाआश्रम, बाल सुरक्षा तथा सुधार गृह जस्ता भवनहरूको अभाव रहेको
गाउँपालिकामा परम्परागत रूपमा रहेको लैङ्गिक विभेद पूर्ण रूपमा अन्त्य हुन नसकेको
समाजमा महिलाको समग्र सामाजिक स्तर कमजोर रहेको।
जातीय भेदभाव पूर्ण रूपले अन्त्य हुन नसकेको।
सीमान्तकृत समुदाय, आदिवासी जनजातिहरूको आर्थिक र सामाजिक सबलीकरण हुन नसकेको।
जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू अपेक्षाकृत रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेका।
लुकिछिपी बाल विवाह गर्ने प्रचलन हालसम्म कायम रहेको।
लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाले समाजमा सामाजिक विग्रह ल्याउनुका साथै विकासको गतिमा नकारात्मक असर पर्न सक्ने।
महिला पछाडि पर्दा समग्र पारिवारिक संगठन र समाज नै विकृत बन्न सक्ने।
सामाजिक सौहार्दता, मेलमिलाप, शान्ति र समृद्धिका लागि सामाजिक विवेकको प्रयोग गरी सामाजिक अन्तरघुलनका साथै महिला शसक्तिकरण र सीमान्तकृत वर्गको मूल प्रवाहिकरण गर्नुपर्ने।

### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- व्यापक रूपमा महिला शिक्षा तथा अन्य जातजाति, अल्पसङ्ख्यक र सीमान्तकृतहरूलाई विशेष रूपमा लक्षित गरी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
- प्रसूती सेवाको व्यवस्था गर्नुको साथै प्रजनन स्वास्थ्य बारे जनचेतना फैलाउनुपर्ने ।
- घरेलु हिंसा र महिला हिंसा निर्मूल गर्नुपर्ने ।
- बालविवाह तथा बहुविवाहलाई दण्डित गर्नुपर्ने ।
- बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री तथा महिलामैत्री संरचनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने ।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- मानव बेचबिखनका तथा ओसारपसार विरुद्धका क्रियाकलापमा माइती नेपाल, जिल्ला प्रशासन, OCMC, लुध्रन सामुदायिक कल्याण समाजले कानूनी सहायता प्रधान गरिरहेको ।
- गाउँपालिकाले लैंगिक हिंसा, बाल विवाह, बहुविवाह, अनमेल विवाह, लागूपदार्थ दुर्व्यसन, दहेज प्रथा छुवाछुत जस्ता कुरीतिहरूलाई अन्त्य गर्नका लागि आवश्यक पहल गर्ने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले दलित जाति जिवनस्तरमा वृद्धि हुने गरी स्वरोजगारमुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति लिएको ।
- एकल महिला समूहलाई आत्मनिर्भर उन्मुख व्यवसाय संचालन गर्न विउपुंजी अनुदान रकमको माध्यमबाट प्रोत्साहन गरिँदै लग्ने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकामा सांस्कृतिक तथा धार्मिक सहिष्णुता कायम रहेको ।
- सञ्चार माध्यम र शिक्षाको सकारात्मक प्रभाव परेको ।
- कतिपय महिलाहरू राजनीति, सामाजिक कार्यलगायत विभिन्न विकासका गतिविधिहरूमा सरिक हुन थालेका ।
- प्रत्येक वडामा १ महिला सदस्य र १ दलित महिला सदस्य अनिवार्य रूपमा निर्वाचित हुने व्यवस्था गरेको हुँदा उनीहरूले सम्पूर्ण महिला, दलित, जनजातिहरूको हक हित तथा अधिकारको पक्षमा आवाज उठाएका कारण सामाजिक न्याय, समानता लगायत समाज सुधारका पक्षमा केही प्रगति भएको ।
- महिलाहरूले घरको मात्र काम नभई घर बाहिरको काम पनि गर्न सक्छन् भन्ने सन्देश दिएका ।
- अपाङ्ग पुनर्स्थापना केन्द्र, विपन्न सहायता केन्द्र, अनाथालय तथा जेष्ठ नागरिक स्याहार केन्द्र स्थापना गरी न्यायपूर्ण समाजको स्थापनामा सहयोग पुऱ्याउन सकिने ।
- शिक्षा र जनचेतनामा आएको क्रमिक सकारात्मक सुधारका कारण महिला तथा सीमान्तकृत वर्गको उत्थानमा उपयुक्त वातावरण बन्दै जाने ।
- सबै तह र तप्काका समुदायलाई सामाजिक मूल प्रवाहिकरणमा ल्याउँदा गाउँपालिकाको समग्र विकास प्रक्रियाले गति लिन सक्ने ।
- महिलाहरू राजनीतिक गतिविधिमा संलग्न हुन थालेकाले उनीहरूका आवाजहरू सम्बन्धित निकायमा पुऱ्याउन सहज भएको ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

जहदाको सभ्यता, न्यायपूर्ण समाज र सामाजिक सौहार्दता

लक्ष्य

सामाजिक न्यायमा आधारित सभ्य समाजको निर्माण गर्ने

उद्देश्यहरू

लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
१.१ महिला जागरण केन्द्रित नीति निर्माण तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.१.१ अनिवार्य नारी शिक्षासम्बन्धी विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण गरिने छ ।
	१.१.२ छात्रामैत्री वातावरण निर्माण गर्न हरेक विद्यालयका प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समितीसँग नियमित अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.३ महिला अधिकार, महिला हिंसा, यौन शोषक, यौन हिंसा जस्ता विषयहरूको समुचित सम्बोधन हुनेगरी महिलालाई सचेत बनाउन हरेक वडामा रहेका महिला अधिकारकर्मी, महिला नेतृ, शिक्षिका लगायत सचेत र सक्षम महिलाको संयोजकत्वमा महिला सेल गठन गरिने छ ।
	१.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका महिला सेलहरू मार्फत हरेक महिना पुरुषहरूको समेत संलग्नतामा महिला जागरण सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.५ विद्यालय पाठ्यक्रम निर्धारण गर्दा छात्र तथा छात्रा दुवैलाई प्रजनन, स्वास्थ्य, यौन स्वास्थ्य लगायतका लैङ्गिक सवालहरू समेट्ने गरी निर्धारण गरिने छ र सो माध्यमिक शिक्षामा अनिवार्य लागू गरिने छ ।
	१.१.६ स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूबाट लैङ्गिकता तथा महिला जागरण सम्बन्धी सामाग्री नियमित प्रसारण गरिने छ ।
	१.१.७ बुहारी शिक्षालाई अनिवार्य गरिने छ ।
	१.१.८ दाइजो प्रथा तथा लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध हरेक वर्ष विशेष जागरण सप्ताह मनाइने छ ।
	१.१.९ विद्यालयमा सामाजिक शिक्षा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकालाई समेटेर लैङ्गिक हिंसा र महिला जागरणसम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.१० दुई छोरीको जन्मपश्चात स्थायी बन्ध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्म निःशुल्क शिक्षा अनुदान दिईनेछ ।
१.१.११ रु एक लाख बराबरको छोरी जीवन बीमा कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ	
१.१.१२ उपाध्यक्षसँग समन्वयायिक विकास कार्यक्रम मार्फत समुदायमा कानुनि सचेतना कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ	
१.२ महिला सुरक्षा र लैङ्गिक न्यायका निम्ति महिला शसक्तिकरणका	१.२.१ गाउँपालिकामा स्थापना भई कार्य गरिरहेका सबै प्रकारका महिला समूह, आमा समूह, किशोरी समूह लगायतका समूहलाई लक्षित गरी वार्षिक

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
कार्यक्रमहरू अभियानको रूपमा सञ्चालन गर्ने	पात्रोका आधारमा नियमित आयआर्जन तालिम, सिप तथा उद्यमशीलता विकास तथा नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.२ गाउँपालिकाभर रहेका महिला उद्यमीहरूको अभिलेख तयार गरिने छ ।
	१.२.३ महिला उद्यमीहरूलाई गाउँपालिका बाहिरका सफल महिला उद्यमीहरूसँग वर्षमा एक पटक साक्षात्कार गराइने छ ।
	१.२.४ मापदण्डका आधारमा महिला उद्यमीहरूलाई उनीहरूको नाममा दर्ता भई सञ्चालन हुने साना तथा घरेलु उद्योगमा व्याजमा अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.२.५ सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने महिलाहरूको अभिलेख तयार पारी निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.६ स्थानीय न्यायिक समितिलाई नियमित तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.७ महिलाका नाममा रहेको अचल सम्पत्ति सम्बन्धी वस्तुगत विवरण संकलन गरिने छ र त्यसमा वृद्धि गर्न ऐन कानूनमा सहूलियतको प्रवन्ध गरिने छ ।
	१.२.८ “एकल महिला आत्मनिर्भर कार्यक्रम” सञ्चालन गर्न व्याज अनुदान कोष निर्माण गरिने छ ।
	१.२.९ महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी तथा कानुनी सेवाका लागि वडास्तरीय महिला सेल गठन गरी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.१० गाउँपालिकास्तरीय एक महिला सूरक्षा गृहको निर्माण गरिने छ ।
	१.२.११ गाउँपालिकास्तरीय एक महिला उद्यमी वस्तु बिक्री केन्द्र स्थापना गरिने छ ।
	१.२.१२ गाउँपालिकामा उच्च शिक्षामा छात्राको उपस्थिति वृद्धि गर्न बालिका बीमा कार्यक्रम लागु गरिने छ ।
	१.२.१३ सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरूको अध्ययन गरी न्यायिक समितिको पहलमा न्यूनिकरण गर्न परामर्श सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१४ महिला बेचबिखन तथा ओसारप्रसार विरुद्ध वडास्तरीय महिला सेलहरूलाई विशेष अभिमुखीकरण सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१५ जेष्ठ नागरिक, हिंसापिडित महिलालाई उद्धार र संरक्षण गर्न लैङ्गिक हिंसा राहत कोष स्थापना गरिनेछ ।
१.३ जेष्ठ नागरिकको सामाजिक सूरक्षा र आत्मसम्मान कायम हुने कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिई सञ्चालन गर्ने	१.३.१ संविधान र नेपाल सरकारले घोषणा गरेका जेष्ठ नागरिक सामाजिक सूरक्षा अन्तर्गतका सबै कार्यक्रम चुस्त दुरुस्त रूपमा प्रभावकारी बनाउन गाउँपालिकाभित्र जेष्ठ नागरिक प्रतिकार्य इकाइ सञ्चालन गरिने छ ।
	१.३.२ वडास्तरीय जेष्ठ नागरिक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिने छ ।

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
	१.३.३ एक वडा एक जेष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण गरिने छ ।
	१.३.४ प्रत्येक वडामा जेष्ठ नागरिक लक्षित योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन गरिने छ ।
	१.३.५ स्थानीय सञ्चार माध्यमसँगको सहकार्यमा जेष्ठ नागरिकहरूका जीवन अनुभव साटन र सुन्न “जेष्ठ नागरिक आवाज” कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.३.६ वर्षमा १ पटक आन्तरिक पर्यटन प्रवर्द्धन तथा जेष्ठ नागरिक सम्मान स्वरूप निश्चित मापदण्डका आधारमा जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन कार्यक्रम सञ्चालन गर्न परिवहन अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.३.७ वडास्तरमा आफ्ना रितीथिति, संस्कार, धर्म सम्प्रदाय अनुरूपका भजन किर्तन, गायन, बाद्यवाधन कार्यक्रम संचालन गर्न जेष्ठ नागरिक किर्तन मण्डली गठन गरी बाद्यवाधन यन्त्रमा मापदण्ड बनाई अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.३.८ ८० वर्ष नाघेका जेष्ठ नागरिकहरूलाई सु-आहारा कार्यक्रम सञ्चालन गरी पोषिलो आहारा वितरण गर्ने प्रवन्ध गरिने छ ।
	१.३.९ जेष्ठ नागरिकको सम्पूर्ण स्वास्थ्य उपचार सुनिश्चित गर्न अति विपन्न परिवारको स्वास्थ्य बीमामा अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.३.१० असाहय बुबाआमा र टुहुरा बालबालिका संरक्षणका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.४ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको कठिनाई न्यूनिकरण गर्ने कार्यक्रमहरू संचालन गरी उनीहरूको आत्मबल बढाउने र आत्मसम्मान जगाउने ।	१.४.१ गाउँपालिकाभर रहेका सम्पूर्ण अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन गरिने छ ।
	१.४.२ अपाङ्गता परिचय पत्र लिन बाँकि भएमा अपाङ्गताको प्रकार अनुसार परिचय पत्र वितरण गरिने छ ।
	१.४.३ अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाको विवरण तयार पारी उनीहरूको शिक्षा आर्जनमा भएका कठिनाई सम्बोधन गर्न विशेष अध्ययन पश्चात कार्ययोजना निर्माण गरिने छ ।
	१.४.४ ह्वीलचियर आवश्यक अपाङ्गहरूको लगत संकलन गरी त्यसमा अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.४.५ विशेष क्षमता भएका अपाङ्गहरूको वृत्ति विकास कार्यक्रम अन्तर्गत कलाकारिता सिप विकास तथा आय आर्जन तालिम नियमित सञ्चालन गरिने छ ।
	१.४.६ पूर्ण अपाङ्गता भई जीवन निर्वाह गर्न पूर्ण असक्तहरूको विवरण संकलन गरी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम संचालन गरिने छ ।
	१.४.७ जटिल प्रकारको अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूले जीवन निर्वाह व्यवसाय गर्न चाहेमा रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।



उद्देश्य १ : लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
	१.४.८ गाउँपालिकामा अब बन्ने सबैखाले सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरू अपाङ्गमैत्री बनाउन निर्माण मापदण्ड र कार्यविधि परिमार्जन गरिने छ ।
	१.४.९ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको समस्या कठिनाई र आवाजहरू उजागर गर्न अपाङ्गता भएका नागरिकको नेतृत्वमा एक गाउँपालिका स्तरीय अपाङ्गता नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन गर्न गाउँपालिकाले सहजिकरण गर्नेछ ।
	१.४.१० जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई निजले पढ्न चाहेसम्मको शिक्षाको लागि विशेष छात्रवृत्ति प्रदान गरिनेछ ।
	१.४.११ अपाङ्गता भएका तर विशेष कलाको क्षमता भएकालाई लक्षित गरी प्रोत्साहन अनुदान दिइने छ ।
१.५ जातिय विभेद, अल्पसंख्यक दलित, आदिवासी, मुस्लिम, थारु तथा राज्यको मूल प्रवाहमा आउन नसकेको नागरिकहरूका मूल सरोकारका विषयमा अध्ययन गरी मूल प्रवाहिकरण कार्यनीति निर्माण गर्ने	१.५.१ लोपोन्मुख, अल्पसंख्यक, सीमान्तकृत तथा राज्यको मूल प्रवाहिकरणभन्दा बाहिर रहेका वर्ग, व्यक्ति वा समुदायको यर्थाथ स्थितिका बारेमा अध्ययन गरी स्थितिपत्र प्रकाशन गरिने छ ।
	१.५.२ अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी, तथा जनजातीका मौलिकता र पहिचान, रहनसहन, रितिथिति, परम्परा, भेषभूषा खानपान, कला, चाडवाड आदिका बारेमा विस्तृत विवरण सहितको अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.५.३ आदिवासी लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.५.४ अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ ।
	१.५.५ सकारात्मक विभेदको सिद्धान्त अनुरूप राज्यको आरक्षण कोटामा सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने यो वर्गका आकांक्षीहरूलाई लक्षित गरी विशेष तयारीकक्षाहरू निःशुल्क सञ्चालन गरिने छ ।
	१.५.६ यी वर्गका विद्यालय जाने बालबालिकाको शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्न अभिभावक शिक्षा र शैक्षिक सामाग्रीमा अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.५.७ छुवाछुत र सबै प्रकारका सामाजिक भेदभाव अन्त्य गर्न राज्यको मूल कानुनको अधिनमा रही त्यस्ता कार्यलाई दण्डित गर्न स्थानीय कानुन निर्माण गर्दै न्यायिक समितिलाई सक्रिय तुल्याइने छ ।
	१.५.८ यी लक्षित वर्गलाई समेट्ने सिप विकास र व्यावसायिक आयआर्जनका लागि तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.५.९ लोपोन्मुख भाषा तथा लिपिको संरक्षण गर्न परामर्श अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिने छ ।
	१.५.१० सामाजिक अन्तरघुलन कार्यक्रम अन्तर्गत वर्षमा एक पटक विशेष राष्ट्रिय दिवसको अवसरमा गाउँपालिकाको आयोजनामा सबै जात वर्ग सम्प्रदाय दलित उत्पिडितहरू सम्मिलित चियापान तथा अनुभूति आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजना गरिने छ ।

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
	१.५.११ विपन्न र सीमान्तकृत समुदायले सञ्चालन गर्ने लघु उद्यम तथा व्यवसायमा मापदण्डका आधारमा शुन्य प्रतिशत ब्याजका लागि अनुदान प्रदान गरिने छ ।
	१.५.१२ दलित महिला सहकारी स्थापना गरिनेछ ।
	१.५.१३ दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.१४ दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण गरिनेछ ।

लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	अनिवार्य नारी शिक्षा विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण	३५०					
		१.१.२	छात्रा मैत्री शौचालय निर्माण	२००	२००	२००	३००	४००	
		१.१.२	छात्राहरूलाई Sanitary Pad वितरण	३००	३२०	३४०	३६०	३८०	
		१.१.३	वडास्तरीय महिला हिंसा तथा लैङ्गिक भेदभाव निगरानी सेल गठन	४००	४००	४००	४००	४००	
		१.१.४	महिला सेलमार्फत जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.१.५	माध्यमिक शिक्षामा यौन, लैङ्गिकता तथा प्रजनन शिक्षासम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्धारण	८०	९०	१००	१२०	१४०	
		१.१.६	लैङ्गिकता र महिला जागरण सञ्चार कार्यक्रम संचालन	३०	४०	५०	६०	७०	
		१.१.७	अनिवार्य सासु बुहारी शिक्षा कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.१.८	महिला हिंसा र दाइजो प्रथा विरुद्ध वार्षिक रुपमा सप्ताह व्यापी कार्यक्रम	८०	९०	१००	१२०	१४०	
		१.१.९	सामाजिक शिक्षामा यौन हिंसा, अपहरण, बलात्कार जस्ता विषयमा शिक्षक-शिक्षिका अभिमुखीकरण कार्यक्रम	३०	४०	५०	६०	७०	
		१.१.१०	दुई छोरीको जन्मपश्चात स्थायी बन्ध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्म निःशुल्क शिक्षा अनुदान	५००	६००	७००	८००	९००	
		१.१.११	रु एक लाख बराबरको छोरी जीवन बीमा कार्यक्रम	१०००	१०२०	१०४०	१०६०	१०८०	
		१.१.१२	उपाध्यक्षसँग समन्यायिक विकास कार्यक्रम मार्फत समुदायमा कानुनी सचेतना कार्यक्रम	१५०	२५०	३५०	४५०	५५०	
	१.२	१.२.१	महिला सिप विकास तथा आय आर्जन साथै नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन	१५०	२५०	३५०	४५०	५५०	
		१.२.२	महिला उद्यमी अभिलेख निर्माण		४००				
		१.२.३	सफल महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम		८०				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.४	महिला लघु उद्यमी तथा व्यवसायीलाई व्याजमा अनुदान	४०	५०	६०	७०	८०	
		१.२.५	सरकारी सेवा प्रवेश निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन	३००	४००	५००	६००	७००	
		१.२.६	न्यायिक समिति लैङ्गिक भेदभाव विरुद्ध न्याय सम्पादन तालिम	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.२.७	महिलाको स्वामित्वमा अचल सम्पत्ति वृद्धि गर्न स्थानीय ऐन कानून संशोधन	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.८	एकल महिला आत्मनिर्भर कार्यक्रम व्याज अनुदान		१८०				
		१.२.९	महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी वडास्तरीय महिला सेल अभिमुखीकरण	४००	४१०	४२०	४३०	४४०	
		१.२.१०	महिला सुरक्षा गृहको निर्माण			१५००			
		१.२.११	महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना			५००	६००	७००	
		१.२.१२	उच्च शिक्षा बालिका बीमा कार्यक्रम			८००			
		१.२.१३	सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरूको अध्ययन तथा परामर्श सेवा			१००	१५०	२००	
		१.२.१४	महिला बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम अभिमुखीकरण	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.२.१५	लैङ्गिक हिंसा राहत कोषको स्थापना			१५००			
१.३	१.३.१	गाउँपालिकामा “जेष्ठ नागरिक सहयोग कक्ष” गठन तथा दिवा सेवा केन्द्र					१५००		
		१.३.२	जेष्ठ नागरिक वडास्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.३.३	वडास्तरीय जेष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण				१२५०		
		१.३.४	जेष्ठ नागरिक योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन		२००	२२०	२४०	२६०	
		१.३.५	जेष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम सञ्चालन		१००	११०	१२०	१३०	
		१.३.६	जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन परिवहन अनुदान	२००	२५०	३००	३५०	४००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.३.७	जेष्ठ नागरिक किर्तन तथा मनोरञ्जन मण्डली गठन तथा वाद्ययन्त्र अनुदान			९००			
		१.३.८	८० वर्ष नाघेका जेष्ठ नागरिकलाई सु-आहारा कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.३.१०	<b>“हाम्रा अभिभावक र हाम्रा सन्तानसँग हामी कार्यक्रम” संचालन</b>	७०	८०	९०	१००	११०	
	१.४	१.४.१	सम्पूर्ण अपाङ्गता भएकाहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन						
		१.४.२	अपाङ्गता परिचय पत्र वितरण	३०	४०	४०	४०	४०	
		१.४.३	अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाका समस्या बुझ्न अध्ययन	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.४.४	टिबलचेयर आवश्यक तर नपाएका अपाङ्गको लागि टिबलचेयर खरिद	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.४.५	विशेष क्षमता भएका अपाङ्ग लक्षित कलाकारिता, आय आर्जन तथा सिप विकास तालिम			१०००			
		१.४.६	पूर्ण अपाङ्गहरूलाई जीवन निर्वाह भत्ता	८०	१००	१२०	१४०	१६०	
		१.४.७	अपाङ्गता विशेष रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.४.८	सार्वजनिक भौतिक निर्माणमा अपाङ्गमैत्री बनाउन मापदण्ड परिमार्जन		४००	४००	५००	६००	
		१.४.९	अपाङ्ग नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन		५०				
		१.४.१०	जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई विशेष छात्रवृत्ति अनुदान	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.४.१०	अपाङ्गता भएका व्यक्तीका लागि Day Care Center निर्माण तथा व्यवस्थापन						
		१.४.११	अपाङ्गता भएका कलाकारलाई विशेष प्रोत्साहन अनुदान	२००	३००	३००	४००	४५०	
	१.५	१.५.१	सीमान्तकृत तथा मूल प्रवाहिकरणमा छुटेका वर्गको स्थितिपत्र प्रकाशन	१००	१००	१२०	१४०	१६०	
		१.५.२	आदिवासी, जनजाती लगायतका वर्गको सांस्कृतिक पहिचान सम्बन्धी अध्ययन गरी पार्श्वचित्र प्रकाशन	३०	४०	५०	६०	७०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		१.५.३	आदिवासी लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		१.५.४	लक्षित वर्ग अभिभावक शिक्षा तथा शैक्षिक सामग्री वितरण	७०	८०	९०	१००	११०	
		१.५.५	छुवाछुत र सामाजिक भेदभाव न्यूनिकरण विशेष न्यायिक समिति तालिम	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.५.६	लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.५.७	लोपोन्मुख भाषा तथा लिपि अध्ययन परामर्श	६०	७०	८०	९०	१००	
		१.५.८	सामाजिक अन्तरघुलन कार्यक्रम	४०	६०	८०	१००	१२०	
		१.५.९	दलित महिलाहरुलाई सहकारीमा आवद्धताका लागि विशेष कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.५.१०	दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम	४०	५०	६०	७०	८०	
		१.५.११	दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको स्थापना			१४०			
		१.५.१२	महिला जनप्रतिनिधीहरुलाई क्षमता विकास तथा नेतृत्व विकास सम्बन्धी तालिम तथा कार्यक्रम	१४०	१४०	१४०	१४०	१४०	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ महिला सचेतनामा वृद्धि हुने छ ।
- ✓ सरकारी सेवा तथा उच्चम व्यवसायमा महिला विपन्न र सीमान्तकृतको उपस्थिति बढ्ने छ ।
- ✓ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुका कठिनाइहरु न्यूनिकरण हुने छ ।
- ✓ सामाजिक, भेदभाव तथा थिचोमिचोमा कमी आउने छ ।
- ✓ जेष्ठ नागरिकको उचित सुरक्षा र सम्मानको प्रबन्ध हुने छ ।

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता सामाजिक समावेशीकरण</b>					
१	प्रतिफल	गाउँपालिकामा महिला उद्यमीहरूको	संख्या		
२	प्रतिफल	पूर्णरूपमा आत्मनिर्भर एकल महिलाको संख्या (प्रतिशतमा बढाउँदै लैजाने)	प्रतिशत		
३	प्रतिफल	अन्तरजातीय विवाह (बढाउँदै लैजाने)	संख्या		
४	प्रतिफल	जेष्ठ नागरिक सत्सङ्ग केन्द्र	संख्या		
५	असर	लैङ्गिक समानतालाई प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने बजेटको (१.ख.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६	असर	सामाजिक सुरक्षामा योजनामा समावेश भएका नागरिक	प्रतिशत		
७	असर	सामाजिक सुरक्षा खर्चमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
८	असर	आधार वर्षको तुलनामा न्यायिक समितिमा उजुरीको (प्रतिशतले घटाउँदै लैजाने)	प्रतिशत		
९	असर	विगत १२ महिनामा शारीरिक, मनोवैज्ञानिक लैङ्गिक तथा यौनजन्य हिंसामा परेका जनसंख्या (संख्यामा) घटनाको आधारमा (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१०	असर	दर्ता गरिएका सम्बन्ध विच्छेद संख्या (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
११	असर	उमेरअनुसार १८ वर्षको उमेरसम्म यौनहिंसाको अनुभव गरेका १८ देखि २९ वर्ष उमेरका युवती र युवकहरूको अनुपात (१६.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१२	असर	निर्णय-निर्माण समावेशी र जवाफदेही भएको विश्वास गर्ने जनसंख्याको अनुपात (लिङ्ग, उमेर, अपाङ्गता र जनसाङ्ख्यिक समूहअनुसार) (१६.७.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१३	असर	सार्वजनिक निकायहरूको नीतिनिर्माण पदहरूमा रहेका महिलाहरूको अनुपात (१६.७.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१४	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका जनजातिको प्रतिशत	प्रतिशत		
१५	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका आदिवासीको प्रतिशत	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१६	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका मुस्लिमको प्रतिशत	प्रतिशत		
१७	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका पिछडा वर्गको प्रतिशत	प्रतिशत		
१८	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका अल्पसंख्यकको प्रतिशत	प्रतिशत		
१९	असर	आफ्नो जीवनकालमा शारीरिक/यौनहिंसा अनुभव गरेका र दर्ता गरिएका घटना १५ देखि ४९ वर्षसम्मका महिलाहरूको (प्रतिशत) (५.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२०	प्रतिफल	महिला, किशोरी तथा बालबालिकाहरूको बेचबिखन (सङ्ख्या) (५.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
२१	असर	विवाहित वा वैवाहिक मिलनमा रहेका १५ देखि १९ वर्ष उमेरका महिलाहरू (प्रतिशत) (५.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२२	असर	श्रमशक्तिमा महिला र पुरुषको सहभागिताको अनुपात (५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२३	असर	महिलाले घरायसी काममा खर्चेको औसत समय/घण्टामा (५.४.१.२) (प.दि.वि.ल.)	घण्टामा		
२४	असर	महिला सीप विकास तालिम संख्या	संख्या		
२५	असर	छात्रामैत्री शौचालय प्रयोगकर्ता छात्रा	प्रतिशत		
२६	असर	महिला सेल संख्या	संख्या		
२७	असर	महिला जागरण र अभिमुखिकरण कार्यक्रम	संख्या		
२८	असर	अनिवार्य बुहारी शिक्षा अन्तर्गत समेटिएका छात्रा	संख्या		
२९	असर	महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम	संख्या		
३०	असर	लघु उद्यम ब्याज अनुदानबाट लाभान्वित महिला संख्या	संख्या		
३१	असर	सरकारी सेवा प्रवेश निशुल्क तयारी कक्षाबाट लाभान्वित महिला	संख्या		
३२	असर	महिला भेदभाव विरुद्धमा उजुरी फछ्यौट संख्या (न्यायिक समिति)	संख्या		
३३	असर	महिला सुरक्षा गृह	संख्या		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
३४	असर	महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र	संख्या		
३५	असर	उच्च शिक्षा बालिका बीमा कार्यक्रम	संख्या		
३६	असर	बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध अभिमुखिकरण कार्यक्रम संख्या	संख्या		
३७	असर	जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर	संख्या		
३८	असर	जेष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र	संख्या		
३९	असर	जेष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम	संख्या		
४०	असर	जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन	संख्या		
४१	असर	जेष्ठ नागरिक मनोरञ्जन तथा किर्तन मण्डली	संख्या		
४२	असर	जेष्ठ नागरिक (८० वर्ष माथि) सूआहारा कार्यक्रम	संख्या		
४३	असर	अपाङ्गता परिचयपत्र प्राप्त अपाङ्ग	संख्या		
४४	असर	जटिल अपाङ्गता भएका आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गरिएका विद्यार्थी संख्या	संख्या		
४५	असर	व्हिल चेयर प्राप्त अपाङ्ग	प्रतिशत		
४६	असर	अपाङ्ग लक्षित आय आर्जन कार्यक्रम			
४७	असर	जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त गर्ने पूर्ण अपाङ्ग	(प्रतिशत)		
४८	असर	अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक संरचना संख्या			
४९	असर	अपाङ्ग नागरिक सरोकार मञ्च	संख्या		
५०	असर	आदिवासी जनजाती विशेष पार्श्वचित्र अध्ययन तथा अनुसन्धान	संख्या		
५१	असर	अल्पसंख्यक अनुदान	संख्या		
५२	असर	सिमान्तकृत वर्ग विशेष सरकारी प्रवेश निशुल्क कक्षाबाट लाभान्वित संख्या	संख्या		
५३	असर	भेदभाव न्यूनिकरण जनचेतनामूलक कार्यक्रम संख्या	संख्या		
५४	असर	लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम	संख्या		
५५	असर	लोपोन्मुख जाती तथा भाषा सँस्कृति विशेष कार्यक्रम	संख्या		
५६	असर	दलित विपन्न छात्रवृत्तिबाट लाभान्वित संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
५७	असर	दलित विशेष परम्परागत सीप विकास तालिम	संख्या		
५८	असर	गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय संसद्मा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
५९	असर	गाउँपालिका प्रादेशिक संसद्मा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६०	असर	स्थानीय सरकारका तहहरूमा प्रतिनिधित्व (Bodies) (प्रतिशत) (५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६१	असर	निजी क्षेत्रको निर्णायक तहमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६२	असर	सहकारी क्षेत्रमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६३	असर	सार्वजनिक सेवाका नीतिनिर्माणका पदहरूमा रहेका महिला (कुल कर्मचारीहरूमध्ये महिलाको प्रतिशत) (५.५.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६४	असर	व्यावसायिक र प्राविधिक कामदारहरूमा महिला-पुरुषको अनुपात (Ratio of women to men) (प्रतिशत) (५.५.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६५	असर	यौन सम्बन्ध, परिवार नियोजनका साधनहरूको प्रयोग र प्रजनन स्वास्थ्य हेरचाह सम्बन्धमा सुसूचित भएर आफैले निर्णय गर्ने १५ देखि ४९ वर्ष उमेरका महिलाहरूको अनुपात (५.६.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६६	प्रतिफल	महिलाहरूको अचल स्वामित्व भएका उद्यमहरूको सङ्ख्या (५.क.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६७	प्रतिफल	महिलाहरूको सम्पत्तिमाथिको स्वामित्व (जमिन र घर) (५.क.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६८	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहका इन्टरनेट प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६९	असर	मोबाइल प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

## (आ) बालबालिका तथा किशोरकिशोरी

### पृष्ठभूमि

बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई भविष्यका कर्णधारको रूपमा लिइन्छ। किनकि हालको बालबालिकाको समग्र अवस्थाले भोलि राष्ट्र निर्माण तथा समाज निर्माणमा जिम्मेवार हुने मानव संशाधन कस्तो हुनेछ भन्ने निर्धारण गर्दछ। त्यसकारण नेपालको संविधानले बालबालिकाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरी बालअधिकार संरक्षण राज्यको अनिवार्य दायित्व भित्र राखेको छ भने स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५ तथा दिगो विकास लक्ष्य समेत बालबालिका तथा किशोरकिशोरीमाथि हुने सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्नेतर्फ लक्षित रहेको छ। तसर्थ बालबालिकाको उचित हेरचाह, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य जस्ता विषयहरू बाल

अधिकारका अर्थात् नागरिक दायित्व र जिम्मेवारीका मात्र विषय होइनन्, यी विषय आज हामीले भोलिको समाज र राष्ट्र निर्माणमा गरिने बृहत लगानीसँग गाँसिएका विषयहरू हुन् । यस गाउँपालिकामा बालबालिकालाई परीक्षण गरी पोषण भत्ता तथा लागूऔषध दुर्व्यसनी विरुद्धका कार्यक्रमहरू संचालनमा रहेका छन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार कुल ४४,६९४ जनसंख्या मध्ये ९४ वर्ष उमेरसम्मका बालबालिकाको संख्या ९४,६८३ अर्थात् ३२.९९ प्रतिशत रहेको छ । यो जनसांख्यिक हिसाबले जनसंख्याको ठूलो हिस्सा मानिन्छ । बालबालिकाको संख्या धेरै हुनुले राज्यले ठूलो रकम यी बालबालिकाको हेरचाह, स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषणमा खर्च गर्नुपर्ने हुन्छ । बालबालिकाहरू स्वास्थ्य तथा पोषणका हिसाबले समेत पूर्ण सुरक्षित राख्नु गाउँपालिकाको दायित्वभित्र पर्दछ ।

## समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
गाउँपालिकामा बाल उद्यान निर्माण तथा बालमैत्री कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन हुन नसकेको ।
बालबालिका तथा किशोरकिशोरी परम्परागत हिंसा तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत हुने हिंसाका कारण संवेदनशील अवस्थामा रहेका ।
सरकारले बालबालिकाको क्षेत्रमा गरेको लगानि पर्याप्त र प्रभावकारी नभएको ।
विपन्नताका कारण धेरै बालबालिकाहरू आधारभूत आवश्यकता र अधिकारबाट वञ्चित हुनुपरेको ।
बालबालिकालाई उचित शिक्षा, पोषण र स्वास्थ्यको पूर्ण ग्यारेन्टी गर्न नसकिएको ।
बालबालिकाको उचित स्याहार र अधिकारको प्रत्याभूति गर्नु चुनौती र जिम्मेवारी रहेको ।
समयमै बालबालिका सवालहरूको सम्बोधन गर्न नसके भोलिको भविष्य अनिश्चित र अन्धकार हुने जोखिम रहेको ।

## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
गाउँपालिकाले बालबालिकाको सहभागितालाई सुनिश्चित गर्न बालकोषको स्थापना गर्ने नीति लिएको ।
संविधान प्रदत्त बालबालिकाको मौलिक हक अधिकार संरक्षणको दायित्व स्थानीय सरकार सामु आएको ।
राष्ट्रिय, प्रादेशिक र दिगो विकास लक्ष्यका नीति, कानून, संस्थागत संयन्त्र, योजना तथा कार्यक्रमहरूमा बालबालिकालाई प्राथमिकतामा राखिएको ।
बालअधिकार संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि बाल अधिकार तथा बालमैत्री स्थानीय शासनको अवधारणा आएको ।
गाउँपालिकाको ठूलो हिस्सा बालबालिका भएकोले उनीहरूको राम्रो हेरचाह गर्न सबै भविष्यका लागि असल समाज र नागरिक निर्माण गर्न सकिने ।
स्थानीय सरकारले बाल सरोकारका विषयलाई आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा महत्व दिने गरेका ।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
नैसर्गिक अधिकार पूर्ण बालमैत्री समाज
<b>लक्ष्य</b>
बालबालिकाको, अधिकार अन्तर्गत स्वास्थ्य, पोषण, उचित स्याहार र शिक्षाका आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्ने
<b>उद्देश्यहरू</b>
✓ बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु

उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१ बाल अधिकार सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने	१.१.१ बाल अधिकार र बालबालिकामा गरिने लगानीका सम्बन्धमा अभिभावकहरूलाई सचेत बनाउने कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.२ बालबालिकाहरू स्वयंलाई बालबालिकाका आवश्यकता र अधिकारका विषयमा सचेत तुल्याउन विद्यालय पाठ्यक्रम बाहेक स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.३ बालमैत्री स्थानीय शासन (CFLG) कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने हेतुले गाउँपालिकाका समग्र बालबालिकाको वस्तुगत अवस्थाबारे अध्ययन गरी बालबालिका स्थितिपत्र तयार पारिने छ ।
	१.१.४ विशेष अवसर (बाल दिवस) मा सप्ताहव्यापि बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन गरिने छ ।
१.२ अतिविपन्न तथा विशेष संरक्षण आवश्यक असहाय बालबालिका केन्द्रित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१.२.१ गाउँपालिकामा वर्षभरी खान लगाउन नपुग्ने अतिविपन्न परिवारका तथा असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयार पारिने छ ।
	१.२.२ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बेचबिखन तथा ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.२.३ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बालबालिका बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध वडास्तरीय नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.४ जोखिमपूर्ण काम, बालश्रम, बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध सुरक्षा निकाय, नागरिक समाज, बाल अधिकारकर्मी र स्थानीय जनप्रतिनिधी सम्मिलित निगरानी सेल गठन गरिनेछ ।
१.३ बालअधिकार सम्बन्धी नीतिगत सुधार तथा व्यवस्था	१.३.१ गाउँपालिकालाई सडक बालबालिका र बालश्रम मुक्त घोषणा गर्न गृहकार्य गरिने छ ।
	१.३.२ सबै प्रकारका बाल हिंसा विरुद्ध आवाज उठाउन सञ्चार माध्यम सामाजिक सञ्चालन तथा सरकारी र गैर सरकारी संस्थाको सहयोग लिइने छ ।
	१.३.३ बालक्लव स्थापना र तीनको प्रभावकारीता वृद्धि गर्न बालबालिकालाई Motivational तथा नेतृत्व विकास तालिम प्रदान गरिने छ ।
	१.३.४ बालबालिका विरुद्ध हुने हिंसा तथा शोषणका कृयाकलाप नियन्त्रण गर्न एक बाल हेल्पलाइन सेवा सञ्चालन गरिने छ ।
	१.३.५ वडास्तरीय एक बाल उद्यान निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ ।
	१.३.६ बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.७ उपप्रमुखको सिफारिस वा तोके बमोजिम कार्यपालिकाको सदस्यको अध्यक्षतामा गाउँस्तरीय बालअधिकार संञ्जाल समिति गठन गरिने छ ।
	१.३.८ बाल अधिकार संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न एक जना बालकल्याण अधिकारी नियुक्त गरिने छ ।
	१.३.९ स्थानीयस्तरमा बाल मनोविज्ञानको रूपमा काम गर्न चाहने व्यक्तिले तोकिए बमोजिमको योग्यता पुरा गरी स्थानीय बाल अधिकार समितिमा सूचीकृत हुने प्रावधान लागू गरिने छ ।
	१.३.१० बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७५ को दफा ६३ बमोजिम बालबालिकालाई तत्काल संरक्षण, उद्धार, राहत र पुनर्स्थापना गर्न तथा क्षतिपूर्ति प्रदान गर्न एक बालकोष निर्माण गरिने छ ।

## बालबालिकाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बाल अधिकारसम्बन्धी अभिभावक सचेतना कार्यक्रम	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.१.२	स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.१.३	बालबालिकाको वस्तुगत स्थितिपत्र तयारी		२००				
		१.१.४	विशेष अवसर (बाल दिवस) मा सप्ताहव्यापि बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०	
	१.२	१.२.१	अतिविपन्न, असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयारी		२००				
		१.२.२	अति विपन्न तथा असहाय बालबालिकाको, शिक्षा स्वास्थ्य र पोषणको प्रबन्ध	६०	६५	७०	८०	८५	
		१.२.३	बेचबिखन र ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन	१५०					
		१.२.४	बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध वडास्तरीय चेतनामूलक कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.५	बेचबिखन र ओसारपसार निगरानी सेल गठन संचालन तथा व्यवस्थापन		२००	२००	२००	२००	
	१.३	१.३.१	सडक बालबालिका र बालश्रम मुक्त गाउँपालिका घोषणा				४००		
		१.३.२	बालशोषण र बाल हिंसा विरुद्ध जनचेतना अभियान	८०	८५	९०	९५	१००	
		१.३.३	बालकलबमा आवद्ध बालबालिकाको नेतृत्व विकास तालिम	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		१.३.४	बालहेल्पलाइन सञ्चालन			३००			
		१.३.५	बाल उद्यान सम्भाव्यता अध्ययन		१२०				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.३.६	बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.३.७	स्थानीय बालअधिकार समिति गठन			३००			
		१.३.८	बाल कल्याण अधिकारी नियुक्ति						
		१.३.९	स्थानीय बालअधिकार समितिमा सूचिकृत हुने प्रावधान						
		१.३.१०	बालकोष निर्माण			१२००			

### अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ बालमैत्री समाजको निर्माण हुने छ ।
- ✓ आधारभूत बाल अधिकारको सुनिश्चितता हुने छ ।
- ✓ अति विपन्न र असहाय बालबालिकाहरू सुरक्षित हुने छन् ।
- ✓ बालमैत्री स्थानीय शासनको अभ्यास सफल हुने छ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>बालबालिका</b>					
१	प्रतिफल	बितेको १२ महिनामा आफ्नो हेरचाह गर्ने व्यक्तिबाट कुनै प्रकारको मनोवैज्ञानिक वा शारिरीक आक्रमण वा त्राश भोगेको १ देखि १७ वर्ष सम्मको बालबालिका संख्या (१६.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
२	प्रतिफल	स्थानीय पञ्जिकरण इकाइमा दर्ता भएका ५ वर्ष मूनिका बालबालिका (१६.९.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
३	प्रतिफल	(५ देखि १७ वर्ष) बाल श्रमिकको (संख्या) (८.७.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
४	प्रतिफल	बालश्रमिकहरू (घटाउँदै लैजाने)	संख्या		
५	प्रतिफल	असहाय बालबालिका (संख्या)	संख्या		
६	प्रतिफल	पुर्नस्थापित बालबालिका संख्या	संख्या		
७	प्रतिफल	विद्यालय जान नपाएका बालबालिकाको संख्या	संख्या		
८	असर	भारत लगायतका मुलुकमा तथा घरेलु कामदारको रुपमा प्रतिवर्ष हुने बालबालिका बेचबिखन सूचना संख्या (१६.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
९	प्रतिफल	बालगृह संख्या	संख्या		
१०	प्रतिफल	बाल सुरक्षा/संरक्षण गृह	संख्या		
११	प्रतिफल	बाल विवाह संख्या	संख्या		
१२	प्रतिफल	बाल उद्यान संख्या	संख्या		
१३	प्रतिफल	पोषण सुनिश्चित गरिएका असहाय अति विपन्न बालबालिका	संख्या		
१४	असर	जोखिमपूर्ण काममा संलग्न बालबालिका (८.७.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१५	प्रतिफल	बालबालिका केन्द्रित वार्षिक बाल कार्यक्रम	संख्या		

## ५.५ युवा तथा खेलकुद

### पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ अनुसार १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ । जहदा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका भित्र १६ देखि ४० वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १०,३३३ अर्थात् २३.१६ प्रतिशत रहेको छ । देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै यी युवाहरू हुन् । युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन् । काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांश हो । यस गाउँपालिकामा जहदा आदर्श युवा क्लव, नमबुद्ध युवा क्लव, सरस्वती युवा क्लव, राइजिङ्ग सक्रिय युवा क्लव, लक्ष्मीनियाँ युवा क्लव, उज्वल भविष्य युवा क्लव, पोखरिया युवा क्लव जस्ता युवा क्लवहरू सक्रिय रूपमा संचालनमा रहेका छन् ।

व्यक्तिको सर्वाङ्गिक विकासमा खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । अनुशासन, राष्ट्रिय भाइचारा प्रदर्शन गरी शारीरिक तन्दुरुस्ती कायम गर्न खेलकुद विकासको अहम् महत्व रहेको हुन्छ । सोही अनुसार गाउँपालिकाको वडा नं. ३ मा भातिगछ, खेलमैदान रहेको छ भने वडा नं. ४ मा ३ विगाहा क्षेत्रफलमा फौलिएको सार्वजनिक खेलमैदान रहेको छ । गाउँपालिकाले खेलकुद क्षेत्रको विकासका लागि खेलकुद पूर्वाधार विकासमा जोड दिँदै एक राष्ट्रिय स्तरको खेलमैदानका लागि वडा नं. ४ को ऐलानी सरकारी जग्गामा तयार गरिएको विस्तृत योजना प्रतिवेदनको आधारमा बहुउपयोगि खेलकुद मैदानको विकास कार्य अघि बढाउने नीति लिएको छ ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
गाउँपालिकामा युवा लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको
गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको
प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवामैत्री हुन नसकेको
युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको
गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निराश, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको
कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भ्रैभगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको
गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको
गाउँपालिकामा भएका खेल मैदान, पार्क तथा पिकनिक स्थल व्यवस्थित एवं पूर्वाधारयुक्त हुन नसक्नु ।
गाउँपालिकामा खेलकुदको विकास गर्न स्थानीय स्तरमा खेलकुद प्रशिक्षकको अभाव हुनु ।
सीमित बजेटका कारण गाउँपालिकाले खेलकुद तथा मनोरञ्जनमा यथोचित लगानी गर्न नसक्नु ।
व्यवस्थित खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो आकारको बजेटको व्यवस्थापनको चुनौती रहेको ।
भौगोलिक अवस्थिति सहज हुँदाहुँदै पनि एकीकृत खेलकुद जागरण अभावका कारण खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्न चाहेजति सहज र चुस्त रूपमा विकास गर्न कठिन रहेको ।
खेलकुदलाई व्यवसायीकरण गर्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा खेलाडीहरू समावेश गराउन कठिन परिस्थिति रहेको ।
ऐतिहासिक, पर्यटकीय तथा धार्मिक महत्वका क्षेत्रहरूमा पार्क, वनभोज स्थल आदिको विकास गर्न कठिन ।



## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको</li> <li>गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको</li> <li>युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने</li> <li>नियमित रूपमा खेलकुद तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधिका लागि रंगशाला, खेलकुद मैदान तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधीहरूलाई प्राथमिकतामा राखेर निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्न सकिने</li> <li>गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने</li> <li>गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रसंग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आवद्ध गराउन सकिने</li> <li>गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने</li> <li>उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने</li> </ul>

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
शारीरिक र मानसिक रूपमा स्वस्थ, श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष मानव संसाधन निर्माण
लक्ष्य
गाउँपालिकाको युवा जनसंख्याको शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्यका लागि आधारभूत खेलकुद र मनोरञ्जनका पूर्वाधार विकास गरी उनीहरूलाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमुखि बनाउने
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु</li> <li>✓ खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु</li> </ul>

## उद्देश्य १ : श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने	१.१.१ गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमिबारे स्थितिपत्र तयार पारिने छ ।
	१.१.२ गाउँपालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिने छ ।
१.२ दक्ष र सिपयुक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने	१.२.१ युवा स्थितिपत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुचि र भुकाव अनुसार नियमित सिप विकास रोजगारीमूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिने छ ।

**उद्देश्य १ : श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.२ समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.३ गायन, वाद्यवादन, नृत्य , कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय सांस्कृतिक समितिमा आवद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिने छ ।
	१.२.४ कुनैपनि युवालाई बेरोजगार नराख्न प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत उनीहरूलाई समेटि गाउँघरमा आवश्यक अर्धदक्ष कामहरू जस्तै इलेक्ट्रिसियन, प्लम्बिङ, कृषि श्रम, निर्माण आदिका लागि विशेष तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.५ गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवा क्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिकास्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ ।
	१.२.६ यस प्रकारका युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसंग साक्षात्कार गरी युवा क्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ ।
	१.२.७ कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोच्याउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.८ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.९ जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाई भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसि र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ खेलकुद पूर्वाधारको प्रबन्ध गर्ने	२.१.१ विद्यालयहरूको स्तर अनुसार खेल मैदानको प्रबन्ध गरिने छ ।
	२.१.२ विद्यालयहरूमा न्यूनतम खेल सामग्रीको प्रबन्ध गरिने छ ।
	२.१.३ एक वडा एक खेल मैदानको व्यवस्था गरिने छ ।
	२.१.४ वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति गठन गरिने छ ।
	२.१.५ समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने मर्मलाई आत्मसाथ गराउन युवा क्लबहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.१.६ खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन अगाडी बढाइनेछ

उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसि र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.७ विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माणमा जोड दिइनेछ
	२.१.८ सामुदायिक विद्यालय मध्ये ५ विघा बढी जग्गा भएको एउटा विद्यालयमा खेलकुदका पूर्वाधार निर्माण गुरुयोजना तयार गरिनेछ ।
२.२ खेलाडी पहिचान तथा प्रशिक्षण	२.२.१ गाउँपालिकास्तरीय सम्पूर्ण खेलाडीहरूको विवरण तयार पारिने छ ।
	२.२.२ खेल अनुसार खेलाडी समूह छुट्याई वडास्तरीय खेलकुद समिति मार्फत प्रशिक्षण/तालिम प्रदान गरिने छ ।
	२.२.३ राष्ट्रिय खेलमा भाग लिने खेलाडीहरूलाई विशेष तयारी प्रशिक्षण सञ्चालन गर्न कोषको व्यवस्था गरिने छ ।
२.३ खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने	२.३.१ स्थानीय तह र प्रदेशस्तरमा आयोजना हुने खेलहरूमा सहभागी हुन खेलाडी प्रशिक्षण सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.२ अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिने छ ।
	२.३.३ वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिने छ ।
	२.३.४ कुनै पनि खेलकुदसँग सम्बन्धित संघसंस्थाले गाउँपालिकाभिन्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद आयोजना गर्न चाहेमा साभेदारीमा खेल सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
२.४ स्थानीय स्तरमा गर्न सकिने मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापको अध्ययन गरी व्यवस्थित गर्ने	२.४.१ स्थानीय जातजाति, धर्म, सम्प्रदायहरूमा प्रचलित कला, कौशल, गायन, नृत्य आदिको पूर्ण विवरण तयार गरी तिनीहरूको जगेर्ना र सान्दर्भिकता बारे अध्ययन गरिने छ ।
	२.४.२ ठूलो संख्याका मानिसहरूलाई सामूहिक रूपमा मनोरञ्जन प्रदान गर्ने प्रकारका स्थानीय जात्रा, मेला, हाट, नौटङ्की, नाटक, गीत, वाद्यवादन, नृत्य, जादु, कला, कौशल, आदिलाई संस्थागत गर्न सम्भावना अध्ययन गरिने छ ।
	२.४.३ वनभोज स्थलहरूलाई व्यवस्थित गर्न वडास्तरीय रूपमा रहेका पार्क तथा मनोरञ्जन स्थलहरूको स्तरोन्नती गर्ने ।
	२.४.४ एक वडा एक पार्क अभियान सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा सघन वस्तीलाई पायक पर्ने स्थानमा मनोरञ्जन पार्कको स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिन्छ ।

## युवा तथा खेलकुदको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	युवा स्थितिपत्र तयार पार्ने	३००					
		१.१.२	रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार पार्ने		३००				
	१.२	१.२.१	रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमुखीकरण तालिम	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.२	युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम	८०	८५	९०	९५	१००	
		१.२.३	युवा कलाकारीता तालिम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.४	प्रधानमन्त्री रोजगार विशेष तालिम						
		१.२.५	गाउँपालिकास्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ ।			३००			
		१.२.६	युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसंग साक्षात्कार गर्ने	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.२.७	कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोचाउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन		३००			३५०	
		१.२.८	युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनिहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.२.९	वेरोजगार तथा अर्ध वेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान तथा सवलिकरण कार्यक्रम सञ्चालन						
२.	२.१	२.१.१	विद्यालय स्तरीय खेल मैदान मर्मत सम्भार	५००	६००	७००			
		२.१.२	विद्यालय खेल सामग्री खरिद	४००	४००	४००	४००	४००	
		२.१.३	वडास्तरीय खेल मैदान निर्माण	१०००			१२००		
		२.१.४	वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति निर्माण			१००			
		२.१.५	“समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद” कार्यक्रम सञ्चालन	१२०		१३०		१४०	
		२.१.६	खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन						

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.१.७	विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माण						
		२.१.८	सामुदायिक विद्यालय मध्य ५ विघा बढी जग्गा भएको एउटा विद्यालयमा खेलकुदका पूर्वाधार निर्माण गुरुयोजना तयार		५००		५००		
	२.२	२.२.१	खेलाडीको व्यक्तिगत विवरण तयारी	४०	४५	५०	५५	६०	
		२.२.२	खेलाडी प्रशिक्षण वडास्तरीय (नियमित)	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		२.२.३	खेलाडी प्रशिक्षण (राष्ट्रिय प्रतियोगितामा सहभागी हुन)	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		२.२.४	खेल प्रशिक्षक तालिम	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.३	२.३.१	खेलाडी प्रशिक्षण -प्रादेशिक र स्थानीय तह)	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		२.३.२	अन्तरविद्यालय वार्षिक खेलकुद Tournament	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		२.३.३	वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		२.३.४	खेलकुदसंग सम्बन्धित संघसंस्थासँग साभेदारीमा गाउँपालिका भित्र राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद आयोजना	३००	३५०	४००	४५०	५००	
	२.४	२.४.१	स्थानीयस्तरमा हुने मनोरञ्जनात्मक गतिविधिको विवरण तयारी			१२०			
		२.४.२	परम्परागत मनोरञ्जनात्मक कृयाकलाप संस्थागत गर्ने कृयाकलाप			८०	९०	१००	
		२.४.३	बनभोजस्थल व्यवस्थापन गर्न वडास्तरीय पार्क सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		२.४.४	एक वडा एक मनोरञ्जन पार्क सम्भाव्यता अध्ययन		२००				

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम खेलकुद पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ खेलाडीहरू पहिचान भई क्षमता विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ स्थानीयस्तरमा प्रचलनमा रहेका मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापहरू संस्थागत हुनेछन् ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	युवा तथा खेलकुद				
	प्रतिफल	व्यायामशालाको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	सुविधा सम्पन्न खेलकुद रंगशालाको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	खेल मैदानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	थिएटर वा सिनेमा घरको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	बाल उद्यानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	पार्क तथा हरित उद्यानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित पिकनिक स्थलको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित पौडी पोखरीको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	जेष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	सांस्कृतिक तथा कला केन्द्रको संख्या	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.६ शान्ति सुरक्षा

### पृष्ठभूमि

गरिबी, सामाजिक विसंगति र अपराध मनोविज्ञानका कारण समाजमा विविध किसिमका अपराधिक घटनाहरू घट्ने गर्दछन्। यस्ता घटनाहरू न्यूनीकरण गर्न शान्ति, सुरक्षा र अमन चयनको प्रबन्ध राज्यले मिलाउने दायित्व हुन आउँछ। यसर्थ गाउँपालिकाले गाउँमा शान्ति सुरक्षा कायम गर्न प्रत्येक वडामा प्रहरी चौकीहरूको प्रबन्ध गर्नुपर्ने र आवश्यक सङ्ख्यामा दरबन्दी कायम गरी शान्ति सुव्यवस्था कायम गर्नु आवश्यक छ। गाउँपालिकाले प्रहरी चौकी विस्तार गर्न, सुरक्षा गस्तीको प्रबन्ध गर्न र नगर प्रहरीको संख्या निर्धारण गरि उचित तालिमको प्रबन्ध गर्न जरुरी रहेको छ। गाउँपालिकामा ईलाका प्रहरी कार्यालय बुधनगर, प्रहरी चौकी मभारे, सिमा प्रहरी चौकी पोखरिया जस्ता सुरक्षा निकायहरू रहेका छन्।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा छिटफुट रुपमा चोरी, भैँ भगडा, डकैती, हत्या, घरेलु हिंसा तथा बलात्कारका घटना हुने गरेका।
■ प्रविधिको अभाव तथा सूचना प्रवाह कठिनाइका कारण अपराधका घटनाहरूको यथार्थ लगत राख्न कठिन भएको।
■ गाउँपालिकाको सीमित बजेटका कारण सुरक्षा निकायको उपस्थिति सबै वडामा पुऱ्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण।
■ अपराधलाई लोकलाज अथवा डर त्रासका कारण लुकाई अपराधीलाई थप प्रोत्साहित हुने सम्भावना रहेको।
■ आत्महत्या नियन्त्रणका लागि मनोसामाजिक परामर्शदाता व्यवस्था गर्न तथा मनोरोगीको पहिचान र उपचार गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।
■ लागुऔषध नियन्त्रण चुनौतीपूर्ण रहेको।
■ निमुखा तथा सोभासाभा नागरिकको सुरक्षा प्रत्याभूत गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ आम नागरिकलाई स्वतन्त्रतापूर्वक हिंडुल गर्न तथा दैनिक कार्य सञ्चालन गर्न सुरक्षा चुनौती नभएको।
■ कुनै पनि बेला हुन सक्ने दुर्घटनाको तत्काल सम्बोधन गर्न सकिने।
■ घटना वा दुर्घटनाका बेला उद्धार सामाग्रीको पर्याप्त आपूर्ति गर्न सकिने।
■ अमनचयन तथा शान्ति सुरक्षाको अवस्थालाई जुभारु राख्न उपयुक्त कदमहरू चाल्न सकिने।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
शान्ति सुरक्षाका हिसाबले सुरक्षित गाउँपालिका
लक्ष्य
गाउँपालिकाबासिलाई शान्ति सुव्यवस्थाका हिसाबले पूर्ण सुरक्षित महसुस गराउने
उद्देश्यहरू
समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु

**उद्देश्य १ : समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सुरक्षा पूर्वाधारको विकास गर्ने	१.१.१ सुरक्षाका लागि प्रहरी चौकि स्थापना गर्नुपर्ने आवश्यकता भएका स्थानहरूको अध्ययन गरी सुरक्षा निकायसँग समन्वय गरिने छ ।
	१.१.२ आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरी विस्तार गरिने छ ।
	१.१.३ सुरक्षा गस्तीलाई आवश्यकता अनुरूप नियमित र अपराध संवेदनशील क्षेत्रमा सघन बनाइने छ ।
	१.१.४ मदिरापान, भिडभाड, होहल्ला भै भगडा हुने क्षेत्रमा सुरक्षा सर्तकता वृद्धि गरी सुरक्षा योजना निर्माण गरिने छ ।
	१.१.५ Hot Line सेवाको प्रवन्ध गरी तत्काल परिचालन हुने stand by force तयार पारिने छ ।
	१.१.६ विशेष उद्धार टोली निर्माण गरी तयारी अवस्थामा राखिनेछ ।
	१.१.७ व्यक्तिगत सुरक्षा र सूचना दिन प्रोत्साहन गर्ने हिसाबले विद्यार्थीसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.८ सघन वस्ती रहेका बजार क्षेत्रहरूमा आवश्यकताका आधारमा cctv जडान गरिने छ ।
	१.१.९ अपराध नियन्त्रण तथा सम्भावित अपराधिक क्रियाकलाप न्यूनीकरण गर्न समुदायसँग प्रहरी विशेष अभियान अन्तर्गत व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२ संस्थागत क्षमता विकासका कृयाकलाप सञ्चालन गर्ने	१.२.१ अपराध हुनु अगावै सूचना प्राप्त गर्न सक्ने गुप्तचर सेवालार्ई प्रभावकारी बनाउन तालिम र कार्ययोजना निर्माण गरिने छ ।
	१.२.२ नगर प्रहरीलाई संवेदनशीलताका आधारमा क्षमता विकास तालिम प्रदान गरिने छ ।



## शान्ति सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	प्रहरी चौकि विस्तार गर्न आवश्यक स्थानको विवरण तयार पार्ने		१२०				
		१.१.२	आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरीको दरबन्दी तय गर्ने		५००				
		१.१.३	सुरक्षा गस्तीको आवश्यक रुट र स्थान बारे अध्ययन गर्ने			२००			
		१.१.४	समग्र गाउँपालिका सुरक्षा योजना तयार गर्ने		५००				
		१.१.५	Hot Line सेवा सञ्चालन		५००				
		१.१.६	उद्धार संयन्त्र निर्माण			६००			
		१.१.७	विद्यार्थीसँग प्रहरी विशेष कार्यक्रम	८०	९०	१००	१२०	१४०	
		१.१.८	सघन बजार र वस्ती क्षेत्रमा CCTV जडान	३००	३२०	३४०	३६०	३८०	
		१.१.९	समुदायसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	१.२	१.२.१	गुप्तचर सेवा तालिम	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		१.२.२	नगर प्रहरी तालिम	३००	३५०	४००	४५०	५००	

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिका बासिन्दाहरू सुरक्षाका हिसाबले हुक्क छु भन्ने वातावरण श्रृजना भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	शान्ति सुरक्षा				
	प्रतिफल	प्रहरी बिटको संख्या	संख्या		
	असर	प्रति वर्ष हुने अपराधिक क्रियाकलापका घटनाहरू (घटाउँदै लाने)	प्रतिशत		
	असर	हत्या संख्या (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	प्रति सुरक्षाकर्मी जनसंख्या अनुपात	प्रतिशत		
	असर	दर्ता गरिएका यौनजन्य हिंसा	संख्या		
	असर	विगत १२ महिनामा शसस्त्र वा अन्य हिंसात्मक द्वन्दवाट भएको मृत्यु संख्या (१६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	नेपाल प्रहरी	संख्या		
	प्रतिफल	नेपाली सेना	संख्या		
	प्रतिफल	शसस्त्र प्रहरी	संख्या		
	प्रतिफल	नगर प्रहरी	संख्या		
	असर	मानव बेचबिखन संख्या	संख्या		
	असर	आफू बसेको क्षेत्र वरिपरि एकलै हिंडुल गर्ने आफूलाई सुरक्षित ठान्ने जनसंख्या प्रतिशत (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सिसिटिभी जडान संख्या	संख्या		

## ५.७ शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन

### पृष्ठभूमि

हरेक क्षेत्र तथा समुदायको आ-आफ्नो धर्म र संस्कृतिअनुसार शवदाहस्थल र चिहान व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण र संवेदनशील विषय र आवश्यकता पनि हो। भावनात्मक अर्थसमेत बोकेको यो विषयलाई कुनै पनि योजनाले समयमै सम्बोधन गर्नुपर्दछ। परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र चिहानलाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउनु पर्दछ। गाउँपालिकाभित्र जातिय तथा धार्मिक विविधता भएसंगै प्राकृतिक स्रोतका कारण शवदहन गर्न शहरी क्षेत्र तथा बजार क्षेत्र बाहेकका वडाहरूमा जाती तथा धर्म अनुसार शवदहन क्षेत्र रहेको छ। गाउँपालिकाबासीले वडा नं. २ मा वैरिया, हरिनगर कब्रस्थान, वडा नं. ३ मा सिंगिहा खोला आर्यघाट, जुडीखोला आर्यघाट, लोहन्द्रा खोला आर्यघाट, मिलनचोक आर्यघाट, वडा नं. ४ मा भुतनास्थान आर्यघाट, दोमुहान आर्यघाट, शिसौवारी आर्यघाट, वडा नं. ५ मा लक्ष्मिनिया आर्यघाट, मस्लिम वस्तीमा सामुहिक कब्रस्थान, वडा नं. ६ मा पोखरिया आर्यघाट, ऋषिदेव टोल आर्यघाटमा दाहसंस्कार गर्ने गरेका छन्। यद्यपि व्यवस्थित शवदहन तथा शव व्यवस्थापन भने गाउँपालिकाले यथाशिघ्र गर्नुपर्ने देखिन्छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा व्यवस्थित तवरले शवदाहस्थल तथा चिहानहरूको व्यवस्थापन भइनसकेको।
■ अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौति थपिएको।
■ शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापनका लागि सर्वस्वीकृत स्थलहरू किटान गर्ने चुनौती रहेको।
■ अन्तिम संस्कारका लागि सडक, विद्युत, बाटोघाटो, सञ्चार लगायतका पूर्वाधार विकास गर्न ठूलो आकारको बजेट चाहिने।
■ वातावरण मैत्री विद्युतीय शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन गर्न संस्कारगत तथा बजेटका हिसाबले चुनौतीपूर्ण।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाले पालिका भित्र उपयुक्त स्थानमा दाह संस्कार घाटको निर्माण तथा भएका घाटहरूको स्तरोन्नती गर्ने नीति लिएको।
■ गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न समुदायका आ-आफ्ना धर्म संस्कृति अनुरूपका शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन प्रति गाउँपालिका संवेदनशील भएको।
■ गाउँपालिकाले एकीकृत रूपमा भएका शवदाहस्थल एवमं चिहानलाई व्यवस्थित गर्ने तथा नभएका स्थानहरूमा उपयुक्त स्थलहरू पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने कार्यक्रम ल्याउन सक्ने।
■ शवदाहस्थल, चिहान तथा किरियापुत्री भवनको लागि आवश्यक सडक, विद्युत, सञ्चार लगायतका पूर्वाधारहरूको गाउँपालिकाले विकास गर्न सक्ने।
■ परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा आएका शवदाहस्थल तथा चिहानको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न सक्ने
■ वातावरणमैत्री विद्युतीय शवदाहस्थलको निर्माण गर्न सकिने।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
शवदाहस्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्ने

## लक्ष्य

भविष्यमा शवदाह तथा चिहान व्यवस्थापनको समस्यालाई पूर्णत सम्बोधन गर्ने र उचित प्रबन्ध गर्ने

## उद्देश्यहरू

- ✓ शवदाहस्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्नु

### उद्देश्य १ : शवदाहस्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सम्पूर्ण वडालाई समेटेर व्यवस्थित शवदाहस्थल र चिहानको पूर्वाधार तयार गर्ने	१.१.१ परम्परागत हिसाबले चलि आएका शवदाहस्थल र चिहानको व्यवस्थित नक्साङ्कन गरिने छ ।
	१.१.२ जनसंख्याको चापको आधारमा क्रमश शवदाहस्थललाई व्यवस्थित बनाउन डि.पि.आर तयार पारिने छ ।
	१.१.३ शवदाहस्थल, शवदहन गर्न जाने व्यक्तिहरूको लागि प्रतिकक्षालय तथा किरियापुत्री घर निर्माण र चिहान क्षेत्र तारबारको कार्य क्रमश अगाडि बढाइने छ ।
	१.१.४ अतिविपन्न नागरिकहरूलाई किरिया खर्च प्रदान गरिने छ ।
	१.१.५ महामारीका बेला हुने मृत्यु र शव व्यवस्थापना योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिने छ ।
	१.१.६ प्रत्येक वडालाई समेट्ने गरी आवश्यकताका आधारमा शव वाहन सेवा सञ्चालन गरिने छ ।

### शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	शवदाहस्थल तथा चिहानहरूको नक्साङ्कन		१५०				
		१.१.२	शवदाहस्थल डि.पि.आर			१५००			
		१.१.३	शवदाहस्थल तथा किरियापुत्रिघर निर्माण र चिहान क्षेत्र तारबार	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		१.१.४	किरिया खर्च व्यवस्थापन (अति विपन्न)	२००	२५०	३००	३५०	४००	
		१.१.५	माहामारी शव व्यवस्थापन योजना निर्माण				३५०		
		१.१.६	शव वाहन खरिद			१५००			

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा शवदाहस्थल तथा चिहानको उचित प्रबन्ध भएको हुने छ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन				
	प्रतिफल	व्यवस्थित शवदाह स्थल /चिहानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	शववाहनको संख्या	संख्या		

## ५.८ गरीबी निवारण

### पृष्ठभूमि

वि.सं. २०१३ साल देखि हालसम्म विकास योजनाहरूमा सबैभन्दा बढी देखापर्ने पेचिलो मुद्दाको रूपमा गरीबी निवारण रहेको छ। जति विकासका योजनाहरू बनेपनि गरीबी निवारण गर्न सकिएको छैन। दिगो विकास लक्ष्यको पहिलो लक्ष्य नै सन् २०३० सम्म सबै प्रकारको गरीबीको अन्त्य गर्ने भन्ने छ भने राष्ट्रिय लक्ष्य शून्यमा भार्न नसकिए पनि कुल जनसंख्याको ५ प्रतिशतमा सीमित गर्ने रहेको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०७७ का अनुसार आफ्नो कुल आम्दानीले वर्षभरिको खर्च धान्न नपुग्ने घरपरिवार ९.११ प्रतिशत रहेको छ। यसरी नियमित खर्च नै धान्न नसकेको घरपरिवारले विभिन्न व्यवस्था मिलाएर खर्च धानेको तथ्याङ्कले देखाउछ। जसमध्ये सबैभन्दा धेरै अर्थात् २६२ घरपरिवारले ज्याला मजदुरी गरेर आफ्नो खर्च धान्ने गरेको देखिन्छ।

नेपाल सरकारले गरीबी निवारण गर्न लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरूप गाउँपालिकाले बेरोजगार तथा युवाहरूको वास्तविक वस्तु स्थिति अद्यावधिक गरी कार्ययोजना बनाएर बेरोजगार तथा युवाहरूलाई रोजगारमूलक कार्यक्रममा समावेश गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ वास्तविक गरीबको पहिचान हुन नसकेको।
■ बाह्रै महिना खान नपुग्ने परिवार संख्या उल्लेख्य रहेको
■ सरकारको मूल कार्यक्रमहरूमा गरीब परिवारको वास्तविक पहुँच पुग्न नसकेको।
■ कृषि उद्योग, पर्यटन र अन्य व्यवसाय प्राय निर्वाहमुखि हुने गरेको।
■ शिक्षा र जनचेतनामा कमी रहेकोले गरीबी घटाउन कठिन र चुनौतीपूर्ण रहेको।
■ युवाहरू अवसर नपाएर विदेश पलायन हुनुपरेको।
■ विगतका गरीबी निवारणका कार्यक्रमहरू वास्तविक रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेको।
■ श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास हुन नसकेको।
■ रोजगारमूलक शिक्षाको उचित प्रबन्ध हुन नसकेको।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ गरीबी निवारणका कार्यक्रम तथा योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार स्थानीय तहको सरकारलाई प्राप्त भएकोले वास्तविक गरीब पहिचान गरी त्यसको निराकरण गर्न सहज हुने।
■ विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी सीपमूलक तालिम संचालन गरेको
■ बेरोजगारहरूलाई रोजगार दिनको लागि प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम संचालन गरेको।
■ खेतीयोग्य उर्वर जमिन पर्याप्त भएको, पर्यटन तथा उद्योगहरूको सम्भावना रहेकोले गरीबी निवारणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने अवसरहरू रहेको।
■ स्थानीय तहमै रोजगार केन्द्रको प्रबन्ध गरिएको।
■ गाउँपालिकाले गरीबी निवारणलाई प्राथमिकता दिएको।
■ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम जस्ता राष्ट्रिय नीतिहरू कार्यान्वयनमा आएको।

## सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- युवा उमेरको जनसंख्या अत्यधिक रहेको ।
- वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरूको सीपलाई गरीबी निवारणमा सदुपयोग गर्न सकिने ।
- रोजगारी श्रृजना, सिपमूलक तालिम आदिमा गाउँपालिकाले प्रत्यक्ष सहयोग गर्न सक्ने वैधानिक र नीतिगत आधार तयार भएको ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

ज्ञान, सिप र उच्चमशिलताको विकास गरी शुन्यमा झार्ने गरीबी

#### लक्ष्य

आगामी पाँच वर्षमा हालको गरीबीलाई पचास प्रतिशत कम गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ निरपेक्ष र बहुआयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

### उद्देश्य १ : निरपेक्ष र बहुआयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ गरीबी सम्बन्धी सूचना र तथ्याङ्क चुस्त दुरुस्त राख्ने	१.१.१ गाउँपालिकाभर गरीबीको परिभाषा भित्र पर्ने परिवार वा व्यक्तिको वास्तविक सूचना संकलन र अद्यावधिक गरिने छ ।
	१.१.२ बेरोजगारको तथ्याङ्क संकलन र अद्यावधिक गरिने छ ।
	१.१.३ गरीबीका प्रमुख कारण र गरीबीको सघनता भएका क्षेत्रहरूको पहिचान गरिने छ ।
	१.१.४ बहुआयामिक गरीबीको सूचकाङ्कमा परेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
	१.१.५ राष्ट्रिय गरीबीको रेखामुनि रहेको सबै महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
१.२ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१.२.१ निरपेक्ष गरीबीमा रहेको जनसंख्या लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चितताका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.२ गाउँपालिकाको अनुदानमा लक्षित गरीब घरपरिवारको स्वास्थ्य बीमा लगायत सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ विपन्न तथा सिमान्तकृत वर्गका लागि गरिब आवास कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.२.४ गाउँपालिकाभर रहेका अशक्त, असहाय, फकिर तथा राष्ट्रिय गरीबीको रेखामुनी रहेका सम्पूर्ण घरपरिवार तथा सडक मानवहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिने छ ।

उद्देश्य १ : निरपेक्ष र बहुआयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.५ अशक्त, असहाय तथा बेसहाराहरूलाई आश्रय स्थल तथा पोषणको प्रवन्ध गरिने छ ।
	१.२.६ बाढी, पहिरो, महामारी, प्रकोप लगायत विविध कारणबाट कुनै परिवारको आयआर्जन गर्ने मुख्य व्यक्तिको मृत्यु भएको र परिवारका अन्य सदस्यहरूको आयआर्जन गर्ने क्षमता नभएमा निजको परिवारलाई मासिक रूपमा निर्वाहको लागि अनुदान दिइनेछ ।
	१.२.७ भूमिहीन तथा सुकुम्बासीहरूलाई मापदण्डका आधारमा जग्गा उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.८ “कोहि भोको पढैन, भोकले कोहि मर्दैन” भन्ने प्रतिबद्धताका साथ गाउँपालिका क्षेत्रलाई खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ ।
१.३ विपन्न लक्षित सीपमूलक तथा रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१.३.१ रोजगार केन्द्रलाई सक्रिय बनाई गाउँपालिकामा निरन्तर श्रृजना हुन सक्ने रोजगारका क्षेत्रका बारे सम्भाव्यता अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिने छ ।
	१.३.२ कृषि क्षेत्रको विकासमार्फत रोजगारी श्रृजना गर्न दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना गरिने छ ।
	१.३.३ कृषि श्रमिकहरूलाई सिपमूलक तालिम प्रदान गरिने छ ।
	१.३.४ बेरोजगार युवाहरूको लगत संकलन गरी उनीहरूको रुची र क्षमता पहिचान गरी सोही अनुसार तालिम प्रदान गरिने छ ।
	१.३.५ रोजगार केन्द्रको अगुवाइमा Job bank को स्थापना गर्न नियमित अध्ययन र अनुसन्धान गरिने छ ।
	१.३.६ रोजगारीसम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुने सूचना प्रविधि संयन्त्रको निर्माण गरिने छ ।
	१.३.७ विपन्न लक्षित करार खेती प्रणाली विकास गर्ने भूमि बैङ्क स्थापना गरिने छ ।
	१.३.८ अति विपन्न परिवारका सदस्यहरूलाई घरेलु तथा कुटिर उद्योग सञ्चालन गर्न शुन्य प्रतिशत ब्याजमा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गर्न विपन्न लक्षित अनुदान कोषको निर्माण गरिनेछ ।



## गरिबी निवारणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	गरिब परिवार पहिचान सूचना संकलन	२००					
		१.१.२	बेरोजगारहरूको सूचना तथा तथ्याङ्क संकलन		२००				
		१.१.३	गरिबीका प्रमुख विशिष्टकृत कारणहरूको अध्ययन			२००			
		१.१.४	बहुआयामिक गरिबी सूचकाङ्क भित्र रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन			४००			
		१.१.५	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन				४५०		
	१.२	१.२.१	गरिब लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		१.२.२	विपन्न परिवार स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम तथा सामाजिक सुरक्षा अनुदान	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		१.२.३	विपन्न नागरिक आवास कार्यक्रम	१५००	२०००	२५००			
		१.२.४	अशक्त, असहाय, बेसहारा सडक मानव तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन				१५०		
		१.२.५	बेसहारा आश्रयस्थल निर्माण			२०००			
		१.२.६	निर्वाहमुखी अनुदान कार्यक्रम	२००	२५०	३००	३५०	४००	
		१.२.७	भूमिहीन तथा सुकुम्बासीहरूलाई जग्गा उपलब्धता						
		१.२.८	“कोहि भोको पर्देन, भोकले कोहि मर्देन” कार्यक्रम	२००	२५०	३००	३५०	४००	
	१.३	१.३.१	रोजगार केन्द्रद्वारा रोजगारीका क्षेत्र पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन			१५०			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		१.३.२	दक्ष कृषि श्रमिक स्रोतकेन्द्र स्थापना				४००		
		१.३.३	कृषि श्रमिक सिपमूलक तालिम	२५०	३००	३५०	४००	४५०	
		१.३.४	बेरोजगारलाई रुची अनुसार तालिम सञ्चालन	२५०	३००	३५०	४००	४५०	
		१.३.५	Job Bank को स्थापना गर्न अध्ययन				२००		
		१.३.६	Job Information Software निर्माण			५००			
		१.३.७	विपन्न लक्षित विशेष भूमि बैङ्क स्थापना				६००		
		१.३.८	अति विपन्न परिवार लक्षित उद्यमी अनुदान	२००	२४०	२८०	३२०	३६०	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आफ्नो आम्दानीले बाह्र महिना खान नपुग्ने परिवार संख्या हालको बाट ५० प्रतिशत कम हुने छ ।
- ✓ रोजगारीका अवसरहरू श्रृजना हुने छन् ।
- ✓ गरिब घरपरिवारको जीवनस्तर सुधार हुने छ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	<b>गरिबी निवारण</b>				
	प्रभाव	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको परिवार (१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	बहुआयामिक गरिबीको दर (१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेको ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	बेरोजगारी दर (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गरिब लक्षित कार्यक्रमबाट प्रत्यक्ष लाभ लिने घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	भूमिहिन तर करार खेतीबाट लाभान्वित घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	सामाजिक सुरक्षण प्रणालीमा समेटिएको जनसंख्या (१.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आयमूलक सिप विकास तालिमद्वारा लाभान्वित घरपरिवार	संख्या		
	असर	अशक्त, असहाय, बेसहारा आश्रयस्थलमा समेटिने	संख्या		
	प्रतिफल	स्वास्थ्य बीमाबाट सुरक्षित गरिएका विपन्न परिवार	संख्या		
	प्रतिफल	गरिबीको रेखामुनि रहेका महिला (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गरिबीको रेखामुनि रहेका ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	कूल बजेटमा सामाजिक सुरक्षा खर्च (१.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आफ्नै नाममा अचल सम्पत्ति भएका महिला (१.४.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	कूल बजेटमा गरिबी निवारणका लागि प्रत्यक्ष रुपमा छुट्याइएको बजेट (१.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

# परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास

## ६.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

### पृष्ठभूमि

मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकताहरू मध्ये आवास पनि एक हो र नेपालको संविधानले पनि सुरक्षित तथा वातावरण मैत्री आवासको हकलाई प्रत्याभूति गरेको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा सबैभन्दा बढी अर्थात् ८,२६९ घरपरिवार टिन वा जस्ताले छाएको घरमा बस्ने गरेको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम अर्थात् १२ घरपरिवार काठको छााना भएको घरमा बस्ने गरेको देखिन्छ। यस्तै २१० घरपरिवार परालको छवाली, खर, स्याउलाले छाएको घरमा बस्ने गरेको देखिन्छ भने सिमेन्टको जोडाइ भएको घरमा बस्ने २५८ वटा घर परिवार रहेको छ। तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका अधिकांश घरहरू अर्धपक्की तथा कच्ची अवस्थामा रहनुले यस गाउँपालिकाका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोप सुरक्षाको दृष्टिकोणले असुरक्षित तथा जोखिमयुक्त अवस्थामा रहेका छन्। अव्यवस्थित, असुरक्षित तथा जोखिमयुक्त अवस्थामा रहेका घरपरिवारलाई व्यवस्थित, सुविधासम्पन्न, वातावरण मैत्री तथा सुरक्षित आवास सुनिश्चित गर्नका लागि सुरक्षित आवासका दीर्घकालीन योजना निर्माण गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ ठूलो संख्यामा घरहरू कच्ची/ भुप्रोको रुपमा रहेकाले सुरक्षित नभएका
■ समथर भू-धरातलका कारण वस्तीमा ढुवान तथा कटान हुने गरेको
■ छरिएर रहेका वस्तीहरूलाई एकीकृत गर्न तथा आवास क्षेत्रमा वृद्धाश्रम, धर्मशाला, सामुदायिक भवन आदि निर्माण गर्न प्रशस्त मात्रामा बजेटको आवश्यकता पर्ने।
■ मौलिक संस्कृति र वास्तुकलाको लोप हुँदै जाने अवस्था रहेको।
■ भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयनमा आउन नसकेको।
■ सुकुम्बासी, विपन्न, लोपोन्मुख जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका निमित्त आवास निर्माणसम्बन्धी ठोस नीति आवश्यक रहेको।
■ भवन तथा सुरक्षित आवास निर्माणका लागि स्थानीयस्तरमा प्राविधिक र दक्ष जनशक्तिको अभाव भएको।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ समथर भूमि भएकाले प्रत्येक वडामा रहेका खुला क्षेत्रलाई सम्भाव्यता अध्ययन गरी एकीकृत वस्ती विकास गर्न सजिलो रहेको।
■ स्थानीय स्तरमा आवास निर्माण सामग्रीहरू जस्तै- गिट्टी, बालुवा आदिको उपलब्धता भएको र यथेष्ट मात्रामा सडक सञ्जालको विस्तारका कारण ढुवानीमा समस्या नरहेको हुँदा स्थानीय स्रोतसाधनको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सकिने।
■ व्यवस्थित र वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्न सकिने।
■ गाउँपालिकाले “समृद्ध जहदाको आधार: कृषि, रोजगारी र दिगो पूर्वाधार” भन्ने नारालाई निरन्तरता दिई सोही क्षेत्रसंग सम्बन्धित कार्यमा प्रदेश तथा संघीय सरकारसंग समन्वय विकासको गतिविधिलाई दिगो बनाउदै लैजाने नीति लिएको
■ भूकम्प प्रतिरोधी वातावरण मैत्री सुविधासम्पन्न तथा सुरक्षित भवन निर्माणमा जनचासो बढ्दै गएको।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच	
सबैलाई पूर्ण सुरक्षित तथा आधारभूत सुविधासम्पन्न आवासको प्रत्याभूति	
लक्ष्य	
सुरक्षित र न्यूनतम सुविधायुक्त आवास तथा बस्ती विकास गर्ने	
उद्देश्यहरू	
✓	न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु
✓	सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने

उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूलाई एकीकृत बस्तीको निर्माण गरी स्थानान्तरण गर्दै लैजाने ।	१.१.१. बस्ती विकास योजना निर्माण गरिने छ ।
	१.१.२. विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरू पहिचान तथा नक्साङ्कन गरिनेछ ।
	१.१.३. एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा उपयुक्त स्थानहरू पहिचान गरी आवास क्षेत्र विकास गरिनेछ ।
	१.१.४. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका घरपरिवारका लागि सुरक्षित, व्यवस्थित, आधारभूत सुविधायुक्त तथा वातावरण मैत्री एकीकृत बस्ती निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५. सुकुम्बासी, विपन्न, लोपोन्मुख जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका लागि आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति बनाइने छ ।
	१.१.६. विपद्को उच्च जोखिममा रहेका स्थानमा हुन सक्ने थप बस्ती विस्तारलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.७. समग्र एकीकृत ग्रामीण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	१.१.८. अव्यवस्थित बसोबास कार्यलाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
१.२. घना बस्ती रहेको स्थानमा बस्ती व्यवस्थित गर्ने ।	१.२.१. गाउँपालिकाको भू-उपयोग नीति अनुरूप बस्ती विकास तथा योजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.२. हाल घनावस्ती रहेका स्थानमा भौतिक पूर्वाधार विकास गरी बस्ती वरपर थप आवास विस्तार कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	१.२.३. अनधिकृत रूपले बसोबास गरिरहेका घरपरिवार पहिचान गरी सो स्थानबाट हटाउने कार्यलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.४. सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका र नक्सापास विपरित संरचनाहरूलाई हटाइने छ ।

**उद्देश्य २: सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने**

रणनीति	कार्यनीति
<p>२.१. एकीकृत सेवा प्रदायक बहुउपयोगी तथा बहुउद्देश्यीय भवन निर्माण गर्ने ।</p>	<p>२.१.१. सरकारी भवनहरू निर्माण गर्दा सकेसम्म एकै स्थानमा र एकरूपता ल्याउन एकै किसिमका भवनहरूको डिजाइन र निर्माण गरी एकीकृत जनसेवा प्रदान गरिनेछ ।</p>
	<p>२.१.२. सरकारी तथा सार्वजनिक भवनहरू अपाङ्ग मैत्री बनाइने छ ।</p>
	<p>२.१.३ दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण गरिनेछ ।</p>
<p>२.२ आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग गर्ने ।</p>	<p>२.२.१. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्तरमा उपलब्धता भएका निर्माण सामग्रीको उच्चतम प्रयोग गरिने छ ।</p>
	<p>२.२.२. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग हुने प्रविधि विकास गर्न विज्ञहरूको सहयोग लिई निर्माण मजदुरहरूका लागि नियमित तालिम संचालन गरिने छ ।</p>
	<p>२.२.३ स्थानिय मौलिकताको जर्गेना गर्ने, वास्तुकला तथा सौन्दर्य कायम हुने संरचना निर्माण गर्दा गाउँपालिकाले प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</p>
	<p>२.२.४. समयानुकुल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</p>
	<p>२.२.५. सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p>
	<p>२.२.६ जहदालाई खरको छानामुक्त गाउँपालिका बनाउने नीतिलाई अवलम्बन गरिनेछ ।</p>

**वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माणको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	बस्ती विकास गुरुयोजना तयार गर्ने		७००				
		१.१.२.	विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूको पहिचान गरी नक्सांकन गर्ने	५००					
		१.१.३.	एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा सम्भावित स्थान पहिचान गर्ने			५००			
		१.१.४.	स्थानीय तह, निजी क्षेत्र तथा लक्षित वर्गको सहकार्यमा एकीकृत बस्ती निर्माण				१५००	२५००	
		१.१.५.	आर्थिक रूपले पिछडिएका वर्गको लागि जनता आवास कार्यक्रम		१०००	२०००			
		१.१.६.	भवन निर्माण संहिता कार्यान्वयन गर्न जोखिम क्षेत्र पहिचान				१५०		
		१.१.७.	एकीकृत ग्रामिण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन						
		१.१.८.	अव्यविस्थित बसोबास कार्यालाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयन						
	१.२.	१.२.१.	बस्ती विकास कार्यक्रम सम्भाव्यता अध्ययन		१५०				
		१.२.२.	अनुगमन संयन्त्र निर्माण/मापदण्ड निर्माण			२००			
		१.२.३.	भवन आचार संहिता तर्जुमा तथा लागू						
		१.२.४.	सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका नक्सापास विपरित संरचनाहरूको व्यवस्थापन						
	२.१.	२.१.१.	सामूहिक सार्वजनिक तथा सरकारी भवन निर्माण	५००	६००	७००	८००	९००	
		२.१.२.	अपाङ्ग मैत्री भवन निर्माण	१५००	१६००	१७००	१८००	१९००	
		२.१.३.	दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण	१५००	१६००	१७००	१८००	१९००	
	२.२.	२.२.१.	भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन	२००	२५०	३००	३५०	४००	
		२.२.२.	सुरक्षित आवास निर्माणका लागि क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		२.२.३.	स्थानिय मौलिकताको जर्गेनाको लागि नीति निर्माण			१००			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.२.४.	समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन						
		२.२.५.	सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		२.२.६	खरको छानामुक्त जहदा गाउँपालिका	१५००	२०००	२५००			

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम सुविधायुक्त एकीकृत बस्तीहरूको विकास भएको हुने
- ✓ भवन आचार संहिता निर्माण भई कार्यान्वयन भएको हुने
- ✓ विपन्न वर्गको लागि आवास योजना कार्यान्वयनमा आएको हुने
- ✓ गाउँपालिकाका भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त सम्पूर्ण घर तथा सार्वजनिक भवनहरूको पुनर्निर्माण भएको हुने ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	भवन, आवास तथा बस्ती विकास				
	असर	भुपडी तथा अवैध जमिनमा बसोबास गर्ने परिवार (११.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	खर/परास/पातले छाएको घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	बाढी, डुबान तथा भूकम्पबाट सुरक्षित र सुविधायुक्त घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पाँच जना र सो भन्दा बढी व्यक्तिहरू एउटै छानोमुनी बसोबास गर्ने परिवार (११.३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	भूमिहीन तथा सुकुम्बासीको संख्या	प्रतिशत		
	असर	एकीकृत आवासमा छुट्टाछुट्टै घरमा बस्ने परिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	बहुतले आवास (अपार्टमेन्ट) मा बस्ने परिवार संख्या	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.२ सडक, पुल तथा यातायात

### पृष्ठभूमि

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ। गाउँपालिकामा सडक तथा यातायातको अवस्थालाई हेर्दा स्थिती सन्तोषजनक रहेको छ। गाउँपालिकाबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाभित्र कालोपत्रे सडक २५ कि.मि. ग्राभेल बाटो १३० कि. मि. र हिउँदयाममा मात्र गाडी चल्ने बाटो ५०० कि. मि. रहेको छ। यहाँ मुख्य सडकहरू कालोपत्रे छन् भने सहायक सडकहरू विस्तार तथा स्तरोन्नती भइरहेको छ। गाउँपालिकाले सडकहरूको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ। तथापि यातायातका साधनहरूको अपर्याप्तता तथा रुटहरू वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ। त्यसकारण बस टर्मिनलको निर्माण गर्नु अतिआवश्यक रहेको छ। सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरूलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरूमा यात्रु प्रतिकालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ।

सडक तथा यातायातको विकासले उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवामा पहुँच पुऱ्याउने, रोजगारी शृजना गर्ने, गरिबी न्यूनीकरण गर्ने तथा आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ। तसर्थ यस गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण गरी व्यवस्थित तवरले सडक सञ्जालको विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ। साथै बसपार्क र बस टर्मिनल निर्माण गरी सार्वजनिक यातायात संचालन हुने रुट तय गरी आवश्यक संख्यामा सवारी साधनहरू थप गरी यातायात नियमित रूपमा संचालन गर्न पनि आवश्यक छ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- योजनाबद्ध तथा दिगो विकास लक्ष्यका मापदण्ड मुताविक सडक सञ्जाल विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्न ठूलो आकारको बजेट आवश्यक पर्ने।
- कच्ची सडक वर्षातको समयमा हिलाम्मे हुने र अन्य समयमा धुलाम्मे हुने हुँदा आवागमन जोखिमपूर्ण र कष्टप्रद हुनेगरेको।
- सडकहरूमा ढल तथा नाली व्यवस्थापन गर्नुपर्ने।
- सडक वरपर प्रदुषण भई वातावरण र जनस्वास्थ्यमा पर्न गएको नकारात्मक असर कम गर्न पहल गर्नुपर्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- प्रत्येक वडालाई सडक सञ्जालले जोडेको।
- गाउँपालिकाको सडक संजाल मार्फत कृषि, पर्यटन तथा उद्योगको विकासको राम्रो सम्भावना रहेको।
- गाउँपालिकाको वडा न. ७ मा निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको सन्थाल संग्रहालयलाई जोड्ने सोही स्थानमा वडा न. २ को वैरिया जोड्ने भोलुङ्गे पुलको लागि प्रकृया अगाडी बढाउने नीति लिएको
- गाउँपालिकाले गाउँपालिका भित्रका विस्तृत योजना प्रतिवेदन तयार भएका योजनाहरूलाई प्रदेश र संघीय सरकारका निकायमा पेश गरी समपुरक कोष मार्फत ठूला पूर्वाधार तयार गर्ने नीति अगाडी सारेको।
- गाउँपालिकाले पालिकाको एकिकृत आवधिक गुरुयोजना निर्माण गर्ने र विगतका रणनीतिक योजनाहरू कार्यान्वयन गर्ने विषयमा यथासिघ्र प्रकिया अगाडी बढाउने नीति लिएको।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
सहज, सुरक्षित र भरपर्दो सडक तथा यातायात सेवाको सुनिश्चितता
लक्ष्य
गाउँपालिकाभित्रको सडक सञ्जाल स्तरोन्नति गरी यातायातलाई सुरक्षित, सहज र भरपर्दो बनाउने
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ गाउँपालिकावासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु</li> <li>✓ गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु</li> </ul>

उद्देश्य १: गाउँपालिकावासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१. गाउँपालिका केन्द्रबाट सबै वडा केन्द्र र महत्वपूर्ण स्थानमा सडक सञ्जाल विस्तार गर्ने ।	१.१.१. सम्पूर्ण वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य-मुख्य सडकहरूलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी शीघ्र स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गरिनेछ ।
	१.१.२. निर्माण योजनामा रहेका सडकको यथाशीघ्र निर्माण सम्पन्न गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.३ सडक विस्तार सँगसँगै बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण गरिने छ ।
	१.१.४ पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँग विशेष पहल गरिनेछ ।
१.२. विद्यमान सडक पूर्वाधारको स्तरोन्नति तथा विस्तार गर्ने ।	१.२.१. हाल सञ्चालनमा रहेका प्रमुख वस्ती र बजार केन्द्र जोड्ने प्रमुख सडकहरूको पहिलो प्राथमिकता तोकिएको स्तरोन्नति, विस्तार र कालोपत्रे वा पक्की गरिनेछ ।
	१.२.२. पहिचान भएका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति र विस्तार गरी गाउँपालिकाका सडकसँग आवद्ध कृषि सडक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.३. प्रस्तावित औद्योगिक व्यावसायिक तथा कृषि पकेट क्षेत्रहरूको यकिन गरी ती स्थानहरूलाई जोड्ने सडक क्रमिक रूपमा निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.४. सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य सडकहरूमा आवश्यकता अनुसारको रोड फर्निचर (Road Furniture) को व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.५ गाउँपालिकाभर अति आवश्यक स्थानहरूमा पुल निर्माणका लागि अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.६ उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर सम्पन्न गरिनेछ ।
	१.२.७ उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग बजेटका लागि समन्वय गरिनेछ ।
	१.२.८ शान्ति सुरक्षालाई कायम गर्न गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिसि क्यामरा जडान गरिनेछ ।
	१.२.९ मुख्य चोक तथा व्यस्त सडकमा आकाशे पुल निर्माण गरिनेछ ।

## उद्देश्य १: गाउँपालिकावासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.१० मुख्य शहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.११ साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार गरिनेछ ।
	१.२.१२ सडक अधिकार क्षेत्र १६ मी भन्दा बढी कायम गरि हरियाली प्रवर्द्धन, फुटपाथ, साइकल लेन सहित निर्माण गरिनेछ ।
१.३. सार्वजनिक यातायात प्रणालीको विकास गर्ने ।	१.३.१. यातायात व्यवसायी तथा सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया गरी सार्वजनिक सवारी साधन चल्ने रूटहरू तय गरिनेछ ।
	१.३.२. रूटमा चल्ने सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार (जस्तै बस, मिनिबस, अटो रिक्सा, सिटी रिक्सा आदि) आवश्यकता अनुसार तय गरिनेछ ।
	१.३.३. रूटको बीच-बीचमा बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय, प्रतीक्षालयहरू स्थानीय आवश्यकता अनुसार निर्धारण गरी निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४. गाउँपालिकाका सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य रूटहरूमा आवश्यकताको आधारमा ट्राफिक युनिट स्थापना गरिनेछ ।
१.४. हेलिप्याड निर्माण गर्ने ।	१.४.१. गाउँपालिकाका प्रत्येक वडामा कम्तिमा एउटा हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ ।

## उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. सडक तथा यातायात गुरुयोजना अनुरूप योजनावद्ध एवं व्यवस्थित तवरले सडक संजालको विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने ।	२.१.१. सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.२ सडक तथा यातायात गुरुयोजनामा आधारित सडक सञ्जालको विकास तथा यातायात रूटहरूको तय गरिनेछ ।
	२.१.३. रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार गरी प्राथमिकताका आधारमा निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.४. गाउँपालिकाको ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	२.१.५. निज क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन गरिनेछ ।
२.२. सडकको न्यूनतम मापदण्ड कार्यान्वयनमा ल्याइने ।	२.२.१. सडकको न्यूनतम मापदण्डलाई कार्यान्वयनमा ल्याइने छ तथा सडक अतिक्रमण गर्ने कार्यलाई पूर्ण रूपमा निरुत्साहित गरिनेछ ।
२.३. दिगो तथा वातावरण मैत्री प्रविधिमा जोड दिने ।	२.३.१. सडकको नियमित मर्मत सम्भारका लागि आधुनिक प्रविधिको उपयोग तथा यान्त्रीकरणमा जोड दिइनेछ ।

**उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	२.३.२. प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु परिवर्तनले सडक तथा यातायातमा हुन सक्ने असर तथा नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
	२.३.३. विद्युतीय सवारी साधन संचालन गर्नका लागि सङ्घीय तथा प्रादेशिक सरकारसँग समन्वय गरी प्रोत्साहन गर्न निजी क्षेत्रलाई आर्थिक सहूलियत दिने र चार्जिङ स्टेशनको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.३.४ गाउँपालिकामा निर्माण हुने सडकहरू मध्ये २० प्रतिशत सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन गरिनेछ ।
	२.३.५ गाउँपालिकाको तीनवटा रुटमा विद्युतिय यातायात सेवा संचालन गरिनेछ ।
	२.३.६ सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान गरिनेछ ।
	२.३.७ नेपाल विद्युत प्राधिकरणको सहकार्यमा केन्द्रीय बस टर्मिनलमा विद्युतिय चार्जिङ स्टेशन निर्माण कार्य सम्पन्न गरि अन्य स्थानमा क्रमश विस्तार गरिनेछ ।

**सडक, पुल तथा यातायातको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य सडकको स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे	२०००	२५००	३०००	३५००	४०००	
		१.१.२.	हाल निर्माणाधिन सडक निर्माण तथा संचालन						
		१.१.३.	बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.१.४	पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न पहल			२००			
	१.२.	१.२.१.	प्रमुख सडकहरूको स्तरोन्नति						
		१.२.१.	भिमपुर बजरंवली स्थानदेखि महादेव टोल हुदै नारायण मण्डलको घरसम्म कालोपत्रे	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.१.	तरिगामादेखि सिरसियासम्म कालोपत्रे	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.१.	४ नं.वडा कार्यालयदेखि कटहरी लक्ष्मणीया जोड्ने बाटो कालोपत्रे	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.१.	पिपल चोकदेखि डुमरीया वोडरसम्म	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.२.	कृषि सडकहरूको विस्तार तथा स्तरोन्नति						
		१.२.२.	शिवनाथ शाहको घरपूर्वदेखि कालावन्जर, रामलक्ष्मण मार्गसम्म कालोपत्रे	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.२.	रामप्रितको घरदेखि मोहनपुर जाने सडक कालोपत्रे	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.३.	औद्योगिक, व्यावसायिक तथा कृषि क्षेत्र जोड्ने सडक निर्माण	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.४.	मुख्य सडकहरूमा रोड फर्निचरको व्यवस्था	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.२.५	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको सर्वेक्षण अध्ययन						
		१.२.५	नयाँ पट्टि तरिगामादेखि पश्चिम नहर खण्डमा पक्की पुल निर्माण			३०००	३५००		
		१.२.५	नहरको पुर्व श्रीराम मन्दिर नजिक र सन्थाल टोलदेखि पश्चिम नहर नजिक पक्की पुल निर्माण	३०००	३५००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.५	साविक पोखरीया १ (चन्द्र नारायण शाहको घर नजिक) पक्की पुल निर्माण				३०००	३५००	
		१.२.५	शान्ति टोलदेखि पश्चिम नयाँवजार जोड्ने, चन्दा सिसवनी जहदा ७ र कटहरी ९ फुलटोल जोड्ने पक्की पुल		३०००	३५००			
		१.२.६	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर निर्माण	३०००	३५००	४०००	४५००	५०००	
		१.२.७	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय	३०००	३५००	४०००	४५००	५०००	
		१.२.८	गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिसि क्यामरा जडान		१५००		२०००		
		१.२.९	मुख्य चोक तथा व्यस्त सडकमा आकाशे पुल निर्माण						
		१.२.१०	मुख्य शहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण		१५००	१८००	२०००	२२००	
		१.२.११	साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार			४००			
		१.२.१२	सडक अधिकार क्षेत्र १६ मी भन्दा बढी कायम गरि हरियाली प्रवर्द्धन, फुटपाथ, साइकल लेन सहित निर्माण		५००	६००	७००	८००	
		१.३.१	सार्वजनिक सवारीसाधन चल्ने रुटहरू तय	१५०					
		१.३.२	रुट अनुसार सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार निर्धारण		२००				
		१.३.३	बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय तथा प्रतिक्षालय निर्माण	१५००	१६००	१७००	१८००	१९००	
		१.३.४	ट्राफिक युनिट स्थापना		५००				
		१.४.१	प्रत्येक वडाका सम्भाव्यस्थलमा हेली प्याड निर्माण		४००	५००	६००	७००	
२	२.१.	२.१.१.	सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण			७००			
		२.१.२.	गुरुयोजना अनुरूप सडक संजालको विस्तार तथा स्तरोन्नति	२०००	२५००	३०००	३५००	४०००	
		२.१.३.	रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माण				८००		
		२.१.४.	ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन						
		२.१.५	निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन	२००	३००	४००	५००	६००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
	२.२.	२.२.१.	अनुगमनको व्यवस्था	४५०	५००	५००	५००	५००	
	२.३.	२.३.१.	आधुनिक उपकरण खरिद	१५००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		२.३.२.	Bio-engineering प्रविधि अवलम्बन गर्ने					५८०	
		२.३.३.	विद्युतीय सवारी साधन खरिदमा सहूलियत	७००	८००	९००	१०००	११००	
		२.३.४	सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिड प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन			५००			
		२.३.५	तीनवटा रुटमा विद्युतिय यातायात सेवा संचालन	५००	५५०	५६०	५७०	५८०	
		२.३.६	सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
		२.३.७	केन्द्रीय बस टर्मिनलमा विद्युतिय चार्जिड स्टेशन निर्माण तथा विस्तार			२५००	५००	५००	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सडक यातायातको सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ ।
- ✓ गाउँपालिका केन्द्रलाई प्रत्येक वडाकेन्द्र जोड्ने सडकहरू स्तरोन्नति भएका हुनेछन् ।
- ✓ सार्वजनिक यातायातका वैज्ञानिक रुटहरू तय भइ सार्वजनिक परिवहन सहज भएको हुनेछ ।
- ✓ सडक जोखिम तथा दुर्घटना न्यूनीकरण हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सडक तथा यातायात				
	असर	बाह्रै महिना सवारीसाधन सञ्चालनयोग्य सडकको २ कि.मि. दूरीभित्र बसोबास गर्ने घरपरिवार (९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	घरबाट ३० मिनेटको पैदलयात्रामा सडकमा पहुँच भएका जनसंख्या (११.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	सार्वजनिक यातायातमा सुविधाजनक पहुँच भएको जनसंख्या (११.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सडक घनत्व (९.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	कि.मि./वर्ग कि.मी.		
	असर	पक्की कालोपत्रे सडकको कि.मी./वर्ग कि.मी. (९.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	कि.मी/वर्ग कि.मी.		
	प्रतिफल	गाउँपालिका केन्द्रबाट वडा केन्द्र जोड्ने कालोपत्रे सडकको लम्बाई	कि.मि		
	असर	हवाई यातायात प्रयोगकर्ता यात्रु (प्रतिवर्ष) (९.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गाउँपालिकाको सडकको जम्मा लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	गाउँपालिकाको कालोपत्रे सडकको जम्मा लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	कृषि सडकको लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	सडकहरूमा व्यावस्थित नाला निर्माण	कि.मि		
	प्रतिफल	पुल तथा कल्भर्ट निर्माण	संख्या		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये साइकल भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये मोटरसाइकल भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये कार, जिप, भ्यान भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

### पृष्ठभूमि

कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउन साथै आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा ऊर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा रहेका जम्मा ९,८६९ घरपरिवार मध्ये खाना पकाउनका लागि इन्धन प्रयोगकर्ताहरूमा सबै भन्दा धेरै गुइँठा प्रयोग गर्ने घरधुरी संख्या ४,६०२ रहेको छ। त्यसैगरी दाउराको प्रयोग गर्ने ४,१४८ घरधुरी, ग्याँसको प्रयोग गर्ने ५६४ घरधुरी, विद्युत प्रयोग गर्ने ४८ घरधुरी र गोबरग्याँस प्रयोग गर्ने २५ घरधुरी रहेका छन्। यसैगरी उज्यालोका लागि ९,०६८ घरधुरीले विद्युत प्रयोग गर्ने गरेका छन्। भने ३२७ घरधुरीले सौर्यउर्जा, ४१८ घरधुरीले मट्टितेल र ९ घरधुरीले बायोग्याँस प्रयोग गर्ने गरेका छन्। काठदाउराको श्रोत सामुदायिक वन तथा निजी वन रहेका छन्। काठदाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरूमध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन्। गाउँपालिकामा विद्युतीकरणको अवस्था सन्तोषजनक नै रहेको भए तापनि सडक सडकमा सौर्यबत्तीहरूको माग तथा प्रत्येक वडामा ट्रान्सफर्मरको माग स्थानीयहरूले गरेको अवस्था छ।

गाउँपालिकामा विद्युत प्रसारण लाईन विस्तार तथा सुधार गर्नुपर्ने साथै low voltage हुने स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको स्तरोन्नती तथा नयाँ ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ। विद्युत ऊर्जा साथसाथै सौर्य उर्जा जस्ता अन्य वैकल्पिक ऊर्जाबाट विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय, सिँचाई आयोजना, खानेपानी आयोजना समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ। अतः यस गाउँपालिकामा अल्पकालिन रूपमा सौर्य उर्जा र बायोग्याँसलाई तथा दीर्घकालीन रूपमा जलविद्युत ऊर्जालाई जोड दिनु आवश्यक छ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- मुख्य प्रसारण लाईन बाहेक गाउँपालिकामा विद्युतीकरणका लागि प्रयोग भएका काठका पोलहरू जीर्ण तथा असुरक्षित रहेका।
- घरायसी इन्धनको रूपमा अझै पनि मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल हुने तथा वनजंगल विनासको कारक तत्वको रूपमा रहेको काठदाउराको प्रयोग उच्च रहेको।
- विभिन्न स्थानमा ट्रान्सफर्मरहरूको अभाव रहेको।
- सार्वजनिक सडक बत्तिहरूको पर्याप्त प्रबन्ध नभएको।
- गुणस्तरीय विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था नभएको।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले स्थानीय उर्जा विकास निर्देशिका निर्माण गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको।
- गाउँपालिकाको कार्यालय तथा वडा कार्यालयहरूमा विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधा भएको।
- विद्युत उर्जाको उपलब्धताले उद्योग स्थापनामा सहजता भएको।
- नवीकरणीय उर्जा तथा वैकल्पिक उर्जालाई उचित व्यवस्थापन गरी सदुपयोग गर्न सकिने।
- समथर भूभाग भएको हुँदा विद्युतीय सवारी साधनहरू प्रयोगमा ल्याउन सकिने।
- गाउँपालिकाबासीलाई विद्युतीय उपकरणको उपयोगमा प्रोत्साहन गरी काठ दाउरा र ग्याँसको खपत न्यूनीकरण गर्न सकिने।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
ऊर्जामा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका
<b>लक्ष्य</b>
गाउँपालिकावासीहरूमा दिगो, वातावरण मैत्री ऊर्जामा पूर्ण पहुँच स्थापित गर्ने
<b>उद्देश्यहरू</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ ऊर्जामा सबै गाउँपालिका बासीको पहुँच पुऱ्याउनु</li> <li>✓ ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु</li> </ul>

### उद्देश्य १. ऊर्जामा सबै गाउँपालिका बासीको पहुँच पुऱ्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१. विद्युतीकरण नभएका स्थानहरूमा विद्युत् सेवा विस्तार गर्ने ।	१.१.१. विद्युत् सेवा नपुगेका बस्तीहरूमा विद्युतीकरणका लागि थप कार्य अगाडि बढाइने छ ।
	१.१.२. तत्काल विद्युतीकरण उपलब्ध हुन नसक्ने घरधुरी र काठ दाउराको प्रयोगलाई पूर्णरूपले विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै सौर्य ऊर्जा तथा बायोग्याँस प्रयोग गर्न प्रोत्साहन स्वरूप अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.१.३. मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान गरिनेछ ।
	१.१.४. गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तारलाई भूमिगत गर्दै लगिनेछ ।

### उद्देश्य २. ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. विद्युत क्षमता वृद्धि गर्ने ।	२.१.१. मागअनुसार आवश्यक voltage परिपूर्ति गर्न ट्रान्सफर्मर जडान तथा क्षमता वृद्धि गरिनेछ ।
	२.१.२. विद्युत प्रसारण लाइन सुधार गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।
२.२. विद्युत् उपयोग बढाउने ।	२.२.१. घरायसी खाना पकाउन विद्युतीय उपकरणको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.२.२. विद्युतिय सवारी साधनको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
२.३. वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने ।	२.३.१. गाउँपालिकामा वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनको सम्भाव्यता हेरी निजीक्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
	२.३.२. उज्यालो गाउँपालिका अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकाका सडकहरूमा स्मार्ट लाइट एवं हाई मास्ट बत्ती तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा बत्ति जडान गरिनेछ ।
	२.३.३. खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठदाउरा प्रयोग गर्ने घरधुरीहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।

## उद्देश्य २. ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
२.४. विद्युत चुहावट नियन्त्रण गर्ने ।	२.४.१. गाउँपालिकामा हुनसक्ने विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था गरिनेछ ।
२.५. जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.५.१. दाउरा र गुइँठाको प्रयोगलाई पूर्णरूपमा वैकल्पिक उर्जा तथा विद्युतीय ऊर्जाको प्रयोगले विस्थापित गर्न दाउरा र गुइँठाको प्रयोगका नकारात्मक असरबारे जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.५.२ गाउँपालिकाको जहदा केन्द्रिय बस टर्मिनलमा एक सवारी चार्जिङ स्टेशन, सघन वस्तीक्षेत्र वरपर विद्युतिय सवारी साधन चार्जिङ स्टेशन स्थापना गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।

## जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	विद्युतका प्रसारण लाइन विस्तार	१०००	१२००	१४००			
		१.१.२.	वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्न अनुदान	५००	५१०	५२०	५३०	५४०	
		१.१.३.	मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान	१२०	१४०	१५०	१६०	१८०	
		१.१.४.	गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तार भूमिगत	५००	५५०	६००	६५०	७५०	
२	२.१.	२.१.१.	आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मर जडान		१५००			१५००	
		२.१.२.	विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी विद्युत प्रसारणलाई सुधार गर्ने	३००	३५०	४००	४५०	५००	
	२.२.	२.२.१.	विद्युतीय उपकरण खरिदमा निश्चित मापदण्डका आधारमा छुटको व्यवस्था	३००	४००	५००	६००	७००	
		२.२.२.	विद्युतीय सवारी साधन सञ्चालनमा सवारी कर छुटको व्यवस्था	१५०	१६०	१७०	१८०	२००	
	२.३.	२.३.१.	वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्न अन्तरक्रिया	१५०	१६०	१७०	१८०	२००	
		२.३.२.	सडक तथा सार्वजनिक स्थानमा बत्ति जडान	१५०	१६०	१७०	१८०	२००	
		२.३.३.	धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान	५०	६०	७०	८०	९०	
	२.४.	२.४.१.	विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था	३०	३५	४०	४५	५०	
	२.५.	२.५.१.	विद्युत ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्नका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.५.२.	जहदा केन्द्रिय बस टर्मिनल तथा गाउँपालिकामा सघन वस्ती क्षेत्रमा चार्जिङ स्टेशन निर्माण	४००		५००		६००	

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ उर्जाका आधारभुत पूर्वाधारहरूको विकास भइ हरेक घरधुरीमा न्युनतम उर्जाको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।
- ✓ उर्जाको मुल प्रवाहमा नसमेटिएका घरधुरीहरूमा वैकल्पिक उर्जाको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	उर्जा				
	असर	विद्युतमा पहुँच भएका जनसंख्या (७.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	वैकल्पिक तथा नविकरणीय उर्जा जस्तै सोलार प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	जीवाश्म इन्धनको प्रयोग (कूल उर्जा खपतमा) (१२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	विद्युतबाट चल्ने सवारी साधन (प्रतिशत) (७.३.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	चार्जिङ स्टेशन	संख्या		
	असर	खाना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा कोइला, दाउरा, गुइँठा लगायतका ठोस इन्धन प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन र कोठा तातो राख्न एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन विद्युतीय चुलो प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	विद्युतीय सामग्रीमा हिटर, पंखा, एयर कन्डिसनर, वासिङ मेसिन प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

### पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले सूचना तथा सञ्चारसम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरेको छ। गाउँपालिकाका सघन वस्ती क्षेत्रमा तार सहितको टेलिफोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा उपलब्ध हुनुका साथै नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइल फोन सेवा प्रदान गरेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भए तापनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। साथै सबै वडाहरूमा इन्टरनेट सेवा उपलब्ध भएता पनि भरपर्दो सेवा सुचारु हुन सकेको छैन। यस गाउँपालिकामा विभिन्न राष्ट्रिय दैनिक पत्रिका जस्तै गोरखापत्र, कान्तिपुर आदिको आपूर्ति हुने गरेको छ। डीसहोम मार्फत टेलिभिजन प्रसारण हुँदै आएकोले गाउँपालिकावासीले विभिन्न किसिमका समाचारका साथै मनोरञ्जनात्मक कार्यक्रम हेर्ने मौका पाएका छन्।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- ल्याण्डलाईन टेलिफोन तथा अप्टिकल फाइबरबाट इन्टरनेट सेवा विस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता।
- पर्याप्त मात्रामा टेलिफोन तथा मोबाइल टावरहरू नभएकाले Network coverage प्रभावकारितामा ल्याउन टावरहरू विस्तार गर्नुपर्ने।
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा इन्टरनेट सुविधा विस्तार गरी निःशुल्क वाईफाईको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- सञ्चार क्षेत्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।
- गाउँपालिकावासीमा सञ्चारका सबै प्रविधिसँगको पहुँच स्थापना गरी साइबर सुरक्षासम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- मोबाइल डाटाको प्रयोगबाट भए पनि गाउँपालिकावासीहरूमा Facebook, Youtube जस्ता सामाजिक सञ्जालको प्रयोगमा वृद्धि हुँदै गएको।
- गाउँपालिकाले एफ एम रेडियो व्यवस्थापन ऐन २०७४, निर्माण गरेको।
- रेडियो नेपालको प्रसारण साथै स्थानीय एफ एम सुन्न तथा डिजिटल प्रविधिबाट टेलिभिजन हेर्न सकिने।
- उपभोक्ताको माग राम्रो भएको खण्डमा निजी सञ्चार सेवा प्रदायक मोबाइल तथा इन्टरनेट कम्पनीहरूलाई सेवा विस्तारमा आकर्षण गर्न सकिने।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सूचना तथा सञ्चारमा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका

#### लक्ष्य

गाउँपालिकावासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिकावासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

**उद्देश्य १. गाउँपालिकावासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने**

रणनीति	कार्यनीति
१.१. सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरूको निर्माण गर्ने ।	१.१.१. मोबाइल नेटवर्क कभरेज प्रभावकारितामा ल्याउन आवश्यकतानुसार मोबाइल टावरहरूको थप र विस्तार तथा गुणस्तर सुधार गर्न नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग पहल गरिनेछ ।
	१.१.२. इन्टरनेट प्रदायक निजी कम्पनीहरूलाई आकर्षण गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.३. स्थानीय एफएम रेडियो सञ्चालन गर्न र स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्न निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.४. मोबाइल टावरहरूमा विद्युतको नियमित रूपमा आपूर्ति गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	१.१.५. डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका सम्पूर्ण कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.६. गाउँपालिकाको सूचना प्रवाहमा सरलताको लागि डिजिटल बोर्ड साथै डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था गरिनेछ ।
१.२. गाउँपालिकावासीमा आमसञ्चारको पहुँच विस्तार गर्ने ।	१.२.१. गाउँपालिकाको वेबसाइटमार्फत सूचना सम्प्रेषण गरिनेछ ।
	१.२.२. गाउँपालिका केन्द्र, वडा कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा फ्री वाइफाईको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.३. वडा कार्यालयहरू सूचना प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।
	१.२.४. गाउँपालिकास्तरीय सूचना केन्द्रको साथै e-library को स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.५. स्थानिय एफएम रेडियोसँग सहकार्य गरी स्थानीय भाषामा सूचना तथा समाचार तयार गरेर बजाइनेछ ।
	१.२.६. गाउँपालिका भित्रका स्थानीय खबर तथा देश र विदेशका खबरबाट सुसूचित गर्नका लागि अति विपन्न वर्गलाई मापदण्डका आधारमा मोबाइल वितरण गरिनेछ ।
१.३. क्षमता अभिवृद्धिमूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने ।	१.३.१. सूचना प्रविधिसँग सम्बन्धित प्राविधिक जनशक्तिलाई विभिन्न किसिमका तालिममार्फत उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.३.२. गाउँपालिकावासीमा साइबर सुरक्षासम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.३.३. डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई अगाडि बढाइनेछ ।



## सूचना, संचार तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग समन्वय गरी आवश्यक स्थानमा टावरहरू निर्माण गर्ने तथा गुणस्तर सुधार गर्ने			६००	७००		
		१.१.२.	निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा आम सञ्चार पूर्वाधार निर्माण गर्ने	५००	५५०	६००	६५०	७००	
		१.१.३.	सामुदायिक एफएम र स्थानीय पत्रिका प्रकाशनमा सहजीकरण	१००	१२०	१३०	४१०	१५०	
		१.१.४.	विद्युत प्राधिकरणसँग सहकार्य						
		१.१.५.	डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका कार्यक्रमहरू सञ्चालन		५००	५६०	५७०	५८०	
		१.१.६.	डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था	४००	४१०	४२०	४३०	४४०	
	१.२.	१.२.१.	गाउँपालिकाको वेबसाइट नियमित रुपमा अपडेट गर्ने	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.२.	सञ्चारसँग सम्बन्धित निजी क्षेत्रसँग सहकार्य	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.२.३.	विद्युतीय सूचना पूर्वाधार निर्माण						
		१.२.४.	e-library स्थापना गर्ने			५५०			
		१.२.५.	स्थानीय स्तरमा सूचना तथा समाचार उत्पादन तथा प्रसारण	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.२.६.	अति विपन्न परिवारलाई मोबाइल वितरण कार्यक्रम	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
	१.३.	१.३.१.	सूचना प्रविधि तालिम संचालन	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.३.२.	जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.३.३.	डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई अगाडि बढाइनेछ ।	८०	८५	९०	९५	१००	

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ गाउँपालिका तथा वडाहरूमा सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुने छ ।
- ✓ गाउँपालिकावासीमा आमसञ्चारको गुणस्तरीय सेवामा पहुँच पुगेको हुने छ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सूचना तथा सञ्चार				
	असर	टेलिफोन तथा मोबाइल सेवामा पहुँच पुगेको घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता घरपरिवारको संख्या (१७.६.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	रेडियोको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	टेलिभिजनको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		

## अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

# परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

## ७.१ वन तथा जैविक विविधता

### पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिका भित्र १.३५ हेक्टर क्षेत्रफल ओगटेको पञ्चवटी सामुदायिक वन तथा स साना नीजि वनहरू रहेका छन्। यहाँको वनमा जंगली जनावर जस्तै-विभिन्न प्रजातीका बाँदर, वन विरालो, दुम्सी, साथै चराचुरुङ्गी जस्तै कोइली, मैना, कालिज, सुँगा, गिद्ध आदि पाइन्छ। वनस्पतिमा सिसौ, खयर, साल, सिमल, पारिजात आदि पाइन्छ। यहा पाइने जलचर प्राणीहरूमा माछा, पानीहाँस, गंगटा, भ्यागुता आदि रहेका छन्।

दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भूक्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ। तसर्थ पर्यावरणीय सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको वासस्थान कायम राख्न वनजंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ। यस गाउँपालिकामा रहेका बाँभो जमिनमा व्यापक जनपरिचालन गरी वृक्षारोपण गर्नुपर्ने देखिन्छ जसले गर्दा गाउँपालिकालाई एक प्रकारको हरित बगैँचाको रूपमा विकास गरी सीमित मात्रामै भएपनि वनलाई आयआर्जनसँग जोड्न सकिन्छ। त्यसैगरी गाउँपालिकाको अधिकांश क्षेत्र तराईको समथर क्षेत्र भएकाले अधिकांश क्षेत्रमा वर्षातको समयमा निरन्तर नदी कटान हुने र विभिन्न वडाहरू डुबानमा परी सडक अवरुद्ध हुनुका साथै धनजनको क्षति हुने हुनाले भू-संरक्षणका हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्रहरूमा वृक्षारोपण, बाँध निर्माण, तारजाली, तटबन्ध तथा परम्परागत बाढी नियन्त्रण र भू-संरक्षणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ। साथै भू-संरक्षणको प्रभावकारी उपाय वृक्षारोपण भएकोले सो कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु अति आवश्यक छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ वन क्षेत्रमा रहेका मिचाहा प्रजातिका वनस्पति नियमित रूपमा गोडमेल गरी नियन्त्रण गर्नुपर्ने।
■ दिगो वन व्यवस्थापन तथा भू-संरक्षणका लागि प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्नुपर्ने।
■ सामुदायिक वनको आयस्रोत एवं क्रियाकलापलाई पारदर्शी एवं जवाफदेही बनाउनुपर्ने।
■ लोपोन्मुख वनस्पति र वन्यजन्तुको संरक्षणका लागि विशेष कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकामा एउटा सामुदायिक वन तथा स-साना नीजि वनहरू रहेका।
■ गाउँपालिकाको शहरी क्षेत्रमा रहेका चोक, चौबाटो र बाटोको दायाँ बायाँ तथा विचमा रहेको क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गरी सुन्दर हराभरा बनाउन सकिने।
■ खेर गएका तथा खाली रहेका सार्वजनिक जग्गालाई सामुदायिक वनको रूपमा विस्तार गरी आयआर्जनका विशेष कार्यक्रममा आवद्ध गरी गरिवी निवारणमा जोड्न सकिने।
■ स्थानीय समुदायको सहयोगमा सामुदायिक वन संरक्षण गर्न सकिने।
■ पर्यापर्यटनको विकास गर्न सकिने।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
जल, जमिन, जंगल र जडीबुटीको दिगो संरक्षण तथा सदुपयोग मार्फत दिगो विकास हासिल गर्ने
<b>लक्ष्य</b>
गाउँपालिकालाई वातावरण सन्तुलित हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने
<b>उद्देश्यहरू</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु</li> <li>✓ वन तथा हरित क्षेत्रको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु</li> <li>✓ कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।</li> </ul>

उद्देश्य १ : वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१. वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गर्ने ।	१.१.१. वन क्षेत्रको विकासलाई वैज्ञानिकीकरण गर्न विज्ञ समूहको सहयोगमा दिगो वन व्यवस्थापन बारे सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२. वनलाई आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउने ।	१.२.१. खाली रहेका सार्वजनिक जग्गा, नदी उकासको क्षेत्र, खेर गैरहेको जमिन र बगर क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गरी आय आर्जनसँग आवद्ध गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२. निजी तथा सामुदायिक स्तरमा निजी जमिन तथा वन जंगलमा फलफूलको व्यावसायिक उत्पादन सुरु गरिनेछ ।
	१.२.३. कुरिलो, हरो, बरो, अमला, तुलसी, घ्युकुमारी, गुर्जो इत्यादि जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरी वृक्षारोपण गरिनेछ ।
	१.२.४. Agro forestry को नीति अवलम्बन गरी हरित क्षेत्रलाई पूर्ण प्रतिफलमुखी बनाइने छ ।

उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।	
रणनीति	कार्यनीति
२.१. खेर गइरहेको भाडी वुट्यान क्षेत्रलाई सदुपयोग गरी वनको क्षेत्रफल बढाइने ।	२.१.१. गाउँपालिकामा खेर गइरहेका स्थानको पहिचान गरी वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	२.१.२. प्रत्येक वनजंगल क्षेत्रलाई लक्षित गरी कम्तीमा “एक वन एक नर्सरी” को स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
२.२. वन संरक्षण कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।	२.२.१. स्थानीय “वन ऐन” निर्माण तथा जारी गरी वनको प्रभावकारी संरक्षण गरिनेछ ।
	२.२.२. सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूलाई सक्षम बनाई प्रतिफलमुखी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	२.२.३. हरेक वडामा उपयुक्त सार्वजनिक तथा ऐलानी जग्गा रहेका स्थानहरूको पहिचान गरी निश्चित क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा घोषणा गरी हरित क्षेत्र कायम गर्न वृक्षारोपण, पार्क निर्माण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	२.२.४. पानीको मुल सुकाउने प्रजातिका बिरुवाहरूको पहिचान गरी तिनीहरूलाई उत्पादनशील फलफुल तथा पानीका मुहान संरक्षणमा सहायक बोटबिरुवाले प्रतिस्थापन गर्दै लगिनेछ ।
	२.२.५. वन तथा भू-संरक्षणका हरेक कार्यक्रमहरूमा जनसहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।
	२.२.६. वन डहेंलो र वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको चोरीनिकासी प्रभावकारी रूपमा नियन्त्रण गरिनेछ ।
	२.२.७. विकास निर्माण कार्य गर्दा वन तथा जलाधार क्षेत्रको सकेसम्म कम क्षति हुने गरी protocol तयार गरिनेछ ।
	२.२.८. सर्वोत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई मापदण्डका आधारमा वार्षिक रूपमा पुरस्कृत गरिनेछ ।
	२.२.९. निजी तथा सामुदायिक वनमा सरोकारवालाहरूलाई एकीकृत वन व्यवस्थापन र संरक्षणका लागि क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन गरिनेछ ।
	२.२.१० निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक वनमा रुख कटान पश्चात सो ठाउँमा कटान भएकै संख्यामा वृक्षारोपण गर्न लगाई “कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम संचालनमा ल्याई अनिवार्य वृक्षारोपण गरिनेछ ।
	२.२.११ संकटापन्न वनस्पतिहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।
	२.२.१२ संकटापन्न वन्यजन्तु, जलचर, पंक्षी तथा स्थलचरहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।
	२.२.१३ समुदायस्तरमा चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाइको गठन गरिनेछ ।
	२.२.१४ सामुदायिक वन क्षेत्रमा जंगली जनावरलाई पानी पिउन पोखरी खन्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
२.३ जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. हरित क्षेत्र विस्तार तथा भू-संरक्षण सचेतना कार्यक्रमहरू अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : पहिरो र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
३.१. सम्पूर्ण कटानग्रस्त क्षेत्रको अभिलेख संकलन गर्ने	३.१.१. गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडामा कटान ग्रस्त क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन गरी विवरण संकलन गरिनेछ ।
	३.१.२ अति जोखिमयुक्त क्षेत्रलाई वातावरणिय हिसाबले अति संवेदनशिल क्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।
३.२. कटान नियन्त्रणका सफल अभ्यासहरूको अनुसरण गर्दै कटान नियन्त्रण गर्ने	३.२.१. कटानग्रस्त क्षेत्रमा हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.२. कटानग्रस्त क्षेत्रहरूमा बायो इन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी नियन्त्रण गर्न विज्ञहरूको परामर्श लिनुका साथै त्यस्ता क्षेत्रहरूको अध्ययन अवलोकन भ्रमण गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : पहिरो र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	३.२.३. गाउँपालिकामा एक नमुना भू-संरक्षण क्षेत्रको घोषणा गर्न कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.४ भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रणका लागि आवश्यक पूर्वाधार जस्तै- तारजालीको उत्पादन गाउँपालिकामै गर्न निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरिनेछ ।
	३.२.५ भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रणका लागि तालिम प्राप्त जनशक्तिको प्रबन्ध गर्न तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.६ गाउँपालिकाको नदीमा नयाँ स्पर निर्माण, स्पर मर्मत, तटबन्धन र खोलानालाहरूमा तटबन्धन गरिनेछ ।

## वन तथा जैविक विविधता विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
१	१.१.	१.१.१.	दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	१.२.	१.२.१	हरित क्षेत्र सम्भाव्यता अध्ययन तथा नक्साङ्कन			३००			
		१.२.२.	वडा स्तरिय नर्सरी स्थापना गरि फलफुलका विरुवाहरू उत्पादन तथा वितरण	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.३.	सामुहिक जडीबुटी खेती अन्तरक्रिया	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.४.	Agro forestry को नीति अवलम्बन			२००			
२	२.१.	२.१.१.	खेर गईरहेको स्थान पहिचान गरी वृक्षारोपण	६०	६५	९०	९५	१००	
		२.१.२.	एक वन एक नर्सरी कार्यक्रम	६०	६५	९०	९५	१००	
	२.२.	२.२.१.	स्थानिय वन ऐन निर्माण		१५०				
		२.२.२.	वन उपभोक्ता समितिलाई तालिम	६०	६५	९०	९५	१००	
		२.२.३.	हरित क्षेत्र तथा पार्क निर्माण			१५००			
		२.२.४.	पानीको मुहान संरक्षण गर्न सहयोगी विरुवा रोपण	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.२.५.	वन तथा भू-संरक्षण कार्यक्रममा जनसहभागिता	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.२.६.	वन डढेलो नियन्त्रण कार्ययोजना निर्माण		१००				
		२.२.६.	चोरी निकासी नियन्त्रण वनरक्षक तालिम तथा अभिमुखीकरण	६०	६५	९०	९५	१००	
		२.२.७.	विकास निर्माणका कार्य गर्दा जलाधार क्षेत्रको क्षति न्युनीकरण protocol तयारी			१५०			
		२.२.८.	उत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई पुरस्कारको व्यवस्था	३०	३५	४०	४५	५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		२.२.९.	वन व्यवस्थापन र संरक्षण क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन	८०	८५	९०	९५	१००	
		२.२.१०	“कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम संचालन	८०	८५	९०	९५	१००	
		२.२.११	संकटापन्न वनस्पति संरक्षण कार्यक्रम	४५	५०	५५	६०	६५	
		२.२.१२	संकटापन्न वन्यजन्तु, स्थलचर, जलचर संरक्षण कार्यक्रम	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.२.१३	चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाई गठन		४००				
		२.२.१५	जंगली जनावरलाई पानी पिउन पोखरी खन्ने कार्यक्रम सञ्चालन	१५०		२५०		३००	
	२.३.	२.३.१.	सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	३०	३५	४०	४५	५०	
३	३.१	३.१.१	पहिरो तथा कटान संवेदनशील क्षेत्रको नक्शाङ्कन तथा विवरण संकलन	१५०					
		३.१.२	वातावरणीय हिसाबले जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूलाई अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा			१५०			
	३.२	३.२.१	पहिरो र कटान क्षेत्र विशेष हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम	३०	३५	४०	४५	५०	
		३.२.२	बायो इन्जिनियरिङ परामर्श सेवा			४००			
		३.२.३	बायो इन्जिनियरिङ नमुना क्षेत्र अध्ययन भ्रमण तथा नमुना कटान नियन्त्रण क्षेत्र निर्माण				४५०	५००	
		३.२.४	तारजाली उत्पादनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया	३०	३५	४०	४५	५०	
		३.२.५	भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रण तालिम	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		३.२.६	नदीमा नयाँ स्पर निर्माण, स्पर मर्मत तथा खोलानालहरूमा तटबन्ध निर्माण	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	

### अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ दिगो वन व्यवस्थापन सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ जैविक विविधताको संरक्षण भएको हुनेछ ।



- ✓ भू संरक्षणका नमुना क्षेत्रहरूको संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ हरित क्षेत्र विस्तार हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>वन तथा भू-संरक्षण</b>				
	असर	वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/बेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	वनस्पति उद्यान	संख्या		
	असर	दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रूपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू	प्रतिशत		
	असर	अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या	प्रतिशत		
	असर	चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	वायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या	प्रतिशत		
	असर	पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	River Training गरिएको (लम्बाई) कि.मी.	कि.मी.		
	असर	नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र	संख्या		
	असर	हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।

- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

### (अ) भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)

#### पृष्ठभूमि

जहदा गाउँपालिका समुद्री सतहबाट ५७ मिटर देखि ६९ मिटरको उचाइमा फैलिएको छ। ६२.२२ वर्ग.कि.मी. क्षेत्रफल रहेको यो गाउँपालिका तराईको तराईको समथर भू-भाग अन्तर्गत रहेको छ। यहाँको अधिकांश भू-भाग समथर तराईको भूमि अन्तर्गत पर्ने हुँदा गाउँपालिका क्षेत्रमा बालुवा र पाँगे मिश्रित अत्यन्त उर्वर माटो पाइन्छ भने उत्तरी क्षेत्रमा केही मात्रामा प्राङ्गारिक पदार्थ मिश्रित चिम्टाइलो, दोमट तथा चट्टानका टुक्रा मिश्रित माटो पाइन्छ। भौगोलिक दृष्टिकोणले जहदाको माटो उर्वर मानिन्छ। कुल क्षेत्रफल मध्ये खेतीपाती योग्य जमिनले उल्लेख्य भाग अर्थात् ८८.६३ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ भने आवास क्षेत्रले ४.९९ प्रतिशत जमिन ओगटेको छ। त्यसैगरी पाखरी तथा खोलानालाले २.६० प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ भने ईटाभट्टा उद्योगले ०.९७ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ।

#### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
✓ बस्तीहरू छरिएको अवस्थामा रहेका हुनाले दिगो विकास गर्नका लागि समस्या।
✓ जमिनको प्रकृतिअनुसार त्यसको वर्गीकरण गरी सदुपयोग गर्न नसकिएको।
✓ यथेष्ट मात्रामा उपलब्ध कृषियोग्य क्षेत्रलाई वैज्ञानिक तवरले सदुपयोग गर्न नसकिएको।
✓ गाउँपालिकाको वन क्षेत्रलाई दिगो व्यवस्थापन र सदुपयोग गर्न नसकिएको।
✓ तराई क्षेत्रमा डुबानको संभावना रहेको।
✓ जमिन बाँधो हुने गरेको।
✓ जमिनको पूर्ण र वैज्ञानिक रूपमा सदुपयोग नभएको।
✓ जमिन बाँधो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्ने चुनौती रहेको।
✓ भूमिको वैज्ञानिक र व्यवसायिक ढङ्गले पूर्ण सदुपयोग गर्ने चुनौती रहेको।

#### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू
✓ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले स्थानीय तहलाई भूमि व्यवस्थापन सम्बन्धी अधिकार प्रत्यायोजन गरेको।
✓ अधिकांश समथर र उर्वर जमिनको उपलब्धता रहेको।
✓ भूमिको वैज्ञानिक र दिगो सदुपयोग मार्फत दीर्घकालिन समृद्धि हासिल गर्न सकिने।

#### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
भू स्रोतको पूर्णत वैज्ञानिक सदुपयोगमार्फत आर्थिक समृद्धि
लक्ष्य
वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना लागू गरी भूमिलाई आर्थिक विकासको आधार बनाउने।
उद्देश्य
✓ सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु।

**उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।**

<b>रणनीति</b>	<b>कार्य नीति</b>
१.१ राष्ट्रिय र प्रादेशिक भू-उपयोग नीति अनुरूप स्थानीय भू-उपयोग योजना र कृषि नीति निर्माण गर्ने	१.१.१ गाउँपालिकाको जमिनलाई भू-उपयोग योजना अनुरूप वर्गीकरण गरिनेछ ।
	१.१.२ गाउँपालिका भित्र रहेको सबै प्रकारको जग्गाको पूर्णरूपमा लगत संकलन गरी व्यक्तिगत, सरकारी, सार्वजनिक, सामुदायिक तथा गुठी जग्गाको विस्तृत अभिलेख तयार पारि भूमि प्रशासन प्रणालीमा आबद्ध गरिनेछ ।
	१.१.३ गाउँपालिकामा उपलब्ध सिंचित र असिंचित जमिनको लगत तयार गरी कृषि योग्य जग्गाको सदुपयोग भए नभएको तथ्याङ्क अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.४ सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमणका विरुद्ध शुन्य सहनशिलताको अवलम्बन गरिनेछ ।
	१.१.५ पुराना नक्सा डिजिटलाइज गर्ने प्रक्रिया आरम्भ गरिनेछ ।
	१.१.६ नक्सापासम्बन्धी कागजहरूको Digitization गर्नुका साथै विद्युतीय नक्सा पास कार्यलाई व्यवस्थित र सरल गरिनेछ ।
१.२ खेती गर्न इच्छुक तर आफ्नो जमिन नभएका कृषकहरूको लगत संकलन गरी भूमिको व्यवस्था गर्ने	१.२.१ भूमि बैङ्कको स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.२ करारमा खेती गर्न इच्छुक कृषकलाई आवश्यक जमिन उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.३ करार खेती क्षेत्र विस्तार गर्न विशेष कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.४ नदी उकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्धन तथा सामुहिक खेती प्रोत्साहन गर्न संभाव्यता अध्ययन तथा कृषक अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
१.३ जग्गा बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्न खेतीयोग्य जमिनको दिगो प्रयोग विस्तार गर्ने	१.३.१ जग्गा बाँझो राख्न नपाउने नीति अवलम्बन गरी बाँझो जमिन राख्ने जग्गा धनीलाई भूमिकरमा निश्चित प्रतिशतले बढी लिने नियम लागू गरिनेछ ।
१.४ जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने	१.४.१ गाउँपालिकामा जग्गा चक्लाबन्दी गर्न चाहने कृषकहरूको विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.४.२ सामूहिक खेती र चक्लाबन्दीका फाइदाका बारेमा कृषक अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
	१.४.३ जग्गा चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकहरू पहिचान गरी कृषक समूह गठन गरिनेछ ।
	१.४.४ यस्ता सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई कृषि सहकारीसँग आबद्ध गरिनेछ ।
	१.४.५ चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई मापदण्डका आधारमा मल, वीउ, ज्ञान, सिप, प्रविधि र अन्य कृषि सामग्रीमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.४.६ बगर क्षेत्रको सम्भाव्यता हेरी बगर खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।

## भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग) को विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	गाउँपालिका भू-उपयोग योजना निर्माण	७००					
		१.१.२	भूमि अभिलेख प्रणाली निर्माण		५००				
		१.१.३	सिंचित, असिंचित, बाँझो तथा खेती भएको जमिनको अद्यावधिक तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण			५००			
		१.१.४	सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमण विरुद्ध शुन्य सहनशिलता			५००			
		१.१.५	नक्सा डिजिटलाइजेसन						
		१.१.६	नक्सापासम्बन्धी कागजहरूको Digitization तथा विद्युतीय नक्सापास कार्यलाई व्यवस्थित		२५०	३००	३५०		
	१.२	१.२.१	भूमि बैङ्क स्थापना		१५००				
		१.२.२	करार खेतीका लागि इच्छुक कृषक लगात संकलन			२००			
		१.२.३	करार खेती विस्तार कार्यक्रम अनुदान			५००	६००	७००	
		१.२.४	नदी उकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामुहिक खेती अभिमुखीकरण तथा तालिम	१५०	२००	२५०	३००	३५०	
	१.३	१.३.१	खेतीयोग्य क्षेत्र बाँझो रहन नदिन कार्ययोजना निर्माण	२३०					
	१.४	१.४.१	जग्गा चक्काबन्दी गर्ने कृषकको लगात संकलन		२५०				
		१.४.२	जग्गा चक्काबन्दी सम्बन्धी कृषक अभिमुखीकरण		४५०				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.४.३	जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने कृषक समूह गठन			२५०	२५०		
		१.४.४	कृषक समूह तथा कृषि सहकारी बिच अन्तरक्रिया	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.४.५	चक्लाबन्दी तथा सामूहिक खेती गर्ने कृषकलाई अनुदान			५००	६००	७००	
		१.४.६	बगर खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम	५००	६००	७००	८००	९००	

### अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा उपलब्ध खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक र पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	वन तथा भू-संरक्षण				
	असर	वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/बेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	वनस्पति उद्यान	संख्या		
	असर	दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रूपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू	प्रतिशत		
	असर	अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या	प्रतिशत		
	असर	जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	गैंडाको संख्या (१५.५.१.४) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या	प्रतिशत		
	असर	पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	River Training गरिएको (लम्बाई) कि.मी.	कि.मी.		
	असर	नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र	संख्या		
	असर	हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।



- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## (आ) जलाधार संरक्षण

### पृष्ठभूमि

नेपाल जलस्रोतको धनी राष्ट्रका रूपमा संसारमा परिचित छ। तथापि यस्ता जलाधार क्षेत्रहरूको ठोस योजना नहुँदा यसको पूर्ण सदुपयोग नभई जलस्रोत खेर गइरहेको अवस्था छ। समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो। यस गाउँपालिकाका महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ। वातावरण तथा हरियाली प्रवर्द्धन गरी वातावरणको सन्तुलन कायम राखी जलाधार संरक्षण गर्नका लागि गाउँपालिकाले खोला किनार तथा भू क्षय हुने जग्गाहरूमा वृक्षारोपण गर्ने कार्य सञ्चालन गरिरहेको छ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वर्षेनी कटान, बाढी र डुबानको समस्या आउने गरेको साथै जलाधार क्षेत्र वरिपरिका मानव बस्ती उच्च जोखिममा रहेको।
- वन, जलाधार र भू-संरक्षणका लागि दिगो रूपमा दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने।
- जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व आममानिसमा बुझाउन नसकिएको।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्न नसके भविष्यमा पानीको मुहानहरू सुक्न गई पिउने पानी तथा सिँचाइको चरम अभाव हुनसक्ने।
- वैज्ञानिक जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा हिमालबाट उत्पत्ति भई बग्दै आएका खोलाहरू तथा साना साना पोखरीहरू जस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरू रहेका।
- सिंधिया नदी, लोहान्द्रा खोला, सुखानी खोला, जुडी खोला जस्ता जलाधार क्षेत्र भएको
- गाउँपालिकाले जुडी खोला तथा लोहोन्द्रा खोला नियन्त्रणका लागि डिपिआर निर्माण गरी सिंधिय सरकार तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय र सहकार्य गर्ने नीति अगाडि सारेको।
- जलाधार क्षेत्रमा भ्यागुता, सर्प, धौंगा, माछा, विच्छी, गंगटो जस्ता जलचरहरू पाइने।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उच्चतम प्रयोग गरी कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिको विकास गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सकिने।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

गाउँपालिकाको जल सम्पदालाई उच्चतम सदुपयोग गरी दिगो विकास हासिल गर्ने

#### लक्ष्य

गाउँपालिकाको जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण गरी जल सम्पदामा आत्मनिर्भर बन्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने

**उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने**

रणनीति	कार्यनीति
१.१. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी संरक्षण गर्ने ।	१.१.१. गाउँपालिकामा भएका पानीका मुहानहरू, जलाधार क्षेत्र तथा सिमसार क्षेत्रको पहिचान गरी नक्साङ्कन गरी विस्तृत विवरण तयार गरिनेछ ।
	१.१.२. जलाधार क्षेत्रहरूको विनासमा सहयोग पुऱ्याउने क्रियाकलापहरू गर्न तत्काल रोक लगाई जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।
१.२. जलाधार क्षेत्रको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने ।	१.२.१. गाउँपालिकाका प्रमुख जलाधार क्षेत्रहरूलाई “विशेष जलाधार क्षेत्र” घोषणा गरी ती क्षेत्रहरूमा संरक्षणका कार्यक्रमहरू लागू गरिनेछ ।
	१.२.२. प्रत्येक वडाका उपयुक्त स्थानहरूमा जल पर्यावरणीय प्रणाली अन्तर्गत जलचर, वनस्पति र भौतिक अवयवहरूको प्रवर्द्धन गर्नका लागि नमूना पोखरीहरू निर्माण गरिने छ । उक्त पोखरीहरूमा वर्षातको पानी संकलन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.३. जलाधार संरक्षणमा सहायक प्रजातिका बिरुवाहरूको वृक्षारोपण गरिनेछ ।
	१.२.४. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको प्रयोग गरी कृषि, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रको विकास गरिनेछ ।
	१.२.५. वन जंगल क्षेत्रभित्र कृत्रिम जलाशय तथा पोखरी निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६. संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरीहरूको पहिचान र पुर्नउत्थान गरिनेछ ।
१.३. जलस्रोतको दिगो प्रयोग र जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.३.१. जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व बुझाउनका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.२. उपलब्ध जलस्रोतको उच्चतम र दिगो सदुपयोग हुने गरी जलस्रोतमा आधारित उद्योग तथा व्यवसायको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.३. वर्षातको पानी संकलन गरी भण्डारण प्रणाली निर्माण गर्न प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.३.४. सिमसार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

### भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको विस्तृत विवरण तयार	४००					
		१.१.२.	स्थानीय जलाधार क्षेत्र संरक्षण नियमावली तयार गर्ने		२५०				
	१.२.	१.२.१.	विशेष जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम		३००	३१०	३२०	३३०	
		१.२.२.	पोखरीहरू निर्माण तथा पुनर्उत्थान कार्यक्रम		५००		५५०		
		१.२.३.	वृक्षारोपण	४००	४१०	४२०	४३०	४४०	
		१.२.४	निजी क्षेत्रको संलग्नतामा जलाधार क्षेत्र उपयोग गरी आर्थिक दिगो पर्यटन, कृषि र उद्योग क्षेत्रका कार्यक्रम संचालन गर्न अन्तरक्रिया	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.२.५	वनजंगल क्षेत्र भित्र पोखरी तथा जलाशय निर्माण	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.२.६	संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरी विशेष पुनर्उत्थान कार्यक्रम	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
	१.३.	१.३.१	जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.३.२	दिगो जलस्रोत उपयोग सम्भाव्यता अध्ययन		२४०				
		१.३.३	वर्षातको पानी संकलन प्राविधिक सहयोग	१००	११०	१२०	१३०	१४०	
		१.३.४	सिमसार क्षेत्र पहिचान तथा संरक्षण कार्यक्रम			२००			

### अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

जलाधार क्षेत्रको पहिचान, नक्साङ्कन र दिगो संरक्षण भएको हुनेछ । जलाधार क्षेत्रमा आत्मनिर्भर भई दिगो सदुपयोग सुनिश्चित हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>जलाधार व्यवस्थापन</b>				
	असर	ताल, सिमसार र तलाउ/पोखरीहरूको संख्या (१५.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सामुदायिक वनभित्र निर्मित पोखरी संख्या	संख्या		
	असर	संकटासन्न तालहरू/पोखरीहरू (१५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित सिमसार क्षेत्र	संख्या		
	प्रतिफल	वर्षातको पानी संकलन गर्न निर्माण गरिएका नमुना पोखरी संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	परम्परागत जैविक विधि अपनाई संरक्षण गरिएका पानीको मुहानहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटमा परी पुनरुत्थान गरिएका पानीका मुहानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वनजंगल भित्र रहेका पोखरीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	कूल जलश्रोतको अनुपातमा प्रयोग गरिएको जलश्रोत (१२.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका नदीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका पानीका मुहानहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका सिमसार क्षेत्रको संख्या	संख्या		
	असर	नयाँ निर्माण गरिएका पोखरी, ताल वा अन्य जलक्षेत्रले ओगटेको क्षेत्र	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

### पृष्ठभूमि

हाम्रो वरपर रहेका प्राकृतिक अवयवहरू जस्तै वायुमण्डल, भूमि, जल, वनजंगल, वनस्पति, जीवजन्तु र प्राकृतिक जीवनचक्र, जलवायु तथा मौसम आदिको अन्तरक्रिया र समग्रताले सिर्जना गरेका भौतिक अवस्थालाई वातावरण भनिन्छ। वातावरण संरक्षण भनेको सम्पूर्ण वातावरणीय अवयवहरूको एकीकृत संरक्षणको पाटो हो। यसमा समग्रमा जल, जमिन, जंगल, वायुमण्डल र हाम्रो वरपरको सेरोफेरोलाई स्वच्छ, सफा र सन्तुलित राख्ने विषय आउँछ। वातावरण प्रदूषणले मानिसमा विभिन्न किसिमका रोगहरू निम्त्याउँछ। नेपालको संविधानमा प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक हुनेछ, भनी मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरिएको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७७ को तथ्याङ्क अनुसार घरमा उत्पादित फोहोर लाई खाल्डोमा पुर्ने घरधुरी ४२ प्रतिशत रहेको छ। यसै गरी ३८ प्रतिशतले आगोमा डडाउने, ११ प्रतिशतले प्राङ्गारिक मल बनाउने र ९ प्रतिशत घरधुरीले जताततै फाल्ने गरेको पाउन सकिन्छ। गाउँपालिकाको वातावरणलाई स्वच्छ बनाई वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्ने उद्देश्यले गाउँपालिकाको मुख्य चोक बजार र हाटबजारहरूमा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि सामग्री तथा सचेतना कार्यक्रमलाई प्रभावकारीताका साथ नागरिक मैत्री बनाउदै लैजाने नीति अगाडी सारेको छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ प्राकृतिक सम्पदाहरूको पूर्ण संरक्षण र सदुपयोग हुन नसकेको।
■ समयमै स्तरोन्नति नहुँदा तथा अनावश्यक मानवीय गतिविधि कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने खतरा रहेको।
■ स्थानीय ल्याण्डफिल साइट निर्माण हुन नसकेको।
■ खोलाको किनारमा फोहोरहरूको विसर्जन भएका कारण नदीलाई असर पुगेको।
■ हस्पिटलजन्य फोहोरको उचित व्यवस्थापन हुन नसकेको।
■ एकीकृत फोहोरमैला व्यवस्थापनको अवधारण लागू हुन नसकेको।
■ स्थानीयबासीमा गाउँ/टोल सरसफाईको जिम्मेवारी हाम्रो पनि हो भन्ने भावनाको विकास गर्न नसकिएको।
■ वातावरण संरक्षण र पूर्वाधार विकास बीच समाञ्जस्यता स्थापित हुन नसकेको।
■ आमनागरिकमा वातावरण सचेतनाका कार्यक्रमहरू प्रभावकारी ढंगले ल्याउनुपर्ने।
■ पर्यावरणीय असन्तुलन तथा प्रदूषणको नकारात्मक असरका कारण जीवन कष्टकर हुन सक्ने।

### सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाका सार्वजनिक स्थल, नदी खोला किनार तथा अनुकूल स्थानमा वृक्षारोपण गरिएको।
■ गाउँपालिकाबाट गरिने बजार अनुगमन निर्देशिका २०७५, तयार गरी सो अनुरूप कार्य गरिरहेको।
■ गाउँपालिकाका ११ प्रतिशत घरपरिवारले घरबाट उत्पादित फोहोरलाई कम्पोष्ट मल बनाई व्यवस्थापन गर्ने गरेको।
■ गाउँपालिकाले आवश्यकताका आधारमा लामखुट्टे, भिँगा नियन्त्रणको लागि वडासँगको सहकार्यमा विपद् कोष मार्फत औषधी छर्कने प्रवन्ध गर्ने नीति अगाडी सारेको।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
स्वच्छ, सफा, हराभरा हाम्रो जहदा
<b>लक्ष्य</b>
गाउँपालिकालाई वातावरणमैत्री नमूना हरित क्षेत्रका रूपमा विकास गर्ने
<b>उद्देश्यहरू</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्ने ।</li> <li>✓ सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउने ।</li> </ul>

उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।	
रणनीति	कार्यनीति
१.१. प्रदूषण नियन्त्रणका लागि मापदण्ड बनाई लागू गर्ने ।	१.१.१. प्रदूषण नियन्त्रण गर्न क्रमशः सबै सडकहरू कालोपत्र गर्दै लगिनेछ ।
	१.१.२. प्लाष्टिक तथा टायर ट्युब जगाउने परिपाटीलाई पूर्णतः बन्दैज गरिनेछ ।
	१.१.३. पानीका मुहानहरू सफा राख्न त्यस्ता स्थानहरूमा मानवीय गतिविधि र छाडा पशुहरू नियन्त्रण गरिनेछ ।
	१.१.४. मरेका पशु चौपायहरूको व्यवस्थापन गर्न वडास्तरमा स्थानहरू तोकिनेछ ।
	१.१.५. प्रत्येक घरमा खाना पकाउन प्रयोग हुने मुख्य ईन्धन काठ, दाउरालाई विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै गोबरग्याँस, बायोग्याँस, सौर्य तथा वायु उर्जा, सुधारिएको चुलो आदिको व्यवस्था गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	१.१.६. इट्टाभट्टा जस्ता प्रदूषण बढाउने उद्योगलाई घना मानव बस्ती भएको इलाकामा स्थापना गर्न निषेध गरिनेछ । यस्ता उद्योगलाई वातावरण प्रदूषण नियन्त्रणमा जिम्मेवार बनाई वातावरण संरक्षणका क्षेत्रमा सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत शोधभर्ना स्वरूप लगानी गर्नुपर्ने प्रावधान बनाइनेछ ।
	१.१.७. गाउँपालिका भएर बग्ने खोला नालाको किनार लगायत भू-क्षय संवेदनशील क्षेत्रमा भू-क्षय, नदी कटान नियन्त्रण गर्ने योजना कार्यान्वयन गरिने छ । यसो गर्दा जैविक इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
	१.१.८ सडक निर्माण लगायतका भौतिक निर्माण कार्य सम्पन्न गर्दा वातावरणमा पर्ने क्षति न्यूनीकरण गर्न निर्माण लागतको कम्तिमा १ प्रतिशत रकम वातावरण संरक्षण कोषमा जम्मा हुने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	१.१.९ गाउँपालिका क्षेत्रभित्र स्थापना हुने उद्योगहरू दर्ता गर्दा वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना पेश गरेमा राजश्व रकममा सहूलियत दिने व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.१० हरियाली प्रवर्द्धन गर्न ग्रीन जहदा, क्लिन जहदा नारालाई अभियानको रूपमा वस्तीस्तरमा पुऱ्याइनेछ ।
१.१.११ स्वच्छ वातावरणका लागि गाउँपालिकाभित्रका टोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।	

### उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदुषण नियन्त्रण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.२. समुदाय वा टोल स्तरमा नियमित सरसफाई तथा शौचालय निर्माण अभियान सञ्चालन गर्ने ।	१.२.१. घरआँगन, टोल र सडक सफा राख्ने र सामुदायिक वा टोलस्तरमा नियमित सरसफाई अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२. प्रत्येक वडाका मानवीय गतिविधिहरू बढी भइरहने क्षेत्रमा अनिवार्य सार्वजनिक शौचालयको निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.३ हरित टोलको रूपमा विकास गर्ने स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान गरिनेछ ।

### उद्देश्य २. सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. विकास निर्माणका कार्यक्रम गर्दा IEE कार्यान्वयन गर्ने ।	२.१.१. विकास निर्माणका ठूला कार्यक्रमहरू, खानी उत्खनन्, ढुंगा, गिटी, बालुवा तथा माटो उत्खनन् आदि कार्य गर्न प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण गरी सोको अक्षरशः पालना गरिनेछ ।
	२.१.२ प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोगलाई घटाउन काठको विकल्पमा पालिकामा भित्रने प्रविधि र वस्तुलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.१.३ बायोग्याँस प्लान्ट निर्माण गरिनेछ ।
२.२. ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलहरूको दिगो विकास र संरक्षण गर्ने ।	२.२.१. ऐतिहासिक, धार्मिक र पुरातात्विक महत्वका स्थानहरूको एकीकृत संरक्षण योजना तयार गरी यस्ता क्षेत्रलाई सम्पदा क्षेत्र घोषणा गरी वातावरण अनुकूल दिगो विकास र संरक्षण गरिनेछ ।
	२.२.२. प्रत्येक वडामा एक एकवटा वडागत नमुना पार्कहरूको निर्माण गरिनेछ ।



### वातावरण तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	प्राथमिकताका आधारमा सडकहरू कालोपत्र गर्ने	१५००	१६००	१७००	१८००	१९००	
		१.१.२.	प्लाष्टिक तथा टायर, ट्यूब जलाउन निषेध						
		१.१.३.	अनुगमनको व्यवस्था	८०	९०	१००	११०	१२०	
		१.१.४.	मरेका चौपायाहरू व्यवस्थापन गर्ने स्थान निर्माण			१५००			
		१.१.५.	वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन गर्न अनुदान	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.१.६.	ठूला उद्योग सञ्चालन मापदण्ड तयार			४००			
		१.१.७.	भूसंरक्षण योजना कार्यान्वयन						
		१.१.८.	वातावरण संरक्षण कोष निर्माण		१५००				
		१.१.९.	वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना सहित स्थापना हुने उद्योगहरूलाई राजश्व रकममा सहूलियत	११०	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.१.१०.	ग्रीन जहदा, क्लिन जहदा नारा सहित अभियान सञ्चालन	११०	१२०	१३०	१४०	१५०	
	१.१.११.	टोलटोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन	११०	१२०	१३०	१४०	१५०		
१.२.	१.२.१.	१.२.१.	सरसफाई अभियान सञ्चालन	११०	१२०	१३०	१४०	१५०	
		१.२.२.	सार्वजनिक शौचालय निर्माण		१५००		१५००		
		१.२.३.	स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान	२५	३०	३५	४०	४५	
		२	२.१.	२.१.१.	अनुगमन	२५	३०	३५	४०
२.१.२.	काठको प्रयोग विस्थापन गर्ने वस्तु र प्रविधिमा विशेष प्रोत्साहन	२५		३०	३५	४०	४५		
	२.१.३.	बायोग्याँस प्लान्ट निर्माण			४१०				
	२.२.	२.२.१.	एकीकृत संरक्षण योजना निर्माण		४५०				
	२.२.२.	एक वडा एक हरित पार्कहरूको निर्माण	४५०	५००	५५०	६००	६५०		

## अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएका हुने ।
- ✓ एकीकृत वातावरण संरक्षण योजना तयार भएको हुने,
- ✓ वातावरण संरक्षण सम्बन्धि कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यले निरन्तरता पाएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
		<b>वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन</b>			
	प्रतिफल	नव हरित क्षेत्रको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वातावरणीय संवेदनशील क्षेत्रहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	सडक सौन्दर्यीकरण	कि.मि.		
	असर	प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोग (क्यूबिक/मी.) (१२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	क्यूबिक/मी.		
	असर	वायुमण्डलमा धुलोका कणहरूको गाढापन (२४ घण्टाको औषत) (पि.एम) (११.६.२.२) (प.दि.वि.ल.)	औसत		

## अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

### पृष्ठभूमि

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामी सामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्षरूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकाससम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। विकाससम्बन्धी क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्दा वातावरणमैत्री प्रविधि अपनाउने र जलवायु परिवर्तन विरुद्ध अभियान सञ्चालन गरी कम भन्दा कम कार्बन उत्सर्जन गर्ने र बढी भन्दा बढी कार्बन उपभोग हुने वातावरण सिर्जना गरेर जलवायु समायोजन र सन्तुलन कायम हुने वैज्ञानिक विधि र प्रक्रिया अवलम्बन गर्न श्रेयस्कर हुन्छ।

भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा बर्सेनि प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। नेपालमा २०७२ सालको महाभूकम्पको पीडा अभूत ताजा नै छ। गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, नदी कटान, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। गाउँपालिकाको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना २०७९ मा प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा विगत ५ वर्षयता बाढी, डुवान, सडक दुर्घटना, हावाहुरी, कोभड १९, सर्पदंश, आगलागी, विद्युत दुर्घटना, शीतलहर गरी जम्मा ७३ ओटा विपद्का घटनाहरूबाट २० करोड ६० लाख आर्थिक क्षति सहित १९ जनाको मृत्यु भएको पाउन सकिन्छ। हाल कोभिड-१९, डेंगु जस्ता महामारीले जीवन थप जटिल बनाएको छ। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसकेपनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ।

### समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा भएका बस्ती वर्षायाममा बाढी र डुवानको जोखिममा रहेको।
■ बर्सेनि वर्षातको समयमा नदि कटान तथा भू-क्षयको समस्या हुने गरेको।
■ जलवायु परिवर्तनले भएको अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापक्रम वृद्धि आदिका कारण वार्षिक खेतीपाती क्यालेन्डर परिवर्तन हुन थालेको, बालीनालीमा रोग, किराको समस्या देखिनुका साथै उत्पादनमा नकारात्मक प्रभाव देखिन थालेको।
■ प्राविधिक अध्ययन विना जथाभावी विकास संरचना निर्माणले विपद् जोखिम बढ्दै गएको।
■ जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर तथा विपद् न्यूनीकरणका लागि ठोस योजना बनाई लागू गर्नुपर्ने।
■ हावाहुरीबाट रुखहरू ढली दुर्घटना हुने गरेको।
■ विपद् सम्बन्धी सूचना सम्प्रेषण संयन्त्र, पूर्व सूचना प्रविधि लगायत पर्याप्त स्वास्थ्य केन्द्रहरूको अभाव भएको।

## सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू	
■	विपद्का बेलामा जम्मा हुने खुल्ला स्थान, सूचना दिने संयन्त्र, आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा आदिको व्यवस्था रहेको ।
■	गाउँपालिकाले जुनसुकै प्रकारका विपद्को रोकथाम, उपचार र प्रवर्द्धनमा रेडक्रस तथा निजि क्षेत्रसँगको सहकार्यमा थप कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।
■	गाउँपालिकाले विपद्को जोखिम आंकलन गर्न विपद् जोखिम क्षेत्रको नक्साङ्कन, स्थानान्तरण र विपद्को पूर्व तयारी गर्ने कामलाई विशेष प्राथमिकता दिनुका साथै गाउँपालिकामा आपत्कालिन उद्धार तथा राहत कोष तथा सामग्रीको व्यवस्था गर्ने सोचका साथ गाउँ विपद्, जोखिम तथा न्यूनिकरण ऐन २०७५, तयार गरेको
■	गाउँपालिकाले बाढी, पहिरो, चट्याङ, हावाहुरी, आगलागी, खडेरी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि र भूकम्प जस्ता कारणहरूको आंकलन गर्ने र यिनीहरूबाट हुने नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनिकरण गर्न विपद् व्यवस्थापन तथा प्रतिकार्य योजना २०७९ तयार गरेको
■	गाउँपालिकाले विपद् पूर्व तयारी योजना र विपद् प्रतिकार्य योजना अनुरूप कोष स्थापना गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

## उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच	
विपद् व्यवस्थापनको प्रभावकारी संयन्त्र निर्माण गरी जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्ने	
लक्ष्य	
विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रतिकार्य योजना लागू गरी पूर्णतः कार्यान्वयन गर्ने	
उद्देश्यहरू	
✓	प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्ने
✓	विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

### उद्देश्य १: प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१. विपद् जोखिम क्षेत्र नक्सांकन गर्ने ।	१.१.१. गाउँपालिकाका उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन गरी खतरा संकेतहरू राखिनेछ ।
	१.१.२. गाउँपालिकाका अति जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण गरिनेछ ।
१.२. विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणाली प्रभावकारी बनाउने ।	१.२.१. बाढी, मौसम लगायतको पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणालीको थप प्रभावकारी संचालन गरिनेछ ।
	१.२.२. विपद् पूर्व संकेत दिने थप उपकरणहरू प्रकोप सम्भाव्य स्थलहरूमा क्रमशः जडान गरिनेछ ।
	१.२.३. नियमित रूपमा भइरहने प्राकृतिक प्रकोपको अध्ययन गरी प्रकोप पात्रो तयार गरिनेछ ।
	१.२.४. विपद् सम्बन्धी पूर्वसूचना रेडियो, एफएम तथा अन्य सञ्चारमार्फत सम्प्रेषण गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.३. बीमा योजना लागू गर्ने ।	१.३.१. विपद् सम्भावित क्षेत्रका प्रत्येक नागरिकको अनिवार्य बीमा योजना लागू गरिनेछ र अति विपन्न परिवारको बीमा गाउँपालिकाले गरिदिनेछ ।

**उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ विपद् व्यवस्थापनमा सक्षम संयन्त्रको निर्माण गर्ने ।	२.१.१. विपद्को बेला पिउने पानी, खाद्यान्न, औषधी उपचार आदिको पूर्वतयारी गर्न वडास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.२. विपद्का बेला भेला हुने खुल्ला स्थानहरू तय गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३. स्वास्थ्यकर्मीहरू सम्मिलित गाउँपालिकास्तरीय संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन गरिनेछ ।
	२.१.४. बेलाबेलामा उद्धार तथा विपद्बाट बच्ने उपायबारे पूर्वाभ्यासहरू संचालन गरिनेछ ।
	२.१.५. वडास्तरमा युवाहरू सम्मिलित विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूह निर्माण गरी नियमित तालिम प्रदान गरिने छ ।
	२.१.६. विपद् व्यवस्थापनमा संलग्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।
	२.१.७. विपद्का बेला आवश्यक पर्ने उपकरण, उद्धार सामग्री, एम्बुलेन्स, स्काभेटर, डोरी, पाल लगायतका सामग्रीहरूको जोहो गरिनेछ ।
	२.१.८. विपद्को समयमा राहत तथा उद्धारलाई सहज बनाउन हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.९. सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयम् सेवक परिचालन गर्नुका साथै अत्यावश्यक सामग्री भण्डारणको व्यवस्था गरिनेछ
२.२. जलवायु अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि क्षमता विकास गर्ने ।	२.२.१. जलवायु परिवर्तनका प्रभावहरूको अध्ययन गरी सुझाव दिन विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।
	२.२.२. जलवायु परिवर्तनले निम्त्याएका समस्याहरू सामना गर्न स्थानीय स्तरमा तालिम तथा सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ ।
	२.२.३. स्थानीयस्तरमा तथा विद्यालयहरूमा जलवायु परिवर्तनका बारेमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
	२.२.४ जलवायु अनुकूलन हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.५ जलवायु अनुकूलन स्मार्ट भिलेज निर्माण गरिनेछ ।
	२.२.६ जलवायु परिवर्तन अनुकूल बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन गर्न थालनी गरिनेछ ।
२.३. जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. विपद्बाट बच्ने उपायका बारेमा सचेतना कार्यक्रमलाई समुदायमा अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

**विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलताको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन	३००					
		१.१.२.	उच्च जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण		४५०	५००	५५०	६००	
	१.२.	१.२.१.	विपद् पूर्वानुमान तथा चेतावनी सूचना प्रणालीको प्रभावकारी सञ्चालन			४५०			
		१.२.२.	विपद् पूर्व संकेत दिने उपकरण जडान		५००				
		१.२.३.	प्रकोप पात्रो तयार	३५	४०	४५	५०	५५	
		१.२.४.	विपद्सम्बन्धी पूर्व सूचना सम्प्रेषण	३५	४०	४५	५०	५५	
	१.३.	१.३.१.	बीमा योजनामा अनुदान	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	२	२.१.	२.१.१.	वडा स्तरीय विपद् व्यवस्थापन संयन्त्र निर्माण			४००		
२.१.२.			खुल्ला स्थान तय गरी पूर्वाधार निर्माण				१४००		
		२.१.३.	संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन	१४०					
		२.१.३.	माहामारीका लागि आइसोलेसन केन्द्र निर्माण				१५००		
		२.१.४.	उद्धार सम्बन्धित पूर्वाभ्यास सञ्चालन						
		२.१.५.	विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूहलाई तालिम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		२.१.६.	विभिन्न संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	२.१.७.	विपद् उद्धार सामग्री खरिद		४००		५००			
	२.१.८.	हेलिप्याड निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००		

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.१.९.	सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद व्यवस्थापन समिति तथा स्वयम सेवक परिचालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	२.२.	२.२.१.	विज्ञसँग परामर्श सेवा लिने			२५०			
		२.२.२.	तालिम तथा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		२.२.३.	अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
		२.२.४	जलवायू अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज सम्भाव्यता अध्ययन			२५०			
		२.२.५	जलवायू अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण	४००	४५०	४६०	४७०	४८०	
		२.२.६	जलवायू अनुकूलन हुने बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन अनुदान कार्यक्रम	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	
	२.३.	२.३.१.	सचेतना अभियान सञ्चालन	१००	१२०	१३०	१४०	१५०	

### अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ विपद् जोखिम नक्साङ्कन भएको हुने ।
- ✓ भौतिक संरचनाहरू मापदण्ड बमोजिम विपद् प्रतिरोधी भएको हुने,
- ✓ विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली प्रभावकारी भएको हुने,
- ✓ विपद्सम्बन्धी नीति तथा योजना बनेको हुने,
- ✓ विपद्बाट हुने क्षतिमा न्यूनीकरण भएको हुने,
- ✓ जलवायु परिवर्तनका असरहरूको अनुकूलन तथा न्यूनीकरण भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
		<b>विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b>			
	प्रतिफल	विपद्को कारण ज्यान गुमाउनेको संख्या (११.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	विपद्को कारण हराइरहेको संख्या (१.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	विपद्को कारण घाइते हुनेको संख्या (११.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	विपद्बाट प्रभावित घरपरिवार	प्रतिशत		
	प्रतिफल	विपद्को बेला भेला हुने स्थानको	संख्या		
	प्रतिफल	दमकल संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	एक्साभेटर संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	विपद् पूर्वसंकेत दिन जडित उपकरणहरूको संख्या	संख्या		
	असर	भूकम्प प्रतिरोधी घरको प्रतिशत			
	प्रतिफल	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना अन्तर्गत समुदायस्तरमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रमहरूको संख्या (१३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायुको दृष्टिकोणले स्मार्ट भिलेज (१३.२.१. घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायु अनुकूलनका वनस्पति तथा बालीनालीको संख्या	संख्या		
	असर	जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी शिक्षा समावेश गरेका विद्यालयहरूको संख्या (१३.३.१.१)(प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	जलवायुका दृष्टिकोणले अनुकूलन हुने गरी अपनाइएका खेती प्रणाली (१३.२.१ ड) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायुका असरलाई कम गर्ने कार्यमा तालिम प्राप्त व्यक्तिहरूको संख्या	संख्या		



## अनुमान तथा जोखिम पक्ष

---

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

# परिच्छेद - दः संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

## ८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन

### (अ) सुशासन तथा सेवा प्रवाह

#### पृष्ठभूमि

वास्तविक रूपमा असल शासनको स्थापना गर्न जनस्तरमा सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता हुन जरुरी रहन्छ। राज्यले लिएको नीतिअनुरूप असल शासनका प्रमुख आयामहरूमा सार्वजनिक प्रशासनमा पारदर्शिता, निष्पक्षता, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी शासन शुलभता र सहजता महत्वपूर्ण आयामहरू हुन्। यी आयामहरूको स्वस्थ विकास र सुनिश्चितता गर्न सकेको खण्डमा सङ्घीय संविधानको मर्मअनुरूप जनताको घरदैलोमा राज्यद्वारा प्रदान गरिने सेवा र सुविधा पुऱ्याउन सकिन्छ। गाउँपालिकाले कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम, नागरिक भेला, सार्वजनिक सुनुवाइ, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा नियन्त्रण कार्यप्रणालीलाई चुस्त, व्यवस्थित तथा पारदर्शी बनाउनु आवश्यक छ।

#### समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- लामो राजनैतिक संक्रमणबाट हालसालै स्थापित नयाँ सङ्घीय प्रणालीको स्थानीय सरकार भएका कारण सर्वाङ्गीण संस्थागत विकास भइनसकेको।
- सङ्घीयताको अभ्यास तथा अनुभव कम भएको।
- स्थानीयवासीको राजनैतिक चेतनाको स्तर माथि उठी नसकेको।
- संस्थागत तथा क्षमता अभिवृद्धिका नियमित कार्यक्रमहरूको व्यवस्था नभएको।
- गाउँपालिका केन्द्र/वडाकेन्द्रमा पर्याप्त भौतिक सामग्री (फर्निचर, कन्प्युटर, ल्यापटप आदि) उपलब्ध नभएको।
- जनचासो र जनगुनासोको समयमै सम्बोधन नहुँदा जनतामा निराशा उत्पन्न भई सङ्घीय व्यवस्थामा नै प्रश्न खडा हुन सक्ने।
- भ्रष्टाचार वृद्धि हुन सक्ने।
- पूर्वाग्रहरहित न्याय प्रणाली विकास गर्नुपर्ने।
- राजश्व अपचलन हुन सक्ने।
- जनप्रतिनिधि र कर्मचारीतन्त्रको समन्वयमा कठिनाइ हुन सक्ने।
- जनउत्तरदायी शासन प्रणालीको विकास गर्नुपर्ने।
- सबै कार्यालयलाई कर सूचनामैत्री तथा प्रविधियुक्त बनाउन ठूलो बजेटको आवश्यकता पर्ने।

#### सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन स्थानीय सरकारमा सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त भएको।
- जनादेश प्राप्त निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूले उत्साहका साथ काम गरिरहेको।
- न्यायिक समितिको व्यवस्था भएको।
- लेखा र प्रशासन सञ्चालनार्थ विभिन्न सफ्टवेयरहरूको विकास भएको।
- गाउँपालिकाले सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय बनाउन कर्मचारी तथा पदाधिकारीहरूको क्षमता विकासमा जोड दिने नीति अघि सारेको।

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- कर्मचारीको सेवाग्राहीसँगको व्यवहार सुमधुर रहेको ।
- कार्यपालिकाको निर्णय ४८ घण्टाभित्र सार्वजनिक गरी जनताप्रति उत्तरदायी हुने संस्कार विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा पदाधिकारीहरूको आचारसंहिता २०७४, तथा आर्थिक गतिविधिहरूलाई नियमित तथा व्यवस्थित ऐन २०७४ निर्माण भएको ।
- स्थानीय तहको शासन र प्रशासनिक संयन्त्रलाई समावेशी, सेवामुखी, स्तरीय विधिसम्मत र जनतामैत्री बनाउने लक्ष्य लिएको ।
- गाउँपालिकाले प्रत्येक आर्थिक वर्षमा गाउँपालिकाभित्रका उत्कृष्ट कर्मचारी छनौट गरी पुरस्कृत गर्ने नीति लाई निरन्तरता दिने नीति अपनाएको ।
- न्यायिक समितिलाई पूर्णता दिई आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विवाद व्यवस्थापन गर्न सकिने ।
- स्थानीय सरकार स्वायत्त भएका कारण गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था हेरी आवश्यकता अनुसार असल शासन अभिवृद्धि, मानव संसाधन विकास, योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन र सेवा प्रवाहलाई जनमुखी र प्रभावकारी बनाउन सकिने ।
- विद्यमान सूचना प्रविधिको सदुपयोग गरी अन्य स्थानीय सरकारले गरेका उत्कृष्ट अभ्यासहरूको अनुशरण गर्न सकिने ।
- जनगुनासोलाई तत्काल सम्बोधन गरी जनताको मन जित्न सकिने ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

जहदा गाउँपालिकाको सरोकार जनमुखी सरकार

#### लक्ष्य

सेवा प्रवाहलाई छिटो, छरितो, सुलभ जनउत्तरदायी र प्रभावकारी बनाई जनचासोमा केन्द्रित हुने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखी बनाउनु

#### उद्देश्य १: भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखी बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणाली प्रवर्द्धन गर्ने	१.१.१ नियमित रूपमा नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरी राज्यद्वारा प्रवाह हुने सेवामा रहेका जन गुनासो र चासोको अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.२ राज्यको कानूनको परिधिमा रही सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त बनाउन नागरिक सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ वडास्तरमा आवश्यकता अनुसार “घुम्ती स्थानीय सरकार” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.४ सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त राख्न विद्युतीय सूचना प्रणालीमा रूपान्तरण गर्न आवश्यक Software हरूको प्रबन्ध गरिनेछ ।

उद्देश्य १: भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखि बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.५ कर्मचारीहरूलाई सूचना प्रविधिमैत्री बनाउन आवश्यक तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.६ जनगुनासो व्यवस्थापन प्रणाली र कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.७ सूचना प्रविधिमा वडाका कृयाकलापलाई समेट्न आवश्यक पूर्वाधार खरिद गरिनेछ ।
	१.१.८ इन्टरनेट सुविधाको स्तर वृद्धि गरी प्रत्येक वडामा सुनिश्चित गरिनेछ ।
	१.१.१० सार्वजनिक अभिलेख प्रणाली र पञ्जिकरणलाई प्रविधि मैत्री र पूर्ण अध्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.११ स्थानीय न्यायिक समितिलाई स्रोत साधन युक्त बनाइनेछ ।
	१.१.१२ आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली तयार गरी लागू गरिनेछ ।
	१.१.१३ स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.१४ उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कारको प्रबन्ध गरिने छ ।
	१.१.१५ सार्वजनिक सूचना प्रणालीमा जनताको सहज पहुँच हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१६ विकासमा निजी क्षेत्रको सहयोग लिन नियमित अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।
	१.१.१७ संगठन व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.१.१८ जनप्रतिनिधि र कर्मचारी केन्द्रित क्षमता विकास सुशासन र सदाचारसम्बन्धी तालिम तथा अभिमुखीकरण गरिनेछ ।
	१.१.१९ पूँजीगत खर्चको पात्रो तयार गरी सार्वजनिक खर्च अन्तर्गत पूँजीगत खर्च क्षमता विकास गरिनेछ ।
	१.१.२० विकास निर्माणमा प्रगति विवरणलाई जनतासामू नियमित सार्वजनिक गर्न सूचना प्रविधिको विकास गरी सहज र पहुँच योग्य बनाइने छ ।
	१.१.२१ आयोजना तथा निर्माणस्थलमा आयोजनाको विस्तृत विवरणसम्बन्धी बोर्ड अनिवार्य राखिनेछ ।
	१.१.२२ सार्वजनिक सुनुवाइका कार्यक्रम नियमित गरिनेछ ।
	१.१.२३ गाउँपालिकाबासीसँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने 'हेलो जनता' कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२४ योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२५ प्रविधिको विकास गरि सेवालाई सहज, पारदर्शी र गुणस्तर बनाइनेछ ।
	१.१.२६ सदाचार नीति प्रभावकारी रूपमा कार्यन्वयन गरिनेछ।
	१.१.२७ सर्वसाधारणका गुनासो तथा समस्या हाल गर्नका लागि Rapid Response Team परिचालन गरिनेछ ।

उद्देश्य १: भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखि बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.२८ गाउँपालिकाका सबै वडा एवं सार्वजनिक तथा संस्थागत कार्यालयहरूमा सूचना अधिकारि तोकिनेछ ।
	१.१.२९ अन्य पालिकाका सफल अभ्यास र अनुभवको आदान प्रदान परिपाटीको विकास गरिनेछ ।
	१.१.३० सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरि पृष्ठपोषण लिने पद्धति अवलम्बन गर्दै प्रविधिमैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.३१ आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली सम्बन्धि निर्देशिका तयार गरि कार्यन्वयनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.३२ कर्मचारीको तलब वृद्धि तथा भत्ता नियमानुसार कायम गरिनेछ ।
	१.१.३३ कर्मचारी कल्याण कोषको स्थापना गरिनेछ ।
	१.१.३४ वार्षिक खरिद योजना तयार गरि लागु गरिनेछ ।

सुशासन तथा सेवा प्रवाहको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	नियमित नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.१.२	सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि अभिमुखीकरण	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.१.३	घुम्ती स्थानीय सरकार कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.४	Governance Software खरिद	३००					
		१.१.५	IT तालिम (कर्मचारी)	१८०	१८०	२८०	२८०	२८०	
		१.१.६	गुनासो सम्बोधन पूर्वाधार खरिद		२००				
		१.१.७	सूचना प्रविधि पूर्वाधार खरिद	३००					
		१.१.८	इन्टरनेट स्तरवृद्धि र सेवा विस्तार	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.९	वडा तथा गाउँपालिका भवन डिपिआर तयारी		१०००				
		१.१.१०	सार्वजनिक अभिलेख र पञ्जिकरण डिजिटलाइजेसन		१००				
		१.१.११	न्यायिक समिति क्षमता विकास		५००				
		१.१.१२	आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली निर्माण			५००			
		१.१.१३	स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		१.१.१४	उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		१.१.१५	सार्वजनिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण		३००				
		१.१.१६	निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया	८०	८५	९०	९५	१००	
		१.१.१७	O and M Survey	४००					
		१.१.१८	जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारी क्षमता विकास तालिम		५००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.१.१९	पूँजीगत खर्च पात्रो निर्माण	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.१.२०	विकास निर्माण प्रगति विवरण Display Board निर्माण	१००					
		१.१.२१	आयोजना स्थल विवरण प्रकाशन		१००				
		१.१.२२	सार्वजनिक सुनुवाइ संचालन	२००	२००	२००	३००	३००	
		१.१.२३	'हेलो जनता' कार्यक्रम सञ्चालन	३००					
		१.१.२४	योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण	१००					
		१.१.२५	प्रविधिको विकास गरि सेवालाइ सहज, पारदर्शी र गुणस्तर		५००				
		१.१.२६	सदाचार नीति प्रभावकारी रुपमा कार्यन्वयन						
		१.१.२७	सर्वसाधारणका गुनासो तथा समस्या हाल गर्नका लागि Rapid Response Team परिचालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.२८	गाउँपालिकाका सबै वडा एवं सार्वजनिक तथा संस्थागत कार्यालयहरूमा सूचना अधिकारि		१००				
		१.१.२९	अन्य पालिकाका सफल अभ्यास र अनुभवको आदान प्रदान परिपाटीको विकास	१००					
		१.१.३०	सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरि पृष्ठपोषण लिने पद्धति अवलम्बन गर्दै प्रविधिमैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण						
		१.१.३१	आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली सम्बन्धि निर्देशिका तयार गरि कार्यन्वयन		५००				
		१.१.३२	कर्मचारीको तलब वृद्धि तथा भत्ता नियमानुसार कायम	५०					
		१.१.३३	कर्मचारी कल्याण कोषको स्थापना			१५००			
		१.१.३४	वार्षिक खरिद योजना तयार गरि लागु						

### अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महसुस हुने सेवा प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>सुशासन तथा सेवा प्रवाह</b>				
	प्रतिफल	विगत १२ महिनाको अवधिमा सरकारी कर्मचारीसँग कम्तीमा १ पटक सम्पर्क भएका र उनीहरूलाई घुस दिएका वा मागिएका व्यक्ति (१६.५.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	सेवा प्रवाह सन्तुष्टि सर्वेक्षण	संख्या		
	प्रतिफल	सार्वजनिक सुनुवाई	संख्या		
	प्रतिफल	विगत १२ महिनामा सरकारी कर्मचारीलाई काम गराउँदा घुस वा उपहार दिन बाध्य पारिएका व्यक्तिको संख्या (१६.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	अनुगमन	संख्या		
	असर	पूँजीगत बजेट खर्च	प्रतिशत		
	असर	लक्षित आयोजना सम्पन्न	प्रतिशत		
	प्रतिफल	न्यायिक समितिबाट फछ्यौट मुद्दा संख्या (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	जनगुनासो संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	गुनासो सम्बोधन प्रणालीबाट सम्बोधन भएका गुनासा	संख्या		
	प्रतिफल	कर्मचारी जनप्रतिनिधि तालिम अभिमुखीकरण	संख्या		
	प्रतिफल	सूचना प्रविधिमा आबद्ध सूचना संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	स्थानीय रेडियो कार्यक्रम प्रसारण	संख्या		
	प्रतिफल	निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।



- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## (आ) मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय

### पृष्ठभूमि

मानवियता, मानवहित र सामाजिक न्यायका निमित्त आम नागरिकलाई मानव अधिकारको महत्व र आवश्यकता बारे ज्ञान हुनुपर्दछ। आधारभूत तहमा मौलिक हकको रूपमा नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेका मानवअधिकार उपभोगको सुनिश्चितता गर्ने राज्य र राज्यद्वारा परिचालित राज्यका यन्त्रहरू जस्तै प्रशासन, प्रहरी र राज्यका संबैधानिक अंगहरू जस्तै न्यायलय, मानव अधिकार आयोग, स्थानीय न्यायिक समिति आदि हुन्। स्थानीय सरकारको प्रमुख दायित्व अन्तर्गत मानव अधिकार प्रत्याभूत गर्नु र सामाजिक न्याय कायम गर्नु पर्ने भएकोले स्थानीय विकास योजनाका यी विषयको सम्बोधन गरिएको छ।

### समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- समाजमा सामाजिक जागरणको अवस्था कमजोर हुनु।
- परम्परागत रूपमा रहेका अन्धविश्वास, कुरीति, कुसंस्कार र भेदभावपूर्ण सामाजिक प्रणालीमा कारण सामाजिक न्याय संकटमा पर्नु।
- अशिक्षा, अज्ञानता र पछ्यौटेपन कायमै रहनु।
- गरीबी र विपन्नता कायमै रहनु।
- मानव अधिकारयुक्त पूर्ण सामाजिक न्याय स्थापित गर्ने चुनौती हुनु।

### सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- मानव अधिकारको विश्वव्यापि घोषणापत्रका प्रमुख मूल्य र मान्यतालाई नेपालको संविधानले आत्मसाथ गरी मौलिक हकमा व्यवस्था गरेको।
- गाउँपालिकाले न्यायिक समिति कार्यविधि ऐन २०७५, निर्माण गरेको।
- स्थानीय सरकारलाई मानवअधिकार रक्षा गर्ने अधिकार प्राप्त भएको।
- स्थानीय न्यायिक समितिको प्रबन्ध भएको।
- स्वतन्त्र न्यायपालिकाको परिकल्पना गरी न्याय सम्पादन संयन्त्र निर्माण भएको।
- स्थानीयस्तरमा मानव अधिकार र सामाजिक न्यायका पक्षमा जनचेतना वृद्धि हुँदै गएको।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सामाजिक रूपले न्यायपूर्ण समाजको निर्माण

#### लक्ष्य

मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरूमा उल्लेख्य कमी ल्याई मौलिक हक प्रत्याभूत गर्ने

#### उद्देश्यहरू

- ✓ मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु

उद्देश्य १: मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ मानव बेचबिखन तथा शोषणका दृष्टिकोणले सम्बेदनशील व्यक्ति तथा समूह पहिचान गरी व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि र सशक्तिकरण गर्ने	१.१.१ मानव बेचबिखन र ओसार पसारका दृष्टिकोणले अत्यन्त जोखिममा रहेका वर्ग क्षेत्र र समुदायको शुष्म ढंगले अध्ययन गरी स्थितिपत्र तयार पारिने छ ।
	१.१.२ मानवअधिकार उल्लङ्घन तथा मानवबेचबिखन र ओसारप्रसार विरुद्ध व्यापक रूपमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यम, सामाजिक सञ्जाल र पत्रकारहरूको सहयोग लिइनेछ ।
	१.१.३ यौन हिंसा, यौन शोषण र बलात्कार जस्ता जघन्य अपराध न्यूनीकरण गर्न कानुनी उपचार खोज्न र दोषिलाई कानुनको दायरामा ल्याउन प्रत्येक वडामा महिला अधिकारकर्मी तथा समाजसेवी, राजनीतिक नेतृहरूको अगुवाइमा एक सशक्त मानव अधिकार सेलको गठन गरिनेछ ।
	१.१.४ बेपत्ता पारिएका, द्वन्द पिडित, बेचबिखनमा परेका, शहिद परिवार, लक्षित परिवारको लगत संकलन गरी उनीहरूको सशक्तिकरणका तथा सामाजिक पुन स्थापनाका लागि विशेष प्याकेज निर्माण गरी आयआर्जन र सामाजिक एकीकरणलाई सहज बनाइने छ ।
	१.१.५ मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरू न्यायिक समितिमा दर्ता गर्न वडास्तरीय महिला सेललाई सक्रिय तुल्याउन सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.६ माध्यमिक तहमा अध्ययनरत छात्र छात्रा केन्द्रित यौन हिंसा, यौन शोषण, बलात्कार दाइजो र बाल अधिकारका विषयमा हरेक महिनामा एक पटक हुनेगरी घुम्ती कक्षा सञ्चालनको व्यवस्था मिलाइने छ ।
	१.१.७ न्यायमा पहुँच नभएका विपन्न वर्गहरूलाई निःशुल्क कानुनी परामर्श सेवा दिन संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.८ संविधान प्रदत्त सबै मौलिक हकहरूको कार्यान्वयन गराउन आवश्यक संयन्त्रको विकास गर्न एक अध्ययन गरी आवश्यक स्थानीय कानुन र राज्यका यन्त्रको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.९ न्यायिक समितिलाई थप पुर्वाधारयुक्त बनाइ पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.१० वडा स्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापनलाई अभि सक्रिय बनाइनेछ ।
१.१.११ आम जनसमुदायलाई स्थानीय अदालतबाट दिइने सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुर्याउने तर्फ अगाडि बढ्ने नीति अख्तियारी गरिनेछ ।	

## मानव अधिकार तथा सामाजिक न्यायको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	जोखिम समूह र व्यक्तिको पहिचान गर्ने	५०					
		१.१.२	सामाजिक सञ्जाल तथा स्थानीय संचार माध्यममार्फत जनचेतनामूलक कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	वडास्तरीय मानव अधिकार सेल गठन	१००					
		१.१.४	आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तकरणका लागि लक्षित समूह आय आर्जन कार्यक्रम	१००	२००	२५०	३००	४००	
		१.१.५	न्यायिक समितिमा मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटना दर्ता गर्न महिला सेल अभिमुखीकरण	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.१.६	मानवअधिकार विद्यालय घुम्ती कक्षा संचालन	१००	२००	२५०	३००	४००	
		१.१.७	निःशुल्क कानुनी परामर्श सेवा सञ्चालन	१००	२००	२५०	३००	४००	
		१.१.८	मौलिक हक कार्यान्वयन स्थिति बारे अध्ययन	२००					
		१.१.९	न्यायिक समितिमा पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था	१००					
		१.१.१०	वडा स्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापन		१००				
		१.१.११	आम जनसमुदायलाई सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुऱ्याउने नीति अख्तियारी	१००					

## अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ मानवअधिकार उल्लङ्घन, मानव बेचबिखन, यौन हिंसा र शोषण लगायतका सामाजिक अपराधका घटनाहरूमा महशुस हुनेगरी कमी आएका हुने छन् ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय</b>				
	प्रतिफल	जोखिममा परेका व्यक्तिको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	मानव अधिकार सेल संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	लक्षित समूह आय आर्जन कार्यक्रम संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	न्यायिक समितिमा दर्ता भएका मानव अधिकार उल्लङ्घनका संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	मानव अधिकार घुम्ती कक्षा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	निःशुल्क कानुनी परामर्शबाट दर्ता भएका मुद्धा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	यौन हिंसाका घटना (दर्ता संख्या)	संख्या		
	प्रतिफल	मानव बेचबिखनमा परेका संख्या	संख्या		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## (इ) तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन

### पृष्ठभूमि

कुनै पनि विकास योजनालाई सफल रूपमा कार्यान्वयन गर्न वस्तुनिष्ठ सूचनाको अनिवार्यता हुन्छ। गाउँपालिकामा गरिने हरेक विकासका क्रियाकलापहरू र समग्र वस्तुस्थितिलाई कतिपय अवस्थामा परिमाणमा प्रतिबिम्बित गर्न मिल्दछ। तसर्थ हरेक क्रियाकलापलाई परिमाणमा देखाउँदा विकास र समृद्धिको मापन गर्न सहज हुनुका साथै यथार्थमा गाउँपालिकाको स्थितिबारे थाहा पाउन सकिन्छ। यसका लागि हरेक सूचनालाई अद्यावधिक गर्ने सूचना तथा तथ्यांक प्रणालीको आवश्यकता रहन्छ। अर्कोतर्फ राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थापन नियमित र वैज्ञानिक नहुँदा राज्यको स्रोत र साधनको व्यापक दुरुपयोग हुन सक्ने जोखिम रहन्छ। यी पक्षहरूलाई ध्यानमा राखी तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थालाई सुदृढ गर्नुपर्ने भएकोले यो खण्ड तयार पारिएको छ।

### उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
चुस्त तथ्याङ्क तथा वित्तीय व्यवस्थापन
<b>लक्ष्य</b>
सूचना प्रविधिको महत्तम प्रयोगमार्फत तथ्याङ्क र वित्तीय व्यवस्थापनलाई चुस्त र दुरुस्त राख्ने
<b>उद्देश्यहरू</b>
✓ स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु

**उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सुदृढ अभिलेख प्रणालीको विकास गर्ने	१.१.१. सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी स्थानीय सरकारसँग सम्बद्ध सबै सूचना र तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्न एक साधन सम्पन्न तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई निर्माण गरिनेछ।
	१.१.२ सबै प्रकारका सूचनाहरू अद्यावधिक हुने स्वचालित अभिलेखाङ्कन प्रणाली तयार पार्न अध्ययन गरी software हरू खरिद गरिनेछ।
	१.१.३ अभिलेख इकाइमा आवश्यक दरबन्दीको प्रबन्ध गरिनेछ।
	१.१.४ सबै वडाहरूमा अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार गरिनेछ।
१.२ आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी संस्थागत संयन्त्र निर्माण गरी वित्तीय व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी तुल्याउने	१.२.१ सार्वजनिक खर्चका मापदण्ड र मितव्ययिता कायम हुने नीति निर्माण गरी लागू गरिनेछ।
	१.२.२ अनुगमन प्रणालीलाई दुरुस्त बनाउन वार्षिक कार्य योजना तयार पारिनेछ।
	१.२.३ राजश्व संकलनलाई करदाता मैत्री बनाउन आवश्यक अध्ययन गरी सोहि अनुसारको प्रणाली विकास गरिनेछ।

उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.४ सम्पूर्ण व्यवसायलाई दर्ता गरी करको दायरामा ल्याउन घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.५ राज्यलाई तिरेको कर कसरी जनताका लागि खर्च हुन्छ भन्ने स्थापित गर्न कर शिक्षा कार्यक्रम नियमित सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६ राजश्वका स्रोतहरूको पहिचान गर्न राजश्व सुधार कार्य योजना तयार गरी लागू गरिनेछ ।
	१.२.७ गाउँपालिकाका ठूला करदातालाई सार्वजनिक सम्मान गरिनेछ ।
	१.२.८ सीमान्तकृत वर्ग र महिला उद्यमीलाई व्यवसाय सञ्चालन गर्न मापदण्डका आधारमा विशेष सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.९ गाउँपालिकाको आयव्ययको विवरण नियमित रुपमा प्रकाशन गर्ने प्रबन्ध मिलाइनेछ ।
	१.२.१० गाउँपालिकाबासीलाई कर तिर्न प्रेरित गरिनेछ ।
	१.२.११ अधिकतम कर संकलनका लागि, कर तिरौं आफ्नै लागि भन्ने अभियान संचालन गरिनेछ
	१.२.१२ कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता कायम गरिनेछ

**तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	तथ्याङ्क तथा सूचना इकाइ गठन		३५०				
		१.१.२	सूचना अभिलेखाङ्कन Software खरिद तथा निरन्तर अद्यावधिक		३५२	५०	६०	७०	
		१.१.३	अभिलेख इकाइमा दरबन्दी व्यवस्थापन		६००	६५०	६७०	६८०	
		१.१.४	अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार						
	१.२	१.२.१	सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड निर्माण		४५				
		१.२.२	अनुगमन वार्षिक कार्ययोजना तयारी		४५	५०	५५	६०	
		१.२.३	करदातामैत्री राजश्व संकलन प्रणाली निर्माण अध्ययन	४५	५०	५५	६०	६५	
		१.२.४	घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.५	करदाता शिक्षा कार्यक्रम	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.६	राजश्व सुधार कार्ययोजना निर्माण		५००				
		१.२.७	ठूला करदाता सम्मान	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.८	व्यवसाय दर्ता छुट (लक्षित समुदाय) तथा अनुदान	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.९	गाउँपालिकाको आयव्यय नियमित प्रकाशन प्रणाली निर्माण	४५	५०	५५	६०	६५	
		१.२.१०	“कर तिरौँ गाउँ विकासमा योगदान गरौँ” कार्यक्रम सञ्चालन	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.११	कर तिरौँ आफ्नै लागि भन्ने अभियान संचालन	२५	३०	३५	४०	४५	
		१.२.१२	कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता						

**अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका**

- ✓ लक्षित समुदायलाइ व्यवसाय दर्तामा छुट तथा अनुदान दिइएको हुने
- ✓ गाउँपालिकाको आय व्यय नियमित प्रकाशन गर्ने प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।



## नतिजा सूचकहरू

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>तथ्याङ्क व्यवस्थापन राजश्व परिचालन</b>				
	प्रतिफल	तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणालीमा आबद्ध सूचना प्रणाली संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	करदाता शिक्षा कार्यक्रम संख्या	संख्या		
	असर	कूल बजेटमा आन्तरिक राजश्व वा करको हिस्सा (प्रतिशत) (१७.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल स्वीकृत बजेटको खर्च प्रतिशत (वार्षिक)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	दर्ता भएका व्यवसाय संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	राजश्व संकलन हुने शिर्षक संख्या	संख्या		
	असर	कूल बजेटको अनुपातमा संघीय र प्रादेशिक सरकारबाट प्राप्त अनुदान प्रतिशत (१७.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल बजेटको अनुपातमा राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम प्रतिशत (१७.३.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

### अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था

### ९.१ पृष्ठभूमि

नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचा बमोजिम कुनै पनि स्थानीय सरकारले विकासका कार्यक्रमहरू तय गर्दा विशेषतः स्थानीय वस्तुगत अवस्थाको आधारमा स्थानीयबासीका आधारभूत आवश्यकताहरू जस्तै भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास, वातावरणीय सन्तुलन तथा संस्थागत सेवा प्रवाहमा प्रत्यक्षरूपमा सहयोग पुऱ्याई समग्र विकासलाई सन्तुलित र नतिजामुखी ढङ्गले कार्यान्वयन गर्न प्रभावकारी सिद्ध हुनेगरी गर्नुपर्दछ ।

### ९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. ०७९/८० को यथार्थ	आ.व. ०८०/८१ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८१/८२ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८२/८३ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८३/८४को प्रक्षेपण	आ.व. ०८४/८५ को प्रक्षेपण
१.	<b>आर्थिक क्षेत्र</b>	६०८१०२६	६६८९१२९	७३५८०४१	८०९३८४६	८९०३२३०	९७९३५५३
	कृषि/पशु	३९७५५७६	४३७३१३४	४८१०४४७	५२९१४९२	५८२०६४१	६४०२७०५
	उद्योग तथा तालिम	१९०५४५०	२०९५९९५	२३०५५९५	२५३६१५४	२७८९७६९	३०६८७४६
	सहकारी	२०००००	२२००००	२४२०००	२६६२००	२९२८२०	३२२१०२
२.	<b>सामाजिक क्षेत्र</b>	८९४५८२२	९८४०४०४	१०८२४४४५	११९०६८८९	१३०९७५७८	१४४०७३३६
	शिक्षा	१२४३९७२	१३६८३६९	१५०५२०६	१६५५७२७	१८२१२९९	२००३४२९
	स्वास्थ्य	१५४४९००	१६९९३९०	१८६९३२९	२०५६२६२	२२६१८८८	२४८८०७७
	खानेपानी तथा सरसफाई	१०००००	११००००	१२१०००	१३३१००	१४६४१०	१६१०५१
	संस्कृती प्रवर्द्धन	३६०६९५०	३९६७६४५	४३६४४१०	४८००८५०	५२८०९३५	५८०९०२९
	खेलकुद तथा मनोरञ्जन	१०६५०००	११७१५००	१२८८६५०	१४१७५१५	१५५९२६७	१७१५१९३

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. ०७९/८० को यथार्थ	आ.व. ०८०/८१ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८१/८२ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८२/८३ को प्रक्षेपण	आ.व. ०८३/८४को प्रक्षेपण	आ.व. ०८४/८५ को प्रक्षेपण
	लैंगिक समानता तथा समाजिक समावेशीकरण	१३८५०००	१५२३५००	१६७५८५०	१८४३४३५	२०२७७७९	२२३०५५६
३.	<b>पूर्वाधार</b>	१५३७९६१७	१६९१७५७९	१८६०९३३७	२०४७०२७०	२२५१७२९७	२४७६९०२७
	स्थानीय सडक, पुल तथा भोलुङ्गे पुल	१७६७४६१७	१९४४२०७९	२१३८६२८७	२३५२४९१५	२५८७७४०७	२८४६५१४७
४.	<b>वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b>	२१७०७७७	२३८७८५५	२६२६६४०	२८८९३०४	३१७८२३५	३४९६०५८
	वन तथा भु-संरक्षण	५५००००	६०५०००	६६५५००	७३२०५०	८०५२५५	८८५७८१
	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन	४२००००	४६२०००	५०८२००	५५९०२०	६१४९२२	६७६४१४
	विपद् व्यवस्थापन	१२००७७७	१३२०८५५	१४५२९४०	१५९८२३४	१७५८०५८	१९३३८६३
५.	<b>संस्थागत विकास</b>	६०३४३१५	६६३७७४७	७३०१५२१	८०३१६७३	८८३४८४१	९७१८३२५
	सामान्य सेवा	२०६००००	२२६६०००	२४९२६००	२७४१८६०	३०१६०४६	३३१७६५१
	अनुसन्धान तथा विकास	२०४७०००	२२५१७००	२४७६८७०	२७२४५५७	२९९७०१३	३२९६७१४
	अन्यत्र वर्गीकृत नभएको	१९२७३१५	२१२००४७	२३३२०५१	२५६५२५६	२८२१७८२	३१०३९६०

### १.३ स्रोत परिचालन रणनीति

स्थानीय सरकारका वित्तीय स्रोतहरू संघीय तथा प्रदेश सरकारबाट विभिन्न शिर्षकहरूमा प्राप्त हुने अनुदानहरू हुन् । यसका अलावा सहकारी, समुदाय र निजी क्षेत्रका साथै स्थानीयस्तरमा संकलन हुने राजश्व समेत वित्तीय स्रोतहरू हुन् । यसर्थ यी सम्पूर्ण स्रोतहरूको समुचित परिचालन मार्फत लक्ष्यहरू हासिल गर्न निम्न स्रोत परिचालन रणनीति तय गरिएको छ ।

१. सार्वजनिक, निजी, सहकारी साभेदारीको अवधारणा अवलम्बन गर्ने ।
२. वित्तीय संस्थाहरूसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने ।
३. उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
४. तीनै तहका सरकारहरूबीच सहकार्य गर्ने ।
५. निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्ने नीति तय गर्ने ।
६. गैर आवासिय नेपालीको लगानी संकलन गरी विप्रेषणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा केन्द्रित गर्ने ।
७. अनुत्पादक खर्चलाई कटौती गर्ने ।
८. तुलनात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी केन्द्रित गर्ने ।
९. पूर्ण रूपमा पूर्व तयारी पश्चात मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट र बजेट विनियोजन गर्ने ।
१०. रकमान्तरलाई निरुत्साहित गर्ने ।
११. चालू खर्चको सिमा निर्धारण गरी पूँजीगत खर्च बृद्धि गर्ने ।
१२. स्थानीय गौरवका आयोजनाहरूको कार्यान्वयनलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्ने र सोका लागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने ।

सामान्यतया कुनैपनि कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको आधारमा चार तहमा राखेर मूल्याङ्कन गर्न सकिन्छ ।

#### १. “अति उत्तम”- ३ अंक

“अति उत्तम” तह अन्तर्गत कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा आवागमनमा निकै कठिनता छ र सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्यक्रमले आवागमनलाई प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय प्रभाव पार्दछ भने सो कार्यक्रम कार्यान्वयनका हिसाबले पहिलो प्राथमिकता तथा अति उत्तम वर्गमा पर्दछ । यस प्रकारका कार्यक्रममा सो शिर्षक अन्तर्गत विनियोजित बजेटको ५० प्रतिशत भन्दा बढी रकम पर्न आउँछ ।

#### २. “उत्तम”- २ अंक

“उत्तम” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा धार्मिक तथा अन्धविश्वासले सामाजिक कुरीति र जटिलता सिर्जना गरेको छ भने विद्यालय खोली शिक्षाको विकास गर्दा सामाजिक जटिलता न्यून गर्न अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको हिसाबले दोस्रो प्राथमिकतामा पर्दछ भने यसलाई उत्तम मानी २ अंक प्रदान गर्नुपर्दछ । यस प्रकारको कार्यक्रममा समेत सम्बन्धित शिर्षक मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा बढी बजेट विनियोजन हुन्छ ।

#### ३. “सामान्य”- १ अंक

“सामान्य” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **सामान्य वा कम** मात्र योगदान दिन्छ भने सो कार्यक्रममा विनियोजित रकम मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा कम रकम मात्र छुट्याइन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको आधारमा तेस्रो तहमा पर्दछ भने त्यसलाई १ अंक दिनुपर्दछ ।

#### ४. “न्यून”- ० अंक

“न्यून” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न न्यून वा योगदान नै नपुऱ्याउने हुन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकतामा पर्दैन तसर्थ यसलाई शुन्य अंक प्रदान गरिन्छ ।

यसरी कार्यक्रम प्राथमिककरण गर्दा विषय क्षेत्रगत विकास कार्यक्रम तथा उपक्षेत्रहरूका प्रत्येक कार्यक्रमहरूको मूल्याङ्कन गरी चार तहमा विभाजन गर्न सकिन्छ । अर्थात् उदाहरणको लागि भौतिक पूर्वाधार अन्तर्गत कुनै निश्चित स्थानदेखि अर्को स्थान जोड्न सडकको स्तरोन्नति गर्दा सो सडकले स्थानीयबासीको तत्कालीन वा दीर्घकालीन प्रमुख समस्या वा मागलाई कुन तहबाट सम्बोधन गर्न सक्छ भनी मूल्याङ्कन गर्नुपर्दछ । त्यसो गर्दा सो कार्यक्रम

अति उत्तम भए → पहिलो प्राथमिकता

उत्तम भए → दोस्रो प्राथमिकता

सामान्य भए → तेस्रो प्राथमिकता

न्यून भए → प्राथमिकतामा नपर्ने हुन्छ ।

एवम रीतले प्रत्येक विषयगत क्षेत्र र सो क्षेत्र अन्तर्गतका उपक्षेत्रका सम्पूर्ण कार्यक्रमहरूलाई तोकिएको लक्ष्य हासिल गर्न कस्तो प्रकारको योगदान पुऱ्याउँछ भनी मूल्याङ्कन गर्दा माथि उल्लेखित तहहरूमा विभाजन गरेर प्राथमिकता निर्धारण गर्नुपर्दछ । यसकासाथै अन्य आधारमा :

- (१) चालु वार्षिक योजनाको फराकिलो आधारको समावेशी आर्थिक उद्देश्य वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (२) दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (३) जनसहभागिता सुनिश्चित गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (४) समावेशीकरणमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (५) यदि सञ्चालित आयोजनाहरू छुन् भन्ने पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारीको अवस्था हेरी कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?

यसरी यी प्रश्नहरूले गर्दा कस्तो उत्तर आउँछ, सोको आधारमा कार्यक्रमलाई माथि उल्लेखित

“अति उत्तम”

“उत्तम”

“सामान्य” र

“न्यून” तहमा विभाजन गरी प्राथमिकता निर्धारण गर्न सकिन्छ साथै स्थानीय विकास गुरुयोजनाको मूल लक्ष्य स्थानीयबासीका आधारभूत आवश्यकता सम्बोधन गरी क्रमशः उच्च विकासतर्फ लम्कनु पर्ने भएकाले कार्यक्रम तय गर्दा वडास्तरमा निम्न बमोजिम गर्नुपर्दछ ।

#### वडा तहका योजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण

बस्ती तथा टोल स्तरमा कार्यक्रम वारे छलफल गर्दा दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न मद्दत गर्ने कार्यक्रमवारे छलफल गर्नु पर्दछ । वडा तहअन्तर्गतका बस्ती र टोल स्तरको आयोजनाहरू छनौट गर्दा निम्नलिखित प्रक्रिया अवलम्बन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

- (क) वडा समितिले आफ्नो वडामा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्यहरूलाई विभिन्न बस्ती/टोलको योजना तर्जुमा गर्न सहजीकरण गर्नेगरी जिम्मेवारी प्रदान गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (ख) प्रत्येक वडाले वडा भित्रका बस्ती र टोलहरूमा योजना तर्जुमाको लागि बैठक हुने दिन, मिति र समय कम्तिमा तीन दिन अगावै सार्वजनिक सूचनामार्फत् जानकारी गराउनु पर्नेछ ।

- (ग) नगरपालिका/गाउँपालिका अन्तर्गतका वडाअन्तर्गत रहेका बस्ती/टोलको भेलामार्फत् बस्ती/टोलस्तरका आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्ने बस्ती तथा टोलस्तरमा आयोजना छनौट गर्दा समुदायको आवश्यकता पहिचान गरी आयोजना/कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (घ) बस्ती/टोल स्तरका योजना छनौट गर्दा सो बस्ती भित्रका सबै वर्ग र समुदाय, महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, मधेशी, थारु, मुस्लिम, उत्पीडित वर्ग, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत, युवा, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, पिछडिएको वर्ग आदि लगायत सबै समुदायको अर्थपूर्ण सहभागिताको सुनिश्चित गर्नुपर्ने हुन्छ।
- (ङ) बस्ती/टोल भित्रका क्रियाशील सामुदायिक सस्थाहरू (टोल विकास सस्था, महिला/आमा समुह, बाल क्लव र सञ्जाल, युवा क्लव, स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरू, नागरिक सचेतना केन्द्र, विभिन्न सरकारी कार्यालयबाट गठन भएका समूहजस्ता समूहहरूलाई पनि सहभागी गराउनु पर्ने हुन्छ ।

माथि उल्लेख भए बमोजिमका सरोकारवालाहरूको अधिकतम सहभागिता हुने गरी वडा अध्यक्ष र सदस्यको संयोजनमा निर्धारित समय, मिति र स्थानमा उपस्थित भै आयोजना छनौटको सम्बन्धमा अन्तरक्रिया, छलफल, विमर्श गरी आयोजनाहरूको छनौट गर्नुपर्नेछ । यसरी बस्तीस्तरमा छनौट भएका आयोजना/कार्यक्रमहरूको सूची संयोजकले लिखित रूपमा तयार गरि वडा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

वडा समितिहरूले टोल/बस्तीस्तरबाट प्राप्त आयोजना र कार्यक्रमहरूलाई विषयक्षेत्रअनुसार समूहकृत गरिन्छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिबाट प्राप्त बजेट सीमा र मार्गदर्शनको आधारमा सम्बन्धित वडाहरूले बस्ती टोलबाट प्राप्त योजनाहरूमध्येबाट वडाको लागि प्राप्त बजेट सीमाको अधीनमा रही योजनाहरूको छनौट र प्राथमिकता निर्धारण समेत गरी अनुसूची ४ बमोजिमको ढाँचामा बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

बस्ती टोलबाट योजना माग गर्दा वडास्तरका महत्वपूर्ण योजनाहरू छुट भएको अवस्थामा वडा समितिले त्यस्ता योजनाहरू वडा समितिको बजेट सीमा भित्र रही औचित्यको आधारमा समावेश गर्न सक्नेछ । वडाको बजेट सीमाभित्र कार्यान्वयन हुन नसक्ने गाउँस्तरीय महत्वपूर्ण आयोजनाहरू भएमा वडा समितिले गाउँपालिकामा छुट्टै सूची पठाउन सक्नेछ ।

वडा समितिले आयोजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्दा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तोकेको आधारहरू र दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्ने कार्यक्रमलाई विशेष ध्यान दिनुपर्ने हुन्छ । यसरी छनौट भएका योजनाहरूको प्राथमिकीकरणका साथ गाउँपालिकामा पठाउनुपर्ने हुन्छ ।

## ९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

### क) अनुगमन

विकास योजनाको कार्यान्वयन समयमै सम्पन्न गर्न र आयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य प्राप्त गर्न विकास आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन आवश्यक पर्दछ ।

योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा लगानी तथा साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ, छैन र कार्यतालिकाअनुसार क्रियाकलापहरूको कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्त हुने स्थिति छ, छैन भनी विभिन्न तहमा व्यवस्थापन वा व्यवस्थापनले तोकेको व्यक्ति तथा निकायबाट निरन्तर र आवधिक रूपमा निगरानी राख्ने कार्य अनुगमन हो । कुनैपनि कार्यक्रम आयोजनाको पहिचानको चरणदेखि कार्यान्वयन सम्पन्न भई सञ्चालन अवधिमा समेत अनुगमन गरिरहनु पर्छ । यसरी विभिन्न चरणमा गरिने अनुगमनबाट प्राप्त भएका नतिजा, सुझाव तथा सल्लाहलाई पृष्ठपोषणको रूपमा लिई आवश्यकताअनुरूप सुधार गर्दै जानुपर्ने हुन्छ ।

यसो भएमा मात्र विकास आयोजनाले गति लिई समयमै सम्पन्न गर्न मद्दत पुग्न जानेछ र विकासको लक्ष्य हासिल गर्न सकिने छ ।

### अनुगमन २ प्रकारले गर्न सकिने छ :

१. आयोजना स्थलमै गएर योजनाको क्रियाकलाप बारेमा जानकारी लिने गरी गरिने अनुगमन ।

२. आयोजनाको क्रियाकलापको प्रगति विवरण माग्ने र प्राप्त गरी गरिने अनुगमन ।

तर दुवै प्रकारका अनुगमनमा देखिएका समस्याको समाधान गर्न तत्कालै आवश्यक कदम चल्नु पर्दछ नत्र अनुगमनको कुनै औचित्य रहदैन ।

अनुगमनका क्रममा योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा निम्न कुराहरूको विश्लेषण गरिन्छ ।

- स्रोतसाधनको प्राप्त र प्रयोग स्वीकृत बजेट र समय तालिकाअनुसार भए नभएको
- अपेक्षित प्रतिफलहरूसमयमै र लागत प्रभावकारी रूपमा हाँसिल भए नभएको
- कार्यान्वयन क्षमता के कस्ता छन् ?
- के कस्ता समस्या र बाधा व्यवधानहरू देखिएका छन् र तिनको समाधानका निम्ति के-कस्ता उपायहरू अवलम्बन गर्नुपर्छ ?

अनुगमनका क्रममा उपर्युक्त पक्षहरूको बारेमा नियमित, व्यवस्थित र समयबद्ध रूपमा तथ्याङ्क विवरणहरू सङ्कलन, प्रशोधन र प्रतिवेदन गर्ने कार्य गरिन्छ । यसबाट समयमै समस्या पहिचान गरी समाधान गर्न महत्वपूर्ण सहयोग पुग्दछ । अनुगमनका लागि कार्यान्वयन योजना, आयोजना विवरण तालिका, जिम्मेवारी तालिका आदि दस्तावेजको उपयोग गरिन्छ ।

### अनुगमन प्रणालीको छनौट तथा निर्धारण

अनुगमन प्रणाली प्रचलित सोच तालिका (Log Frame) का आधारमा स्थापित गर्न सकिन्छ । स्थानीय तहले आफ्नो विशिष्टता र प्राविधिक क्षमताका आधारमा यस्तो विधि अपनाउन सक्छन् । यस्तो विस्तृत विधि राष्ट्रिय योजना आयोगबाट प्रवर्द्धित **राष्ट्रिय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनमा** हेर्न सकिन्छ ।

स्थानीय तहले आफ्नो आवश्यकता र उपलब्ध वस्तुगत तथ्याङ्कको आधारमा मौलिक रूपमा अनुगमन प्रणाली अवलम्बन गर्न सक्दछन् । साथै स्थानीय तहको तथ्याङ्क व्यवस्थापन र प्रयोगका लागि राष्ट्रिय प्रणालीसँग आवद्ध हुने खालको अनुगमन सूचना प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने हुन्छ ।

अनुगमन योजना बनाउँदा राष्ट्रिय सरोकारका विषय, मानव विकास सूचकाङ्क, दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरूलाई स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विषयमा योगदान गर्ने सूचकहरूस्थापित गरी अनुगमन गर्ने र सोको प्रतिवेदन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

स्थानीय तहको आफ्नो क्षेत्रभित्र क्रियाशील गैरसरकारी संघसंस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था लगायतका सामाजिक तथा सामुदायिक संघ संस्थाले स्थानीय तहसँगको समन्वयमा रही कार्य गर्नुपर्ने र स्थानीय तहको अनुगमन प्रणालीमा त्यस्ता कार्यहरूको पनि अनुगमन गर्ने व्यवस्था मिलाउनु गर्नुपर्ने हुन्छ ।

### अनुगमन तह

आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य र कार्यक्रम तहमा गरिने अनुगमन पद्धति तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

## आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया

कुन तहमा अनुगमन गर्ने	के अनुगमन गर्ने	कहिले र कस्ले अनुगमन गर्ने	कुन तहको सूचक राख्ने	मापन गर्ने आधार
लक्ष्य	परेको प्रभाव	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिकाद्वारा नियुक्त स्वतन्त्र संस्था वा विज्ञले आवधिक योजनाको अन्त्यमा</li> <li>कार्यपालिकाद्वारा आवधिक योजनाको मध्यकालमा</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रभाव तहको</li> <li>असर तहको</li> <li>जनभावनामा परिवर्तन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको वार्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदनहरू</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> <li>वार्षिक कार्ययोजनाहरूको प्रगति</li> </ul>
परिणाम	देखिने असर <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्पादकत्वमा परिवर्तन</li> <li>सडक पहुँच आदि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिका र गाउँ/नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति</li> <li>वार्षिक</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>प्रतिशत वृद्धि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>सहभागितामूलक</li> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाकाअनुसार</li> <li>नमूना सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>
योजना	निर्मित परिणामहरू <ul style="list-style-type: none"> <li>कक्षा सञ्चालन</li> <li>उत्पादन परिमाण</li> <li>सडक विस्तार</li> <li>स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँ र नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति, शाखा कार्यालयहरू र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत ।</li> <li>चौमासिक/वार्षिक</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>सङ्ख्यात्मक वृद्धि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाकाअनुसार</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> <li>सार्वजनिक परिक्षण, सामाजिक परीक्षण तथा सार्वजनिक सुनुवाइ</li> </ul>

### लक्ष्य तह

लक्ष्य	सूचक	आधार वर्ष	परिवर्तन
<p>“शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाको समुचित विकास गरी समुदायको आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउने ।”</p> <p>“उद्योग र व्यापार फस्टाउन आवश्यक पूर्वाधारका लागि भूउपयोग योजना गर्दै समुदायको सहभागितामा गाउँ सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ बनाउने । ”</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा प्राथमिक स्वास्थ्यजन्य रोगीको सङ्ख्यामा कमी</li> <li>भूउपयोग योजना तयारी एवम् कार्यान्वयन आरम्भ</li> <li>लगानीका योजना संख्यामा आएको सकारात्मक परिवर्तन</li> </ul>		



## योजना तह

परिणाम तह	सूचक	आधार वर्ष	परिवर्तन
सहरी शैक्षिक सुधार योजना	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्राथमिक तहमा भर्ना दरमा वृद्धि</li> <li>फोहरमैला वर्गीकरण लागु</li> <li>निर्वाचनमा बदर मतको सङ्ख्यामा कमी</li> </ul>		
मासुजन्य पदार्थ उपभोग वृद्धि योजना	<ul style="list-style-type: none"> <li>तरकार, अन्डा र मासुको स्थानीय बजारमा बिक्री वृद्धि</li> <li>कुखुरा व्यवसाय सङ्ख्या वृद्धि</li> <li>मासुजन्य जीव आयात वृद्धि</li> </ul>		

### ख) मूल्याङ्कन

योजनाको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य प्राप्त भयो भएन र योजनाको कार्यान्वयनबाट योजनाबाट फाइदा पाउने अपेक्षित जनताले उपर्युक्त रूपमा फाइदा पायो पाएन भनेर गरिने अध्ययन विश्लेषणलाई योजनाको मूल्याङ्कन भनिन्छ। आवधिक योजना विभिन्न आयोजनाहरूको समष्टि पनि हो त्यसैले यो आफैमा एक बृहद् कार्यक्रम समेत हो। यस मध्यमकालीन योजनाको मध्यावधि र पूर्ण अवधिको मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ। यसको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ९४ अनुसार गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजनाको मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गरेको छ।

योजनाको मध्यमकालीन अवधिमा मूल्याङ्कन गर्दा निम्न कुरालाई ध्यानमा राखी मूल्याङ्कन विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ:

- लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न उन्मुख रहे/नरहेको
- लगानी योजनाअनुरूप वार्षिक लगानीहरू निर्देशित रहे/नरहेको
- उपलब्धिका लागि लक्ष्य लगायत कार्यक्रमहरूको परिमार्जन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहे, नरहेको आदि।

योजना अवधिको अन्त्यमा निर्धारित परिमाणात्मक तथा गुणात्मक लक्ष्य प्राप्तिको मूल्याङ्कन अन्तिम रूपमा तेश्रो पक्षबाट गर्नु/गराउनु पर्ने हुन्छ। अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र तर्कपूर्ण खाकासम्बन्धी विस्तृत व्यवस्थापनका लागि मार्गदर्शन राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी गरिएको **अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शन**लाई पनि उपयोग गर्न सकिने छ।

## सन्दर्भ सामाग्रीहरू

- ✓ अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४, (परिच्छेद २: राजस्वको अधिकार; परिच्छेद ३: राजस्वको बाँडफाँट; परिच्छेद ४: अनुदानको अवस्था; परिच्छेद: ५, वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण; परिच्छेद ६: सार्वजनिक खर्च व्यवस्था; परिच्छेद ७: राजस्व र व्ययको अनुमान; परिच्छेद ८: वित्तीय अनुशासन, श्रोत [www.mof.gov.np](http://www.mof.gov.np)
- ✓ आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा तत्सम्बन्धी नियमावली २०७७ ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : प्रारम्भिक नतिजा । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : एक परिचय । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०७८ । जनगणनाको ११० वर (१९६८-२०७८) राष्ट्रिय जनगणना २०७८ : लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशी सन्दर्भ पुस्तिका । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । नेपाल जीवन स्तर सर्भे । केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ जहदा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७६ ।
- ✓ गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको योजना तथा बजेट तर्जुमा हातेपुस्तिका (२०७७) संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय ।
- ✓ दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिका, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, २०७७ ।
- ✓ नेपालको संविधान (भाग ३: मौलिक हक र कर्तव्य, धारा १८-४८; भाग ४: राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, धारा ४९, ५०, ५१ र ५२; भाग ५: राज्यको संरचना र राज्यशक्तिको बाँडफाँट; भाग १७: स्थानीय कार्यपालिका, धारा २१४-२२०; भाग १८: स्थानीय व्यवस्थापिका, धारा २२१-२२७; भाग १९: स्थानीय तहको आर्थिक कार्यविधि, धारा २२८-२३०; भाग २०: संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अन्तरसम्बन्ध, धारा २३१-२३७) श्रोत: [www.lawcommission.gov.np](http://www.lawcommission.gov.np)
- ✓ नेपालको दीगो विकासको सोच, पन्ध्रौँ योजना तथा दीगो विकासको लक्ष्य, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .
- ✓ नेपालमा दीगो विकासको लक्ष्यको अवस्था तथा मार्गचित्र : २०१६-२०३०, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, ई.सं. २०१७ ।
- ✓ वातावरणमैत्री स्थानीय शासन प्रारूप, २०७८ नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौँ नेपाल ।
- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन (२०७७), प्रदेश नीति तथा योजना आयोग, गण्डकी प्रदेश, पोखरा ।
- ✓ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ (परिच्छेद ६ दफा २४ र २५, परिच्छेद ९ दफा ५४ देखि ६८ र परिच्छेद १० दफा ६९ देखि ८०)  
श्रोत: [www.mofaga.gov.np/www.lawcommission.gov.np](http://www.mofaga.gov.np/www.lawcommission.gov.np) .
- ✓ स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७४ (परिमार्जित), संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौँ ।

- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७५ राष्ट्रिय योजना आयोग, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .
- ✓ स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ स्थानीय तह वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ Census report- population monograph of Nepal \_ Volume-I (page no. 282)  
<https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/> (GP\_Indv\_Table02- Page no.-66)
- ✓ <https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/> (GP Hhld Table10- pages no.-11)

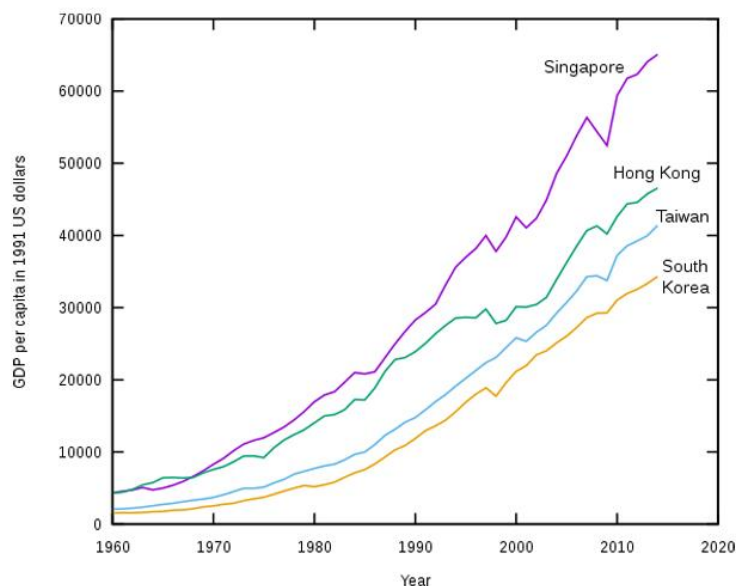
## अनुसूचीहरू

### अनुसूचि १- विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन

विश्वका विभिन्न राष्ट्रहरूको तुलनात्मक अध्ययन गर्दा दोस्रो विश्वयुद्धपछि मात्र धेरै देशले एउटै पुस्तामा नाटकीय आर्थिक उपलब्धि हासिल गरेको पाइन्छ। माइकल स्पेंस नामका नोबेल पुरस्कार विजेताको अध्यक्षतामा गठित एउटा चर्चित (Growth Commission Report) ग्रोथ कमिसन रिपोर्टमा १३ देशलाई उच्च सफलताको कोटीमा राखिएको छ। ती देशहरू – जापान, कोरिया, थाइल्यान्ड, मलेसिया, इन्डोनेसिया, सिंगापुर, ताइवान, चीन, हंगकंग, ब्राजिल, ओमान, माल्टा र बोस्टसवाना हुन्। यी मध्ये ९ देश एसियामै छन्। ती मुलुकले २५ वर्षसम्म ७ प्रतिशत भन्दा माथिको आर्थिक वृद्धि दर हासिल गरे। दिगो र उच्च आर्थिक वृद्धिदरले यी राष्ट्रहरूलाई आर्थिक रूपले निकै माथि उठायो। यी राष्ट्रहरूको अनुभवले के देखाउँछ भने, विकासको उच्च स्तर प्राप्तिका लागि ७ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरले करिब १० वर्षसम्म निरन्तरता पाउने हो भने जीडीपी दुई गुना हुन्छ र यो २५ वर्ष सम्म निरन्तर गर्यो भने एक पुस्तामै आर्थिक कायापलट हुन जान्छ। सफल यी १३ देशका पछाडि ५ साभा कुरा छन् : त्यहाँको नेतृत्व र प्रशासन विकासप्रति प्रतिबद्ध थियो, निजी क्षेत्रलाई विश्व आर्थिक मञ्चमै व्यापार गर्न उतारियो, समस्तिगत आर्थिक स्थिरता कायम गरियो, उत्पादनशील साधन र स्रोतको बाँडफाँडको जिम्मा बजार अर्थतन्त्रलाई दिइयो र आन्तरिक लगानीका लागि नागरिक तहमा ठूलो बचत गराइयो (वाग्ले, २०१५)। संघीय शासन प्रणालीको शुरुआत पछि नेपालले द्रुततर आर्थिक विकासमा जोड दिएको छ। नेपालको नव निर्माण र द्रुततर विकासका लागि यी राष्ट्रहरूको अनुभव उपयोगि हुने भएकोले छोटो अवधिमा उच्चतम विकास हासिल गरेका केहि राष्ट्रको विकासको अनुभवलाई यहाँ उल्लेख गरिएको छ।

#### (क) एसियन टाइगर्स (Asian Tigers)

सन् १९६० को दशकको सुरुसम्म दक्षिण कोरिया, सिङ्गापुर, ताइवान र हङ्कङ अविक्सित क्षेत्रको रूपमा थिए। यी मध्ये दक्षिण कोरिया र सिङ्गापुर सार्वभौम राष्ट्र हुन्। हङ्कङ पहिले बेलायतको र हाल चीनको शासन अन्तर्गत रहेको छ तर यस भूभागलाई केही हदसम्म राजनीतिक स्वायत्तता प्राप्त छ। ताइवान भने चीनमा सन् १९४९ मा सकिएको कम्युनिस्ट र कोमिन्ताङ पार्टीबीचको गृहयुद्धमा पराजित भएर भागेको पक्षले शासन गर्न थालेपछि तत्कालीन चीनको नियन्त्रणबाट अलग भएको भूभाग हो। बेइजिङ र ताइवानमा रहेका सरकार दुवैले आफूमा १९४९ अघिको चीनको स्वामित्व रहेको दावी गर्छन्। तर यी चार देशहरूले लगभग पचास वर्ष भित्र इतिहासमा कमै देखिने एकै पुस्तामा तेस्रो विश्वबाट पहिलो विश्वमा आर्थिक विकासको लामो फड्को मारेको इतिहास छ।



यी चार एसियाली टाइगर्सको विकासलाई बुझाउन माथिको चित्र उपयोगि हुन सक्छ जसले यो क्षेत्रको आर्थिक विकासको चरित्रलाई बुझ्न र यिनीहरूले अवलम्बन गरेको विकास मोडेलको सामान्य जानकारी लिन केही हदसम्म

सघाउ पुयाउँदछ । भनिन्छ, आर्थिक विकासको मोडेलका प्रकारहरू विकास अर्थशास्त्रीहरूको सङ्ख्या जति नै छन् तर पनि यसलाई मूलतः रूपमा निम्न तीन समुहमा वर्गीकरण गरि विभाजन गर्न सकिन्छ : बजार निर्देशित, हस्तक्षेपकारी र राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल । विभिन्न राष्ट्रहरूले यी तिन मोडल वा आफ्नो देशको विशिष्ट परिस्थिति अनुकूल फरक प्रकारको विकास मोडेलको निर्माण गरि अघि बढिरहेका छन् ।

## (ख) दक्षिण कोरिया

दोस्रो विश्व युद्ध पछि सन् १९४५ मा दक्षिण कोरिया जापानको शासनबाट स्वतन्त्र भयो । तर केही समयपछि नै ऊ अमेरिकाको नियन्त्रणमा आयो । त्यही समयमा भएको कोरियाली गृहयुद्धले यसको अवस्था अत्यन्त दयनीय अवस्थामा पुऱ्यायो । तीन वर्ष सम्म चलेको उक्त गृहयुद्धले दक्षिण कोरियाको तत्कालीन उत्पादन क्षेत्रको दुई तिहाइ हिस्सा नष्ट गराएको थियो । त्यो अवस्थादेखि हालको जी २० सम्मको दक्षिण कोरियाको उदय र विकासलाई मुख्यतः चार चरणमा वर्गीकरण गर्न सकिन्छ ।

दक्षिण कोरियाको विकासको सुरुवात त्यहाको प्रथम राष्ट्रपतिको कार्यकालबाट सुरु भएर पार्कको शासनको प्रारम्भसम्म भएको मान्न सकिन्छ । विकासको पहिलो चरणमा युद्धको विनासबाट उठ्नका लागि केहि विशेष कार्यक्रमहरूको छनौट गरिएको थियो । त्यो समयमा यहाको कुल राष्ट्रिय उत्पादनको १५.९५ प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी सहायताले ओगट्ने गर्दथ्यो । यो हिस्सा सबैभन्दा उच्च सन् १९५७ मा २२.९५ प्रतिशत सम्म पुगेको थियो । यो समयमा कोरियाको विकास एकदमै धेरै मात्रामा अमेरिकी सहायतामा निर्भर थियो । यो अवधिमा सरकारले मजदुर सङ्गठनमाथि निषेध गर्नुका साथै उग्र कम्युनिस्ट विरोधी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै मजदुरहरूको ज्यालादर सस्तो बनाउने निति अख्तियार गर्यो जसले औद्योगिक लगानीकर्तालाई प्रोत्साहित गर्‍यो र तिब्रतर आर्थिक वृद्धिमा सहयोग पुऱ्यायो ।

पार्क चुङ्ग हीले सन् १९६१ मा कू गरे पछिको अवधिलाई दोस्रो चरणको सीमा मान्न सकिन्छ । यो चरण सामान्य खालको उद्योगको विस्तार र निर्यात केन्द्रित उद्योगको विकासमा केन्द्रित थियो । युद्धबाट तडिग्रएको र अमेरिकी सहायता माथिको निर्भरता निककै कम भइसकेको यस अवस्थामा कोरियाली अर्थतन्त्रले आफ्नो सस्तो श्रमको उपभोग गरेर हल्का औद्योगिक सामग्री उत्पादन गर्न थाल्यो । यही अवधिमा दक्षिण कोरियाले बजार निर्देशित र अर्भ हस्तक्षेपकारी आर्थिक मोडेल छाडेर राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल प्रयोग गर्न थालेको थियो । सन् १९६२ मा कोरिया सरकारले पहिलो पञ्च वर्षिय आर्थिक विकास योजना अगाडि साऱ्यो जसले लगानी बढाउने, औद्योगिक संरचना निर्माण गर्ने र व्यापार सन्तुलन कायम गर्ने जस्ता स्पष्ट रूपमा बृहत् अर्थशास्त्रीय विकास लक्ष्यहरू अगाडि सारियो जसले त्यहाँको अर्थतन्त्रमा आमूल सुधार ल्याउनुका साथै विकास प्रक्रियामा तिब्रता लियो ।

राष्ट्रपति पार्कका विभिन्न आर्थिक रणनीतिहरू मध्ये 'सेमाउल उन्दोड' एक अत्यन्त सफल कार्यक्रम हो । गाउँको विकास भए मात्र देशको विकास हुन्छ भन्ने मान्यता राख्ने यो अभियानको मुख्य लक्ष्य गरिब जनतालाई धनी बनाउनु र गाउँको समग्र विकास गर्नु थियो । कोरियन भाषामा 'से' 'नयाँ', 'माउल' 'गाउँ' र 'उन्दोड' भन्नाले 'अभियान' भन्ने बुझिन्छ । अथवा 'सेमाउल उन्दोड' भन्नाले नयाँ सामुदायिक अभियान भन्ने बुझिन्छ । यो अभियानको प्रवर्तक समाज सुधारक किम योड की हुन् । उनले सन् १९६२ देखि यो अभियान संचालन गर्दै आएका थिए । किमले 'काम नगर्ने भए खाना नै नखाउ' भन्ने नाराका साथ यो अभियान सञ्चालन गरेका थिए । सेमाउल उन्दोड सुख एवम् समृद्धिका लागि सञ्चालन गरिएको एक अभियान हो जसले गरिबी निवारण गर्ने, सबैले राम्रो शिक्षा, खाना र लुगा लगाउन पाउने र सुरक्षित तथा सुविधाजनक घरमा बस्न पाउने भन्ने उद्देश्य राखेको थियो ।

किमको यो अभियानले 'ग्रामीण जनतालाई आत्मनिर्भर बनाउने र देशको विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ' भन्ने बुझेका दूरदर्शी सैनिक शासक पार्कजुड हीले सबै जनतालाई यो अभियानमा सामेल हुन अह्वान गरे । उनले सन् १९७० अप्रिल २२ मा यो अभियानलाई सरकारी रणनीतिको रूपमा मान्यता दिए । सरकारी कार्यक्रमको मान्यता पाए पछि यो कार्यक्रमले नयाँ सामुदायिक अभियान सहित सहयोग र आत्मनिर्भरताको भावनाका साथ हाम्रो गाउँको सुधार र

आधुनिकीकरण हामी आफैँ गर्न सक्छौं भन्ने भावनालाई आत्मसात गर्दछ। कोरियाली सरकारले अभियानलाई कार्यान्वयनमा ल्याउँदै उन्नत गाउँ निर्माणको निमित्त 'दश परियोजना'को कार्यसम्पादन निर्देशिका जारी गरेर ३३ हजार २ सय ६७ गाउँमा लागु गर्दै सामुदायिक विकासका लागि जिन्सी सहायता दिन शुरु गरेको थियो। जसअन्तर्गत, सरकारले हरेक गाउँमा ३ सय ५५ बोरा सिमेन्ट र ५ सय केजी रड बाँड्न शुरु गर्‍यो। अर्कोतिर सरकारी कर्मचारी, विचारक, सामुदायिक अभियानका र निजी क्षेत्रका अगुवालाई तालिमको व्यवस्था गर्‍यो। कर्मचारीलाई भ्रष्टाचारी भावनाबाट टाढा रहन 'सुनलाई हुंगा जस्तै देख' लेखिएको 'हरियो टाई' वितरण गरिएको थियो। यो अभियानले नागरिकलाई समाजप्रति समर्पित हुने अगुवा नेतृत्व तयार पायो। यसैको शिक्षाले सदस्यहरूलाई स्वतःस्फूर्त जग्गादान, श्रमदान, सामग्री दान गर्ने उत्प्रेरणा प्रदान गर्‍यो। नयाँ सामुदायिक अभियान लागु भएका गाउँले जनताको आय विस्तारै बढ्न थाल्यो। यो क्रम ४ वर्ष पुग्दा ग्रामीण जनताको आय बढेर शहरी परिवारको आयभन्दा बढी हुन पुग्यो। यो कार्यक्रमले गाउँको विकास र स्वाधिन अर्थतन्त्रको निर्माणमा कोशे हुंगा सावित भयो (सम्बाहाम्फे, २०७४)।

सन् १९७४ मा आइ पुग्दा शहरी भन्दा ग्रामीण जनाताको आय बढ्यो जसको कारण के थियो भने सेमाउल उन्डोड लागु भएको हरेक गाउँ वा इकाईमा कृषिमा आधारित एक सेमाउल उद्योग अनिवार्य खोल्नुपर्ने शर्त थियो। यस्ता उद्योगले गाउँको आय बढाउने काम गर्यो भने रोजगारीको अवसरहरूपनि प्रशस्तै सिर्जना गर्यो। उक्त अभियान शहरमा पनि लागु गरि औद्योगिक क्षेत्रहरूको विकास तीब्ररूपमा हुन गयो। शहर केन्द्रित उद्योगहरूको विकास हुँदा पनि सरकारले उद्योगको (Semi-product) सेमी प्रोडक्ट सम्बन्धी कम्पनीहरूबढी गाउँमै स्थापना गर्ने नीति लियो। यो नीतिले गाउँ र शहरलाई जोड्ने र गाउँको विकास र रोजगारीमा टेवा पुर्याउने काम गर्यो। सन् १९७० मा ८३ करोड डलर निर्यात गरेको कोरियाले यो अभियानको सफलताकै कारण सन् १९८० सम्म आइ पुग्दा कोरिया एक औद्योगिक राष्ट्रका रूपमा दर्ज हुन पुग्यो। त्यस्तै गरि १९८० मा १७ अर्ब डलरको उत्पादन निर्यात गर्यो। यो अभियान शतप्रतिशत सफल हुनको कारण, यसमा गाउँलाई ४० र ५० घरको सानो भन्दा सानो इकाईमा विभाजन गरियो र प्रत्येक निर्णायक कार्यक्रममा सबै घरका प्रतिनिधिलाई राय व्यक्त गर्ने सुविधा दिइयो। यो इकाइले जे चाहन्छ, त्यसैमा परियोजना सञ्चालन गर्ने गरियो। यस्तो इकाईले एकातिर समुदायमा भावनात्मक एकताको विकास गर्यो भने अर्कोतिर निर्णय गरिएका योजनाहरूमा असन्तुष्टि र असहमति भन्ने प्रश्न नै उठ्न पाएन। यो अभियान सफल हुँदै गएपछि गाउँ इकाईहरूले तर्जुमा गरेका परियोजनामा सरकारले ५० प्रतिशत ऋण, ३० प्रतिशत अनुदान र २० प्रतिशत समुदायको लगानी हुने व्यवस्था गर्यो। यो मोडेललाई केही वर्षमै राष्ट्रव्यापी गरियो। त्यस्तै अर्को महत्वपूर्ण कुरा, सरकारले समय सापेक्ष कृषिमा आधुनिकीकरण गर्यो। यसका लागि कृषि विज्ञलाई देशभर परिचालन गरेर कृषि तालिम प्रदान गरियो। यसले कृषिमा व्यापक आधुनिकीकरण गर्‍यो जसको कारण अहिले कोरिया २ देखि ३ प्रतिशत कृषककै उत्पादनले खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनेको छ। यो अभियान कुनै समय भोक, रोग र बेरोजगारीले तडिपएका कोरियाली किसानका लागि सफलताको मन्त्र बन्यो (सम्बाहाम्फे, २०७४)। यो अभियानबाट नेपालले प्रशस्त शिक्षा लिन जरुरी देखिन्छ।

त्यस्तै गरि उनले निर्यातबाट कमाइ भएको लगानी उच्च प्रविधिहरू र मेसिनहरूमा लगानी गरे। यी सामग्री अर्को चरणको विकासका लागि आवश्यक हुन्थ्यो। त्यस अतिरिक्त त्यो समयमा पार्कको सरकारले विदेशी सामग्रीहरूमा भन्सार कर बढाएर स्वदेशी उद्योगहरूलाई अनुदान दिएर ठूला उद्योग विकास गर्न सहयोग गरेको थियो। यसले दक्षिण कोरियालाई तेस्रो चरणमा ल्याइपुऱ्यायो। पार्कको दोस्रो पञ्च वर्षीय योजनामा यसको प्रत्यक्ष प्रभाव देख्न सकिन्छ। उनले ठूला र रासायनिक उद्योग खोल्नेलाई सहयोग गर्ने नीति लिए। यो चरण कोरियाको विकास चरणको सबैभन्दा लामो अवधि रह्यो। यो चरणमा वैदेशिक पूँजीमा नियन्त्रण भए पनि सरकारको निगरानीमा यसलाई भित्र्याइयो। यो अवधिमा निर्यात वार्षिक रूपमा ३५.२५ दरले वृद्धि भयो। सन् १९९० को दशकमा दक्षिण कोरियाली अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य परिवर्तनहरू देखिए। यही समयमा देशले विकासको चौथो चरणमा आइपुग्यो। यो अवधि उच्च

प्रविधिको उद्योगको रथ्यो । सन् १९८८ मा द. कोरियाले गर्ने निर्यातमा १५.५ प्रतिशत हिस्सा मात्र उच्च प्रविधिको सामग्री हुन्थ्यो । त्यसपछिको हरेक वर्ष यसमा लगभग शत प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । कोरियाली सामग्रीको अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बढेको माग र घरेलु उपभोगमा भएको उच्च वृद्धिका कारणले कोरियाले परिपक्व र सम्पन्न राज्यका रूपमा स्थिरता प्राप्त गर्‍यो । यसले कोरियाली समाजको हरेक तप्काको जीवन स्तर बढायो । कोरियाली इतिहासमा दोस्रोदेखि चौथो चरणसम्म स्थिर रूपमा उच्च आर्थिक वृद्धि देखियो । सन् १९६२ देखि १९९५ सम्म दक्षिण कोरियाले औषतमा वार्षिक १०५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर हासिल गर्‍यो (उप्रेती, २०७५) । यसर्थ, कोरियाली विकास मोडल विश्वकै उत्कृष्ट आर्थिक विकास मोडलको रूपमा स्थापित हुन पुग्यो ।

## (ग) सिङ्गापुर

विश्वको प्रमुख औद्योगिक देश सिङ्गापुर, चार एसियाली टाइगरमा सबैभन्दा प्रजातान्त्रिक मुलुक हो । एक बेलायतीको कूटनीतिज्ञको शब्दमा ली क्वान युको अद्भूद नेतृत्वमा यो राज्यमा 'राजनीति हराएर' पूरै राज्य नै एक 'प्रशासनिक एकाई'मा बदलिएको थियो । सन् १९६५ मा मलेसियाबाट मन नलागी नलागी स्वतन्त्रता स्वीकारेपछि लीले सन् २०११ मा सन्यास नलिएसम्म सिङ्गापुरको राजनीतिलाई 'नरम निरंकुशता' सहित नियन्त्रणमा राखे । यो अवधिमा सिङ्गापुरले अभूतपूर्व आर्थिक विकास गर्नुको साथै विश्व रंगमञ्चमा आफुलाई एक सम्बृद्धशाली राष्ट्रको रूपमा स्थापित गराउन सफलता हासिल गर्‍यो । सिङ्गापुरको विकासले दक्षिण कोरिया र ताइवानको भन्दा फरक बाटो लिएको छ । उसलाई युद्धबाट राज्यलाई पुनःनिर्माण गर्ने चुनौती थिएन तर यो सहरी राज्यले आफूसँग आफ्ना नागरिकलाई खुवाउन पुऱ्याउन सक्ने जमिनसमेत थिएन । राज्यका लागि आवश्यक खाद्यान्न र पानी समेत छिमेकी मुलुकबाट आयात गरेर आपूर्ति गर्ने सिङ्गापुरले यो अवस्थामा सुधार ल्याउनका लागि राज्यलाई निर्यात मुखी सामानय उद्योगहरूको विकासलाई जोड दिने नीति अख्तियार गर्‍यो । सिङ्गापुरले आफ्नो स्थानीय तहमा रहेको प्राविधिक र व्यवस्थापकीय ज्ञानको अभावलाई अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूलाई आकर्षित गरेर सरकारी अनुगमन सहित पूरा गर्‍यो । सन् १९७० को दशकसम्म सिङ्गापुरको अर्थतन्त्रको संरचनामा उलेख्य परिवर्तन आयो जस्तै निर्माण उद्योग र ठूला उद्योगहरूको स्थापनामा विशेष जोड दिएको थियो । कतिपय विद्वानहरूले यो परिवर्तनलाई चीनमा देडको सुधारपछि आएको परिवर्तनको विरुद्धमा चिनलाई चुनौती दिन थालिएको कदमको रूपमा उल्लेख गर्दछन ।

सन् २००० मा ली क्वान युको किताब 'फ्रम थर्ड वर्ल्ड टु फर्स्ट : द सिङ्गापुर स्टोरी १९६५( २००० (From third world to first: The Singapore Story) प्रकाशित भयो । विश्व पुस्तक बजारमा 'वेष्टसेलर' रहँदै आएको यो किताबको प्रारम्भ गर्दै ली क्वान यु लेख्छन 'घर कसरी बनाउने, इन्जिन कसरी मर्मत गर्ने, किताब कसरी लेख्ने भनेर तपाईं सिकाउने पुस्तकहरू पाइन्छन् । तर चाइना, ब्रिटिस इन्डिया र डच इस्ट इन्डिजबाट बाहिर छरिएर संकलित भएका आप्रवासीहरूले राष्ट्र कसरी निर्माण गर्ने, क्षेत्रीय व्यापारिक केन्द्रको पुरानो आर्थिक भूमिका गुमाएर मृतप्रायः बनिरहेका जनतालाई कसरी जिवन्त बनाउने भनेर सिकाउने पुस्तक मैले कतै देखिनँ ।' तसैले यो किताबको लेख्ने आवश्यकता रहेको हो ।

यो किताबले मुलत निम्न २ वटा तथ्यहरूमा जोड दिएको छ ।

१. कुनै पनि राष्ट्र निर्माणको बनिबनाउ मोडेल हुँदैन । त्यो अरु कसैले सिकाउन सक्दैन । स्वयं त्यो देशका जनता वा नीति निर्माताले आफै पत्ता लगाउन सक्नु पर्दछ ।
२. राष्ट्र निर्माणको मोडेल तयार गर्दा मुख्य ३ वटा तत्वहरूलाई हेर्नु पर्दछ : जनसंख्या संरचनाको ऐतिहासिकता, भूराजनीति र आर्थिक सम्भावना ।

पुस्तकको यो प्रारम्भीक वाक्यलाई उपसंहार खण्डको अर्को एक वाक्यसंग जोडनु उचित हुन्छ । उनी लेख्छन 'हामी कामबाट सिक्थ्यौं, छिट्टै सिक्थ्यौं । हाम्रो सफलताको एउटा मात्रै सुत्र थियो, कसरी चिजहरूलाई बढी कामकाजी बनाउने भनेर, तिनीहरूलाई अझ राम्रो कसरी बनाउने भनेर निरन्तर अध्ययन गर्थ्यौं । म कहिल्यै कुनै सिद्धान्तको

बन्दी बनिनँ । मलाई कारण र यथार्थहरूले मात्र मार्गदर्शन गर्न सके, सिद्धान्तले हैन । कुनै पनि सिद्धान्त, योजना वा सोचले राम्रो काम गर्छ, गर्दैन भन्ने 'एसिड टेष्ट' (दूत जाँच ) गर्थे । यदि कुनै चिजले राम्रो काम गर्दैनथ्यो वा कमजोर परिणाम दिन्थ्यो भने त्यस्तो चिजमा म थप समय र स्रोत खर्चिन्नथेँ ।' (खतिवडा, २०७६)

सिङ्गापुरको आर्थिक समृद्धिमा निम्न सिद्धान्तहरूको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको पाइन्छ ।

**क. खुला बजार सिद्धान्त (Free Market Principles) :** सिङ्गापुरले पूँजिवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई आफ्नो विकासको मुख्य सिद्धान्तको रूपमा अवलम्बन गरिरहेको छ । जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- श्रम बजारको व्यवस्थापन (Labor Market)
- उत्तरदायी कर्मचारीतन्त्र (Accountable Bureaucracy)
- न्यून कर दर (Low Tax Rates)
- न्यून सरकारी खर्च (Government Expenditure)

**ख. समाजवादी सिद्धान्त (Socialistic Principles) :** सिङ्गापुरले समाजवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई पनि त्यत्तिकै जोड दिएको छ जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- सार्वजनिक घरहरूको निर्माण (Public Housing)
- सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा (Public Healthcare)

यी दुई सिद्धान्तहरूलाई अवलम्बन गर्दै सिङ्गापुरले विकासमा उच्च सफलता प्राप्त गरेको थियो । विकासको अन्तिम चरण उच्च प्रविधिको उद्योगको स्थापना सँगै अन्त्य भएको थिएन । बरु सिङ्गापुरलाई दक्षिणपूर्वी एसियाको आर्थिक र वित्तीय केन्द्रका रूपमा विकास गरेर अगाडि बढेको थियो । उच्च प्रविधिको उद्योगमा भैं व्यापार, आयात सुधार र वित्त सबैमा सीपयुक्त श्रमिकको आवश्यकता पर्छ । सिङ्गापुरको अवस्थिति र पछिल्लो समयको आर्थिक उदारीकरणले यी उच्च स्तरका उद्योगलाई निकै सहयोग गर्‍यो । यसले सिङ्गापुरलाई अन्ततः ताइवान र दक्षिण कोरियाजस्ता उच्च प्राविधिक राष्ट्रको समकक्षमा राखिदियो । राज्यको केन्द्रीय कोषले ठूलो उद्योगका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माणमा गरेको सहयोग र ली क्वान युको आर्थिक र राजनीतिक दुवै क्षेत्रमा प्रभुत्वले गर्दा सिङ्गापुरको विकासमा सरकारको भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण देखिन्छ जसलाई नेपाल लगायत अन्य राष्ट्रहरूले पनि प्रेरक उदाहरणको रूपमा लिन सक्दछन् ।

## (घ) ताइवान र हङ्कङ

हाल चिनको स्वशासित क्षेत्रको रूपमा रहेको ताइवानको कथा पनि कोरियाको जस्तै छ । ताइवानको प्रारम्भ दक्षिण कोरियाको अवस्थाभन्दा दयनीय थियो । ताइवानको कथा पनि युद्धको समाप्तीबाटै सुरु हुन्छ । तर ताइवान आफै भन्ने सो युद्धबाट त्यति प्रभावित भएको थिएन । चिनियाँ गृहयुद्ध मुख्य त मूलभूमि चीनमा लडिएको थियो । तथापि दोस्रो विश्वयुद्धसम्म यो पनि जापानको अधीनमा थियो । त्यो अवधिमा त्यहाँ कृषिमा केही सुधारका काम भएका थिए । त्यतिवेला सम्म यो टापु विशेष धान, उखु र भुईँकटर र केही कपडा उद्योगको अवस्थामा मात्र सिमित थियो । यसको साथै कृषि र माछापालनले यो भूगोलको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको एक तिहाइ भाग ओगटने गर्दथ्यो ।

प्रारम्भमा च्याङ काइ सेकको सरकारले राज्यलाई अनुदानमा चलाउने खालको नीति लिएपछि सन् १९५० को दशकमा अमेरिकाले ताइवानलाई दिइरहेको अनुदान रोक्ने चेतावनी दियो । त्यसपछि राष्ट्रपति चियाङ र उनको कोमिन्ताङ पार्टीले कोरियाले लिएको जस्तो औद्योगिकीकरणको योजनाहरू अघि सारे । औद्योगिकीकरणले कृषिको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा रहेको योगदानलाई ७५ प्रतिशतमा मा भन्थ्यो । कोरियामा जस्तै ताइवानले पनि प्रारम्भमा सामान्य खालको उद्योगमा विकास गर्‍यो । तर यहाँ भन्ने कोरियामा भन्दा अलि लामो समय सन् १९८० को दशकसम्म यी



सामान्य खाले उद्योगहरूको अर्थतन्त्रमा महत्वपूर्ण भूमिका रह्यो । त्यसपछि यहाँ ठूला उद्योगहरूको स्थापनाको सुरवात भयो । सुरुमा विशेषतः स्टिल, विद्युतीय र पेट्रोलियम उत्पादनसम्बन्धी उद्योग खोलिए । ताइवानले वैदेशिक लगानी आकर्षणका लागि केही सरकारी उद्योगहरू निजीकरण गरेको भए पनि अधिकांश ठूला उद्योगहरू सरकारको नियन्त्रणमै राख्यो । च्याङले यिनै उद्योगहरूको बलमा चिनियाँ मूलभूमि पुनः कब्जा गर्ने सोचेका थिए ।

राज्यले अर्थतन्त्रमाथिको नियन्त्रण बलियो बनाउने नीति लिएको थियो । वैदेशिक विनिमयमा नियन्त्रण, आयातमुखी उद्यमलाई सरकारी प्रोत्साहन गर्ने नीति, राज्य नियन्त्रित संस्थामार्फत नै कच्चा पदार्थको माग पुऱ्याउने जस्ता कदममार्फत सरकारले अर्थतन्त्रमा नियन्त्रण कायम गरिरहेको थियो । ताइवानले आफ्नो अर्थतन्त्रको परिपक्वता कोरियालेभन्दा उच्च प्राविधिक विकासमा पुगेर सम्पन्न गर्‍यो । सन् १९७० को दशकमा उच्च शिक्षित जनशक्तिको विकासको कारणले ताइवानको श्रमिकको ज्याला बढेको थियो । त्यसै अवधिमा चीनमा भएको आर्थिक विकास र त्यहाँको सस्तो श्रमको कारणले भएको उत्पादन सँग ताइवानले प्रतिस्पर्धा गर्न नसक्ने अवस्थाको सिर्जना भयो । त्यसपछि ताइवानले उच्च मूल्यका वस्तुको उत्पादन र सेवामा ध्यान स्थानान्तरण गर्‍यो । सरकारले मुख्यतः निर्यातमुखी आर्थिक संरचना, उच्च प्रविधि र उच्च सीपका उद्योगमा स्तरोन्नति गर्ने निर्णय गर्‍यो । त्यसपछि ताइवानको पहिचान बनेको सूचना प्रविधि र सेमी कन्डक्टर जस्ता अन्य महत्वपूर्ण प्राविधिक उद्योगको विकासमा राज्यको भूमिका महत्वपूर्ण रह्यो । ताइवानले दुई विषय बाहेक लगभग कोरियाको विकास परिपथ नै पछ्याएको देखिन्छ । दक्षिण कोरियासँगको उसको पहिलो फरक सन् १९८० को दशकसम्म ताइवानको अर्थतन्त्रमा कपडा उद्योगजस्तो हलुका उद्योगको महत्वपूर्ण भूमिका देखिन्छ, जुन कोरियाली अर्थतन्त्रमा छोटो समय मात्र रहेको थियो । त्यस्तै ताइवानको सन्दर्भमा अनुदान रोक्ने धम्की नआएसम्म नेतृत्व पहिलो चरणमा रमाइरहेको थियो जबकी द. कोरियामा नेतृत्व आफैले आत्मनिर्भर हुने रणनीति लिएको थियो । (उप्रेती, २०७५)

हङ्कङको विकास धेरै अर्थमा ताइवानको जस्तै रह्यो । बेलायतको अधिनमा रहेको हङ्कङ चीनको मातहतमा गएपनि हङ्कङको अर्थतन्त्र पुँजिवादी चरित्रको नै रहेको छ । त्यसो हुनुको पछाडि हङ्कङ अगाडि देखि नै औद्योगिकीकरणको चरणमा गएको थियो । अन्य तीन राष्ट्रहरूले सन् ६० को दशकमा विकास सुरु गरेका हुन् भने हङ्कङमा सन् १९५० को दशकमै विकास प्रारम्भ भइसकेको थियो । सिङ्गापुरसँगको अन्य समानतामा हङ्कङले पनि जग्गा अभावका कारण अन्न आयात गर्नुपर्‍यो । उसलाई यसबाट भएको व्यापार असन्तुलनलाई सन्तुलनमा ल्याउनु थियो । त्यसका साथै अन्य राष्ट्रहरू जस्तै हङ्कङ पनि औद्योगिकीकरणको चरणपछि उच्च प्राविधिक विकास भन्दा व्यवसायिक केन्द्रका रूपमा विकास भयो (उप्रेती, २०७५) । हाल सम्म पनि हङ्कङ चिनको मातहतमा रहेको एक विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र र अन्तर्राष्ट्रिय बजारको रूपमा विश्व प्रसिद्ध रहेको छ ।

## (ड) मलेसिया

उपनिवेश हुँदै स्वतन्त्रताको लडाईं जितेर विकासको पथमा लम्किएको मलेसिया आजसम्म आइपुग्दा विश्वको ध्यान आकर्षित गर्ने देश बन्न सफल भएको छ । विदेशी लगानी भित्र्याएर बनेको मलेसियाले हालका दिनमा लाखौं विदेशी कामदारलाई रोजगारी दिएको छ र आर्थिक विकासमा थप सशक्त ढंगले लागिपरेको छ । व्यवस्थित सहरीकरण र सडक सञ्जाल, गगनचुम्बी भवन, स्वस्थ र हराभरा वातावरणका साथै राज्य सञ्चालनमा अपनाइएको 'सिस्टम'ले विश्वको ध्यान मलेसियातर्फ तानिएको छ । ४० वर्षको मेहनत र योजनाबद्ध सक्रियतामा तत्कालीन मलेसियन प्रधानमन्त्री महाथीर महम्मदले जसरी मलेसिया बनाउने काम गरे नेपालजस्ता विकासशिल मुलुकमा पनि राजनीतिक इच्छाशक्ति हुने हो भने विकास गर्न कुनै कठीन हुने रहेनछ भन्ने बुझ्न सकिन्छ । आफ्नै विकासको मोडल, सभ्यता, इतिहास, संस्कृति, रहनसहन बोकेको मलेसियामा पर्याप्त पर्यटकीय स्थल रहेकै कारणले गर्दा बर्सेनी २५ मिलियनवढी पर्यटक मलेसिया पुग्ने गर्छन् । पर्यटकहरूको ओइरो लाग्ने मलेसियाको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको महत्वपूर्ण हिस्सा पर्यटन क्षेत्रले ओगटेको छ । मलेसियाको विकास, तिब्रतम प्रगति र पर्यटन लोभ्याउने गन्तव्यले होटल व्यवसाय, स्थानीय उत्पादन र स्थानीय वजार निकै फस्टाएका छन् । (सिग्देल, २०१९)

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासङ्घको आयोजना तथा नेपाल सरकारको सहआयोजनामा भर्खरै नेपाल बिजनेस कन्क्लेभ (Business conclave) सम्पन्न भएको छ । यस कन्क्लेभको विशेषता भूतपूर्व मलेसियाली प्रधानमन्त्री महाथिरको सहभागिता एवं सम्मेलनमा उहाँले प्रस्तुत गर्नुभएको विकासको मोडेल नै रह्यो । आफ्नो प्रस्तुतिमा उहाँले दोस्रो विश्वयुद्धपछि उहाँको सरकारले सर्वप्रथम गरिब र धनीबीचको खाडल घटाउने योजना बनाएर भूमिहीनहरूको लागि भूमि वितरण कार्यक्रम अगाडि सारेको बताउँदै खेतीयोग्य जग्गाको कमीले यो कार्यक्रमले पूर्ण लक्ष्य प्राप्त गर्न नसकेकोले पुनः सरकारले औद्योगीकरणको नीति अख्तियार गरेको खुलासा गर्नुभएको थियो । त्यस बेला मलेसियासँग औद्योगीकरणको लागि अनुभव नभएकोले विदेशी लगानीकर्ताहरूलाई रोजगारी सिर्जना गर्ने खालको उद्योगहरूमा लगानी गर्न निम्त्याएको स्मरण गर्दै यसबाट रोजगारीमा आमजनताको पहुँच बढ्नुको साथै शिक्षित श्रमिक उत्पादन गर्न शिक्षामा लगानी बढाउनुपरेको थियो, जसबाट शिक्षित बेरोजगारीको समस्या समेत हल हुन पुगेको थियो । उहाँले आफ्नो सरकारले राजस्वभन्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्रमुख लक्ष्य बनाई हिँडेकोले आज मलेसिया औद्योगिक मुलुकको पङ्क्तिमा उभिएको मन्तव्य व्यक्त गर्नुभएको थियो ।

तानाशाहको नाम दिइएका उनले मलेसियामा १९८१ देखि २००३ सम्म अर्थात् २२ वर्ष शासन गरे र यस अवधिमा मलेसियाको आर्थिक वृद्धिदर औसत १० प्रतिशत रह्यो भने जीवनस्तरमा २० गुणाले सुधार भयो । यस्तो कसरी भयो भन्नेबारे आफ्नो अनुभव सुनाउँदै उहाँले भन्नुभयो- मलेसियामा पनि १४ वटा पार्टी थिए । तर विकासको लागि राजनीतिक स्थिरता र व्यापार अनुकूल नीति नियमको आवश्यकता पर्दछ । हामीले यसलाई पूरा गर्दै गयौं र अन्ततः देशको राजस्व बढ्न थाल्यो जसबाट हामीले आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्दै सबै जनताको जीवनस्तर उकास्न सक्यौं । मलेसियाका डा. महाथिर मोहम्मदको योगदानलाई उच्च मूल्याङ्कन गर्दै मलेसियाली जनताले हालै ९५ वर्षको उमेरमा विश्वकै सबैभन्दा जेष्ठ प्रधानमन्त्रीमा निर्वाचित गराएका छन् । अन्तर्राष्ट्रिय जगतमा थुप्रै युग नायक छन जसले विकास, समृद्धि र सुशासनमा कोसेढुंगाका रूपमा आफूलाई स्थापित गराएर जनताको मानसपटलमा चिरस्थायी बास बस्न सफल भए । महाथिर मोहम्मदको लोकप्रियता कुनै वाद र सिद्धान्तको उपज होइन, गरिबी कायापलट गरेर विकसित मलेसिया बनाउन उनले खेलेको योगदानको परिणाम हो (गुप्ता, २०१४) ।

मलेसियाको हाल सन्चालित ११ औं पन्चवर्षिय योजनाले (२०१६-२०२०) समावेशिकरण, जनजिवनमा व्यापक सुधारको कार्यक्रम, आय र भौतिक पूर्वाधारमा जोड दिने र धनी गरिब विचको भिन्नता कमगर्ने नीति अगाडि सारेको छ । मलेसियाले वैदेशिक लगानी भित्र्याउने नीति, प्रविधि र सुचना प्रसार गर्ने र मानविय पुँजिको अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरूमार्फत द्रुततर विकास गर्ने लक्ष्यलाई प्राथमिकता साथ अघि सारेको छ । नेपालको लागि पनि यो मोडेल अत्यन्त उपयोगी हुन सक्ने सन्देश दिँदै नेपालले विकासको लक्ष्य निर्धारण गर्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्राथमिकता दिएर उपयुक्त र स्थायी वातावरण दिन सकेमा नेपालले पनि विकास गर्ने प्रचुर सम्भावना रहेको धारणा राख्नुभएको थियो । मलेसियाको यो उदाहरणबाट एक व्यक्तिको दुरदर्शि नितिले राष्ट्रको मुहार फेरिन सक्छ भन्ने शिक्षा लिन सकिन्छ ।

### (च) स्विजरल्याण्ड

जनसंख्या र क्षेत्रफलको आधारमा स्विजरल्याण्ड नेपाल भन्दा साँढे तिन गुणाले सानो देश हो । जन घनत्वको हिसावले नेपाल र स्विजरल्याण्ड उस्तै देश हुन् । दुवै देशमा १ बर्ग किलोमिटरमा १९८ जना बसोबास गर्दछन् । स्विजरल्याण्डमा ८४० मिटर देखि ४६३४ मिटर मात्र अग्ला ४५१ साना हिमालहरू छन् । प्रत्येक साना हिमालको पनि नामकरण गरिएको छ । यी सबै हिमालमा पर्यटकलाई खुल्ला गरिएको छ । हिमालमा धुवाँ रहित रेल र केबलकार संजालले सबै प्रकारका मानिसलाई भ्रमण गर्न सम्भव बनाएको छ । स्विजरल्याण्डमा वार्षिक पर्यटकको संख्या २ करोड छ र पर्यटनबाट मात्र रु ४० खर्ब भन्दा बढी आम्दानी हुने गरेको छ । नेपालमा पनि सबै चुचुरालाई नामाकरण गर्नु, पर्यटनका लागि खुला गर्नु, हिमालका निश्चित उचाइ सम्म पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्न जरुरी छ, सयौं हिमाल

हामी सँग छन् तर हालसम्म सम्पूर्ण हिम चुचुराहरूको नामाकरण गरिएको छैन र पर्यटनका लागि खुल्ला समेत गरिएको छैन ।

स्विजरल्याण्डको संघीय प्रणालीमा १३ वटा क्यान्टोन वा प्रदेशहरू छन् । असंलग्न परराष्ट्र नीति, कडा कानून, द्रुत विकास, राष्ट्रिय सुरक्षा र राष्ट्रिय अर्थतन्त्र चाही स्विसहरूको राजनीतिक प्राथमिकतामा पर्दछन् । स्विजरल्याण्डको सफल संघीय प्रयोगले के देखाउँछ भने राज्य बलियो हुनको निम्ति त्यस राज्यका जनता बलियो हुनुपर्ने रहेछ । जनता बलियो हुन तीनवटा कुरामा राज्यले जनतालाई हेरेको हुनुपर्छ : **जनताको स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा र शिक्षा** । स्विजरल्याण्डले यी तिनै कुराहरूमा जोड दिने गरेको छ र यी तिनै कुरामा जनतालाई सुविधा दिने राष्ट्रहरूको अग्र पङ्तीमा पर्दछ । स्विसहरू आफुले गरेको काममा कर तिर्छन् । आफुले बनाएको नियमलाई कडाइका साथ पालन गर्छन् ।

स्विजरल्याण्ड नेपाल जस्तै भू-परिवेष्ठित मुलुक हो । मुख्य आयस्रोत पर्यटन र कृषि नै हो । उन्नत कृषिबाट उत्पादित वस्तु र गाईको दुध यहाँको आम्दानीको मुख्य मेरुदण्ड हो । हुनत यहाँको बैकिङ्ग कारोबार अर्थतन्त्रको अर्को महत्वपूर्ण पाटो हो तर सन् १८४८मा संघीय संविधान बनेदेखिको इतिहासको अध्ययनबाट के देखिन्छ भने संघीयताको सफल प्रयोगले स्विजरल्याण्ड यत्तिको बलियो भएको हो । स्विजरल्याण्डको शासन प्रणाली विश्वमा अनौठो मानिन्छ, जहा ७ वटा संघका प्रमुखहरूले आलोपालो सरकार चलाउँछन् । विभिन्न देशहरूको औपचारिक प्रतिनिधित्वमा भने उनीहरू राज्यको प्रतिनिधिको रूपमा गएका हुन्छन् । कुनै पनि निर्णय लिँदा जनताको मतको कदर हुन्छ । ५० हजार हस्ताक्षर लिएर कुनै नागरिकले संविधानमा भएका कुरा फेर्न चाह्यो भने चुनाव गरिन्छ । हरेक संघको आफ्नै संसद, न्यायपालिका र प्रणाली छ । सम्प्रभुत्ता सबैको सहमतिको बिन्दु हो । जर्मन, इटालीयन , फ्रेन्च र अल्पसंख्यक रोमन भाषा भाषीलाई राज्यले मान्यता दिएको छ । संघीय प्रदेशहरूमा आफ्नै भाषा चल्छन् । यसर्थ, स्विजरल्याण्डलाई सबै हिसाबले अनुकरणिय राष्ट्र मानिन्छ । (इनेप्लिज, २०७३)

स्विजरल्याण्डलाई विश्वको नमुना राष्ट्र बन्न सघाउ पुऱ्याउने केहि मुख्य कारकतत्वहरूलाई निम्न बुँदाहरूमा उल्लेख गरिएको छ ।

१. क्षेत्रफलमा सानो आकार (Small Size)
२. वास्तविक प्रजातन्त्र (Genuine Democracy)
३. विकेन्द्रीकरणको राम्रो अभ्यास (Decentralization)
४. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विशेष सहूलियत दिने नितिहरू (Subsidiary Principle)
५. गैर व्यावसायिक नेताहरू (Non-Professional Politicians)
६. पुँजि र बौद्धिक क्षेत्रका लागि सुरक्षित स्थान (Safe Haven for Capital and Brainpower)
७. मध्यम वर्गिय मानसिकता (Middle-Class Mentality)
८. शिक्षामा विशेष जोड (Educational Priority)

यी विभिन्न कारकतत्वहरूले स्विजरल्याण्डको विकास प्रक्रियामा निकै सघाउ पुऱ्याएका छन् जुन नेपाल जस्तो भर्खर विकास पथमा अघि बढिरहेको राष्ट्रका लागि अनुकरणिय हुन सक्दछ ।

### **(छ) चीनको विकास मोडेल**

सन् १९७८ मा देड सियाओपिङ नेतृत्वमा आएपछिका चार दशकयता चीनले आफूलाई विश्व आर्थिक शक्ती (Power house) को रूपमा विकसित गरेको छ । साथै यसले विश्वव्यापी अर्थतन्त्र र भूराजनीतिमा समेत महत्वपूर्ण परिवर्तन ल्याएको छ । चीनमा आर्थिक सुधार गर्ने कामको सुरुआत कृषि क्षेत्रबाट गरियो । राज्यको नियन्त्रण केही खुकुलो बनाइयो र दोहोरो ट्रयाक मूल्य संयन्त्रको माध्यमबाट किसानहरूलाई बजार सहूलियत प्रदान गरियो । किसानहरूले

आफ्नो प्रभावकारिता र उत्पादकत्व बढाएर यस सुधारप्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिए। त्यसपछि अन्य क्षेत्रमा पनि थप सुधारका कार्य विस्तार हुँदै गयो। (Township and Village Enterprises) टाउनसिप एन्ड भिलेज इन्टरप्राइजेज (टिभइएस) भनिने हाइब्रिड खालको स्वामित्वको माध्यमबाट गैरकृषि क्षेत्रमा सहूलियत प्रदान गरियो। सहरतिर सुधार फैलिएसँगै राज्यका उद्योगहरूले थप एकाधिकार प्राप्त गरे र यसले उनीहरूलाई उद्यमी बन्न थप प्रेरित बनायो। लगानी गर्न र आर्थिक वृद्धि बढाउन प्रान्त तथा स्थानीय निकायहरूका लागि विभिन्न सहूलियतहरूको व्यवस्था गरिएको थियो। सन् १९९० को दशकताका स्पेसल आर्थिक जोन (एसइजेडएस) को वृद्धिले चीनलाई विश्व अर्थतन्त्रमा समायोजन हुन निर्णायक भूमिका निर्वाह गर्‍यो। (रोड्रिक, २०७५)

देङ सिआओपिङले चीनमा आर्थिक क्रान्ति शुरू गरेको सन् २०१८ मा ४० वर्ष पूरा भएको छ। त्यसलाई उनले चीनको दोस्रो क्रान्ति भन्ने गर्दथे उक्त आर्थिक सुधारपछि चीन विश्व अर्थतन्त्रमा द्रो रूपमा प्रवेश गर्यो। आजको मितिमा चीन विश्वको त्यस्तो देश भएको छ जोसँग सबैभन्दा बढी विदेशी मुद्रा सञ्चिति अर्थात् ३.१२ खर्ब डलर छ। चिनको हालको आर्थिक विकासको गतिलाई निम्न तथ्यहरूले पुष्टि गर्दछ।

- कुल गार्हस्थ उत्पादन (११ खर्ब डलर) को मामिलामा चीन विश्वको दोस्रो ठूलो देश हो।
- प्रत्यक्ष विदेशी लगानी आकर्षित गर्ने चीन विश्वको तेस्रो ठूलो देश हो।
- देङ सिआओपिङले सन् १९७८ मा आर्थिक सुधारका कदम चाल्दा विश्व अर्थतन्त्रमा चीनको हिस्सा जम्मा १.८ प्रतिशत थियो जुन सन् २०१७ मा आएर त्यो हिस्सा १८.२ प्रतिशत पुगेको छ।
- चीन अब केवल एउटा उदीयमान अर्थतन्त्र मात्रै रहेन, बरू १५ औँ र १६ औँ शताब्दीताका विश्व अर्थतन्त्रमा करिब ३० प्रतिशत आफ्नो हिस्सा भएको अवस्थातर्फ उन्मुख भइरहेको राष्ट्र हो।

चीनलाई शक्तिशाली बनाउने नेताहरूमा माओत्से तुङ, देङ सिआओपिङ र वर्तमान राष्ट्रपति सी जिनपिङको नाम आउँछ। देङ सिआओपिङ नेतृत्वमा भएको आर्थिक क्रान्तिको ४० वर्षपछि चीन एक पटक फेरि एउटा द्रो नेतृत्व पाएर अधि बढिरहेको छ। सी जिनपिङ देशको अर्थतन्त्रलाई अभि प्रभावशाली बनाउन उत्पादनको क्षेत्रमा चीनलाई 'महाशक्ति' बनाउन चाहन्छन्। सी जिनपिङले देङ सिआओपिङका उदारीकरणका नीतिहरूलाई अगाडि बढाइरहेका छन् जसमा आर्थिक सुधार लगायतका कदम समेटिएका छन्। चिनियाँ सफलताको कथा दोस्रो विश्व युद्धपछिको एउटा देशको विकासको कथामा मात्रै सीमित छैन। बरू त्यो एउटा नियन्त्रित अर्थतन्त्रबाट मुक्त र उदारीकरणमा आएको परिवर्तनको पनि कथा हो। विश्वका कैयौँ देशले पनि चीनले अवलम्बन गरेको परिवर्तनलाई अपनाए। तर लोभलाग्दो सफलता चीनले मात्रै हासिल गर्‍यो। चीनले घरेलु अर्थतन्त्रमा क्रमिक सुधारको प्रक्रिया थाल्यो न कि बजारलाई आफ्नो अर्थतन्त्र सुम्पदियो। सुधार ल्याउने क्रममा उसले कहाँ विदेशी लगानी गर्ने र कहाँ नगर्ने कुराको निबर्णो गयो जसका लागि उसले विशेष आर्थिक क्षेत्रहरूको निर्माण गर्‍यो र त्यसका लागि उसले दक्षिणी तटीय प्रान्तहरूलाई रोज्यो। देङ सिआओपिङले कम्युनिष्ट समाजवादी राजनीतिक माहोलमा ठोस परिवर्तनको जग बसाले जसले विश्वमा समाजवादी अर्थतन्त्रको साख जोगाउन सघाउ पुर्‍यो।

चिनियाँ लेखक युकोन ख्वाङ आफ्नो पुस्तक 'क्याफिङ द चाइना कनन्ड्रम: ह्वाइ कन्भेन्सनल इकोनोमिक विज्डम इज रंग' मा लेखेका छन् (देङ सिआओपिङ एक महान् सुधारक मात्रै थिएनन धैर्य नभएका व्यक्ति पनि थिए। देङ सिआओपिङले शुरू गरेको सामाजिक आर्थिक सुधारको दृष्टान्त मानव इतिहासमा अन्यत्र भेटिँदैन। यसले चिनको आर्थिक जिवनमा निम्न परिवर्तन ल्यायो।

- सन् १९७८ देखि २०१६ को बीचमा चीनको जीडीपीमा ३,२३० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।
- यसबीचमा ७० करोड मानिसहरू गरिबीको रेखाबाट माथि उठे भने ३८.५ करोड मानिसहरू मध्यवर्गका रूपमा उकासिए।

- चीनको वैदेशिक व्यापार साढे १७ हजार प्रतिशतले बढ्यो भने सन् २०१५ सम्म चीन विदेशी व्यापारमा अगुवाको रूपमा उदायो ।
- सन् १९७८ मा चीनले वर्षभरि गर्ने व्यापार अहिले दुई दिनमै गर्छ ।
- देड सिआओपिङले चिनियाँ कम्युनिष्ट पार्टीलाई सामूहिक नेतृत्वमा लगेर चीनमा सामाजिक ( आर्थिक परिवर्तनको प्रक्रियामा तीव्रता दिए । (वि.वि.सी. २०१८)

अर्थतन्त्रको बजार नेतृत्व स्थापित गराउनु र बाहिरी स्वतन्त्रता बढाउनु नै चीनको यस्ता सुधार पछ्याडिका प्रमुख कारणहरूहुन । तर, अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार र निजी लगानीमा चीनको हिस्सा बढे पनि यसमा राज्य क्षेत्रको हिस्सा भने तुलनात्मक रूपले खुम्चियो । यसका लागि आर्थिक विविधीकरण र पुनर्गठन शृंखलाबद्ध औद्योगिक नीतिका माध्यमबाट प्रवर्द्धन गरियो । विदेशी लगानीकर्तालाई घरेलु कम्पनीसँग संयुक्त उद्यममा आबद्ध हुन लगाइयो र स्थानीय योगदान (Input) को प्रयोग बढाउन लगाइयो । यसबाट विनिमय दर र अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय प्रवाह केही हदसम्म नियन्त्रित रह्यो । (रोड्रिक, २०७५)

यी सबैको माध्यमबाट चिनियाँ नेतृत्वले कुनै पनि सिद्धान्तको पालना गरेन र आफ्नै विशिष्टताबाट चलाइरह्यो । चिनियाँ आर्थिक सुधार न कम्युनिस्ट शिक्षा न त कुनै स्वतन्त्र बजार विश्वासबाट निर्देशित थियो । यदि नीतिनिर्माताहरूले कुनै एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त अपनाउँछन् भने त्यसलाई पक्कै पनि 'व्यावहारिक प्रयोगात्मकता' भन्न सकिन्छ । यो देडको लोकप्रिय भनाइ हो । उनले भनेका छन् **'बिरालोको रडले कुनै पनि फरक पाँदैन, फरक उसले मुसो समात्न सब्यो कि सकेन भन्ने कुराले पाँछ ।'** चिनियाँ अनुभवको विलक्षणतालाई हेर्ने हो भने यसले विकसित र विकासोन्मुख दुवै राष्ट्रहरूलाई आर्थिक विकासका लागि महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान गर्दछ । अधिकांश पश्चिमा राष्ट्रमा बजारमाथिको निर्भरता र आर्थिक उदारीकरणका फाइदाहरू प्रस्तुत गर्न चीन सफल बनेको छ । सैद्धान्तिक रूपले चीनले राज्य नेतृत्ववाला आर्थिक मोडलको अर्न्तनिहित श्रेष्ठतालाई पुष्टि मात्र होइन स्थापित समेत गरेको छ र बजार केन्द्रित पश्चिमा सिद्धान्तको रडाकोलाइ चुनौती दिइरहेको छ । नेपाल जस्तो समाजवाद उन्मुख राष्ट्रका लागि चिनको आर्थिक विकास अनुकरणमात्र होइन चिनको आर्थिक र प्राविधिक विकासको प्रभावबाट पनि नेपालले प्रशस्त फाइदा लिन सक्नु पर्दछ जुन अहिले नेपालमा चलेको बहस पनि हो ।

### (ज) विकासको भारतीय मोडेल (केरला र गुजरात)

कुनै पनि राष्ट्रलाई समृद्ध बनाउन राज्यले आर्थिक वृद्धि (Economic growth) र कल्याणकारी राज्यका अवधारणालाई आत्मसात गर्नुपर्दछ । यी दुवै मोडललाई एकीकृत र सन्तुलित ढंगले प्रयोग गरेमा सफलता हासिल गर्न सकिन्छ भन्ने दृष्टान्त भारतका केरला र गुजरात विकास मोडलबाट स्पष्ट हुन्छ । सन् १९७० को दशकमा केरला राज्यमा अभ्यास भएको विकास मोडललाई केरला विकास मोडल भनिन्छ । यो मोडलले अराजक आर्थिक वृद्धि विकास मोडल विपरीत आम जनताको शिक्षा, जनस्वास्थ्य र सेवाका न्यायोचित वितरणमा जोड दिन्छ । यही विकास मोडलको कारण केरलामा छोटो अवधिमै तीव्र रूपमा सामाजिक विकास भयो । त्यसबाट त्यहाँका अधिक निम्न र मध्यम वर्गीय जनता लाभान्वित भएको तर्क दिगो विकासका अध्येताहरूदावी गर्छन् ।

हाल प्रधानमन्त्रीका रूपमा भारतलाई नेतृत्व दिइरहेका मोदीले गुजरातमा लागु गरेको विकासको मोडलका आधारमा 'मोदिनोमिक्स' शब्द नै निर्माण भएको छ । भारतीय जनता पार्टीको वेवसाइटमै लेखिएको छ - 'गुजरात मोडलको भिजन भनेको पूर्ण रोजगारी, कम महंगाई, ज्यादा कमाइ, तीव्र गतिको आर्थिक विकास, गुणस्तरीय शिक्षा, सुरक्षा र उत्कृष्ट जीवनस्तर हो ।' प्रधानमन्त्री मोदी सन् २००१ देखि २०१४ सम्म गुजरातका मुख्यमन्त्री थिए । मोदीले गुजरातमा सडक, उर्जा र पानी आपूर्ति जस्ता आधारभूत सुविधाहरूमा धेरै नै लगानी गरे । भारतको ग्रामीण विकास

मन्त्रालयका अनुसार सन् २००० देखि २०१२ सम्ममा गुजरातमा भण्डै तीन हजार ग्रामीण सडक परियोजनाहरू पूरा भएको थियो ।

यसबाहेक सन् २००४ र २००५ तथा सन् २०१३ र २०१४ को बीचको अवधिमा प्रतिव्यक्ति उपलब्ध विजुलीमा ४१ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ । गुजरातले सन् २०१२ देखि अतिरिक्त विजुली उत्पादन गरिरहेको छ । १८ हजार गाउँहरूगिडसँग जोडिएका छन् । यस बखत गुजरातको औसत जिडिपी (सन् २००० देखि २०१०सम्म) ९.८ प्रतिशत रथ्यो जसबेला पूरै भारतको औसत विकास दर ७.७ प्रतिशत मात्र थियो । गुजरातमा मोदीले इ-गवर्नेन्सलाई प्रभावकारी बनाए जसबाट प्रदेशमा भ्रष्टाचारमा कमी आयो । गुजरात मोडलले सुशासनका पक्षमा रहेको एक 'तटस्थ विचार' का रूपमा ख्याती कमाएको छ । गुजरात सरकारले सुशासन कायम गरेकोमा धेरै पटक अवार्ड समेत जितिसकेको छ । अक्सफोर्डबाट प्रकाशित किताब 'ग्रोथ अर डेवलपमेन्ट ट्विच वे इज गुजरात गोइड'मा उल्लेख भएअनुसार गुजरातले आर्थिक विकासका लागि यस्तो नीति बनाएको छ कि अब जुनसुकै सरकार आए पनि गुजरातको सम्बृद्धिमा असर पर्दैन ।

लगानीका लागि गुजरातमा परमिट लाइसेन्स तथा पर्यावरणसँग जोडिएका औपचारिकताहरू पूरा गर्न कानुनी अड्चनहरू राखिदैन । लगानीकर्ताहरूलाई आकर्षित गर्ने र मनोबल बढाउने कुरामा मोदीले कुनै कसर बाँकी राखेनन् । पश्चिम बंगालमा लामो समयदेखि विवादका बीच संचालनमा रहेको टाटा मोटर्सको नानो कार प्लान्ट सन् २००८ मा पश्चिम बंगालबाट गुजरातको साणन्दमा सारियो । पश्चिम बंगालको सरकारले जग्गाको मामिला सुल्झाउन नसक्दा जनताको विरोध थग्न नसकेर प्लान्ट नै बन्द गर्नुपर्यो तर गुजरातमा अहिले फोर्डले पनि प्लान्ट सुरु गरिसकेको छ । मोदीले फोर्ड, सुजुकी तथा टाटा जस्ता ठूला कम्पनीहरूलाई गुजरातमा प्लान्ट लगाउने अनुमति दिएर अटो म्यानुफ्याक्चरिङ इन्डस्ट्रीमाफत गुजरातमा पर्याप्त अवसर भित्थ्याएका छन् ।

हालसम्म पनि गुजरात भारतको सबैभन्दा औद्योगिकृत राज्य हो । पश्चिमी तटमा रहेको फाइदा पनि यसले उठाइरहेको छ । भारतको जनसंख्याको ५ प्रतिशत आवादी रहेको गुजरातमा देशको कुल क्षेत्रफलको ६ प्रतिशत जमीन छ । पानी नपर्ने समस्या भोग्ने गुजरातमा खेती गर्न त्यति सहज छैन तर पनि भारतको कुल निर्यातको २२ प्रतिशत गुजरातबाटै हुन्छ । हाल गुजरातको जिडिपी ७.६ प्रतिशत छ । लामो तटक्षेत्रका कारण अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार धेरै नै सुगम छ । भारतको एक तिहाइ समुद्री जहाज गुजरातकै तट भएर जाने गर्छ । सन् २०१० देखि नै गुजरातले ४३ हजार ८४८ मिलियन युनिट विजुली उत्पादन गर्न थालेको हो । गुजरातमा ४० हजार ७९३ मिलियन युनिट माग रहेकोमा बाँकी रहेको विजुली उसले अन्य १२ राज्यहरूलाई बेच्न थालेको छ । त्यस्तै भारतमा कुल ३.८ प्रतिशत बेरोजगारी दर रहेकोमा गुजरात राज्यमा सबैभन्दा न्यून १ प्रतिशत मात्र बेरोजगारी दर रहेको श्रम ब्यूरोको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ (Bizmandu, 2018) । भारतको गुजरात र केरला मोडलले पुँजिवादी र समाजवादी चरित्रलाई अवलम्बन गरेको छ जुन नेपाल लगायत अरु देश र राज्यका लागि पनि अनुकरणीय रहेको छ ।

## (भ) रुवान्डाली मोडेल

हरियो जंगल र पहाडले घेरिएको पूर्वी मध्यअफ्रिकी मुलुक रुवान्डा सन् १९९० तिर तत्कालीन सरकारद्वारा 'प्रायोजित' जनसंहारका कारण जातीय द्वन्द्वबाट ग्रस्थ थियो जुन विस्तारै पुनर्स्थापनातर्फ अघि बढिरहेको छ । सन् १९९० देखि उसले आर्थिक विकासमा ठूलो फड्को मारेको छ । त्यहाँ जातीय टुत्सीहरू र हुटुहरूबीच दंगा हुँदा सय दिनमै आठ लाखभन्दा बढीको हुटु समुदायको वर्चस्व रहेको सुरक्षा निकायद्वारा हत्या गरिएको विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ । जातीय द्वन्द्व र तनावको प्रमुख कारण अल्पसंख्यक टुत्सी र बहुसंख्यक हुटुबीच जारी परम्परागत असमानतालाई मानिएको छ । आज त्यहाँ सबैखाले द्वन्द्वको समाधान भई विकास निर्माण र आर्थिक क्षेत्रमा ऐतिहासिक प्रगति भइरहेका छन् । त्यसैले द्वन्द्वमा फसेका र द्वन्द्वपछिका राज्य र सरकारले गर्नुपर्ने कामका लागि रुवान्डालाई उदाहरणका रूपमा लिने गरिएको छ । रुवान्डाले वर्षौदेखिको द्वन्द्वमा मलहम लगाउन आफ्नै स्रोत

र साधनको पहिचान मात्रै गरेन, त्यसको उपयोग गरी मुलुकलाई समृद्ध बनाउने उत्कट चाहनाका साथ अघि बढिरहेको छ। त्यसै क्रममा उसले कफी र चिया उत्पादन गरी आफ्नो अर्थव्यवस्थाको पुनर्निर्माणमा जुटेको छ। यी दुई उत्पादनहरू त्यहाँका प्रमुख निर्यात वस्तुमा दरिएका छन्। रुवान्डाको ऐतिहासिक विकासको सफलता यसले अख्तियार गरेको विकास र सकारात्मक आर्थिक नीति नै हो जसले त्यहाँ गरिबी र असमानता घटाउन सहयोग पुगेको छ।

२३ वर्षअघि त्यहाँको अर्थव्यवस्था तहसनहस थियो। खासगरी, सन् १९९४ मा टुत्सीविरुद्ध मच्चाइएको नरसंहारपछि अधिकांश सेवा र सुविधाहरू ठप्प थिए। करिब १० लाख मानिसको ज्यान र हजारौंलाई विस्थापित हुने गरी भएको जनसंहार अघि र पछि रुवान्डाको वृद्धिदर ऋणात्मक अवस्थामा पुगेको थियो। तर, आज विश्वका तीव्र गतिमा बढ्दो अर्थतन्त्र भएको मुलुकमा रुवान्डाले आफूलाई उभ्याउन सफल भएको छ। सन् १९९४ मा मुलुकको वृद्धिदर ऋणात्मक (-११.४ प्रतिशत) रहेकोमा सन् २०१४ मा ७ प्रतिशत र सन् २०१५ मा ६.९ प्रतिशतमा पुगेको थियो। यो वृद्धिदर र आर्थिक छलाडको कारण पुनर्निर्माण, निर्यात प्रवर्द्धन, ऊर्जा विकास र समावेशी वित्त हुन्। यिनै विषयलाई आफ्नो विकासको मोडल बनाएर रुवान्डा छोटो समयमै अन्य मुलुकका लागि नमुना बनेको हो। खासगरी नरसंहारको समाप्तिसँगै मुलुकले सुरु गरेको पुनर्जागरण र रूपान्तरणको अभियानले उसलाई ऐतिहासिक सफलताको शिखरमा पुर्यायो। यसले सन् २०१२ को अन्त्यसम्मको एक दशकमा आफ्नो वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर ८ प्रतिशतमा पुर्यायो। यो दर विश्वव्यापी र अफ्रिका महादेशभरिकै सबैभन्दा उच्च रह्यो। यसमा उसको बलियो आर्थिक आधार, नीति तथा कार्यक्रमहरूको कारणले नै हो। विशेषगरी 'ग्रासरूट' स्तरमा सवावेशी विकासको नितिले रुवान्डालाई आफ्नो लक्ष्यमा पुग्न सफल बनायो। मुलुकले आर्थिक विकास र गरिबी निवारण रणनीतिका साथ अघि बढ्दै सन् २०१८ सम्ममा वार्षिक रूपमा कृषि क्षेत्रमा दुई लाख रोजगारी सिर्जना गर्ने जनाएको छ। अनाज उत्पादनमा वृद्धि गर्नेलगायतका पहल उसले धेरै पहिले सुरु गरिसकेको थियो। फलस्वरूप दुई दशकमै विकासलाई उत्कर्षमा पुर्याउन ऊ सफल भयो। सन् २०१३ मा प्रतिव्यक्ति आय ६४४ अमेरिकी डलर रहेकोमा सन् २०१८ सम्ममा १२ सय अमेरिकी डलर पुर्याउने लक्ष्य रहेको छ। यसैगरी, निजी क्षेत्रको लगानी जीडीपीको १५.४ पुर्याउने लक्ष्य पनि उसले लिएको छ। उसले वार्षिक वृद्धिदर ११.५ हासिल गरेको छ। सेवा क्षेत्र, उद्योग र कृषिलगायत अन्य क्षेत्रमा पनि राम्रो प्रगति गरेको छ। यसैगरी रुवान्डाले आफ्नो निर्यात प्रवर्द्धन गर्दै सन् २०१८ सम्ममा २८ प्रतिशत निर्यात बढाउने र थप ५६३ मेगावाट विद्युत् उत्पादन गरी ७० प्रतिशत घरधुरीलाई विद्युत् सेवा दिने अठोटका साथ अघि बढेको छ। वित्त विकास र वित्तीय सेवामा सुधारले वित्तीय क्षेत्रमा द्रुतगतिमा वृद्धि भइरहेको छ। फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धिका बावजूद मुलुकमा गरिबी न्यूनीकरण भैरहेको अवस्थामा छ। बैंकिङ क्षेत्र स्थिर र राम्ररी पूँजीकृत भएको स्थितिमा छ (यादव,२०७३)। रुवान्डाको यो तरक्कीले नेपाल जस्तो विकासोन्मुख राष्ट्रका लागि उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ जसलाई नेपालले शिक्षाको रूपमा लिनु पर्दछ।

## (ब) इथियोपियाली मोडेल

विश्वकै सबैभन्दा बढी जनसंख्या भएको भूपरिवेष्टित मुलुक इथियोपिया अफ्रिका महादेशमा नाइजेरिया पछिको दोस्रो ठुलो जनसंख्या भएको देश हो। ८० भन्दा बढी भाषा बोलिने र संस्कृतिको धनी इथियोपियाको अवस्था रुवान्डाबाट अलि फरक भए पनि विभिन्न संकटका बावजूद विकासमा यसले फड्को मारेको छ। पूँजीगत परियोजनामा पनि खासगरी आधारभूत संरचनामा रकम खर्चिरहेको रुवान्डाले निकै छोटो अवधिमा 'डाइभर अफ बुम' को अवस्थामा ऊ पुगेको छ। यसको मुख्य कारण त्यहाँको सरकार आफैँ होइन, सरकारद्वारा सञ्चालित कम्पनी मार्फत विकास, निर्माण र संरचनामा खर्च गरिएकोले हो। सरकारले औद्योगिक पार्कदेखि चिनी कारखाना र पावर लाइन तिनै संस्थामार्फत बनाउने गरेको छ। खासगरी कमर्सियल बैंक अफ इथियोपिया, इथियो टेलिकम र इथियोपिया इलेक्ट्रिक पावरले त्यहाँको पूँजीगत लगानीमा ७० प्रतिशत योगदान पुर्याएका छन्। विश्व बैंकद्वारा सन् २०१६ मा प्रकाशित 'इथियोपियाज ग्रेट रन, दि ग्रेट एसिलेरेसन एन्ड हाउ टु पेस इट' (Ethiopia's great run the growth

acceleration and how to pace it) ले उल्लेख गरेअनुसार, इथियोपिया सन् २००० यता विश्वको सातौं तीव्र आर्थिक वृद्धिदर भएको मुलुक हो । सन् १९८१ देखि १९९२ सम्म उसको जीडीपी जम्मा ०.५ प्रतिशत रहेकोमा सन् १९९३-२००४ सम्मको अवधिमा यो ११ प्रतिशतमा पुग्यो, जुन चीन अथवा भारतभन्दा धेरै राम्रो हो । सन् २००० मा इथियोपिया विश्वकै सबैभन्दा दोस्रो गरिब राष्ट्र थियो तर आज उसलाई विश्वकै दोस्रो अर्थतन्त्र भएको मुलुक चीनसँग तुलना गर्न थालिएको छ । यसप्रकारको उपलब्धि प्राप्त गर्नुमा आधारभूत संरचनामा उसको ठूलो लगानी प्रमुख कारण हो ।

इथियोपियाको विद्युत् विकास, रेल कनेक्टिभिटी र अन्तरप्रदेशीय राजमार्ग संघीय सरकारले बनाइरहेको छ जसले कृषि र अन्य विकास निर्माणका साथै हलुका वस्तु उत्पादनतिर पनि त्यतिकै जोड दिएको छ । चीन या पूर्वी एसियाली मोडेलविपरीत इथियोपिया आफ्नो अत्यन्तै बलियो पूँजी नियन्त्रणमार्फत 'ओभरभ्यालु' मुद्रा कायम राख्न सफल छ । यसका लागि उसले प्रिमियम डलरमा ग्रहण गर्छ । जसले गर्दा कम्पनीहरूलाई स्थानीय इथियोपियाली मूल्य कम भए पनि सामान निर्यात गर्न सजिलो छ । आयातकर्ता जोसुकै भए पनि उनीहरूका लागि सजिलो वातावरण छ, त्यहाँ । उदाहरणका लागि फूल निर्यातकर्ताले पनि उपभोग्य वस्तु आयात गर्न डलरसम्म आफ्नो पहुँचको उपयोग गर्न पाउँछन् । यो उसको प्रबन्धकीय या प्रविधि क्षेत्रको पहिलो विशेषज्ञता हुन सक्छ । त्यहाँका बैंकहरूलाई मुद्रास्फीतिको दरभन्दा तल भर्दा पनि ऋण निकासी गर्न त्यहाँ निर्देशन दिने गरिन्छ । आश्चर्यको कुरा त के छ भने धनको भुक्तानी गर्न त्यहाँ ऋणको माग बढ्दो छ । पोर्टफोलियो लगानीकर्ता (पूँजी बजारमा गर्ने लगानीकर्ता) हरू र विदेशी बैंकहरूप्रति त्यहाँको सरकारको एक खालको वैचारिक भिन्नता छ । विदेशी 'पोर्टफोलियो लगानी' भन्दा आन्तरिक स्रोत र साधनको प्रयोग रकम जुटाउनका लागि उसले गर्ने गरेको छ । त्यसैले त उसले केन्याको 'आईपीओ टेलिकम' को लगानी मुलुकमा भित्र्याउनुको साटो सरकारी स्वामित्वमा रहेको दूरसञ्चारको एकाधिकारबाटै लाभ लिन उद्यत देखिन्छ ।

राज्यको स्पष्ट दिशा, एकाधिकार, विनिमय र मूल्य नियन्त्रणमा केन्द्रित इथियोपियाले जमिन, श्रम, लजिस्टिक, ऋण र विद्युत्माथि केन्द्रित भएर अघि बढ्न पाँच वर्षे योजना निर्माण गरि विकास प्रक्रियालाई निरन्तरता दिइरहेको छ । इथियोपिया विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मा छैन र आईएमएफको सहयोग पनि उसले लिएको छैन । अफ्रिकाको सिंह (दी हर्न अफ अफ्रिका) भनेर समेत चिनिने इथियोपिया ५० वर्षयताकै सबैभन्दा ठूलो खडेरीको चपेटामा पर्यो तर त्यसलाई कुशलता पूर्वक समाधान गर्न खाद्यान्न जम्मा गर्ने राष्ट्रिय नीति अघि सारियो । एक अर्ब अमेरिकी डलर सहयोगमा ७ सय ३५ मिलियन अमेरिकी डलर उसले आफ्नै लगानी गर्यो, जुन रकम उसको कुल जीडीपीको ६१.६४ अर्ब अमेरिकी डलरको १० प्रतिशत हो । इथियोपियाले गरेको यो प्रगती लाइ आत्मसात गरेको भए भूकम्प पीडितहरूको पुनस्थापना गर्न र द्रुततर आर्थिक विकास गर्न नेपाललाई सजिलो हुने देखिन्छ (यादव,२०७३) ।

माथि उल्लेखित विश्वका केहि देशहरूको विकास मोडलहरूको अलावा चिली, क्युवा, दक्षिण अफ्रीका, भुटान लगायतका अन्य देशहरूको मोडल पनि अनुकरणिय रहेका छन । यी विभिन्न विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययनले के देखाउछ भने विश्वका विभिन्न राष्ट्रका आफ्नै मौलिक विकासका ढाँचाहरू रहेका छन जसलाई ति राष्ट्रहरूले आफ्नो विशिष्ट परिवेशमा निर्माण गरेका थिए । नेपालको सन्दर्भमा विकास मोडलको निर्माण गर्दा भारत र चिनको सन्निकटता, भुपरिवेष्टित परिवेश, प्राकृतिक साधनको दोहन निति, भौतिक पुर्वाधारको आवश्यकता, जलस्रोतको पर्याप्तता, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास आदिमा ध्यान दिन जरुरि देखिन्छ । विकासको मार्गमा अग्रसर हुँदै गरेको वर्तमान अवस्थामा नेपालले यी राष्ट्रहरूबाट शिक्षा लिन जरुरी रहेको छ । केन्द्र देखि स्थानीय तह सम्मका निकायहरूले यी मोडलहरूको अध्ययन गरि आफ्नो लागि उपयुक्त मोडल कुन हो पहिचान गरि भावी नीति र कार्यक्रम निर्माण गर्ने र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।



## अनुसूची २: वडागतरुपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू

### (क) आर्थिक क्षेत्र

#### १. कृषि तथा पशुपालन

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	कम्पोष्ट मल बनाउने तालिम सहित अनुदानको व्यवस्था
२	पशुपन्छी पालनको लागि तालिम सहित खोर/गोठको व्यवस्था
३	माछा पालनको लागि तालिम सहित सुरक्षाको व्यवस्था
४	कृषकले उत्पादन गरेको कृषि उपजहरूको मुल्य निर्धारण र बजारिकरणको व्यवस्था
५	वडामा कृषि तथा पशु प्राविधिकहरूको व्यवस्था
६	कृषि गोदाम, भण्डारण, संकलन र विक्रि केन्द्रको निर्माण
<b>वडा नं. २</b>	
१	मल, विउ, विजन र उन्नत जातको पशुनश्लको व्यवस्था
२	आधुनिक कृषि औजारको व्यवस्था
३	उत्पादित कृषि उपजको उचित मुल्य निर्धारण र बजारिकरण
४	कृषि प्राविधिको उचित व्यवस्था
५	बाली बीमाको कार्यक्रम
६	नगदेवाली र तरकारी बाली प्रवधनमा जोड
७	माछाको भुरा सहित प्राविधिक सहयोगको व्यवस्था
८	पशु-पन्छी तथा माछाको दाना उत्पादन गर्न तालिम सहित सामाग्रीको व्यवस्था
९	पशु खोर/गोठ सुधार कार्यक्रम
१०	कोल्ड स्टोर तथा भण्डारणको व्यवस्था
११	कृषिमा पर्यटन क्षेत्र, ब्लक जोन र सुपर जोनको विस्तार
१२	कृषकहरूलाई सहूलियत दरमा (ऋण) कर्जाको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	मल, विउ, विजन र उन्नत जातको पशुनश्लको व्यवस्था
२	कृषकले उत्पादन गरेको कृषि उपजहरूको मुल्य निर्धारण र बजारिकरणको व्यवस्था
३	कृषि यान्त्रिकरण सुलभ (अनुदान/निशुल्क) मुल्यमा बितरणको व्यवस्था
४	उत्पादित कृषि फसलहरूको संकलन तथा भण्डारणको लागि कोल्ड स्टोरको व्यवस्था
५	कृषकहरूलाई आधुनिक कृषि कार्य गर्न प्राविधिक तालिमको व्यवस्था
६	कृषकहरूलाई सहूलियत दरमा कृषि ऋणको व्यवस्था
७	कृषि बीमा कार्यक्रमको व्यवस्था
८	कृषि तथा पशु चिकित्सकहरूको व्यवस्था
९	माछा तथा च्याउ उत्पादनको लागि सिपमूलक तालिम सहित अनुदानमा सामाग्रीहरूको व्यवस्था
१०	कृषि फसलहरू संकलन केन्द्रको स्थापना गरि बजारिकरणको व्यवस्था
११	पशुनश्ल सुधार कार्यक्रमको प्रवर्धन

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. ४</b>	
१	मल, उन्नत जातको विउ, विजन र उन्नत जातको पशुनश्लहरूको व्यवस्था
२	उत्पादित कृषि फसलहरूको उचित मुल्य निर्धारण गरि बजारिकरणको व्यवस्था
३	उत्पादित कृषि उपजहरूको संकलन र भण्डारणको व्यवस्था
४	मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि तालिम सहित टनेलको व्यवस्था
५	दाना र साईलेज बनाउने तालिम सहित सामाग्रीको व्यवस्था
६	माटोको गुणस्तर परिक्षण गरि बालीनाली लगाउने व्यवस्था
७	आधुनिक कृषि औजार तथा उपकरणको व्यवस्था
८	उन्नत जातका माछाका भुराहरू आधुनिक प्रविधनुसार पालन गर्न अनुदानको व्यवस्था
९	कृषकहरूलाई समयानुकुल पुनताजगी तालिम
१०	पशुपन्छीहरूको लागि औषधीको व्यवस्था
११	कृषि बीमा कार्यक्रम
<b>वडा नं. ५</b>	
१	मल उन्नत जातको विउ, विजन र उन्नत पशुनश्लको व्यवस्था
२	कृषिमा पकेट क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम संचालन
३	उत्पादित वस्तुहरूको संकलन तथा भण्डारण केन्द्रको व्यवस्था
४	बाली बीमाको व्यवस्था
५	किसानहरूलाई आधुनिक कृषि उत्पादन गर्न तालिम तथा सामाग्रीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	मल, विउ उन्नत जातको पशु/पन्छी नश्लहरूको व्यवस्था
२	कृषकहरूले उत्पादन गरेका कृषि फसलहरूको उचित मुल्य निर्धारण गरि बजारिकरणको व्यवस्था
३	कृषि उत्पादित वस्तुहरूको संकलन र भण्डारणको लागि कोल्ड स्टोरको व्यवस्था
४	मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि तालिम सहित सामाग्रीको व्यवस्था
५	माटो परिक्षण गरि गुण अनुसार बाली उत्पादनमा प्रवर्धन
६	बाली बीमा कार्यक्रम संचालन
७	अर्गानिक मल बनाउनको लागि तालिम सहित सामाग्रीको व्यवस्था
८	पशुपन्छी पालनको लागि खोर/गोठ सुधार कार्यक्रम
९	पशुपन्छी तथा माछा पालनको लागि दाना उत्पादन गर्ने तालिम सहित सामाग्रीको व्यवस्था
१०	मल, विउ उत्पादन गर्न प्रविधि सहित तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	मल, उन्नत जातको विउ, विजन र उन्नत जातको पशुनश्लहरूको व्यवस्था
२	उत्पादित वस्तुहरूको संकलन केन्द्र, भण्डारण र बजारिकरणको व्यवस्था
३	साना किसानहरूलाई सरकारी अनुदानको व्यवस्था
४	Moisture को मापदण्ड अनुसार Minimum Support Price (MSP) को निर्धारण
५	पशुपन्छी हाटबजारको व्यवस्था

## २. सिंचाई

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	वडाका सबै कृषि भूमिमा सिंचाईको लागि २५ वटा डिप वोरिङ्गको निर्माण गरि विद्युत र मोटर सहितको व्यवस्था
२	हाल संचालित वोरिङ्गहरूमा पोल, तार र मोटर सहित विद्युतको उपलब्धता
<b>वडा नं. २</b>	
१	१० विगाह क्षेत्रफल बराबर १ वटा डिप वोरिङ्गको व्यवस्था
२	डिप वोरिङ्ग निर्माण गर्दा विद्युत पोल, तार र मोटरको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	हाल संचालित नहरहरूको पुनः निर्माण/मर्मत
२	पानी वितरणको कार्य तालिका बनाई उचित समयमा पानीको उपलब्धता
३	प्रत्येक १० विगाह क्षेत्रफल बराबर १ वटा वोरिङ्ग निर्माण गरि विद्युतीय सुविधाको उपलब्धता
<b>वडा नं. ४</b>	
१	हाल संचालित नहरहरूको मर्मत तथा सन्चालनमा रहेका नहरबाट शाखा नहरहरूको निर्माण
२	कृषि सुविधाको लागि ५० वटा डिप वोरिङ्ग निर्माण र विद्युत पोल, तार तथा पानी तान्ने मोटरको व्यवस्था
३	लोहन्द्रा खोलामा ड्याम निर्माण गरि सिंचाईको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	महादेव कोल शाखा नहरको निर्माण तथा मर्मत
२	कृषि योग्य भूमिलाई सिंचाई गर्न ४० वटा वोरिङ्ग निर्माण गरि विद्युतीय मोटरको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	वडा नं.६ को कृषि भूमिमा नियमित सिंचाईको लागि १२ वटा डिप वोरिङ्ग निर्माण गरि निशुल्क विद्युत तथा मोटारको व्यवस्था
२	डिप वोरिङ्गबाट निकालिएको पानीलाई अन्य क्षेत्रमा लैजान भूमिगत पाईप लाईनको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	भोराहत महादेव सिंचाई कुलोको स्तरोन्नति
२	सिंचाईको लागि हाल संचालनमा रहेका भूमिगत सिंचाई (डिप वोरिङ्ग) मा विद्युतीकरणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	मानपुर गाउँ स्थित दुर्गा मन्दिर कम्पाउण्डको निर्माण
२	मानपुर गाउँ स्थित सामुदायिक मठ/मन्दिरको निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	सांस्कृतिक समितिहरूको गठन
२	संग्रहालयहरूको व्यवस्थापन तथा निर्माण
३	संस्कृति, भाषा, कला सम्बन्धी संरक्षणका लागि चेतनामुलक कार्यक्रम
<b>वडा नं. ५</b>	
१	गठित साँस्कृतिक समितिलाई क्रियाशिल गराउने
२	कला संस्कृतिको पुस्ता हस्तान्तरण गर्ने व्यवस्था
३	विभिन्न जातजातीहरूको संग्रहालय निर्माण

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. ६</b>	
१	विभिन्न जातजातीहरूको भाषा, कला, संस्कृतिको जगेर्ना

### ३. पर्यटन क्षेत्र

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. २</b>	
१	वैरिया, प्छोट्की, विरपुर, हरिनगर, मिलन चोक र सन्याल समुदायमा होमस्टेको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	राधाकृष्ण मन्दिरबाट ऐतिहासिक रथ यात्रा २ (जहदा र कटहरी) गा.पा.मा परिक्रमा गर्ने गरि पर्यटकीय रूपमा विकास
२	वडा नं.३ मा रहेका ऐलानी जग्गामा पार्क निर्माण गरि पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास
३	जुडी खोलामा बाँध निर्माण गरि मत्स्यपालनको लागि वोरिङ्गको व्यवस्था गरि पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास
<b>वडा नं ४</b>	
१	साविक वडा नं.८ सिसौवारी र रामचोक आर्यघाटको छेउमा वाल उद्यान, पिकनिक स्थल निर्माण
<b>वडा नं ६</b>	
१	कृषि पर्यटनको रूपमा पर्यटनको विकास गर्न कृषिका विभिन्न क्षेत्रहरूको प्रवर्धन
<b>वडा नं. ७</b>	
१	महादेव कोलमा रहेको सिमसार क्षेत्रमा विभिन्न पन्छीहरूको अवलोकन गर्न मचान पोष्टको निर्माण
२	महादेवकोल सिमसार श्रेत्रलाई प्रवर्धन गरि पर्यटकीय स्थल निर्माण

### ४. उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	मैनबत्ति, अगरबत्ति, सलाई बनाउने घरेलु उद्योगको स्थापना
२	लिड बल्ब बनाउने उद्योगको स्थापना
३	कटानी पिसानी मिलको स्तरोन्नति
४	दाना बनाउने उद्योग स्थापना
<b>वडा नं. ४</b>	
१	सनपाट प्रशोधन उद्योगको व्यवस्था
२	तरकारी प्रशोधन केन्द्रको व्यवस्था
३	भुजा चिउरा उद्योग
४	सनपाट प्रशोधन उद्योगको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	चिउरा र भुजाको मिल स्थापना
२	मिनिरल उत्पादन
<b>वडा नं. ६</b>	
१	Rice मिलको व्यवस्था

**(ख) सामाजिक क्षेत्र****१. स्वास्थ्य तथा पोषण**

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	बच्चाहरूको लागि पोषणयुक्त सामाग्रीहरूको व्यवस्था
२	गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाहरूको लागि पोषणको कमि हुन नदिन क्याल्सियमको व्यवस्था
३	पोषण सामाग्रीहरू वितरण गर्न वडा स्तरीय कार्यक्रमको व्यवस्था
४	विद्यालयमा नर्सको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	वडा नं. २ को आधारभुत स्वास्थ्य केन्द्रलाई स्वास्थ्य संस्थामा स्तरोन्नति
२	स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण
३	पोषण कक्षको स्थापना
४	गाउँघर क्लीनिक भवन निर्माण
५	वर्धिङ्ग सेन्टरको व्यवस्था
६	दरवन्दी अनुसार कर्मचारीहरूको व्यवस्था
७	स्वास्थ्य संस्थाबाट निस्कने फोहरको व्यवस्थापन
८	स्वास्थ्य चौकीमा शुद्ध सफा पिउने पानीको व्यवस्था
९	स्वास्थ्य स्वयंसेविकाको थप व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	स्वास्थ्य संस्थामा वैकल्पिक उर्जा, शौचालय र फर्निचरको व्यवस्था
२	स्वास्थ्य संस्थामा शुद्ध खानेपानीको व्यवस्था
३	स्वास्थ्य संस्थामा रहेको जिर्ण अवस्थाको भवनलाई स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार नयाँ भवन निर्माण
४	स्वास्थ्य सम्वन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन
५	स्वास्थ्य चौकीलाई प्रवर्धन
६	दीर्घ रोगीका लागि निःशुल्क औषधीको व्यवस्था
७	एम्बुलेन्सको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	स्वास्थ्य सम्वन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन
२	स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्यचौकी भवन निर्माण
३	गाउँघर क्लिनिक तथा खोप केन्द्र भवन निर्माण
४	स्वास्थ्य केन्द्रमा ल्याव, एक्सेरे सम्वन्धी दक्ष प्राविधिकको व्यवस्था
५	एक जना नसिङ्ग कर्मचारीको व्यवस्था
<b>वडा नं ५</b>	
१	नियमित सेवा प्रदान गर्न प्रयाप्त स्वास्थ्य सामाग्रीहरूको व्यवस्था
२	औषधी तथा सर्जिकल उपकरणहरूको उचित व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	स्वास्थ्य चौकीमा २४ घन्टा नै सेवा प्रवाहको व्यवस्था
२	एम्बुलेन्सको व्यवस्था

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
३	दक्ष चिकित्सकको व्यवस्था
४	ल्याबको उचित व्यवस्था
५	फार्मोसीको व्यवस्था
६	निर्माणाधिन वर्थिङ्ग सेन्टरलाई समयमै सम्पन्न गरि व्यवस्थापन तथा कार्यान्वयनको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	स्वास्थ्यकेन्द्र स्थापना गर्नका लागि जग्गाको व्यवस्था
२	स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्यचौकी भवन निर्माण
३	दरवन्दी अनुसार दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
४	आकस्मिक कार्यको लागि बजेटको व्यवस्था
५	एम्बुलेन्स सेवाको व्यवस्था
६	स्वास्थ्यचौकीमा बत्ती, इन्टरनेट र इन्भटरको व्यवस्था

## २. शिक्षा

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	विषयगत र तहगत शिक्षको व्यवस्था
२	विद्यार्थी संख्या अनुसार कक्षा कोठाको निर्माण
३	शिक्षकहरूलाई समय सापेक्ष तालिम तथा गोष्ठीको व्यवस्था
४	विद्यालय परिसरमा घेरावारको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	विद्यालयमा विषयगत र तहगत शिक्षकको व्यवस्था
२	विद्यालयमा पर्याप्त कक्षाकोठाको निर्माण
३	विद्यालयमा फर्निचर, ल्याब, पुस्तकालय आइ.सि.टि.को व्यवस्था
४	विद्यालयमा खानेपानी र शौचालयको व्यवस्था
५	शिक्षकहरूलाई तालिमको व्यवस्था
६	शिक्षक अभिभावक र विद्यार्थी बीच अन्तक्रियालाई निरन्तरता
७	अभिभावकहरूलाई सामुदायिक विद्यालयको गुणस्तर वृद्धि गर्न जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन
८	उपलब्धीमुलक सिकाई सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
९	खेल मैदानलाई घेरावारको व्यवस्था
१०	विद्यालय हाताभित्र रहेका विद्युत पोल र ट्रान्सफरमरको उचित व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	आवश्यकता अनुसार विद्यालय कक्षा कोठाको निर्माण
२	विद्यालयमा सफा खानेपानी, फर्निचर र शौचालयको व्यवस्था
३	विद्यालयमा आइ.सि.टि., कम्प्युटर ल्याबको व्यवस्था
४	कक्षा र तहगत शिक्षकको व्यवस्था
५	बालमैत्री वातावरण तथा विद्यालय शान्ति क्षेत्रको रुपमा विकास
<b>वडा नं. ४</b>	
१	तहगत तथा कक्षागत शिक्षको व्यवस्था

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
२	विद्यालय संचालन व्यवस्थापन र अतिरिक्त क्रियाकलापको लागि बजेटको व्यवस्था
३	विद्यालयमा शिक्षक, विद्यार्थी र अभिभावक बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम
४	विद्यालयमा बत्ति, खानेपानी, इन्टरनेट, शौचालय र घेरावारको व्यवस्था
५	सम्बन्धित निकायहरूबाट प्रभावकारी अनुगमनको व्यवस्था
६	शिक्षकहरूलाई परिवर्तित पाठक्रम अनुसार तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	विद्यार्थी संख्याको आधारमा शिक्षक दरवन्दीको व्यवस्था
२	विद्यालय प्रशासन कामकाजको लागि प्रत्येक विद्यालयमा कम्प्युटर,पिन्टर र स्क्यानर मेसिनको व्यवस्था
३	विद्यालयको अनुगमन गरि भौतिक संरचनाहरू निर्माण
४	शौचालयहरूको मर्मत तथा नयाँ निर्माण
५	समय सापेक्ष दिवा खाजाको स्तरोन्नति
६	विद्यालयमा शुद्ध खानेपानीको व्यवस्था
७	विद्यालयमा खेल मैदानको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	अभिभावकहरूलाई सामुदायिक विद्यालयको सम्बन्धमा जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन
२	तहगत र विषयगत शिक्षक दरवन्दीको व्यवस्था
३	विद्यालय परिशरमा घेरावारको व्यवस्था
४	सुरक्षा व्यवस्थापनको लागि विद्यालयमा सि.सि.क्यामरा जडान
५	विद्यालयमा पुस्तकालय, स्मार्ट बोर्ड र आई.सि.टि.को व्यवस्था
६	माध्यमिक विद्यालय तहमा प्राविधिक विषयहरू अध्ययन अध्यापन गराउने व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षण संस्थानको व्यवस्था
२	महेन्द्र मा.वि.को कक्षा स्तरोन्नती (१२ कक्षासम्म)
३	विद्यालयमा उपलब्ध गराएको दिवा खाजामा विनियोजित गरेको रकमको वृद्धि
४	विद्यालयमा बाल मैत्री वातावरण सृजना गर्न आवश्यक सामग्रीको व्यवस्था
५	विद्यालयमा यातायातका साधनको व्यवस्था

### ३. खानेपानी तथा सरसफाई

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	ओभरहेड टंकीको निर्माण गरि खानेपानी वितरणको व्यवस्था
२	खानेपानी शुद्धता परिक्षण
<b>वडा नं. २</b>	
१	पानी शुद्धता परिक्षणको व्यवस्था
२	टोल-टोलमा पानी टंकी निर्माण गरि खानेपानी वितरण
३	टोल टोलमा स्वास्थ्य सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम
४	बाँयो फिल्टर टंकी निर्माण र तालिमको व्यवस्था
५	धुवाँ रहित सुधारिएको चुलो निर्माणका लागि प्राविधिक सहयोगको व्यवस्था

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
६	मल मुत्र तथा दिसा पिसाव व्यवस्थापन गर्न बायो ग्याँसमा परिवर्तन गर्न प्रविधिको विकास
<b>वडा नं. ३</b>	
१	निर्माणाधिन खानेपानी योजना सम्पन्न गरि पानी वितरणको व्यवस्था
२	टोल-टोलको पानी निकासको लागि ढल तथा नालाको व्यवस्था
३	खानेपानी शुद्धता परिक्षणको व्यवस्था
४	गरिव तथा अति विपन्न परिवारका समुदायलाई ट्युबेल वितरण कार्यक्रम
<b>वडा नं. ४</b>	
१	खानेपानी तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन
२	गरिव तथा अति विपन्न परिवारका समुदायलाई खानेपानीको उचित व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	निर्माणधिन खानेपानी योजना सम्पन्न गरि समुदाय स्तरमा पानी वितरणको व्यवस्था
२	खानेपानी शुद्धिकरणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	टोल स्तरीय आवश्यक अनुसार खानेपानी टंकीको निर्माण
२	पानीको शुद्धता परिक्षण
३	विद्यालय, स्वास्थ्य चौकी, मठमन्दिर अति विपन्न परिवारको लागि न्यूनतम मुत्यमा ट्युबेल वितरण

#### ४. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. २</b>	
१	महिलाहरू लक्षित लैङ्गिक समानता सम्बन्धी कार्यक्रम
२	अपाङ्गताको प्रकृति अनुसार सिपमुलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	टोल स्तरीय जेष्ठ नागरिक भवन निर्माण

#### ५. युवा तथा खेलकुद

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. ४</b>	
१	खेल मैदानलाई व्यवस्थित गर्न रंगशाला निर्माण
२	खेलकुद सामाग्रीको व्यवस्था सहित खेलाडीहरूलाई खेल सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था

#### (ग) पूर्वाधार विकास

#### १. वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. ४</b>	
१	सोहलमा चौतरी निर्माण
२	रामचोक, दुर्गा मन्दिर परिसरमा सार्वजनिक भवन निर्माण
३	जयग्राम बाबा मन्दिरको परिसरमा सार्वजनिक भवन निर्माण



कार्यक्रमहरू	
४	साविक नं.२ वनगाह टोलमा चौतारा निर्माण
वडा नं. ६	
१	अति विपन्न वर्ग/समुदायलाई भवन तथा आवासको व्यवस्था

## २. पुल तथा भोलुङ्गे पुल

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
वडा नं. २	
१	दहिया टोल र बकडी टोल जोड्ने स्थान, जोडी खोला, काली आ.वि.पश्चिम सिंगिहा खोला, मोहनपुरदेखि हरनगर जाने बाटोको जुडि खोलामा <b>पक्की</b> पुल
२	<b>कवजे:</b> दुलारी घरछेउ विरपुरमा, गुरुङ्ग टोल, मुहरी टोल,हरिनगर, छोड्की वैरिया राजमर चोकदेखि पश्चिम हरिनगर जाने बाटोमा मोहनपुर जाने बाटोमा २ वटा सुडि चोक छेउमा
३	<b>भोलुङ्गेपुल:</b> छोडकी वैरियादेखि जुडी पारी जाने जुडी खोलामा
४	काली टोलदेखि सेसिया जाने बाटोको लोहन्द्रा खोलामा
५	वैरिया मा.वि.देखि सन्थाल संग्रहालय जाने बाटोको लोहन्द्रा खोलामा
६	मोहनपुरदेखि भीमपुर जाने बाटोको लोहन्द्रा खोलामा
वडा नं. ४	
१	शान्ति टोलदेखि पश्चिम नयाँवजार जोड्ने, चन्द्रा सिसवनी जहदा ७ र कटहरी ९ फुलटोल जोड्ने <b>पक्की</b> पुल
२	अत्यावश्यक स्थानमा २५ वटा <b>कल्भर्ट</b> को व्यवस्था
वडा नं. ५	
१	नहरको पुर्व श्रीराम मन्दिर नजिक र सन्थाल टोलदेखि पश्चिम नहर नजिक पक्की पुल निर्माण
वडा नं. ६	
१	साविक पोखरीया १ (चन्द्र नारायण शाहको घर नजिक) पक्की पुल निर्माण
२	वालेश्वर मण्डलको घरदेखि पश्चिम जाने बाटोमा पक्की पुल निर्माण
३	साविक १ चेतलियामा पक्की पुल निर्माण
४	पोखरीया साविक वडा नं.७ देखि पश्चिम जहदा वडा नं.५ जोड्ने बाटोमा १ वटा <b>भोलुङ्गे पुल निर्माण</b>
५	साविक वडा नं.७ र ८ जोड्ने बाटोमा आर.सि.सि. <b>कल्भर्ट</b>
६	साविक पोखरीया ९ देखि दक्षिण जाने बाटोमा <b>आर.सि.सि.कल्भर्ट</b>
वडा नं. ७	
१	कटहरी तरिगामा खण्डको तरिगामा विरेन्द्र मण्डलको घर अगाडी पक्की निर्माण
२	नयाँ पट्टि तरिगामादेखि पश्चिम नहर खण्डमा पक्की पुल निर्माण

३. सडक

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रयाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
<b>वडा नं. १</b>							
१	सिरेन्द्र राजवंशीको घरदेखि जयनारायण राजवंशीको घरसम्म ग्रावेल र कालोपत्रे			१	४	१	४
२	हेलपोष्ट टोल गयराम राजवंशीको घरदेखि पश्चिम अगमलाल राजवंशीको घरसम्म कालोपत्रे					०.३	४
३	विन्देश्वरको घरदेखि शिव ठाकुरको घरसम्म ग्रावेल			०.३	३		
४	विन्देश्वर सखरियाको घरदेखि दक्षिण भागत सखरियाको घर हुदै पुर्व वैधनाथ सखरियाको घरसम्म					०.८	७
५	भुवरको घरदेखि गुरदल राजवंशीको घरसम्म कालोपत्रे					०.५	५
६	राम लक्ष्मण मार्गदेखि धुनी हुदै जावुन घाटसम्म कालोपत्रे					२	७
७	धुनी चोकदेखि सुकुम्वासी टोलसम्म कालोपत्रे					२	७
८	ग्रामथानदेखि जयारामको घरसम्म कालोपत्रे					०.५	७
९	श्यामको घरदेखि दक्षिण, रामदेवि यादवको घर, परमेश्वर यादवको घर हुदै भारतको सिमानसम्म कालोपत्रे					२	७
१०	शम्भु यादवको घरदेखि दक्षिण भिम यादवको घरसम्म कालोपत्रे					०.८	७
११	पण्डिजीको घरदेखि विद्यानन्द यादवको घरसम्म कालोपत्रे					०.५	७
१२	बुद्धेश्वरी मा.वि.को पश्चिम श्याम यादवको घरसम्म कालोपत्रे					२	७
१३	शिवनाथ शाहको घरपूर्वदेखि कालावन्जर, रामलक्ष्मण मार्गसम्म कालोपत्रे					४	७
१४	नदि चोकदेखि नदि टोलसम्म कालोपत्रे					२	७
१५	शसस्त्र क्याम्पदेखि राम लक्ष्मण मार्ग शिवनाथ शाहको घरसम्म कालोपत्रे					०.५	७
१६	शिवनाथ शाहको घरदेखि भारतको सिमानासम्म कालोपत्रे					०.५	५

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रायाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
१७	रामलक्ष्मण मार्गदेखि भारतको सिमानसम्म कालोपत्रे					०.५	४
१८	दुर्गा मन्दिर चोकदेखि भारतको सिमानासम्म कालोपत्रे					१	७
१९	साविक वडा नं.९ इदगाहदेखि लोहन्द्रा पुलसम्म कालोपत्रे					२	१०
२०	ताहिर हाजिको घरदेखि दक्षिण गाउँ, मदिनतुल मदरसादेखि पूर्व इस्लामको घर हुदै रामलक्ष्मण मार्गसम्म कालोपत्रे					२	८
२१	रियाजको घरदेखि दक्षिण सुडिटोल हुदै वोडरसम्म कालोपत्रे					१.५	८
२२	रुस्तमको घरदेखि पूर्व वाँसको विट हुदै रामलक्ष्मण मार्गसम्म कालोपत्रे					०.५	८
२३	साविकको घरदेखि उत्तर हमितको घरसम्म कालोपत्रे					०.५	८
२४	सुभासको घरदेखि उत्तर सिंगिहा खोलासम्म कालोपत्रे					१.५	८
२५	लैलाको घरदेखि पश्चिम भवरलाल कामतको घर हुदै रामलक्ष्मण मार्गसम्म कालोपत्रे					०.५	८
२६	भौस ऋषिदेवको घरदेखि दक्षिण वोडरसम्म कालोपत्रे					०.५	८
<b>वडा नं. २</b>							
१	रामप्रितको घरदेखि मोहनपुर जाने सडक कालोपत्रे					७	१०
२	पिपल चोकदेखि दहिया टोल हुदै हरिनगर जाने बाटो कालोपत्रे					४	१०
३	भोलुङ्गेपुलदेखि जुडीपुलसम्मको बाटो कालोपत्रे					३	३०
४	छोईकी वैरिया सुडी चोक देखि श्री मा.वि.जाने बाटो कालोपत्रे					२	७
५	नारायण सोरनको घरदेखि कुन्दन यादवको घर जाने बाटो कालोपत्रे					०.५	१०
६	हरिनगर पिच बाटोदेखि राजवंशी टोल हुदै वीरपुरसम्मको बाटो कालोपत्रे					५	१०
७	छोड्की वैरियादेखि जुडि पारी नहरसम्म ग्रावेल			२.५			
८	काली टोलदेखि लोहन्द्रा खोलासम्म			१.५			

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रयाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
९	महोनपुरदेखि हरिनगर जाने बाटो ग्रावेल			२			
१०	दविया घरदेखि लोहन्द्रा जानेबाटो ग्रावेल			१			
११	जुडिपुलदेखि विरपुलसम्मको बाटो ग्रावेल			४			
१२	बुदुरी ऋषिदेवको घरदेखि वीरपुर जाने बाटो कालोपत्रे					२	१०
१३	कृषि सडकहरूको कालोपत्रे			५	६		
<b>वडा नं. ३</b>							
१	बाउन टोल जुडी पुलदेखि लक्ष्मनीया लोहन्द्रा खोलासम्म नयाँ ट्रयाक खोल्ने	३	७				
२	बालेश्वर राजवंशीको घरदेखि उत्तर रिङ्गरोडसम्म	१	७				
३	त्रिभुवन राजवंशीको घरदेखि पश्चिम सिगिया खोलासम्म	१	७				
४	श्रीकृष्ण सामुदायिक भवन टोलदेखि दक्षिण २ नं.वडाको सिमानासम्म	१	७				
५	समावेशी टोल हात्तिबन्दादेखि वशन्त राजवंशीको घरसम्म	१	७				
६	हात्तिबन्दा दक्षिण टोलदेखि पुर्व २ नं.वडाको सिमानासम्म	२	७				
७	पन्चलाल राजवंशीको घरदेखि दक्षिण कृषि सडक	२	७				
८	राजकिशोर राजवंशीको घरदेखि दक्षिण उत्तर टोल हात्तिबन्दा लक्ष्मीथानसम्म ग्रावेल						
९	जयरामपुर ऋषि टोलदेखि पश्चिम तरिटोलसम्म ग्रावेल						
१०	जयरामपुर, दिलिप राजवंशीको घरदेखि दक्षिण मभारेसम्म ग्रावेल						
११	विष्णु राजवंशीको घरदेखि दक्षिण नागु मुखियाको घरसम्म ग्रावेल						

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रयाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
१२	दुर्गा राजवंशीको घर जयरामपुरदेखि पश्चिम वावनटोलसम्म ग्रावेल						
१३	दक्षिण हात्तिवन्दा टोलदेखि पूर्व दक्षिण जाने कृषि सडक ग्रावेल						
१४	श्रीकृष्ण सामुदायिक भवनदेखि दक्षिण गोहिपार्कसम्म ग्रावेल						
१५	राजेश ठाकुरको घरदेखि पश्चिम दक्षिण हुँदै मिलन चोकसम्म कालो पत्रे						
१६	भ्रिगिया खोलाको पुलदेखि पूर्व दक्षिण हुँदै दक्षिण टोल हात्तिवन्दासम्म कालोपत्रे						
१७	तरिटोलदेखि ३ नं.वडा कार्यालय हुँदै जयरामपुरसम्म कालोपत्रे						
१८	त्रिभुवन घरदेखि दक्षिण मिलन चोकसम्म कालोपत्रे						
१९	रामजानकी आ.वि.देखि उत्तर बन्दर खोकिया चोक, पूर्व रामजानकी हुँदै पूर्व जयरामपुरसम्म कालोपत्रे						
<b>वडा नं. ४</b>							
१	साविक ६ नं.बाट साविक २ नं.जोड्ने बाटोको नयाँ ट्रयाक	२	७				
२	वडा नं.६ को कृषि बाटो ग्रावेल			०.७	७		
३	पवन गिरीको घरदेखि दक्षिण सार्वजनिक विद्यालयसम्म कालोपत्रे					३	१२
४	४ नं.वडा कार्यालयदेखि कटहरी लक्ष्मणीया जोड्ने बाटो कालोपत्रे					६	१२
५	साविक ६ नं.देखि धनपाल थान सिमानासम्म कालोपत्रे					२	१२
६	सितारामको मिलदेखि नहरको बाटो हुँदै जयरामपुरसम्म ग्रावेल			६	७		
७	शहिद स्मारक चोकदेखि सिसौवारीसम्म			३	७		
८	गुठीचोकदेखि पूर्व कविलासासम्म			२	७		
९	सुकदेव मण्डलको घरदेखि पूर्व तेजिया चोकसम्म					०.५	१०
१०	आनन्द चोकदेखि दक्षिण नहरको बाटो			३	७		
११	सोहल रामजानकी मन्दिरदेखि पाण्डु मराडीको घरसम्म			१	७		

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रयाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
१२	नाराद मण्डलको पसलदेखि दक्षिण हुदै सरस्वती आ.वि.सम्म कालोपत्रे					३	१०
<b>वडा नं. ५</b>							
१	शिवसिंह नगरदेखि ४ नं.सिमानासम्म			२.५	८		
२	जिरीलाल मण्डलको घरदेखि पूर्व मोड दक्षिण टुक्रा घरसम्म			१	८		
३	पिपल चोकदेखि डुमरीया वोडरसम्म					३.५	१६
४	वेचन सिंहको घरदेखि जत्रुमण्डलको घरसम्म					१.५	१०
५	पिपल चोकदेखि ६ नं.वडा सिमानासम्म					१.५	१०
६	मुसमान वस्तीदेखि पूर्व ६ नं.वडा सिमानासम्म					१	१०
७	सन्थाल वस्तीदेखि नहरसम्म					१	१०
८	हनुमान मन्दिरदेखि पूर्व उत्तर नहरसम्म			१.५	८		
९	नहरदेखि पूर्व महतो टोलसम्म			१.५	८		
<b>वडा नं. ६</b>							
१	खानेपानी टंकीदेखि पूर्व पोखरीया आर्यघाट जाने बाटो नयाँ ट्रयाक	१	५				
२	आनन्द चोकदेखि पश्चिमको बाटो कालोपत्रे					२.५	२०
३	पोखरीय चोकदेखि पश्चिम ऋषिदेवटोल हुदै वडा नं.५ जोड्ने बाटो कालोपत्रे					१.५	१०
४	साविक वडा नं.९ देखि साविक वडा नं.३ सम्म कालोपत्रे					०.६	१०
५	साविक वडा नं.१ देखि भुभारे गा.वि.स.वडा नं.१ सम्म जोड्ने बाटो ग्रावेल			१	१०		
६	चन्द्रनन्द शाहको घरदेखि दक्षिण भारत डुमरीया वोडरसम्म कालोपत्रे					१.५	१०
७	जनता मा.वि.देखि पश्चिम वडा नं.५ जोड्ने बाटो कालोपत्रे					३	१०
८	गान्धीको घर उत्तर पूर्व जानेबाटो नयाँ ट्रयाक	१.५	७				
९	सलिनको घरदेखि पश्चिम ठेकी टोल जोड्ने बाटो नयाँ ट्रयाक	१	७				

क्र.सं.	सडकको विवरण	नया ट्रायाक खोल्ने		ग्रावेल गर्ने		कालो पत्रे	
		लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	लम्बाई (कि.मी)	चौडाइ (मि.)	ल. (कि.मी)	चौडाइ (मि.)
१०	सुन्थाल टोलदेखि पश्चिम कालोपत्रे					१	१०
११	ठेकी टोला पत्थरेश्वरको घरदेखि किसान दवेको घरसम्म आर.सि.सि.ढलान					०.५	१०
१२	रमानन्दको घरदेखि दक्षिण ढकनको घरसम्म २०० मि. आर.सि.सि.ढलान						
१३	साविक पोखरीया ७ देखि पश्चिम हाल जहदा ५ नं.वडा जोड्ने बाटो ग्रावेल			०.५	५		
१४	शिवनारायण मण्डलको घरदेखि पश्चिम पुरन मल्लको घरसम्म ग्रावेल			०.२	५		
<b>वडा नं. ७</b>							
१	तरिगामादेखि सिरसियासम्म कालोपत्रे					७	२०
२	चन्द्रलाल भण्डारीको घरदेखि डुमरिया सिमानासम्म					२	१६
३	भिमपुर बजरंवली स्थानदेखि महादेव टोल हुदै नारायण मण्डलको घरसम्म कालोपत्रे					३	१६
४	रामजानकी मन्दिरदेखि दिनाभद्री मन्दिरसम्म ग्रावेल			३	७		
५	राजदेउको घरदेखि जगदिश राजघरको घरसम्म ग्रावेल			१	७		
६	डुमरिया चोकदेखि रुपा ऋषिदेवको घरसम्म ग्रावेल			१.५	७		
७	लक्ष्मण पुर्मुको घरदेखि दक्षिण दाषन टोलसम्म ग्रावेल			१	७		
८	अर्जुनको घरदेखि पश्चिम लोहन्द्रा खोलासम्म ग्रावेल			०.५	७		
९	महेन्द्र मा.वि.देखि पुर्व भारतको सिमानासम्म			१	७		
१०	नारायणको घरदेखि पुर्व सुर्य नारायणको घरसम्म वाल सहित ग्रावेल			०.३	७		
११	सौनैया लालको घरदेखि पश्चिम संग्रहालयसम्म ग्रावेल			०.३	७		
१२	लोहन्द्रा पुलदेखि पश्चिम १ नं. वडाको सिमानासम्म ग्रावेल			०.३	७		
१३	विरेन मल्लको घरदेखि पुर्व हरिश चन्द्रशाहको घरसम्म ग्रावेल			०.२	७		
१४	लोहन्द्रा पुलदेखि पुर्व मलदैहिया टोल हुदै वोडर छेउको टोल हुदै भोला मण्डलको घरसम्म ग्रावेल			०.६	७		

**वडाका समग्र पूर्वाधार सँग सम्बन्धित माग तथा कार्यक्रमहरु**

क्र.सं.	कार्यक्रमहरु
१	होमस्टे सहितको सन्थाल संग्रहालय निर्माण
२	जहदा गाउँपालिका रिडरोड निर्माण
३	भिमपुर जानेबाटो नयाँ पट्टी तरिगामा
४	भिमपुर चतुतर बजरबली पछाडी बाटो निर्माण
५	साविक मभारे २ महतो टोल देखि पोखरीया ५ जोड्ने जम्मा ३ वटा आ. सि. सि कर्भट निर्माण
६	विराटनगर १४ हुँदै जहदा गाउँपालिका जोड्ने सडक
७	वनखोरिया देखि जयराम हुँदै वडा न. ४ शिशौवारी, जहदा ४ वडा कार्यालय जोड्ने सडक
८	धुनी, बैरिया,राजभर चोक हुँदै डुमरिया चोक सम्म सडक कालोपत्रे
९	उत्तर हातिवन्था टोल,काजी टोल देखि मिलनचोक बख्खी टोल जहदा-२ हुँदै सिररिया टोल
१०	दक्षिण हरिवन्था देखि उत्तर वडा नं ३ कार्यालय हुँदै जयरामपुर कटहरी सिमा सम्म कालोपत्रे
११	वनखोरिया जयरामपुर जोड्ने जुडी खोलाको पक्की पुल
१२	त्रिभुवन घरदेखि हरिनगरिया जहदा -२ नहर कालोपत्रे
१३	सुकदेव मण्डलको घरदेखि तेलिया चोक सम्म कालोपत्रे
१४	कविलास देखि साविक शिशवनी - ६ सार्वजनिक मा. वि सम्म कालोपत्रे
१५	सोहल सरस्वती आ. वि देखि पूर्व बगरङ्गवली मन्दिर हुँदै उत्तर प्रमवहादुर श्रेष्ठको घर सम्म
१६	वडा न. ७ मा नयाँपट्टी तारिगामा दिनभद्री मन्दिर पश्चिम नहर सम्म जोड्ने सडक निर्माण
१७	राजेन्द्र सिंहको घरदेखि उत्तर ४ न. को सडक जोड्ने
१८	उमेश कामतको घर उत्तर सन्थाल टोल हुँदै रामदेव महतोको घर सम्म
१९	जहदा ६ बजरंगवली देखि दक्षिण हुँदै मूल सडक सम्म कालोपत्रे
२०	जहदा ६ वडा कार्यालय देखि पश्चिम महेन्द्र करदार घर सम्म कालोपत्रे
२१	जहदा ६ महेन्द्र करदारको घरदेखि वालेश्वर मण्डलको घर सम्म
२२	जहदा ६ पवनलाल सरदारको घरदेखि पश्चिम सडकमा रहेको आर सि सि कर्भट निर्माण
२३	जहदा ५ उमेश कामतको घरदेखि उत्तर जोनाथानको घरहुँदै रामदेवको घर सम्म सडक कालोपत्रे



क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
२४	जहदा ५ विनोद शाहको घर देखि उत्तर सुपर मुरण्डीको घर सम्म सडक कालोपत्रे
२५	जहदा ५ रामजानकी आ. वि देखि दक्षिण जिरालाल टोल हुँदै वडा कार्यालय ६ जाने सडक कालोपत्रे
२६	जहदा ५ हनुमान मन्दिर देखि पूर्व महतोटोल जाने सडक कालोपत्रे र आर सि सि कल्भर्ट निर्माण
२७	जहदा ५ जगुवा उखरकट्टा लक्ष्मण मण्डलको घर देखि वडा कार्यालय ६ जोड्ने सडक कालोपत्रे
२८	सबै वडाहरुमा डिप बोरिङ
२९	जहदा ४ बौदाइ मण्डलको घरदेखि पश्चिम नहर जोड्ने सडक कालोपत्रे
३०	४ न. वडा कार्यालय देखि पश्चिम सहिद चोक तहत दोरम चोक कातेहास मण्डल सम्म सडक कालोपत्रे
३१	लोहोन्द्रा खोलामा लिफ्ट सिँचाई योजना(अध्ययन प्रतिवेदन)
३२	विद्युत नपुगेका ठाउँमा ग्रामिण विद्युतिकरण
३४	राधा कृष्ण मन्दिर देखि पूर्व अचानो घरसम्म ६ न. जोड्ने सडक कालोपत्रे
३५	जहदा ६ अरविन्द सिंहको घरदेखि लोहोन्द्रा खोला सम्मको कालोपत्रे र कल्भर्ट निर्माण
३६	१ वडा १ सामुदायिक भवन
३७	जहदा ५ उखरकट्टा उमेश हास्दाको घर पश्चिम वडा न.७ जोड्ने सडक कालोपत्रे
३८	फि वाइफाइ जोन प्रत्येक टोलमा जडान गर्ने ।
३९	जहदा ६ जनता मा. वि पश्चिम जहदा ५ जोड्ने सडक

#### ४. यात्रु प्रतिकालय तथा चौतारा

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	बुद्धनगर चोक, नदिचोक, दुर्गामन्दिर चोक, कुडेरिया चोक र कालावन्जर चोकमा प्रतिकालयको व्यवस्था
<b>वडा नं. १</b>	
१	आनन्दचोक, बज्रङ्गवली मन्दिर चोक र दिनाभद्री मन्दिर नजिक प्रतिकालय निर्माण

#### ५. उर्जा

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	वोरिङ्गहरू संचालन भएका स्थानहरूमा तार पोल सहितको विद्युतको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	सुधारिएको धुवाँरहित चुलोको व्यवस्था
२	बाँयो ग्याँसमा परिवर्तन गरिने प्रविधिको विकास
३	करिव ५०० वटा नयाँपोलको विस्तार (सिंचाईको लागि)
४	५ वटा नयाँ ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था (सिंचाईको लागि)
५	मुख्य वस्ती क्षेत्रमा सडक बत्तिको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	१० वटा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था
२	५०० वटा विद्युत पोलको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	ट्रान्सफर्मरको अभिवृद्धि गरि थप ५ वटा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था
२	२०० वटा विद्युत पोल सहित विद्युत लाईनको व्यवस्था
३	मुख्य चोक तथा बाटोहरूमा सडक लाईटको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	बत्ति नपुगेको स्थानहरूमा बत्ति लाईनको विस्तार
२	ट्रान्सफर्मरमा विद्युत लाईनको क्षमता वृद्धि र २ वटा नयाँ ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था
३	आवश्यक स्थानहरूमा सडक बत्तिको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	घरहरूमा विद्युत लाईन सप्लाईको लागि ३५ वटा विद्युत पोलको व्यवस्था
२	सिंचाई प्रयोजनको लागि ५५ वटा विद्युत पोल सहित विद्युत लाईनको व्यवस्था
३	सिंचाई प्रयोजनको लागि पानी तान्ने मोटरको व्यवस्था
४	सिंचाई तथा घर प्रयोजनको लागि ४ वटा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था
५	हाल सन्चालनमा रहेका ट्रान्सफर्मरको क्षमता वृद्धि
६	विद्युत चाजिङ्ग सेन्टरको व्यवस्था
७	सोलार बत्तिको मर्मत
<b>वडा नं. ७</b>	
१	हाल विद्युत नपुगेको स्थानहरूमा विद्युत लाईनको विस्तार

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
२	हाल वडामा रहेका ट्रान्सफर्मरको क्षमता वृद्धि
३	१५० वटा नयाँ विद्युत पोलको व्यवस्था

#### ६. शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापन

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	नरहर सिंगिहा खोलाको किनारमा आर्यघाट निर्माण
२	आर्यघाट व्यवस्थापनको लागि चित्ता, प्रतिक्षालय, दाउरा, खानेपानी शौचालय र बत्तिको व्यवस्था
३	आर्यघाट क्षेत्रलाई सुरक्षित राख्न घेरावारको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	कब्रस्थान (शवदाह स्थान) लाई घेरावारको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	आर्यघाटमा चित्ता निर्माण
२	शावदाह स्थलमा विजुली बत्ति, खानेपानी, शौचालय र प्रतिक्षालयको निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	आर्यघाटमा चित्ता निर्माण
२	घाटमा मलामी प्रतिक्षालयको निर्माण
३	घाटमा बत्ति, पानी र शौचालयको व्यवस्था
४	घाट सुरक्षाको लागि घेरावारको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	आर्यघाटमा जाने बाटो, घाटमा चित्ता, धारा, बत्ति, शौचालय, प्रतिक्षालय तथा घाट सुरक्षाको लागि घेरावारको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	शवदाहस्थलमा चित्ता, दाउरा, धारा/पानी, बत्ति, प्रतिक्षालय साथै शवदाहस्थल घेरावारको व्यवस्था
२	शवदाहस्थलको व्यक्तिगत तथा ऐलानी जग्गाको पहिचान

#### ७. सार्वजनिक शौचालय

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	वडाका मुख्य चोक तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा सार्वजनिक शौचालयको निर्माण
<b>वडा नं. ३</b>	
१	वडाका मुख्य टोलहरूमा सार्वजनिक शौचालयको निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	रामचोक, सोहल, दुर्गा मन्दिरको चौर, जहदा हाट लाग्ने स्थान, जहदा फिल्ड र सिसौवारीमा शौचालय निर्माण

(घ) वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

१. महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १ र २</b>	
१	सिभिल खोला जहदा वडा नं.१ र २ को मिलन केन्द्रबाट बोर्डरसम्म दुवै तर्फ तारजाली सहित तटवन्धनको व्यवस्था
२	जुडि खोला नं.२ वडा स्थल टोल देखि नं.१ को अन्तिमसम्म जुडि र लोहन्द्रा खोलाको मिलनसम्म तटवन्धन
३	विराटनगर महानगरपालिका वडा नं.१८ को सिमानादेखि जहदा गा.पा.वडा नं.१ सम्म तटवन्धन
४	कटान नियन्त्रणको लागि कटान क्षेत्रहरूमा वृक्षारोपण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	कटान क्षेत्रमा तटवन्धन र वृक्षारोपणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	डुवान क्षेत्रमा पानी निकासको व्यवस्था
२	लोहन्द्रा खोलाको राम चोक वरिपरि क्षेत्रमा बाढी नियन्त्रणको लागि तटवन्धनको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	कटान क्षेत्र नियन्त्रणको लागि तटवन्धनको व्यवस्था
२	साविक ६ देखि १ वडासम्म तेटलीया खोलामा पक्की ड्याम निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	लोहन्द्रा पुलदेखि पुर्व राजाशरणको मन्दिरसम्म आर.सि.सि.वाल/ग्याविन जाली निर्माण
२	भोलुङ्गे पुलदेखि भिमपुरसम्म लोहन्द्रा खोलामा आर.सि.सि.वाल/ग्याविन जाली तटवन्धनको व्यवस्था
३	हनुमान मन्दिरदेखि पश्चिम देवि दाहालको खेतदेखि लोहन्द्रा खोलाको दक्षिण पुर्वतर्फ आर.सि.सि.वाल/ग्याविन जाली तटवन्धनको व्यवस्था
४	विपद्को समयमा वस्न वडा स्तरीय सामुदायिक भवनको निर्माण
५	लोहन्द्रा खोलाको किनारमा तटवन्धन गरेको स्थानहरूमा वृक्षारोपण
६	नहरको किनार र सडकको किनारमा वृक्षारोपण
७	वडाका ऐलानी जग्गामा वृक्षारोपण

(ङ) संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

१. सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

क्र.सं.	कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. २</b>	
१	भौतिक पूर्वाधार निर्माण
२	दक्ष जनशक्ति, तालिम, प्रोत्साहन आदिको व्यवस्था
३	E-governance को व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	जहदा वडा नं.७ को वडा कार्यालय भवन निर्माण
२	कर्मचारीहरूलाई कम्प्युटर सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
३	एन.सि.एल.टावरलाई ४ मा स्तरोन्नति